केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan

सामजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

कक्षा/Class: X

2024-25

विद्यार्थी सहायक सामग्री

Student Support Material

हिंदी माध्यम/Hindi Medium

संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सर्वोच्च वरीयता है। हमारे विद्यार्थी, शिक्षक एवं शैक्षिक नेतृत्व कर्ता निरंतर उन्नति हेतु प्रयासरत रहते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में योग्यता आधारित अधिगम एवं मूल्यांकन संबन्धित उद्देश्यों को प्राप्त करना तथा सीबीएसई के दिशा निर्देशों का पालन, वर्तमान में इस प्रयास को और भी चुनौतीपूर्ण बनाता है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों **आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** द्वारा संकलित यह 'विद्यार्थी सहायक सामग्री' इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामग्री कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थियों के लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है । केन्द्रीय विद्यालय संगठन की 'विद्यार्थी सहायक सामग्री' अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामग्री-संकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और अन्य शिक्षण संस्थान भी इसका उपयोग परीक्षा संबंधी पठन सामग्री की तरह करते रहे हैं । शुभ-आशा एवं विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर सतत मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुंचाएगी ।

शुभाकांक्षा सहित ।

निधि पांडे
आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय का नाम	Page No.
1.	सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम	2
इतिहास (भारत और समकालीन विश्व-**II**)		
2.	अध्याय- 1. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	3-10
3.	अध्याय- 2. भारत में राष्ट्रवाद	11-19
4.	अध्याय- 3. वैश्विक विश्व का निर्माण (उपविषय: 1 से 1.3 पूर्व-आधुनिक विश्व से विजय, रोग और व्यापार तक)	20-23
5.	अध्याय- 5. प्रिंट संस्कृति और आधुनिक विश्व	24-29
भूगोल (समकालीन भारत-**II**)		
6.	अध्याय- 1. संसाधन और विकास	30-38
7.	अध्याय- - 2. वन एवं वन्य जीव	39-44
8.	अध्याय - 3. जल संसाधन	45-51
9.	अध्याय- - 4. कृषि	52-56
10.	अध्याय- - 5. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	57-62
11.	अध्याय- - 6. विनिर्माण उद्योग	63-66
12	अध्याय- - 7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा	67
राजनीति विज्ञान (लोकतांत्रिक राजनीति-II)		
13.	अध्याय- - 1. सत्ता की साझेदारी	68-74
14.	अध्याय - 2. संघवाद	75-80
15.	अध्याय- 3. लिंग, धर्म और जाति	81-86
16.	अध्याय- 4. राजनीतिक दल	87-92
17.	अध्याय- - 5. लोकतंत्र के परिणाम	93-97
अर्थशास्त्र (आर्थिक विकास को समझना)		
18.	अध्याय- - 1. विकास	98-102
19.	अध्याय- - 2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र	103-109
20.	अध्याय- - 3. धन और ऋण	110-121
21.	अध्याय- - 4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	122-124
22.	पिछले वर्ष का प्रश्न पत्र 2023-2024 और प्रतिदर्श प्रश्न पत्र	125-169

सामाजिक विज्ञान की यह अध्ययन सामग्री केवल कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा के लिए बनाई गई है।

सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम
2024-25 (कोड संख्या 087)
कक्षा – X

इतिहास (भारत और समकालीन विश्व-II)		
अध्याय क्रमांक	अध्याय का नाम	आवंटित अंक
1.	यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	18 + 2 मानचित्र संकेत
2.	भारत में राष्ट्रवाद	
3.	वैश्विक विश्व का निर्माण (उपविषय: 1 से 1.3 पूर्व-आधुनिक विश्व से विजय, रोग और व्यापार तक)	
4.	औद्योगीकरण का युग (केवल आवधिक मूल्यांकन के भाग के रूप में मूल्यांकन किया जाना है)	
5.	प्रिंट संस्कृति और आधुनिक विश्व	
भूगोल (समकालीन भारत-II)		
1.	संसाधन और विकास	17 + 3 मानचित्र संकेत
2.	वन एवं वन्य जीव	
3.	जल संसाधन	
4.	कृषि	
5.	खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	
6.	विनिर्माण उद्योग	
7.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा (बोर्ड परीक्षा में केवल मानचित्र का ही मूल्यांकन किया जाएगा)	
राजनीति विज्ञान (लोकतांत्रिक राजनीति-II)		
1.	सत्ता की साझेदारी	20
2.	संघवाद	
3.	लिंग, धर्म और जाति	
4.	राजनीतिक दल	
5.	लोकतंत्र के परिणाम	
अर्थशास्त्र (आर्थिक विकास को समझना)		
1.	विकास	20
2.	भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र	
3.	धन और ऋण	
4.	वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था बोर्ड परीक्षा में मूल्यांकन किया जाना है • वैश्वीकरण क्या है? • वैश्वीकरण को सक्षम करने वाले कारक	

अध्याय -1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

महत्वपूर्ण शब्द

1. **गणतंत्र:** यह एक ऐसा राज्य है जहाँ सर्वोच्च शक्ति लोगों के पास होती है और राज्य का मुखिया निर्वाचित या मनोनीत होता है। उदाहरण: - भारतीय राष्ट्रपति अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होता है और हमारा राष्ट्र गणतंत्र के रूप में जाना जाता है।
2. **लोकतांत्रिक गणराज्य:** यह एक गणतंत्र और लोकतंत्र से अपनाए गए सिद्धांतों पर चलने वाली सरकार का एक रूप है।
3. **समाजवाद:** यह एक आर्थिक सिद्धांत, प्रणाली या आंदोलन है, जहाँ वस्तुओं का उत्पादन और वितरण समाज के नागरिकों द्वारा किया जाता है, स्वामित्व और साझा किया जाता है।
4. **पूर्ण राजशाही:** यह राजशाही का एक रूप है जिसमें सभी सरकारी शक्ति और जिम्मेदारियाँ एक सम्राट से उत्पन्न होती हैं। फ्रांस का लुई XIV पूर्ण राजशाही का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है।
5. **अभिजात वर्ग:** लोगों का एक वर्ग या समूह जिसे श्रेष्ठ माना जाता है (जैसे कि पद, धन या बुद्धि) ।
6. **कल्पनादर्श (यूटोपिया):** यूटोपियन - एक ऐसे समाज की कल्पना जो इतना आदर्श है कि वास्तव में उसका अस्तित्व में होना असंभव है
7. **राष्ट्र-राज्य**: एक संप्रभु राज्य, तुलनात्मक रूप से सजातीय लोगों के समूह द्वारा बसाया जाता है, जो समान राष्ट्रीयता की भावना साझा करते हैं।
8. **राष्ट्रवाद:** किसी राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण।
9. **सार्वभौमिक मताधिकार:** सभी वयस्क नागरिकों को चुनाव में वोट देने का अधिकार।
10. **रूढ़िवाद:** परिवर्तन या नवाचार के विरोध के साथ पारंपरिक मूल्यों और विचारों के प्रति प्रतिबद्धता।
11. **ओटोमन साम्राज्य:** खलीफा द्वारा शासित तुर्की साम्राज्य - मुसलमानों का आध्यात्मिक और लौकिक प्रमुख।
12. **विचारधारा:** विचारों की प्रणाली जो एक विशेष सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि को दर्शाती है।
13. **जातीय:** यह एक सामान्य नस्लीय, जनजातीय या सांस्कृतिक मूल या पृष्ठभूमि से संबंधित है। जिसे एक समुदाय पहचानता है या दावा करता है।
14. **रूपक:** जब किसी व्यक्ति या चीज़ के माध्यम से एक अमूर्त विचार व्यक्त किया जाता है। एक रूपक कहानी के दो अर्थ होते हैं, एक शाब्दिक और एक प्रतीकात्मक।
15. **रुमानीवाद:** एक सांस्कृतिक आंदोलन, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय भावना के एक विशेष रूप को विकसित करना था और एक राष्ट्र के आधार के रूप में सामूहिक विरासत की भावना को बढ़ावा देना था।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

1707 एक्ट ऑफ यूनियन - इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच जिसके परिणामस्वरूप यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन का गठन हुआ।

1789 फ्रांसीसी क्रांति हुई।

1797 नेपोलियन ने इटली पर आक्रमण किया: नेपोलियन युद्ध शुरू हुआ।

1801 आयरलैंड को जबरन यूनाइटेड किंगडम में शामिल किया गया।

1804 नेपोलियन कोड या नागरिक संहिता पेश की गई, जिसमें जन्म के आधार पर विशेषाधिकार समाप्त कर दिए गए। कानून के समक्ष समानता को बरकरार रखा गया और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित किया गया।

1814-1815 यूरोपीय शक्तियों-ब्रिटेन, प्रशिया, रूस और ऑस्ट्रिया द्वारा नेपोलियन की हार।

1815 यूरोपीय शक्तियों ने यूरोप के लिए एक समझौता तैयार करने के लिए वियना में मुलाकात की। वियना की संधि

1821- स्वतंत्रता के लिए यूनान का संघर्ष शुरू हुआ।

1859-1870- इटली का एकीकरण।

1866-1871- जर्मनी का एकीकरण।

पाठ का सार

उन्नीसवीं सदी के दौरान, यूरोप में राष्ट्रवाद की भावना का उदय हुआ। यह अध्याय फ्रांसीसी क्रांति से शुरू होता है, जिसने पूरे यूरोप में स्वतंत्रता, समानता, और बंधुत्व के विचारों को फैलाया। नेपोलियन बोनापार्ट ने इन विचारों को आगे बढ़ाया, लेकिन उनकी विजय और सत्ता की चाहत ने यूरोप में नए साम्राज्यवाद और प्रतिक्रियावादी शक्तियों को जन्म दिया।

फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन की विजय के बाद, यूरोप में कई राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तन हुए। 1815 में वियना कांग्रेस (सम्मेलन) ने पुराने साम्राज्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया, लेकिन इससे लोगों में असंतोष और राष्ट्रवाद की भावना और बढ़ी।

राष्ट्र (राज्य):-

मुख्य रूप से समान वंश, भाषा, इतिहास वाले लोगों की एक बड़ी संख्या, जो परिभाषित सीमाओं से घिरे क्षेत्र में निवास करते हैं और एक सरकार के अधीन एक समाज का निर्माण करते हैं, उसे राष्ट्र कहा जाता है।

फ्रेडरिक सोरियू और उनका दृश्य:-

1848 में, एक फ्रांसीसी कलाकार फ्रेडरिक सोरियू ने चार प्रिंटों की एक श्रृंखला तैयार की, जिसमें उन्होंने "लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों" से बनी दुनिया के अपने सपने की कल्पना की, जैसा कि उन्होंने उन्हें कहा था।

इटली का एकीकरण:-

ज्यूसेप माज़िनी ने इटली के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अपने लक्ष्यों को फैलाने के लिए मार्सिले में **'यंग इटली'** नामक एक गुप्त समाज का गठन किया। उनका मानना था कि इटली छोटे-छोटे राज्यों का समूह बनकर नहीं रह सकता और इसे एक एकीकृत गणराज्य में तब्दील किया जाना चाहिए। 1830 के दशक के दौरान, माज़िनी ने एक एकीकृत इतालवी गणराज्य के लिए एक सुसंगत कार्यक्रम बनाने की कोशिश की। 1831 और 1848 में विद्रोह विफल होने के बाद, इटली को एकीकृत करने की जिम्मेदारी अब सार्डिनिया-पीडमोंट के शासक **इमैनुएल द्वितीय** पर आ गई। मुख्यमंत्री **कैवूर** के नेतृत्व में, सार्डिनिया-पीडमोंट ने 1859 में ऑस्ट्रियाई सेना को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की। यहां तक कि **गैरीबाल्डी** भी इस लड़ाई में शामिल हो गए। 1860 में, उन्होंने दक्षिणी इटली और दो सिसिली के राज्य में मार्च किया और स्थानीय किसानों की मदद से स्पेनिश शासकों को खदेड़

दिया। 1861 में विक्टर इमैनुएल द्वितीय को संयुक्त इटली का राजा घोषित किया गया।

जर्मनी का एकीकरण:-

18वीं शताब्दी में जर्मनी कई राज्यों में विभाजित था। इनमें से कुछ राज्य नेपोलियन युद्धों के दौरान अस्तित्व में नहीं रहे। युद्ध के अंत में, जर्मनी में अभी भी **39 स्वतंत्र राज्य** थे। प्रशिया सबसे शक्तिशाली था, जिस पर **जंकर्स** के नाम से जाने जाने वाले बड़े जमींदारों का प्रभुत्व था।

1. मध्यम वर्ग के जर्मनों में राष्ट्रवादी भावनाएँ व्यापक थीं, जिन्होंने जर्मन संघ के विभिन्न क्षेत्रों को एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र-राज्य में एकजुट करने का प्रयास किया था।

2. मई 1848 में, बड़ी संख्या में राजनीतिक संघ एक अखिल जर्मन राष्ट्रीय सभा के लिए मतदान करने के लिए एक साथ आए। उनके प्रतिनिधि फ्रैंकफर्ट में मिले और **फ्रैंकफर्ट विधानसभा** ने प्रशिया के राजा के अधीन एक संवैधानिक राजतंत्र के रूप में जर्मनी के एकीकरण का प्रस्ताव रखा।

3. प्रशिया के राजा ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और राष्ट्र निर्माण की उदार पहल को राजशाही, सेना और "जंकर्स" की संयुक्त ताकतों द्वारा दबा दिया गया।

4. इसके बाद, प्रशिया ने अपने **मुख्यमंत्री ओटो वॉन बिस्मार्क** के नेतृत्व में जर्मनी के एकीकरण के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। बिस्मार्क ने **रक्त और लौह की नीति** अपनाई और प्रशिया की सेना और नौकरशाही की मदद से इस प्रक्रिया को अंजाम दिया। उन्होंने डेनमार्क, ऑस्ट्रिया और फ्रांस के साथ सात वर्षों में तीन युद्ध लड़े। इन सभी युद्धों में प्रशिया विजयी रहा और फ्रांस पर प्रशिया की जीत के परिणामस्वरूप एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।

5. परिणामस्वरूप, 18 जनवरी 1871 को जर्मन राज्यों के राजकुमारों, सेना के प्रतिनिधियों, महत्वपूर्ण प्रशिया मंत्रियों और बिस्मार्क की एक सभा वर्सेल्स के महल में एकत्र हुई और **प्रशिया के राजा कैसर विलियम** को नया जर्मन सम्राट घोषित किया।

राष्ट्र की कल्पना:-

मारिआना और जर्मेनिया दोनों ही महिला रूपक थे जिनका उपयोग 19वीं शताब्दी में कलाकारों द्वारा राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया गया था।

1. फ्रांस में उनका नाम मारिआना रखा गया, जो एक लोकप्रिय ईसाई नाम था, जो लोगों के राष्ट्र के विचार को रेखांकित करता था। मारिआना की मूर्तियाँ एकता के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में सार्वजनिक चौकों पर स्थापित की गईं। मारिआना की छवियों को सिक्कों और टिकटों पर अंकित किया गया।

2. केवल पितृ भूमि के विचार के बजाय, वे लोगों के मन में एक उपयुक्त छवि स्थापित करना चाहते थे। उन्होंने हमेशा राष्ट्रों के प्रतीक के रूप में मातृ आकृति को चुना – ब्रिटानिया (ब्रिटानिया -ब्रिटिश राष्ट्र का प्रतीक), जर्मेनिया और मारिआना हमें मातृभूमि की हमारी अवधारणा की याद दिलाते हैं।

3. जर्मेनिया जर्मन राष्ट्र का रूपक बन गया। जर्मेनिया ओक के पत्तों का मुकुट पहनता है क्योंकि जर्मन ओक वीरता का प्रतीक है। इसे उदारवादी क्रांति के प्रतीक के रूप में सेंट पॉल चर्च की छत पर लटकाया गया था, जहां फ्रैंकफर्ट संसद का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद:-

19वीं सदी के अंतिम चौथाई में राष्ट्रवाद सीमित उद्देश्यों वाला एक संकीर्ण पंथ बन गया, असहिष्णुता बाल्कन बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता की भावना बन गई, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद के साथ जुड़कर प्रथम विश्व युद्ध का कारण बना। राष्ट्रवाद का विचार अब हर जगह एक जैसा था। लेकिन राष्ट्रीय राज्य की अवधारणा को सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया।

बहु विकल्पीय प्रश्न:

1. एक 'यूटोपियन समाज' है

(i) एक उदार राजतंत्र के अधीन एक समाज

(ii) एक ऐसा समाज जिसके कभी अस्तित्व में आने की संभावना नहीं है

(iii) एक ऐसा समाज जो कुछ चुने हुए बुद्धिमान लोगों के नियंत्रण में है

(iv) संसदीय लोकतंत्र के तहत एक समाज

(a) (i) और (ii) (b) (ii) और (iii)

(c) (ii) केवल (d) (iii) केवल

उत्तर- (C)

2. निम्नलिखित में से किस देश ने वियना की कांग्रेस में भाग नहीं लिया?

(a) ब्रिटेन (b) रूस

(c) प्रशिया (d) स्विट्जरलैंड

उत्तर- (d) स्विट्जरलैंड

3. कलाकार फ्रेडरिक सोरियू की राष्ट्रीयता जिन्होंने अपनी पेंटिंग में लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्य से बने समाज की कल्पना की थी।

(a) जर्मन (b) स्विस

(c) फ्रेंच (d) अमेरिकी

उत्तर-(c) फ्रेंच

4. प्रसिद्ध टिप्पणी किसने की, 'जब फ्रांस छींकता है, तो शेष यूरोप को सर्दी लग जाती है'?

(a) मेटरनिख (b) माज़िनी

(c) गैरीबाल्डी (d) लुई फिलिप

उत्तर-(a) मेटरनिख

5. कुस्तुन्तुनिया की संधि पर _____ में हस्ताक्षर किए गए थे।

(a) 1835 (b) 1735

(c) 1834 (d) 1832

उत्तर-(d) 1832

6. ग्यूसेप मेंज़िनी ने _____ में 'यंग यूरोप' नामक गुप्त भूमिगत समाज की स्थापना की।

(a) मार्सिले (b) बर्न

(c) वियना (d) ब्रुसेल्स

उत्तर-(b) बर्न

7. बॉर्बन राजवंश, जिसे फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हटा दिया गया था, _____ की संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद सत्ता में वापस आ गया।

(a) वियना (b) कॉन्स्टेंटिनोपल

(c) मार्सिले (d) प्रशिया

उत्तर-(a) वियना

8. उदारवाद के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

(a) राज्य द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उन्मूलन

(b) माल और पूंजी की आवाजाही पर बाजारों की स्वतंत्रता

(c) विकल्प (a) और (b)

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-विकल्प (c) विकल्प (a) और (b)

9. पहली महान क्रांति जिसने अपने मूल शब्दों: 'स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व' के साथ राष्ट्रवाद का स्पष्ट विचार दिया, वह थी:

(a) रूसी क्रांति (b) फ्रांसीसी क्रांति

(c) अमेरिकी क्रांति (d) भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम

उत्तर-(b) फ्रांसीसी क्रांति

10. कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

अभिकथन (A): 1805 के नागरिक संहिता को नेपोलियन संहिता के रूप में भी जाना जाता है।

कारण (R): नेपोलियन संहिता ने जन्म के आधार पर सभी विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया, कानून के समक्ष समानता स्थापित की और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित किया।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A गलत है लेकिन R सत्य है

उत्तर- (d) A गलत है लेकिन R सत्य है

11. पेंटिंग "विश्वव्यापी लोकतांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों का सपना" किसके द्वारा तैयार की गई थी?

Fig. 1 — The Dream of Worldwide Democratic and Social Republics – The Pact Between Nations, a print prepared by Frédéric Sorrieu, 1848.

(a) ग्यूसेप माज़िनी (b) फ्रेडरिक सोरियू

(c) हेनरी पैटुलो (d) ड्यूक मेटरनिख

उत्तर-(b) फ्रेडरिक सोरियू

अति लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. उन्नीसवीं सदी के दौरान यूरोप में उभरते मध्यम वर्ग की प्रबल मांग क्या थी?

उत्तर: यूरोप में उभरते मध्यम वर्ग की प्रबल मांग बाज़ारों की स्वतंत्रता और माल और पूंजी की आवाजाही पर राज्य द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उन्मूलन थी।

2. ज़ोलवेरिन क्या था?

उत्तर: 1834 में, प्रशिया की पहल पर एक सीमा शुल्क संघ या ज़ोलवेरिन का गठन किया गया था और अधिकांश जर्मन राज्य इसमें शामिल हो गए थे।

3. वियना की संधि का उद्देश्य क्या था?

उत्तर: इसका उद्देश्य नेपोलियन युद्ध के दौरान यूरोप में आए अधिकांश परिवर्तनों को उलटना था। फ्रांसीसी क्रांति के दौरान अपदस्थ किए गए बॉर्बन राजवंश को सत्ता में बहाल किया गया था।

4. 1845 में सिलेसिया में बुनकरों ने विद्रोह क्यों किया?

उत्तर: सिलेसिया में बुनकरों ने उन ठेकेदारों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था जो उन्हें कच्चा माल देते थे और उन्हें तैयार वस्त्रों के लिए ऑर्डर देते थे लेकिन बुनकरों के भुगतान में भारी कमी करते थे।

5. रूपक क्या है? इसे स्पष्ट करने के लिए कोई एक उदाहरण बताएँ।

उत्तर: रूपक: जब एक अमूर्त विचार जैसे कि लालच, ईर्ष्या, स्वतंत्रता, स्वतंत्रता किसी व्यक्ति या वस्तु के माध्यम से व्यक्त की जाती है। यह प्रतीकात्मक है।

उदाहरण: स्टैच्यू ऑफ़ लिबर्टी, मारियाना, जर्मेनिया, आदि।

लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. "राष्ट्रवादी संघर्षों में महिलाओं की भूमिका" पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर: महिलाओं को राजनीतिक अधिकार देने का मुद्दा उदारवादी आंदोलन के भीतर एक विवादास्पद मुद्दा था, जिसमें कई वर्षों से बड़ी संख्या में महिलाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया था। महिलाओं ने अपने स्वयं के राजनीतिक संघ बनाए, समाचार पत्र स्थापित किए और राजनीतिक बैठकों और प्रदर्शनों में भाग लिया। इसके बावजूद, उन्हें विधानसभा के चुनाव के दौरान मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया। जब फ्रैंकफर्ट संसद सेंट पॉल के चर्च में बुलाई गई, तो महिलाओं को केवल दर्शकों की गैलरी में खड़े होने के लिए पर्यवेक्षक के रूप में प्रवेश दिया गया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. प्रथम विश्व युद्ध से पहले बाल्कन क्षेत्र में राष्ट्रवादी तनाव के बढ़ने के कारणों पर प्रकाश डालें।

उत्तर: प्रथम विश्व युद्ध से पहले बाल्कन क्षेत्र में राष्ट्रवादी तनाव के बढ़ने के कारणों पर नीचे प्रकाश डाला गया है:

● बाल्कन भौगोलिक और जातीय विविधता वाला क्षेत्र था जिसमें आधुनिक रोमानिया, अल्बानिया, बुल्गारिया, ग्रीस, सर्बिया, क्रोएशिया आदि शामिल थे।

● बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ओटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था।

● बाल्कन में रोमांटिक राष्ट्रवाद के विचारों के प्रसार और ओटोमन साम्राज्य के विघटन के कारण यह एक

विस्फोटक क्षेत्र था।

● साम्राज्य आधुनिकीकरण और आंतरिक सुधारों के माध्यम से खुद को मजबूत करने में भी सक्षम नहीं था।

● बाल्कन के लोगों ने अपनी राष्ट्रीयता और इतिहास का उपयोग करके स्वतंत्रता और राजनीतिक अधिकारों का दावा किया ताकि यह साबित किया जा सके कि वे एक स्वतंत्र राष्ट्र थे लेकिन एक विदेशी शक्ति के अधीन थे।

● लोगों ने अपनी पहचान को परिभाषित करने के लिए संघर्ष किया और उनका बाल्कन क्षेत्र तीव्र संघर्ष का क्षेत्र बन गया।

● उसी समय रूस, इंग्लैंड, जर्मनी और ऑस्ट्रो हंगरी जैसी महान यूरोपीय शक्तियाँ इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने के लिए उत्सुक थीं क्योंकि यह व्यापार के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था।

● इससे युद्धों की एक श्रृंखला शुरू हुई और अंततः प्रथम विश्व युद्ध(1914) का कारण बना।

2. नेपोलियन ने अपने द्वारा शासित क्षेत्रों में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक कुशल बनाने के लिए क्या परिवर्तन किए? या नेपोलियन संहिता या नागरिक संहिता (1804) के बारे में लिखिए।

उत्तर: नेपोलियन ने अपने द्वारा शासित क्षेत्रों में प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक कुशल बनाने के लिए निम्नलिखित परिवर्तन किए:

1. 1804 का नागरिक संहिता या नेपोलियन संहिता जारी की गई। इसने जन्म के आधार पर सभी विशेषाधिकारों को समाप्त कर दिया। इसने कानून के समक्ष समानता स्थापित की और संपत्ति के अधिकार को सुरक्षित किया।
2. नेपोलियन ने डच गणराज्य, स्विट्जरलैंड, इटली और जर्मनी में प्रशासनिक विभाजन को सरल बनाया।
3. सामंती व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया और किसानों को दासता और जागीर शुल्क से मुक्त कर दिया गया।
4. शहरों में गिल्ड प्रतिबंध हटा दिए गए।
5. परिवहन और संचार प्रणालियों में सुधार किए गए।
6. किसानों, कारीगरों, श्रमिकों और नए व्यापारियों ने नई स्वतंत्रता का आनंद लिया।
7. व्यापारियों और विशेष रूप से वस्तुओं के छोटे पैमाने के उत्पादकों को यह एहसास होने लगा कि समान कानून, मानकीकृत वजन और माप और एक सामान्य राष्ट्रीय मुद्रा एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में वस्तुओं और पूंजी की आवाजाही और विनिमय को सुविधाजनक बनाएगी।

3. फ्रांसीसी क्रांतिकारियों द्वारा फ्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान की भावना पैदा करने के लिए शुरू किए गए किन्हीं पाँच उपायों का वर्णन करें।

उत्तर: फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने विभिन्न उपाय शुरू किए जैसे:

1. एस्टेट जनरल को सक्रिय नागरिकों के निकाय द्वारा चुना गया और इसका नाम बदलकर नेशनल असेंबली कर दिया गया।
2. राष्ट्र के नाम पर नए भजन रचे गए, शपथ ली गई और शहीदों को याद किया गया।
3. एक केंद्रीकृत प्रशासनिक प्रणाली लागू की गई और इसने अपने क्षेत्र के सभी नागरिकों के लिए समान कानून

बनाए।

4. आंतरिक सीमा शुल्क, शुल्क और बकाया समाप्त कर दिए गए और वजन और माप की एक समान प्रणाली अपनाई गई।

5. क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित किया गया और फ्रेंच, जैसा कि पेरिस में बोली और लिखी जाती थी, राष्ट्र की आम भाषा बन गई।

6. उन्होंने आगे घोषणा की कि यूरोप के लोगों को निरंकुशता से मुक्त करना और उन्हें राष्ट्र बनने में मदद करना फ्रांसीसी राष्ट्र का मिशन और नियति है।

4. ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर: ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम:

a. यूरोप भर में शिक्षित अभिजात वर्ग के बीच राष्ट्रवादी भावनाओं को संगठित करने वाली एक घटना ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम थी।

b. ग्रीस 15वीं शताब्दी से ही ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था।

c. ग्रीस में राष्ट्रवादियों को निर्वासन में रहने वाले अन्य यूनानियों और कई पश्चिमी यूरोपीय लोगों से भी समर्थन मिला, जिनकी प्राचीन ग्रीक संस्कृति के प्रति सहानुभूति थी।

d. कवियों और कलाकारों ने ग्रीस को यूरोपीय सभ्यता के उद्गम स्थल के रूप में सराहा।

e. अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ने धन का प्रबंध किया और बाद में युद्ध में लड़ने गए।

f अंत में, 1832 की कॉन्स्टेंटिनोपल की संधि ने ग्रीस को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी।

स्रोत आधारित प्रश्न:

1. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और उत्तर दें:

   1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत बाल्कन नामक क्षेत्र था। बाल्कन भौगोलिक और जातीय विविधता का एक क्षेत्र था जिसमें आधुनिक रोमानिया, बुल्गारिया, अल्बानिया, ग्रीस, मैसेडोनिया, क्रोएशिया, बोस्निया-हर्जेगोविना, स्लोवेनिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो शामिल थे, जिनके निवासियों को मोटे तौर पर स्लाव के रूप में जाना जाता था। बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ओटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। ओटोमन साम्राज्य के विघटन के साथ बाल्कन में रोमांटिक राष्ट्रवाद के विचारों के प्रसार ने इस क्षेत्र को बहुत विस्फोटक बना दिया। उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान ओटोमन साम्राज्य ने आधुनिकीकरण और आंतरिक सुधारों के माध्यम से खुद को मजबूत करने की कोशिश की थी बाल्कन के लोगों ने स्वतंत्रता या राजनीतिक अधिकारों के लिए अपने दावों को राष्ट्रीयता पर आधारित किया और यह साबित करने के लिए इतिहास का इस्तेमाल किया कि वे एक बार स्वतंत्र थे, लेकिन बाद में विदेशी शक्तियों द्वारा अधीन कर दिए गए थे। इसलिए बाल्कन में विद्रोही राष्ट्रीयताओं ने अपने संघर्षों को अपनी खोई हुई स्वतंत्रता को वापस जीतने के प्रयासों के रूप में सोचा।

1.1 स्लाव कौन थे? **1**

उत्तर: बाल्कन के निवासी

1.2 ओटोमन साम्राज्य ने अपनी शक्ति को कैसे मजबूत करने की कोशिश की थी? **1**

उत्तर: आधुनिकीकरण और आंतरिक सुधारों के माध्यम से

1.3 बाल्कन के क्षेत्र को विस्फोटक क्यों कहा जाता है **2**

उत्तर: ओटोमन साम्राज्य का विघटन और रोमांटिक राष्ट्रवाद के विचारों का प्रसार

अध्याय -2

भारत में राष्ट्रवाद

महत्वपूर्ण शब्द

सत्याग्रह: इसका अर्थ है सत्य या सत्य बल पर अड़े रहना। यह भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में गांधीजी द्वारा शुरू किया गया एक अहिंसक संघर्ष था। यह विरोधियों को सत्य को समझने के लिए प्रेरित करता है।

चंपारण आंदोलन: यह बिहार के चंपारण जिले के नील बागानों में काम करने वाले श्रमिकों का आंदोलन था। यह दमनकारी बागान प्रणाली के खिलाफ था।

खेड़ा आंदोलन: फसल की विफलता और प्लेग महामारी ने गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों का जीवन दयनीय बना दिया। इसलिए, उन्होंने भूमि राजस्व में कमी की मांग के साथ गांधीजी के नेतृत्व में एक आंदोलन शुरू किया।

मिल मजदूर आंदोलन: कम मजदूरी और खराब कामकाजी परिस्थितियों ने अहमदाबाद के मिल मजदूरों को 1918 में गांधीजी के नेतृत्व में एक आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर किया।

रॉलेट एक्ट: इस अधिनियम ने सरकार को दो साल की अवधि के लिए बिना किसी मुकदमे के किसी भी व्यक्ति को कैद करने की शक्ति दी।

खिलाफत आंदोलन: यह प्रथम विश्व युद्ध के बाद ब्रिटेन द्वारा तुर्की के साथ किए गए अन्याय के विरोध में मुहम्मद अली और शौकत अली [अली भाइयों] द्वारा आयोजित एक आंदोलन था। तुर्की सुल्तान को खलीफा की उपाधि प्राप्त थी। मुसलमान उसे अपना आध्यात्मिक नेता मानते थे। इसलिए, कई मुसलमान इस आंदोलन में शामिल हो गए।

स्वराज: यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें वास्तविक राजनीतिक शक्तियाँ जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथों में होती हैं। साथ ही, भारत ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा बना रहेगा। यह डोमिनियन स्टेटस के समान है।

पूर्ण स्वराज: इसका अर्थ है पूर्ण स्वतंत्रता। भारत अंग्रेजों के साथ सभी संबंध समाप्त कर देगा और एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बन जाएगा।

हिंद स्वराज: यह गांधीजी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। गांधीजी ने इस पुस्तक में असहयोग का विचार सामने रखा।

नागपुर कांग्रेस: 1920 में नागपुर में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। इस अधिवेशन में कांग्रेस ने असहयोग कार्यक्रम को अपनाया।

जस्टिस पार्टी: यह मद्रास के गैर-ब्राह्मणों की पार्टी थी। इसने असहयोग आंदोलन के दौरान परिषद चुनावों का बहिष्कार न करने का निर्णय लिया।

नाई-धोबी बंद: अवध के ग्रामीणों ने जमींदारों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। इसलिए, उन्होंने नाई-धोबी बंद शुरू किया। जमींदारों को नाई और धोबी की सेवाएँ देने से मना कर दिया गया।

स्वतंत्र भारत: यह असहयोग आंदोलन के दौरान आदिवासियों द्वारा उठाया गया नारा था। **गांधी-इरविन समझौता:** यह गांधीजी और लॉर्ड इरविन के बीच 5 मार्च 1931 को हस्ताक्षरित हुआ था। गांधीजी सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने के लिए सहमत हुए। वे दूसरे गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी सहमत हुए। इरविन ने राजनीतिक कैदियों को रिहा करने का वादा किया।

पृथक निर्वाचक मंडल: यह एक ऐसी प्रणाली है जिसमें किसी विशेष सामाजिक समूह के सदस्य विधायिका के लिए अपना अलग प्रतिनिधि चुनेंगे। क्षेत्र के अन्य लोग एक अन्य प्रतिनिधि का चुनाव करेंगे।

पूना समझौता: यह गांधीजी और अंबेडकर के बीच सितंबर 1932 में हस्ताक्षरित हुआ था। गांधीजी ने अपना अनशन समाप्त करवाया। उन्होंने विधायिकाओं में दलितों के लिए सीटों के आरक्षण की मांग को स्वीकार कर लिया। अंबेडकर पृथक निर्वाचक मंडल की मांग को छोड़ने के लिए सहमत हुए।

हिंदू महासभा: यह एक हिंदू सांप्रदायिक संगठन था। इसने हिंदुओं के लिए विशेष अधिकारों की मांग की।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

- **1885 :** बंबई में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली बैठक।
- **1917 :** महात्मा गांधी ने खेड़ा जिले (गुजरात) में सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया।
- **1918 :** महात्मा गांधी ने अहमदाबाद में सत्याग्रह आंदोलन का आयोजन किया।
- **1919 :** रॉलेट एक्ट पारित किया गया (इसने सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को दबाने के लिए अपार शक्ति प्रदान की, और राजनीतिक कैदियों को दो साल तक बिना मुकदमा चलाए हिरासत में रखने की अनुमति दी)।
- **10 अप्रैल, 1919 :** अमृतसर में पुलिस ने एक शांतिपूर्ण जुलूस पर गोलीबारी की। मार्शल लॉ लागू किया गया।
- **मार्च, 1919 :** बंबई में खिलाफत समिति की स्थापना की गई।
- **13 अप्रैल, 1919 :** जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ।
- **सितम्बर, 1920:** कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन- खिलाफत के साथ-साथ स्वराज के समर्थन में असहयोग आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया।
- **दिसम्बर, 1920:** नागपुर में कांग्रेस अधिवेशन- समझौता हुआ और असहयोग कार्यक्रम को अपनाया गया।
- **फरवरी, 1922:** महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस लेने का निर्णय लिया।

जनवरी 1923: मोतीलाल नेहरू और सी.आर.दास द्वारा स्वराज पार्टी की स्थापना

- **1928:** साइमन कमीशन भारत आया।
- **दिसम्बर, 1929:** कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन- पूर्ण स्वराज की मांग।
- **26 जनवरी, 1930:** स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया गया।
  - **1930:** डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने दलित वर्ग एसोसिएशन की स्थापना की।
  - **5 मार्च, 1931**: गांधी इरविन समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
  - **दिसंबर, 1931**: गांधीजी दूसरे गोलमेज सम्मेलन में गए।
  - **सितंबर, 1932**: गांधीजी और डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बीच पूना समझौता।
  - **1934:** सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस ले लिया गया।
  - **1937**: प्रांतीय विधानसभाओं के लिए चुनाव हुए।
  - **1939:** द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ गया।

पाठ का सार

भारत में राष्ट्रवाद:

आधुनिक राष्ट्रवाद का विकास उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने एक आंदोलन के भीतर समूहों को एक साथ लाने की कोशिश की।

प्रथम विश्व युद्ध, खिलाफत और असहयोग:

1. 1919 में राष्ट्रीय आंदोलन नए क्षेत्रों में फैल रहा था और नए सामाजिक समूहों को शामिल कर रहा था तथा संघर्ष के नए तरीके विकसित कर रहा था और भारत के लोगों में राष्ट्रीय भावनाएँ जागृत हो रही थीं।

2. महात्मा गांधी भारत आए और सत्याग्रह (सत्याग्रह आंदोलन के दो सिद्धांत सत्य और अहिंसा हैं) के विचार ने

सत्य की शक्ति और सत्य की खोज की आवश्यकता पर जोर दिया।

3. प्रतिशोध की भावना या आक्रामकता के बिना, एक सत्याग्रही अहिंसा के माध्यम से लड़ाई जीत सकता है।

4. 1917 में, उन्होंने दमनकारी बागान प्रणाली के खिलाफ संघर्ष करने के लिए किसानों को प्रेरित करने के लिए बिहार के चंपारण की यात्रा की।

सत्याग्रह का विचार:

1. महात्मा गांधी जनवरी, 1915 में भारत लौटे। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के लिए उनकी वीरतापूर्ण लड़ाई सर्वविदित थी। सत्याग्रह के नाम से जाने जाने वाले जन आंदोलन की उनकी नई पद्धति ने अच्छे परिणाम दिए थे।

2. सत्याग्रह के विचार ने सत्य की शक्ति और सत्य की खोज की आवश्यकता पर जोर दिया।

3. 1917 में, गांधीजी ने दमनकारी बागान प्रणाली के खिलाफ संघर्ष करने के लिए किसानों को प्रेरित करने के लिए बिहार के चंपारण की यात्रा की।

4. 1917 में, गुजरात के खेड़ा जिले में फसलें उग रही थीं, लेकिन सरकार ने भू-राजस्व को माफ करने से इनकार कर दिया और इसके पूर्ण संग्रह पर जोर दिया।

5. 1918 में, महात्मा गांधी ने अहमदाबाद के श्रमिकों और मिल मालिकों के बीच विवाद में हस्तक्षेप किया। उन्होंने श्रमिकों को हड़ताल पर जाने और मजदूरी में वृद्धि की मांग करने की सलाह दी।

6. सत्याग्रह ने गांधीजी को शहरी क्षेत्रों के श्रमिकों के साथ निकट संपर्क में लाया।

रौलट एक्ट:

1. जब 1919 का रौलट एक्ट भारतीय सदस्यों के सर्वसम्मत विरोध के बावजूद इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल द्वारा जल्दबाजी में पारित किया गया, तो गांधीजी का धैर्य जवाब दे गया।

2. इस एक्ट के अनुसार सरकार किसी भी व्यक्ति को बिना अभियोग चलाए अनिश्चित समय के लिए बंद कर सकती थी और उसे अपील, दलील या वकील करने का कोई अधिकार नहीं था। इस एक्ट के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया और सरकारी दमन-इस एक्ट के विरुद्ध सभी भारतीय एक साथ खड़े हो गए। उन्होंने इसे. काले बिल. का नाम दिया।

जलियाँवाला बाग हत्याकांड:

1. 13 अप्रैल 1919 को जलियाँवाला बाग के बंद मैदान में एक बड़ी भीड़ जमा हुई।

2. लोग सरकार के दमनकारी उपायों के खिलाफ़ प्रदर्शन करने आए थे, जबकि कुछ लोग वार्षिक बैसाखी मेले में भाग लेने आए थे।

3. जनरल डायर ने इलाके में प्रवेश किया। बाहर निकलने के रास्ते बंद कर दिए और भीड़ पर गोलियाँ चलाईं, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए।

4. सरकार ने लोगों को अपमानित करने और आतंकित करने के लिए क्रूर दमन का सहारा लिया।

5. सत्याग्रहियों को ज़मीन पर अपनी नाक रगड़ने, सड़कों पर रेंगने और सभी साहिबों को सलाम करने के लिए मजबूर किया गया।

खिलाफत आंदोलन:

1. रौलट सत्याग्रह एक व्यापक आंदोलन था, यह अभी भी ज्यादातर शहरों और कस्बों तक ही सीमित था।

2. महात्मा गांधी को अब भारत में एक अधिक व्यापक आधार वाला आंदोलन शुरू करने की आवश्यकता महसूस हुई।

3. लेकिन उन्हें यकीन था कि हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ लाए बिना ऐसा कोई आंदोलन आयोजित नहीं

किया जा सकता।

4. प्रथम विश्व युद्ध ओटोमन तुर्की की हार के साथ समाप्त हो गया था। ऐसी अफवाहें थीं कि ओटोमन सम्राट, जो इस्लामी दुनिया का आध्यात्मिक प्रमुख (खलीफा) था, पर एक कठोर शांति संधि थोपी जाने वाली थी।

5. भारत के मुसलमानों ने ब्रिटेन को उसकी तुर्की नीति बदलने के लिए मजबूर करने का फैसला किया।

6. मौलाना आज़ाद, अजमल खान और हसरत मोहानी के नेतृत्व में एक खिलाफत समिति का गठन किया गया।

7. भाइयों **मुहम्मद अली** और **शौकत अली** जैसे मुस्लिम नेताओं की एक युवा पीढ़ी ने महात्मा गांधी के साथ इस मुद्दे पर एकजुट सामूहिक कार्रवाई की संभावना के बारे में चर्चा शुरू की। गांधी जी खिलाफत आंदोलन को अपना समर्थन देने के लिए सहमत हुए क्योंकि वह हिंदू और मुस्लिम दोनों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ एकजुट करना चाहते थे।

असहयोग क्यों?

अपनी प्रसिद्ध पुस्तक हिंद स्वराज (1909) में महात्मा गांधी ने घोषणा की कि भारत में ब्रिटिश शासन भारतीयों के सहयोग से स्थापित हुआ था और इस सहयोग के कारण ही बचा रह सका।

असहयोग आंदोलन के मुख्य कारणों में जलियांवाला बाग हत्याकांड (1919) और रौलेट एक्ट (1919) के प्रति जन आक्रोश शामिल था । महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ असहयोग और अहिंसा का आह्वान किया। ब्रिटिश आर्थिक, राजनीतिक, और सामाजिक नीतियों से असंतोष ने भी इस आंदोलन को गति दी।

सविनय अवज्ञा की ओर:

1.फरवरी 1922 में महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस लेने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि आंदोलन हिंसक रूप ले रहा है। गांधीजी जन आंदोलन के लिए सत्याग्रहियों को प्रशिक्षित करना चाहते थे।

2. कांग्रेस के भीतर सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी की स्थापना की ताकि परिषद की राजनीति में वापसी हो सके।

3. विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के कारण भारत में लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कृषि की कीमतें गिरने लगीं, निर्यात में गिरावट आई।

मानचित्र आधारित प्रश्न:-

1. भारत के बाह्य रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को दर्शाइए: -

चंपारण ,अमृतसर ,नागपुर ,मद्रास ,कोलकाता ,दांडी, खेड़ा ,अहमदाबाद

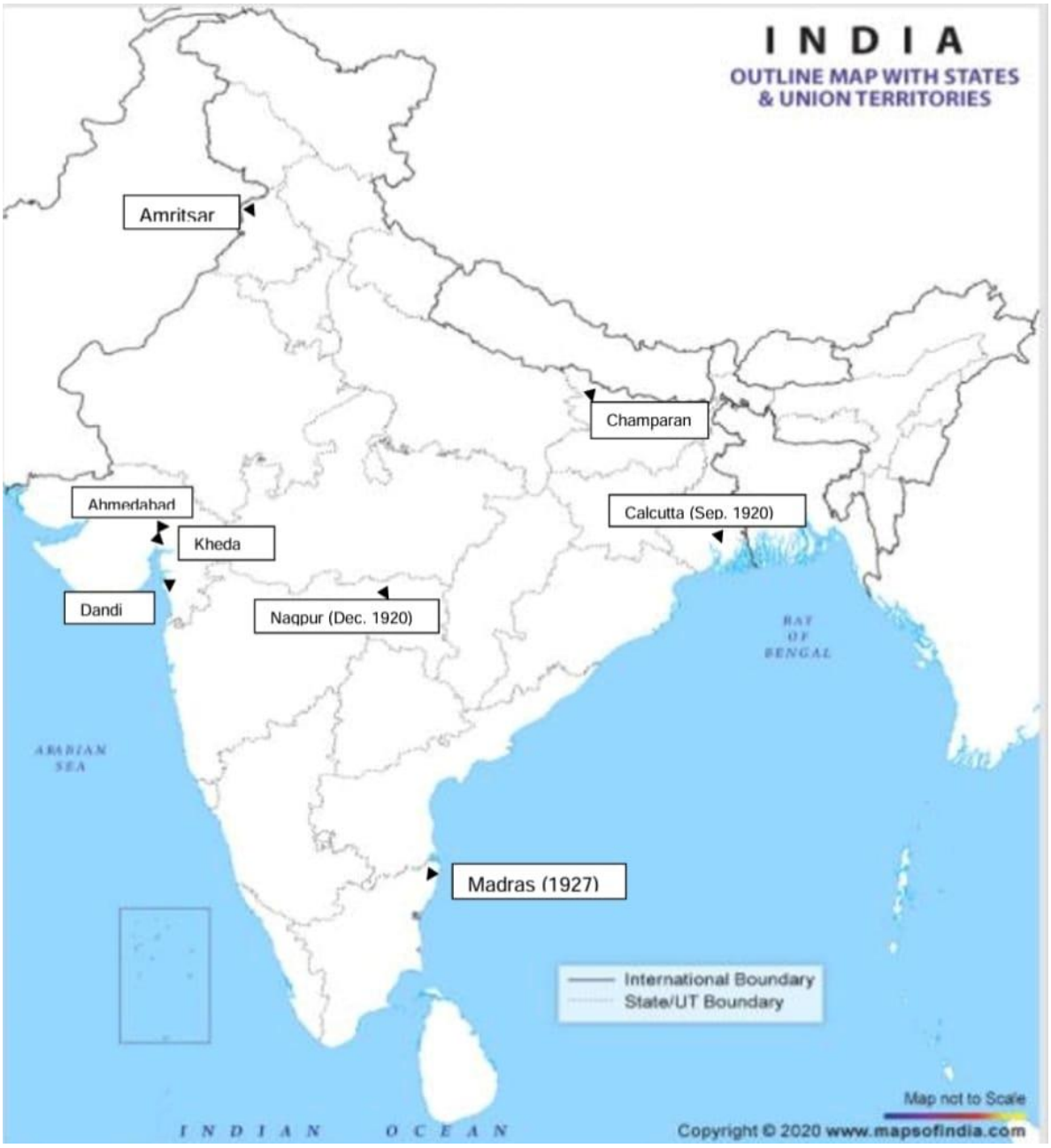

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

1. गांधीजी ने किस आंदोलन में मुसलमानों को एक एकीकृत राष्ट्रीय आंदोलन के तहत लाने का अवसर देखा:

(क) चंपारण आंदोलन में दमनकारी बागान प्रणाली

(ख) गुजरात के खेड़ा जिले के किसानों का समर्थन करने के लिए एक सत्याग्रह आंदोलन

(ग) 1919 के प्रस्तावित रौलट अधिनियम के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह

(घ) खिलाफत के साथ-साथ स्वराज के समर्थन में एक असहयोग आंदोलन।

उत्तर: 1.डी (घ) खिलाफत के साथ-साथ स्वराज के समर्थन में एक असहयोग आंदोलन।

2. 1932 में गांधी और अंबेडकर के बीच दलितों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दे को किस समझौते ने हल किया?

(a) लखनऊ समझौता (b) नागपुर समझौता (c) पूना समझौता (d) सूरत समझौता

उत्तर: (c) पूना समझौता

3. प्रथम विश्व युद्ध के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

(a) रक्षा व्यय के परिणामस्वरूप करों में वृद्धि हुई।

(b) गांवों में सैनिकों की जबरन भर्ती शुरू की गई

(c) आयकर शुरू किया गया और सीमा शुल्क में वृद्धि की गई

(d) युद्ध के साथ ही कठिनाइयाँ समाप्त हो गईं क्योंकि अंग्रेजों ने रौलेट एक्ट लागू किया

उत्तर: (d) युद्ध के साथ ही कठिनाइयाँ समाप्त हो गईं क्योंकि अंग्रेजों ने रौलेट एक्ट लागू किया

4. स्तंभों का मिलान करें। सही विकल्प चुनें

स्तंभ A	**स्तंभ B**
i. बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय	(a) डिप्रेस्ड क्लासेस एसोसिएशन
ii. बी आर अंबेडकर	(b) भारत माता की प्रसिद्ध छवि
iii. अवनिंद्रनाथ टैगोर	(c) दक्षिण भारत की लोककथाएँ
iv. नतेसा शास्त्री	(d) वंदे मातरम

(A) 1(d), 2(a), 3(b), 4(c) (B) 1(c), 2(b), 3(d), 4(a)

(C) 1(a), 2(d), 3(c), 4(b) (D) 1(c), 2(d), 3(a), 4(b)

उत्तर:: (A) 1(d), 2(a), 3(b), 4(c)

5.पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव कांग्रेस के किस अधिवेशन में अपनाया गया था?

(a) कराची (b) हरिपुर (c) लाहौर (d) लखनऊ।

उत्तर: (a) कराची

6. निम्नलिखित में से कौन सा असहयोग आंदोलन को वापस लेने का कारण था?

(a) सत्याग्रहियों के बीच समन्वय की कमी

(b) चौरी चौरा में हिंसा भड़कना।

(c) गांधीजी सविनय अवज्ञा शुरू करना चाहते थे

(d) अन्य राष्ट्रवादियों ने गांधीजी को राजी किया

उत्तर: (b) चौरी चौरा में हिंसा भड़क उठी।

7. निम्नलिखित में से कौन भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान गठित 'स्वराज पार्टी' से जुड़े थे?

(a) सी.आर. दास और जवाहरलाल नेहरू (b) मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास

(c) मोतीलाल नेहरू और सुभाष चंद्र बोस (d) मुहम्मद अली और शौकत अली

उत्तर: (b) मोतीलाल नेहरू और सी.आर. दास

8. भारतीयों ने साइमन कमीशन का बहिष्कार किया क्योंकि:

(a) यह एक अखिल-ब्रिटिश आयोग था (b) इसका गठन ब्रिटेन में हुआ था

(c) इसकी स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन का विरोध करने के लिए की गई थी (d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: (a) यह एक अखिल-ब्रिटिश आयोग था

9. निम्नलिखित में से किसने 1930 में दलितों को दलित वर्ग संघ में संगठित किया? (a) गांधीजी (b) अल्लूरी सीताराम राजू (c) कांसी राम (d) डॉ. बी.आर. अंबेडकर

उत्तर: (d) डॉ. बी.आर. अंबेडकर

10. कथन (A): गांधीजी के 'सत्याग्रह' के विचार ने सत्य की शक्ति और सत्य की खोज की आवश्यकता पर जोर दिया।

कारण (R): गांधीजी का मानना था कि एक सत्याग्रही उत्पीड़क की अंतरात्मा की आवाज़ उठाकर लड़ाई जीत सकता है।

(A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(B) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(C) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(D) A असत्य है और R सत्य है।

उत्तर:. (A) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

भारतीय नेताओं ने साइमन कमीशन का विरोध क्यों किया? उत्तरमें भारत आया था। 1928 साइमन कमीशन :

इसका उद्देश्य भारत में संवैधानिक व्यवस्था के कामकाज को देखना और उसमें बदलाव का सुझाव देना था। लेकिन इसमें कोई भारतीय सदस्य नहीं था।

.2 पूना पैक्ट क्या था?

उत्तर यह बी :आर अंबेडकर और महात्मा गांधी के बीच एक समझौता था। इसने दलित वर्गों को केंद्रीय प्रांतीय परिषदों में आरक्षित सीटें दीं।

.3 खिलाफत आंदोलन क्यों शुरू किया गया था?

उत्तरपर एक कठोर शांति संधि थोपी जा रही थ (इस्लामी आध्यात्मिक प्रमुख) ऐसी अफवाहें थीं कि खलीफा :ी। इसलिए खलीफा की लौकिक शक्तियों की रक्षा के लिए खिलाफत समिति का गठन किया गया था

का अंतर्देशीय उत्प्रवास अधिनियम क्या था 1859 .4?

उत्तर 1859 :के अंतर्देशीय उत्प्रवास अधिनियम के तहत, बागान श्रमिकों को बिना अनुमति के चाय बागानों को छोड़ने की अनुमति नहीं थी, और वास्तव में उन्हें शायद ही कभी ऐसी अनुमति दी जाती थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न - 3अंक

1. **असहयोग आंदोलन वापस लेने के क्या कारण थे?**

उत्तर) :i) गोरखपुर के चौरीचौरा में, एक बाजार में शांतिपूर्ण प्रदर्शन पुलिस के साथ हिंसक झड़प में बदल गया।)ii) उन्होंने महसूस किया कि सत्याग्रहियों को जन संघर्षों के लिए तैयार होने से पहले उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता थी क्योंकि आंदोलन कई स्थानों पर हिंसक हो रहा था।)iii) कुछ कांग्रेसी नेता अब तक जन संघर्षों से थक चुके थे और प्रांतीय परिषदों के चुनावों में भाग लेना चाहते थे।

2. **शहरों में असहयोग आंदोलन धीमा क्यों पड़ गया?**

उत्तर) धीरे धीमा पड़ गया।-शहरों में यह आंदोलन कुछ कारणों से धीरे :i) खादी का कपड़ा मिल के कपड़े से अधिक महंगा था और गरीब लोग इसे खरीदने में असमर्थ थे।)ii) ब्रिटिश संस्थानों के लिए कोई भारतीय विकल्प

नहीं था जिसका उपयोग उनके स्थान पर किया जा सके।)iii) छात्र, शिक्षक, वकील सरकारी स्कूल, कॉलेज, अदालतों आदि में वापस शामिल होने लगे।

3. नमक मार्च की व्याख्या करें।

उत्तर) :i) महात्मा गांधी ने नमक में एक शक्तिशाली प्रतीक पाया जो राष्ट्र को एकजुट कर सकता था।

(ii) उन्होंने वायसराय इरविन को एक पत्र भेजा जिसमें सबसे अधिक उत्साहजनक मांग नमक कर को समाप्त करने की थी लेकिन इरविन ने इन मांगों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

(iii) गांधीजी ने अपने 78 विश्वस्त स्वयंसेवकों के साथ नमक मार्च शुरू किया।

(iv) यह मार्च साबरमती में गांधीजी के आश्रम से तटीय शहर दांडी तक 240 मील से अधिक था।

(v) 6 अप्रैल को वे दांडी पहुंचे और समुद्र के पानी से नमक बनाकर कानून का उल्लंघन किया।

(vi) इसने सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत की।

4. सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं की भूमिका की व्याख्या करें।

उत्तर: (i) गांधीजी के नमक मार्च के दौरान, हजारों महिलाएँ बाहर आईं और उनकी बातें सुनीं।

(ii) उन्होंने विरोध मार्च में भाग लिया, नमक बनाया।

(iii) उन्होंने शराब की दुकानों पर धरना दिया और कई जेल गए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1.प्रथम विश्व युद्ध ने भारत में किस प्रकार एक नई आर्थिक और राजनीतिक स्थिति उत्पन्न की?

उत्तर:. प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) ने एक नई राजनीतिक और आर्थिक स्थिति उत्पन्न की।

युद्ध काल में भारत को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा:

(i) रक्षा व्यय में भारी वृद्धि, जिसे युद्ध ऋणों द्वारा वित्तपोषित किया गया।

(ii) करों में वृद्धि, सीमा शुल्क में वृद्धि और आयकर की शुरूआत।

(iii) युद्ध के वर्षों में कीमतें बढ़ीं, जो 1913 से 1918 के बीच दोगुनी हो गईं। इससे आम लोगों के लिए कठिनाई पैदा हुई।

(iv) ग्रामीण क्षेत्रों में जबरन भर्ती। इससे व्यापक आक्रोश फैल गया।

(v) 1918-19 और 1920-21 के दौरान भारत के कई हिस्सों में फसलें खराब हो गईं। इससे खाद्यान्न की कमी हो गई।

(vi) अकाल और महामारी के कारण 12 से 13 मिलियन लोग मारे गए। (vii) युद्ध समाप्त होने के बाद भी कठिनाइयाँ समाप्त नहीं हुईं।

2. विभिन्न सामाजिक समूह असहयोग आंदोलन में कैसे शामिल हुए?

उत्तर: (i) शहरों में आंदोलन * इसकी शुरुआत शहरों में मध्यम वर्ग की भागीदारी से हुई। * छात्रों, शिक्षकों, वकीलों ने पढ़ाई, नौकरी, कानूनी अभ्यास छोड़ दिया और आंदोलनों में शामिल हो गए। * परिषद के चुनावों का बहिष्कार किया गया। * विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। * शराब की दुकानों पर धरना दिया गया।

(ii) ग्रामीण इलाकों में आंदोलन * किसानों और आदिवासियों ने संघर्ष की कमान संभाली जो धीरे-धीरे हिंसक हो गया। * किसानों का नेतृत्व बाबा रामचंद्र ने जमींदारों और तालुकदारों के खिलाफ अवध में किया। तालुकदारों ने किसानों से उच्च लगान की मांग की। * नाई-धोबी बंद का आयोजन किया गया। * 1920 में जवाहरलाल नेहरू, बाबा

रामचंद्र और अन्य लोगों की अध्यक्षता में अवध किसान सभा की स्थापना की गई थी। * आंध्र प्रदेश की गुडेम पहाड़ियों में गुरिल्ला युद्ध का नेतृत्व अल्लुरी सीताराम राजू ने किया था। * विद्रोहियों ने पुलिस स्टेशनों पर हमला किया।

(iii) बागानों में स्वराज * बागान श्रमिकों के लिए स्वराज का मतलब स्वतंत्र रूप से घूमना है। * उन्होंने अंतर्देशीय उत्प्रवास अधिनियम (1859) का विरोध किया, जो उन्हें बिना अनुमति के बागान छोड़ने से रोकता था। * प्रत्येक समूह ने स्वराज शब्द की अपने-अपने तरीके से व्याख्या की।

3.व्यापारी वर्ग ने सविनय अवज्ञा आंदोलन में कैसे भाग लिया?

उत्तर) :i) भारतीय व्यापारियों और उद्योगपतियों ने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारी मुनाफा कमाया था और शक्तिशाली बन गए थे।

)ii) इसलिए उन्होंने अब औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ प्रतिक्रिया व्यक्त की, जो व्यापारिक गतिविधियों को प्रतिबंधित करती थीं।

) iii) वे विदेशी वस्तुओं के आयात के खिलाफ सुरक्षा चाहते थे।

)iv) उन्होंने एक रुपयास्टर्लिंग विदेशी मुद्रा अनुपात की मांग की-, जो आयात को हतोत्साहित करेगा।

)v) उन्होंने अपने व्यापारिक हितों को संगठित करने के लिए में भारतीय औद्योगिक और वाणिज्यिक कांग्रेस 1920 म 1927 तथाें फिक्की का गठन किया।

(vi) उन्होंने आंदोलन को वित्तीय सहायता दी तथा आयातित वस्तुओं को खरीदने या बेचने से इनकार कर दिया।

4. "इतिहास और कल्पना, लोकगीत और गीत, लोकप्रिय प्रिंट और प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका निभाई।" कथन की जाँच करें

उत्तर: सामूहिक संबद्धता की भावना आंशिक रूप से एकजुट संघर्षों के अनुभव के माध्यम से आई।

(i) इतिहास और कल्पना, लोकगीत और गीत, लोकप्रिय प्रिंट और प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका निभाई।

(ii) भारत माता की छवि - पहली छवि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा बनाई गई थी और अबनिंद्रनाथ टैगोर द्वारा चित्रित की गई थी।

(iii) भारतीय लोकगीत - भारतीय लोकगीतों को पुनर्जीवित करने के आंदोलन के माध्यम से भी राष्ट्रवाद के विचार विकसित हुए।

* राष्ट्रवादियों ने भाटों द्वारा गाए गए लोक कथाओं को रिकॉर्ड करना शुरू किया और उन्होंने लोकगीतों और किंवदंतियों को इकट्ठा करने के लिए गाँवों का दौरा किया।

* उनका मानना था कि ये कहानियाँ पारंपरिक संस्कृति की सच्ची तस्वीर पेश करती हैं जिसे बाहरी ताकतों ने भ्रष्ट और क्षतिग्रस्त कर दिया है। * रवींद्रनाथ टैगोर ने खुद गाथागीत, नर्सरी राइम्स और मिथकों को इकट्ठा करना शुरू किया और लोक पुनरुत्थान के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। * नटेसा शास्त्री ने तमिल लोक कथाओं का एक विशाल चार-खंड संग्रह, द फोकलोर ऑफ साउथर्न इंडिया प्रकाशित किया। (iv) इतिहास की पुनर्व्याख्या - राष्ट्रवाद की भावना पैदा करने का एक और तरीका इतिहास की पुनर्व्याख्या के माध्यम से था। * भारतीयों ने भारत की महान उपलब्धियों की खोज के लिए अतीत को देखना शुरू किया। * उन्होंने प्राचीन काल में हुए गौरवशाली विकास के बारे में लिखा

स्रोत आधारित प्रश्न:

1. नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें:

सामूहिक जुड़ाव की भावना आंशिक रूप से एकजुट संघर्षों के अनुभव के माध्यम से आई। लेकिन कई तरह की सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ भी थीं जिनके माध्यम से राष्ट्रवाद ने लोगों की कल्पना पर कब्जा कर लिया। इतिहास और कल्पना, लोकगीत और गीत, लोकप्रिय प्रिंट और प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका निभाई।

राष्ट्र की पहचान को अक्सर किसी आकृति या छवि में दर्शाया जाता है। इससे एक ऐसी छवि बनाने में मदद मिलती है जिससे लोग राष्ट्र की पहचान कर सकें। बीसवीं सदी में, राष्ट्रवाद के विकास के साथ, भारत की पहचान भारत माता की छवि के साथ जुड़ गई। यह छवि सबसे पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बनाई थी। 1870 के दशक में उन्होंने मातृभूमि के लिए एक भजन के रूप में 'वंदे मातरम' लिखा था। बाद में इसे उनके उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया और बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान व्यापक रूप से गाया गया। स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर, अवनींद्रनाथ टैगोर ने भारत माता की अपनी प्रसिद्ध छवि बनाई। इस पेंटिंग में भारत माता को एक तपस्वी व्यक्ति के रूप में चित्रित किया गया है; वह शांत, संयमित, दिव्य और आध्यात्मिक है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

1. बंगाल में स्वदेश आंदोलन के दौरान मातृभूमि के लिए कौन सा भजन व्यापक रूप से गाया गया था? 1

2. किसी आकृति या छवि में भारत की पहचान का प्रतीक कैसे था? 1

3. विभिन्न समुदायों, क्षेत्रों या भाषा के लोगों में सामूहिक जुड़ाव की भावना कैसे विकसित हुई? 2

उत्तर: 1.i. बंगाल में स्वदेशी आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम' व्यापक रूप से गाया गया था।

उत्तर:2.i.बीसवीं सदी में राष्ट्रवाद के विकास के साथ, भारत की पहचान भारत माता की छवि के साथ दृष्टिगत रूप से जुड़ गई। इस छवि को सबसे पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने बनाया था। बाद में अबनिंद्रनाथ टैगोर ने भारत माता की अपनी प्रसिद्ध छवि बनाई।

उत्तर:3. (i) सामूहिक जुड़ाव की भावना आंशिक रूप से एकजुट संघर्षों के अनुभव के माध्यम से आई। (ii) लेकिन कई सांस्कृतिक प्रक्रियाएँ भी थीं जिनके माध्यम से राष्ट्रवाद ने लोगों की कल्पना पर कब्ज़ा किया। (iii) इतिहास और कल्पना, लोकगीत और गीत, लोकप्रिय प्रिंट और प्रतीक, सभी ने राष्ट्रवाद के निर्माण में भूमिका निभाई।

अध्याय -3

वैश्विक विश्व का निर्माण

पाठ का सार

पूर्व-आधुनिक दुनिया:

पूर्व-आधुनिक दुनिया वैश्वीकरण एक आर्थिक प्रणाली को संदर्भित करता है जो पिछले 50 वर्षों में उभरी है। लेकिन वैश्विक दुनिया के निर्माण का एक लंबा इतिहास है - व्यापार, प्रवास, काम की तलाश में लोगों का आना-जाना, पूंजी की आवाजाही और बहुत कुछ। प्राचीन काल से, यात्री, व्यापारी, पुजारी और तीर्थयात्री ज्ञान, अवसर और आध्यात्मिक पूर्ति या उत्पीड़न से बचने के लिए लंबी दूरी की यात्रा करते थे। 3000 ईसा पूर्व की शुरुआत में, एक सक्रिय तटीय व्यापार ने सिंधु घाटी सभ्यताओं को वर्तमान पश्चिम एशिया से जोड़ा।

रेशम मार्ग दुनिया को जोड़ते हैं:

रेशम मार्ग दुनिया के दूर-दराज के हिस्सों के बीच जीवंत पूर्व-आधुनिक व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों का एक अच्छा उदाहरण हैं। इतिहासकारों ने कई रेशम मार्गों की पहचान की है, जो ज़मीन और समुद्र के रास्ते एशिया के विशाल क्षेत्रों को जोड़ते हैं और एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ़्रीका से जोड़ते हैं। भारत से वस्त्रों और प्रजातियों के बदले में, कीमती धातुएँ - सोना और चाँदी - यूरोप से एशिया में प्रवाहित होती थीं।

खाद्य यात्राएँ: स्पेगेटी और आलू:

भोजन लंबी दूरी के सांस्कृतिक आदान-प्रदान के कई उदाहरण प्रस्तुत करता है। व्यापारियों और यात्रियों द्वारा नई फसलें लाई गईं। नूडल्स जैसे तैयार खाद्य पदार्थ चीन से पश्चिम की ओर यात्रा करके स्पेगेटी बन गए। लगभग पाँच शताब्दियों पहले हमारे पूर्वज आलू, सोया, मूंगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद आदि जैसे आम खाद्य पदार्थों से परिचित नहीं थे। हमारे कई आम खाद्य पदार्थ अमेरिका के मूल निवासियों - अमेरिकी भारतीयों से आए थे ।

बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. त्रिकोणीय व्यापार मार्ग में यूरोप, अफ्रीका और के बीच वस्तुओं का आदान-प्रदान शामिल था:

(a) एशिया (b) ऑस्ट्रेलिया

(c) उत्तरी अमेरिका (d) दक्षिण अमेरिका

उत्तर: (c) उत्तरी अमेरिका

2. प्राचीन काल में रेशम मार्ग किन दो क्षेत्रों को जोड़ता था?

(a) यूरोप और एशिया (b) अफ्रीका और एशिया

(c) उत्तरी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका (d) ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका

उत्तर: (a) यूरोप और एशिया

3.19वीं शताब्दी में हजारों लोग यूरोप से अमेरिका भाग गए थे, क्योंकि

(a) गरीबी और व्यापक घातक बीमारियाँ

(b) प्राकृतिक आपदा

(c) राष्ट्रों के बीच युद्ध छिड़ना

(d) प्लेग का प्रकोप

उत्तर: (a) गरीबी और व्यापक घातक बीमारियाँ

कथनों को पढ़ें और सही विकल्प चुनें।

4. कथन (A): सिंधु घाटी में कोई सक्रिय विदेशी व्यापार नहीं था।

कारण (R): एक सहस्राब्दी से अधिक समय से कौड़ी मुद्रा चीन और पूर्वी अफ्रीका में पाई जाती रही है।

(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: (d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

5. कथन (A): पूर्व-आधुनिक व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान दूर-दराज के क्षेत्रों के बीच मौजूद थे।

कारण (R): चीनी रेशम को रेशम मार्गों के माध्यम से पश्चिमी दुनिया में पहुँचाया जाता था।

(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है

उत्तर: (a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

6. कथन (A): प्राचीन काल में यूरोप से एशिया तक कीमती धातुओं का प्रवाह होता था।

कारण (R): चीनी मिट्टी के बर्तन, भारतीय वस्त्र और मसाले अफ्रीका और यूरोप को बेचे जाते थे।

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है लेकिन R सत्य है

उत्तर: (a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

अति लघु प्रकार का प्रश्न:

1. **प्राचीन काल से यात्री, व्यापारी, पुजारी और तीर्थयात्री लंबी दूरी की यात्रा क्यों करते थे**?

या

प्राचीन काल में मानव समाज आपस में कैसे जुड़े हुए थे?

उत्तर: ज्ञान, अवसर और आध्यात्मिक पूर्ति के लिए, या उत्पीड़न से बचने के लिए।

2. **कौड़ी क्या थी**?

उत्तर: कौड़ी समुद्री सीप थी, जिसका उपयोग पुराने दिनों में मुद्रा के रूप में किया जाता था।

3. **हमारे किन्हीं चार सामान्य खाद्य पदार्थों का उल्लेख करें जो हमारे पूर्वजों को लगभग पाँच शताब्दियों पहले तक ज्ञात नहीं थे।**

उत्तर: आलू, सोया, मूंगफली, मक्का, टमाटर, मिर्च, शकरकंद।

4. **महान आयरिश आलू अकाल कब हुआ और इसके परिणाम क्या थे**?

उत्तर: महान आयरिश आलू अकाल **1845** से **1849** के दौरान हुआ था। परिणामस्वरूप, आयरलैंड में लगभग **1,000,000** लोग भुखमरी से मर गए, और काम की तलाश में दोगुनी संख्या में लोग पलायन कर गए।

5. 19**वीं शताब्दी में यूरोपीय लोग अमेरिका क्यों भाग गए**? **दो कारण बताइए।**

उत्तर: यूरोप में गरीबी और भुखमरी आम बात थी। शहर भीड़भाड़ वाले थे और जानलेवा बीमारियाँ फैली हुई थीं। धार्मिक संघर्ष आम थे और धार्मिक असंतुष्टों को सताया जाता था।

6. "**एल डोरैडो" से आपका क्या मतलब है**?

उत्तर: "एल डोरैडो" एक पौराणिक शहर या साम्राज्य को संदर्भित करता है जिसे अमेरिका में, विशेष रूप से दक्षिण अमेरिका के क्षेत्र में स्थित माना जाता है। "एल डोरैडो" शब्द की उत्पत्ति **16**वीं और **17**वीं शताब्दी में यूरोपीय अन्वेषण युग के दौरान हुई थी जब स्पेनिश और अन्य यूरोपीय खोजकर्ता अपार धन और सोने के पौराणिक शहरों की तलाश कर रहे थे।

दीर्घ प्रकार का प्रश्न:

1. **रेशम मार्ग ने दुनिया को कैसे जोड़ा**?

या

रेशम मार्ग दुनिया के दूरदराज के हिस्सों के बीच जीवंत पूर्व-आधुनिक व्यापार और सांस्कृतिक संबंधों का एक अच्छा उदाहरण है। व्याख्या करें।

उत्तर: (ए) 'रेशम मार्ग' नाम इस मार्ग के साथ पश्चिम की ओर जाने वाले चीनी रेशम कार्गो के महत्व को इंगित करता है।

(बी) इतिहासकारों ने भूमि और समुद्र के रास्ते कई रेशम मार्गों की पहचान की है।

(सी) इन मार्गों ने एशिया के विशाल क्षेत्रों को एक साथ जोड़ने और एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने में मदद की है।

(डी) वे ईसाई युग से पहले से अस्तित्व में थे और लगभग पंद्रहवीं शताब्दी तक फले-फूले।

(ई) बौद्ध धर्म पूर्वी भारत से उभरा और रेशम मार्गों पर प्रतिच्छेदन बिंदुओं के माध्यम से कई दिशाओं में फैल गया

स्रोत आधारित प्रश्न:

सोलहवीं शताब्दी के मध्य तक अमेरिका पर पुर्तगाली और स्पेनिश विजय और उपनिवेशीकरण निर्णायक रूप से चल रहा था। यूरोपीय विजय केवल बेहतर गोलाबारी का परिणाम नहीं थी। वास्तव में, स्पेनिश विजेताओं का सबसे शक्तिशाली हथियार कोई पारंपरिक सैन्य हथियार नहीं था। यह चेचक जैसे कीटाणु थे जो वे अपने साथ लेकर चलते थे। अपने लंबे अलगाव के कारण, अमेरिका के मूल निवासियों में यूरोप से आने वाली इन बीमारियों के खिलाफ कोई प्रतिरक्षा नहीं थी। चेचक विशेष रूप से एक जानलेवा हत्यारा साबित हुआ। एक बार आने के बाद, यह महाद्वीप में

गहराई तक फैल गया, किसी भी यूरोपीय के वहां पहुंचने से पहले। इसने पूरे समुदायों को मार डाला और नष्ट कर दिया, जिससे विजय का मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रश्न 1:अमेरिका में स्पेनिश विजेताओं की सफलता में मुख्य कारक क्या था? 1
उत्तर:मुख्य कारक रोगाणु थे, विशेष रूप से चेचक, जो वे अपने साथ लाए थे, जिससे प्रतिरक्षा की कमी के कारण स्वदेशी आबादी नष्ट हो गई।

प्रश्न 2:अमेरिका के मूल निवासी यूरोपीय बीमारियों से बुरी तरह क्यों प्रभावित हुए? 1
उत्तर:अमेरिका के मूल निवासी लंबे समय से अलग-थलग थे और उनमें यूरोपीय बीमारियों के खिलाफ कोई प्रतिरक्षा नहीं थी, जिससे वे विशेष रूप से कमज़ोर हो गए।

प्रश्न 3:चेचक ने अमेरिका पर यूरोपीय विजय को कैसे सुगम बनाया? 2
उत्तर:चेचक तेज़ी से फैला और पूरे समुदायों को मार डाला, जिससे प्रतिरोध कमज़ोर हो गया और यूरोपीय लोगों के लिए विजय आसान हो गई।

अध्याय -5
प्रिंट संस्कृति और आधुनिक दुनिया

महत्वपूर्ण शब्द

- **वेल्लम: -** जानवरों की खाल से बना चर्मपत्र।
- **उलेमा:-** इस्लाम और शरिया के कानूनी विद्वान।
- **गाथागीत :-** एक ऐतिहासिक विवरण या लोक कथाएँ जो आमतौर पर गाई या सुनाई जाती हैं।
- **मधुशाला :-** वह स्थान जहाँ लोग भोजन परोसने और दोस्तों से मिलने के लिए शराब पीने के लिए इकट्ठा होते हैं।
- **चैपबुक :-** पॉकेट आकार की पुस्तकों का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाने वाला शब्द जो चैपमैन नामक यात्रा करने वाले फेरीवालों द्वारा बेची जाती हैं।
- **उपन्यास :-** साहित्य का आधुनिक रूप।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

768-770 ई. - जापान में हाथ से छपाई की तकनीक का आगमन।

868 ई. - सबसे पुरानी जापानी पुस्तक। हीरा सूत्र मुद्रित किया गया।

1295 - मार्को पोलो ने लकड़ी के ब्लॉक से किताबें बनाने का ज्ञान यूरोप में लाया।

1430 – जोहान गुटेनबर्ग ने पहला प्रसिद्ध प्रिंटिंग प्रेस विकसित किया।

1448 - गुटेनबर्ग ने अपनी पहली पुस्तक द बाइबल छापी।

1517 - मार्टिन लूथर ने 95 थीसिस लिखीं।

1713 - कैथोलिक पादरियों ने पहली मलयालम पुस्तक छापी।

16वीं शताब्दी के मध्य - मुद्रण भारत में आया, कोलकाता में पहला प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया गया।

1812 - जर्मनी में ग्रिम बंधुओं ने पारंपरिक लोक कथाओं का संग्रह प्रकाशित किया।

1871 - ज्योतिबा फुले ने जाति व्यवस्था के अन्याय के बारे में गुलामगिरी लिखी।

1876 - राशसुंदरी देवी ने अपनी आत्मकथा अमर जीवन लिखी।

1878- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट पारित किया गया।

1907- बाल गंगाधर तिलक ने केसर का प्रकाशन किया।

1938 - काशीबाबा ने "छोटे या बड़े का सागर" प्रकाशित किया।

पाठ का सार

मुद्रण क्रांति और उसका प्रभाव:

बाजार में नई पढ़ने वाली जनता की पुस्तकों की बाढ़ आ गई। आम लोगों को पढ़ने वाले समूह में शामिल करने के लिए सामग्री तैयार की गई। लोकप्रिय गाथागीतों को शामिल किया गया। लोक कथाओं को चित्रों के साथ चित्रित किया गया।

धार्मिक बहस और प्रिंट का डर:

सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी में यूरोप के अधिकांश हिस्सों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई। यूरोपीय देशों में स्कूल और साक्षरता का प्रसार हुआ, जिसके कारण लोगों ने अधिक पुस्तकों के उत्पादन की इच्छा जताई। पढ़ने के अन्य तरीके, जो मुख्य रूप से मनोरंजन पर आधारित थे, आम पाठकों तक पहुँचने लगे। किताबें विभिन्न आकारों की थीं, जो कई अलग-अलग उद्देश्यों और रुचियों को पूरा करती थीं। 18वीं शताब्दी की शुरुआत से, आवधिक प्रेस विकसित हुए, जो मनोरंजन के साथ समसामयिक मामलों से संबंधित जानकारी को जोड़ते थे। पत्रिकाओं और समाचार पत्रों में युद्ध, व्यापार और अन्य स्थानों पर विकास से संबंधित जानकारी होती थी। आइजैक न्यूटन की खोजों को प्रकाशित किया गया, जिसने वैज्ञानिक सोच वाले पाठकों को प्रभावित किया।

प्रिंट संस्कृति और फ्रांसीसी क्रांति:

प्रिंट संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए परिस्थितियां बनाईं

1. प्रिंट ने प्रबुद्ध विचारकों के विचारों को लोकप्रिय बनाया
2. प्रिंट ने संवाद और बहस की एक नई संस्कृति बनाई
3. साहित्य की बाढ़ ने राजघरानों का मज़ाक उड़ाया और उनकी नैतिकता की आलोचना की

प्रिंट ने सीधे तौर पर उनके दिमाग को आकार नहीं दिया, लेकिन इसने अलग तरह से सोचने की संभावना को खोल दिया।

उन्नीसवीं सदी:

महिलाएँ लेखिकाओं के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण पाठक भी बन गईं।

रिचर्ड एम. हो द्वारा पावर-चालित बेलनाकार प्रेस ऑफ़सेट प्रेस विकसित किया गया था जो एक बार में छह रंगों तक प्रिंट कर सकता था

मुद्रण युग से पहले की पांडुलिपियाँ:

भारत हस्तलिखित पांडुलिपियों की पुरानी परंपराओं से समृद्ध देश है - संस्कृत, अरबी और फ़ारसी के साथ-साथ विभिन्न स्थानीय भाषाओं में भी। इन हस्तलिखित पांडुलिपियों की प्रतिलिपि ताड़ के पत्तों या हस्तनिर्मित कागज़ पर बनाई जाती थी। मुद्रण की शुरुआत के बाद भी पांडुलिपि का उत्पादन जारी रहा। इसे अत्यधिक महंगा और नाजुक माना जाता है।

भारत में मुद्रण का आगमन:

सोलहवीं शताब्दी के मध्य में, पुर्तगाली मिशनरियों के साथ **पहला मुद्रण प्रेस गोवा** आया।

कैथोलिक पादरियों ने 1579 में कोचीन में **पहली तमिल पुस्तक** छापी और 1713 में उनके द्वारा पहली मलयालम पुस्तक छापी गई। भारत में अंग्रेज़ी प्रेस काफ़ी देर से विकसित हुई, भले ही अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी ने सत्रहवीं शताब्दी के अंत में प्रेस आयात करना शुरू कर दिया था। **बंगाल गजट** नामक एक **साप्ताहिक पत्रिका** का संपादन **जेम्स ऑगस्टस हिक्की** ने किया था। हिक्की द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किए जाते थे और उन्होंने भारत में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के बारे में बहुत सारी गपशप भी प्रकाशित की। अठारहवीं सदी के अंत तक अनेक समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ प्रकाशित होने लगीं।

धार्मिक सुधार और सार्वजनिक बहसें:

इस पाठ्यक्रम में प्रिंट ने न केवल नए विचारों को फैलाया, बल्कि उन्होंने बहस की प्रकृति को भी आकार दिया। **संवाद कौमुदी** - राममोहन राय, **समाचार चंद्रिका** - हिंदू रूढ़िवादी 1821 से, फारसी समाचार पत्र **जाम-ए-जहाँनामा** और **शम्सुल अखबार** हिंदू और मुसलमानों के बीच प्रिंट का प्रभाव धार्मिक ग्रंथ, इसलिए लोगों के एक बहुत बड़े

समूह तक पहुँच गए, जिससे विभिन्न धर्मों के भीतर और उनके बीच चर्चा, बहस और विवादों को बढ़ावा मिला।

प्रकाशन का नया स्वरूप:

यूरोप में विकसित हुई साहित्यिक फर्म उपन्यास ने जल्द ही विशिष्ट भारतीय रूप और शैलियाँ हासिल कर लीं। गीत, लघु कथाएँ, सामाजिक और राजनीतिक मामलों पर निबंध जैसे अन्य नए साहित्यिक रूप भी पढ़ने की दुनिया में प्रवेश कर गए।

राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों ने बड़े पैमाने पर प्रसार के लिए दृश्य चित्र बनाए।

महिलाएँ और प्रिंट:

मुसलमानों को डर था कि शिक्षित महिलाएँ भ्रष्ट हो जाएँगी हिंदू रूढ़िवादियों का मानना है कि एक साक्षर लड़की विधवा हो जाएगी।

ताराबाई शिंदे और पंडिता रमा बाई ने उच्च जाति की हिंदू महिलाओं के दयनीय जीवन के बारे में भावुकता से लिखा। स्थानीय प्रेस महिलाओं की शिक्षा के लिए समर्पित थे।

प्रिंट और गरीब लोग:

चौराहों पर बहुत सस्ती छोटी किताबें बेची जाने लगीं। जातिगत भेदभाव के मुद्दों पर लिखा जाने लगा। लेखन में मजदूर वर्ग के लोगों की भागीदारी बढ़ गई।

प्रिंट और सेंसरशिप:

1820 तक - कलकत्ता सुप्रीम कोर्ट ने प्रेस की स्वतंत्रता को नियंत्रित करने के लिए कुछ नियम पारित किए। 1835 में, गवर्नर जनरल बेंटिक ने अंग्रेजी और स्थानीय समाचार पत्रों के संपादकों के अनुरोध पर प्रेस कानून को संशोधित किया, लेकिन **1857 के विद्रोह के बाद, सेंसरशिप सख्त** हो गई। **स्थानीय प्रेस अधिनियम, 1878** पारित किया गया।

बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. 15वीं शताब्दी के दौरान यूरोप में मुद्रण संस्कृति के प्रसार में किस आविष्कार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई?

(a) भाप इंजन (b) मुद्रण प्रेस

(c) टेलीग्राफ (d) रेडियो

उत्तर: (b) मुद्रण प्रेस

2. यूरोप में चलायमान प्रकार के मुद्रण प्रेस का आविष्कार किसने किया?

(a) लियोनार्डो दा विंची (b) जोहान्स गुटेनबर्ग

(c) आइज़ैक न्यूटन (d) गैलीलियो गैलीली

उत्तर: (b) जोहान्स गुटेनबर्ग

3. मुद्रण को अपनाने वाली पहली प्रमुख यूरोपीय भाषा कौन सी थी?

(a) लैटिन (b) ग्रीक

(c) जर्मन (d) फ्रेंच

उत्तर: (c) जर्मन

4. प्रिंट संस्कृति का यूरोप में धार्मिक सुधारों पर गहरा प्रभाव पड़ा, जैसे प्रोटेस्टेंट सुधार का नेतृत्व किया गया:

(a) मार्टिन लूथर (b) हेनरी VIII

(c) जॉन कैल्विन (d) पोप लियो X

उत्तर: (a) मार्टिन लूथर

5. सबसे शुरुआती तरह की प्रिंट तकनीक _____, जापान और कोरिया में विकसित की गई थी, जो हाथ से छपाई की एक प्रणाली थी।

(a) भारत (b) ब्रिटेन

(c) चीन (d) जर्मनी

उत्तर: (c) चीन

6. जैसे ही पश्चिमी शक्तियों ने चीन में अपनी चौकियाँ स्थापित कीं, _____ नई प्रिंट संस्कृति का केंद्र बन गया।

(a) शंघाई (b) बीजिंग

(c) ग्वांगझू (d) हांगकांग

उत्तर: (a) शंघाई

अति लघु प्रकार का प्रश्न:

1.निम्नलिखित के लिए कारण बताइए:

(a)मार्टिन लूथर मुद्रण के पक्ष में थे और उन्होंने इसकी प्रशंसा की।

(b)वुडब्लॉक प्रिंट केवल 1295 के बाद यूरोप में आया।

(c)गांधी ने कहा कि स्वराज की लड़ाई बोलने की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और संघ की स्वतंत्रता की लड़ाई है।

उत्तर:(a) मार्टिन लूथर मुद्रण के पक्ष में थे और उन्होंने इसकी प्रशंसा की, मुख्यतः इसलिए क्योंकि मुद्रण तकनीक ने उनके विचारों के तेजी से प्रसार में मदद की और प्रोटेस्टेंट सुधार की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुद्रण प्रेस का उपयोग करके, लूथर अपने धार्मिक लेखन, जैसे कि पंचानवे थीसिस को व्यापक रूप से वितरित कर सकता था, जिससे कैथोलिक चर्च के अधिकार को चुनौती मिली। इस सुलभता ने लूथर के विचारों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचने की अनुमति दी, जिससे व्यक्तियों को धार्मिक ग्रंथों की स्वयं व्याख्या करने का अधिकार मिला और अंततः पूरे यूरोप में प्रोटेस्टेंटवाद के विकास को बढ़ावा मिला। इस प्रकार, लूथर ने चर्च को सुधारने और धार्मिक शिक्षाओं तक सीधी पहुँच के माध्यम से विश्व वासियों को सशक्त बनाने के लिए मुद्रण को एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा।

उत्तर: (b) इतालवी खोजकर्ता मार्को पोलो ने चीन का दौरा किया और वुडब्लॉक प्रिंटिंग की तकनीक सीखी। जब वह 1295 में इटली लौटा, तो वह अपने साथ यह ज्ञान वापस ले आया। धीरे-धीरे यह ज्ञान इटली से यूरोप के अन्य हिस्सों में फैल गया।

उत्तर: (c) गांधीजी का मानना था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस की स्वतंत्रता और संघ की स्वतंत्रता, जनमत को व्यक्त करने और विकसित करने के तीन सबसे शक्तिशाली साधन थे। इसलिए, उन्होंने कहा कि स्वराज की लड़ाई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, प्रेस और संघ की स्वतंत्रता की लड़ाई थी।

2.संक्षिप्त नोट लिखें:

(a) वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट

(b) गुटेनबर्ग प्रेस

उत्तर: (a) गुटेनबर्ग प्रेस, जिसका आविष्कार जोहान्स गुटेनबर्ग ने 1440 के आसपास किया था, ने गतिमान धातु प्रकार की शुरुआत करके मुद्रण में क्रांति ला दी। इस नवाचार ने पुस्तकों और पैम्फलेट की तेज़, सस्ती और अधिक

सटीक छपाई की अनुमति दी। गुटेनबर्ग प्रेस ने ज्ञान के प्रसार, पुनर्जागरण को गति देने और पूरे यूरोप में सूचना तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उत्तर:(b) गुटेनबर्ग प्रेस, जिसका आविष्कार जर्मनी में जोहान्स गुटेनबर्ग ने 1440 के आसपास किया था, ने अपनी चल प्रकार तकनीक के साथ मुद्रण में क्रांति ला दी। इस नवाचार ने पुस्तकों और पैम्फलेटों के तेज़ और अधिक कुशल उत्पादन की अनुमति दी, ज्ञान तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया और पुनर्जागरण और उसके बाद के दौरान विचारों के प्रसार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

दीर्घ प्रकार का प्रश्न:

1. बताएं कि प्रिंट संस्कृति ने भारत में राष्ट्रवाद के विकास में किस तरह सहायता की।

उत्तर: प्रिंट संस्कृति ने विचारों के प्रसार, सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनमत को संगठित करके भारत में राष्ट्रवाद के विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहाँ बताया गया है कि प्रिंट संस्कृति ने राष्ट्रवाद के विकास में किस तरह सहायता की:

1. विचारों का प्रसार: समाचार पत्र, पत्रिकाएँ और पैम्फलेट सहित प्रिंट मीडिया भारतीयों के बीच राष्ट्रवादी विचारधाराओं और राजनीतिक जागरूकता को फैलाने के लिए शक्तिशाली उपकरण बन गए। बाल गंगाधर तिलक, दादाभाई नौरोजी और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रवादी नेताओं ने स्व-शासन के अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करने, औपनिवेशिक नीतियों की आलोचना करने और भारतीय हितों की वकालत करने के लिए प्रिंट का इस्तेमाल किया।

2. सांस्कृतिक एकता: प्रिंट संस्कृति ने भारत भर में विविध समुदायों के बीच साझा पहचान और सांस्कृतिक एकता की भावना को बढ़ावा देने में मदद की। स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों और प्रकाशनों ने क्षेत्रीय भाषाओं, साहित्य और परंपराओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, साथ ही स्थानीय आंदोलनों को व्यापक राष्ट्रवादी उद्देश्य से जोड़ा।

3. लामबंदी और संगठन: "बंगाल गजट", "द इंडियन मिरर" और "द हिंदू" जैसे समाचार पत्रों ने राजनीतिक बहस, जनमत जुटाने और राष्ट्रवादी गतिविधियों के समन्वय के लिए मंच प्रदान किए। उन्होंने शिकायतों पर चर्चा करने, विरोध और बहिष्कार के लिए समर्थन जुटाने और दमनकारी औपनिवेशिक नीतियों के खिलाफ प्रतिरोध का समन्वय करने के लिए मंच के रूप में कार्य किया।

4. शिक्षा और जागरूकता: प्रिंट मीडिया ने भारतीयों के बीच शिक्षा और साक्षरता के प्रसार में योगदान दिया। स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों और प्रकाशनों ने राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाया, जिससे आम भारतीयों को राष्ट्रवादी आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों को समझने का अधिकार मिला।

5. औपनिवेशिक आख्यानों का प्रतिकार: ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों ने अपने स्वयं के प्रकाशनों और प्रचार के माध्यम से आख्यानों को नियंत्रित किया। भारतीय प्रिंट मीडिया ने एक प्रति-आख्यान प्रदान किया, अन्याय को उजागर किया, आर्थिक शोषण को उजागर किया और भारतीय संस्कृति और क्षमताओं के बारे में औपनिवेशिक मान्यताओं को चुनौती दी।

6. राजनीतिक विचार पर प्रभाव: प्रिंट संस्कृति ने न केवल भारत के भीतर बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में राष्ट्रवादी आंदोलनों के साथ विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की। भारतीय बुद्धिजीवियों और नेताओं पर स्वतंत्रता और लोकतंत्र के लिए वैश्विक आंदोलनों का प्रभाव पड़ा और उन्होंने इन विचारों को भारतीय राष्ट्रवादी विमर्श में अपनाया और एकीकृत किया।

2. कुछ लोग आसानी से उपलब्ध छपी हुई किताबों के प्रभाव से क्यों डरते थे? यूरोप से एक उदाहरण और भारत से एक उदाहरण चुनें।

उत्तर: आसानी से उपलब्ध छपी हुई किताबों का डर विवादास्पद विचारों को फैलाने, स्थापित अधिकारियों को चुनौती देने और सामाजिक व्यवस्था को बाधित करने की उनकी क्षमता के बारे में चिंताओं से उपजा है। यहाँ यूरोप और भारत दोनों से उदाहरण दिए गए हैं:

यूरोप उदाहरण:

यूरोप में, छपी हुई किताबों को लेकर डर का एक महत्वपूर्ण उदाहरण 16वीं शताब्दी में प्रोटेस्टेंट सुधार के दौरान था। मार्टिन लूथर द्वारा बाइबिल का जर्मन में अनुवाद और उसके बाद की छपाई और वितरण ने धार्मिक व्याख्या पर रोमन कैथोलिक चर्च के एकाधिकार को चुनौती दी। इससे कैथोलिक अधिकारियों में यह डर पैदा हो गया कि छपी हुई सामग्रियों के माध्यम से प्रचारित लूथर के विचार चर्च के अधिकार को कमजोर करेंगे, धार्मिक असंतोष को जन्म देंगे और सामाजिक अशांति का कारण बनेंगे।

भारत उदाहरण:

भारत में, ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान, प्रिंटिंग प्रेस की शुरूआत और स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों और प्रकाशनों के उदय ने भी ब्रिटिश अधिकारियों और रूढ़िवादी भारतीय अभिजात वर्ग के बीच डर पैदा किया। इन प्रकाशनों ने राष्ट्रवादी विचारों, औपनिवेशिक शासन की आलोचनाओं और स्वशासन के आह्वान के प्रसार को सुगम बनाया। उदाहरण के लिए, "द हिंदू" और "बंगाल गजट" जैसे समाचार पत्र भारतीय राष्ट्रवादियों के लिए अपनी मांगों को व्यक्त करने और ब्रिटिश नीतियों के खिलाफ जनमत जुटाने के लिए मंच बन गए। प्रिंट मीडिया के माध्यम से राष्ट्रवादी भावनाओं के इस प्रसार को ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के लिए एक खतरे के रूप में देखा गया और भारत में ब्रिटिश शासन के लिए संभावित अशांति और चुनौतियों का डर पैदा हुआ। दोनों मामलों में, आसानी से उपलब्ध मुद्रित पुस्तकों का डर विचारों की शक्ति के बारे में चिंताओं में निहित था, जो जनमत को प्रभावित करने, मौजूदा प्राधिकरण संरचनाओं को चुनौती देने और संभावित रूप से सामाजिक और राजनीतिक व्यवस्था को अस्थिर करने के लिए थी। ये उदाहरण बताते हैं कि कैसे प्रिंट संस्कृति के आगमन ने महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन लाए और उन लोगों से प्रतिक्रियाएं भड़काईं जो सूचना और प्रवचन पर नियंत्रण बनाए रखना चाहते थे।

अध्याय 1
संसाधन और विकास

विषय का सार:

संसाधन

हमारे पर्यावरण में वह सब कुछ जिसका उपयोग हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकता है – जो तकनीकी रूप से सुलभ ,आर्थिक रूप से संभव और सांस्कृतिक रूप से स्वीकार्य है.

संसाधनों का विकास

संसाधनों का उपयोग करते समय निम्नलिखित प्रमुख समस्याएं देखी गई हैं-

*कुछ व्यक्तियों की लालच को संतुष्ट करने के लिए संसाधनों का ह्रास।

*संसाधनों का कुछ ही हाथों में संचयन, जिसके परिणामस्वरूप समाज दो वर्गों अर्थात् अमीर और गरीब में विभाजित हो गया।

*इससे वैश्विक पारिस्थितिक संकट जैसे ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत ह्रास, पर्यावरण प्रदूषण और भूमि क्षरण आदि उत्पन्न हुए हैं।

सतत आर्थिक विकास का अर्थ है:

विकास पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना होना चाहिए और वर्तमान विकास में भावी पीढ़ियों की जरूरतों के साथ समझौता नहीं किया जाना चाहिए।"

संसाधन आयोजन-

भारत में कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर माना जा सकता है और कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं जिनमें कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों की भारी कमी है। इसके लिए राष्ट्रीय, राज्य, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन नियोजन की आवश्यकता है।

भारत में संसाधन नियोजन चरण - इसमें शामिल है-

(i): देश के विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों की पहचान कर उनकी तालिका बनाना | इसमे संसाधनों का सर्वेक्षण, मानचित्रण और गुणात्मक तथा मात्रात्मक आकलन तथा मापन शामिल है।

(ii) संसाधन विकास योजनाएं लागू करने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकी, कौशल और संस्थागत नियोजन ढांचा तैयार करना।

(iii) संसाधन विकास योजनाओं और राष्ट्रीय विकास योजना मे समन्वय स्थापित करना |

भारत में भूमि विभिन्न प्रकार की उच्चावचीय विशेषताओं के अंतर्गत आती है, जैसे कि पहाड़, पठार, मैदान और द्वीप, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:

भूमि उपयोग

भूमि संसाधनों का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाता है:

जंगलों:

खेती के लिए भूमि उपलब्ध नहीं

(क) बंजर और बंजर भूमि

(ख) गैर-कृषि उपयोगों के लिए प्रयुक्त भूमि

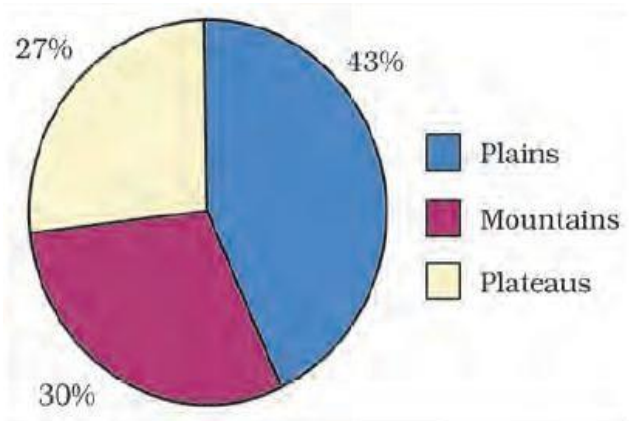

Land under important Reltef Features

(ग)परती भूमि

(घ) अन्य बंजर भूमि (परती भूमि को छोड़कर)

(ई) शुद्ध बोया गया क्षेत्र

भारत में भूमि उपयोग पैटर्न

1.भूमि का उपयोग निर्धारित किया जाता है

2.भौतिक कारक: जैसे स्थलाकृति, जलवायु, मिट्टी के प्रकार

3.मानवीय कारक: जैसे जनसंख्या घनत्व, तकनीकी क्षमता और संस्कृति और परंपरा क्षेत्र

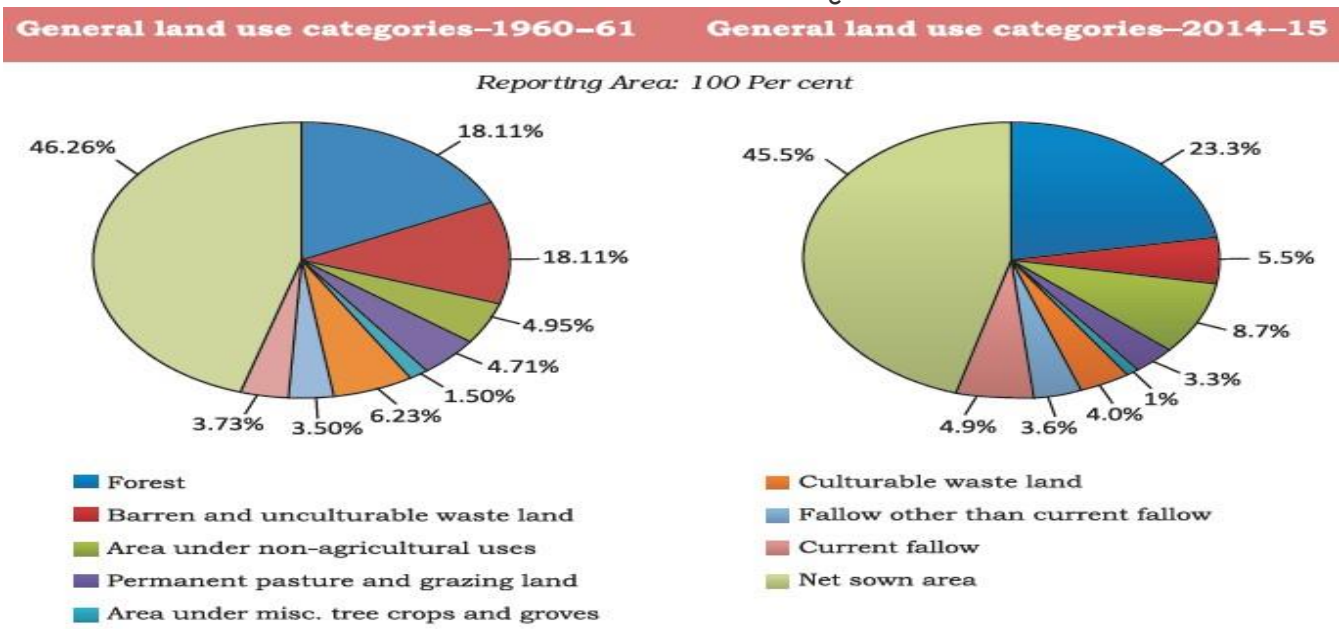

भूमि क्षरण और संरक्षण उपाय:

वनों की कटाई, अत्यधिक चराई, खनन और उत्खनन जैसी मानवीय गतिविधियों ने भूमि क्षरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खनन स्थल भूमि पर अत्यधिक बोझ के गहरे निशान और निशान छोड़ जाते हैं। हाल के वर्षों में, अपशिष्ट के रूप में औद्योगिक अपशिष्ट देश के कई हिस्सों में भूमि और जल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत बन गए हैं।

कुछ तरीके जिनके माध्यम से हम भूमि क्षरण की समस्या को हल कर सकते हैं, वे हैं:

1. वनरोपण एवं चरागाह का उचित प्रबंधन।

2.पौधों की आश्रय पट्टियों का रोपण।

3.कांटेदार झाड़ियाँ उगाकर रेत के टीलों को स्थिर करना।

4.बंजर भूमि का उचित प्रबंधन।

5.खनन गतिविधियों पर नियंत्रण।

6.उपचार के बाद औद्योगिक बहिःस्राव रेत अपशिष्टों का उचित निर्वहन और निपटान।

संसाधन के रूप में मिट्टी:

1.मृदा सबसे महत्वपूर्ण नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधन है।

यह पौधों की वृद्धि का माध्यम है और पृथ्वी पर विभिन्न प्रकार के जीवों को सहारा देता है।

2.कुछ सेंटीमीटर गहराई तक मिट्टी बनने में लाखों साल लगते हैं। प्रकृति की विभिन्न शक्तियां जैसे तापमान में परिवर्तन, बहते पानी, हवा और ग्लेशियरों की क्रियाएं,अपघटकों आदि की गतिविधियाँ मिट्टी के निर्माण में योगदान देती हैं।

3. मूल चट्टान या आधार चट्टान, जलवायु, वनस्पति और जीवन के अन्य रूप और समय मिट्टी के निर्माण में महत्वपूर्ण कारक हैं।

4.मृदा में होने वाले रासायनिक और जैविक परिवर्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

5.मृदा में कार्बनिक (ह्यूमस) और अकार्बनिक पदार्थ भी होते हैं।

मिट्टी का वर्गीकरण-

जलोढ़ मिट्टी

1. सम्पूर्ण उत्तरी मैदान जलोढ़ मिट्टी से बना है।
2. जलोढ़ मिट्टी महत्वपूर्ण हिमालयी नदी प्रणालियों - सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र - द्वारा जमा की गई है।
3. यह राजस्थान, गुजरात और पूर्वी तटीय मैदानों में भी पाया जाता है, विशेषकर महानदी, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी नदियों के डेल्टाओं में।
4. जलोढ़ मिट्टी में रेत, गाद और मिट्टी के विभिन्न अनुपात होते हैं। जैसे-जैसे हम नदी घाटियों की ओर बढ़ते हैं, मिट्टी के कण आकार में बड़े दिखाई देते हैं जबकि नदी घाटी के ऊपरी हिस्से में मिट्टी खुरदरी होती है।
5. **आयु** के आधार पर जलोढ़ मिट्टी को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

पुराना जलोढ़ (बांगर)खादर मिट्टी की तुलना में बांगर मिट्टी में कंकर ग्रंथिकाओं की सांद्रता अधिक होती है।

नवीन जलोढ़ (खादर):इसमें ज़्यादा बारीक कण होते हैं और यह बांगर की तुलना में ज़्यादा उपजाऊ होती है। जलोढ़ मिट्टी बहुत उपजाऊ होती है। इन मिट्टी में पोटाश, फॉस्फोरिक एसिड और चूने का पर्याप्त अनुपात होता है, जो गन्ना, धान, गेहूं और अन्य अनाज और दलहन फसलों के विकास के लिए आदर्श है।

काली मिट्टी

1. **यह मिट्टी काले रंग की होती है और इसे इस नाम से भी जाना जाता है रेगुर मिट्टी** मूल चट्टान सामग्री के साथ-साथ जलवायु परिस्थितियाँ काली मिट्टी के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं।
2. यह मिट्टी कपास उगाने के लिए आदर्श है और इसे काली कपास मिट्टी के नाम से भी जाना जाता है।
3. इस प्रकार की मिट्टी उत्तर-पश्चिम दक्कन पठार पर फैले दक्कन ट्रैप (बेसाल्ट) क्षेत्र की विशिष्ट मिट्टी है और यह लावा प्रवाह से बनी है।
4. यह मिट्टी महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पठारों को आच्छादित करती है तथा गोदावरी और कृष्णा घाटियों के साथ दक्षिण-पूर्व दिशा में फैली हुई है।
5. काली मिट्टी अत्यंत महीन मिट्टी से बनी होती है और नमी धारण करने की अपनी क्षमता के लिए प्रसिद्ध है।
6. काली मिट्टी पोषक तत्वों से भरपूर होती है और इसमें कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूना होता है।

लाल और पीली मिट्टी:

1. इस प्रकार की मिट्टी दक्कन पठार के पूर्वी और दक्षिणी भागों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों में क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों पर विकसित होती है।

2. ये मिट्टी क्रिस्टलीय और रूपांतरित चट्टानों में लोहे के प्रसार के कारण लाल रंग की हो जाती है। जब यह हाइड्रेटेड अवस्था में होती है तो यह पीले रंग की दिखती है।
3. ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य गंगा मैदान के दक्षिणी भागों और पश्चिमी घाट के पर्वतीय क्षेत्र में पाया जाता है।

लैटेराइट मिट्टी

1. उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु के अंतर्गत विकसित होता है जिसमें बारी-बारी से गीला और शुष्क मौसम होता है।
2.यह भारी वर्षा के कारण तीव्र निक्षालन का परिणाम है।
3. लैटेराइट मिट्टी अम्लीय (pH<6.0) प्रकृति की होती है और आमतौर पर पौधों के पोषक तत्वों की कमी होती है। इस प्रकार की मिट्टी ज्यादातर दक्षिणी राज्यों, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट क्षेत्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में पाई जाती है।
4.यह मिट्टी पर्णपाती और सदाबहार वनों को सहारा देती है, लेकिन इसमें ह्यूमस की कमी है।
5.यह मिट्टी चाय और कॉफी उगाने के लिए बहुत उपयोगी है।

शुष्क मिट्टी

1. रंग लाल से भूरे तक होता है।
2.सामान्यतः बनावट में रेतीली और प्रकृति में खारी।
3.ह्यूमस और नमी की कमी होती है।
4.मिट्टी के निचले भाग में कंकर जमा हो जाता है, क्योंकि इसमें कैल्शियम की मात्रा नीचे की ओर बढ़ती है।
5.नीचे क्षितिज में कंकर परत की संरचना पानी के घुसपैठ को प्रतिबंधित करती है।

वन मिट्टी

1.ये पहाड़ी और पर्वतीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं।
2. घाटी के किनारों पर इसकी बनावट दोमट और गादयुक्त है तथा ऊपरी ढलानों पर मोटे कणों वाली है।
3.हिमालय के बर्फ से ढके क्षेत्रों में, ये मिट्टी अनाच्छादित होती है और कम ह्यूमस सामग्री के साथ अम्लीय होती है। नदी की तलहटी और जलोढ़ पंखों पर मिट्टी उपजाऊ होती है।

***नीचे दिया गया मानचित्र भारत में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की मिट्टियों को दर्शाता है।**

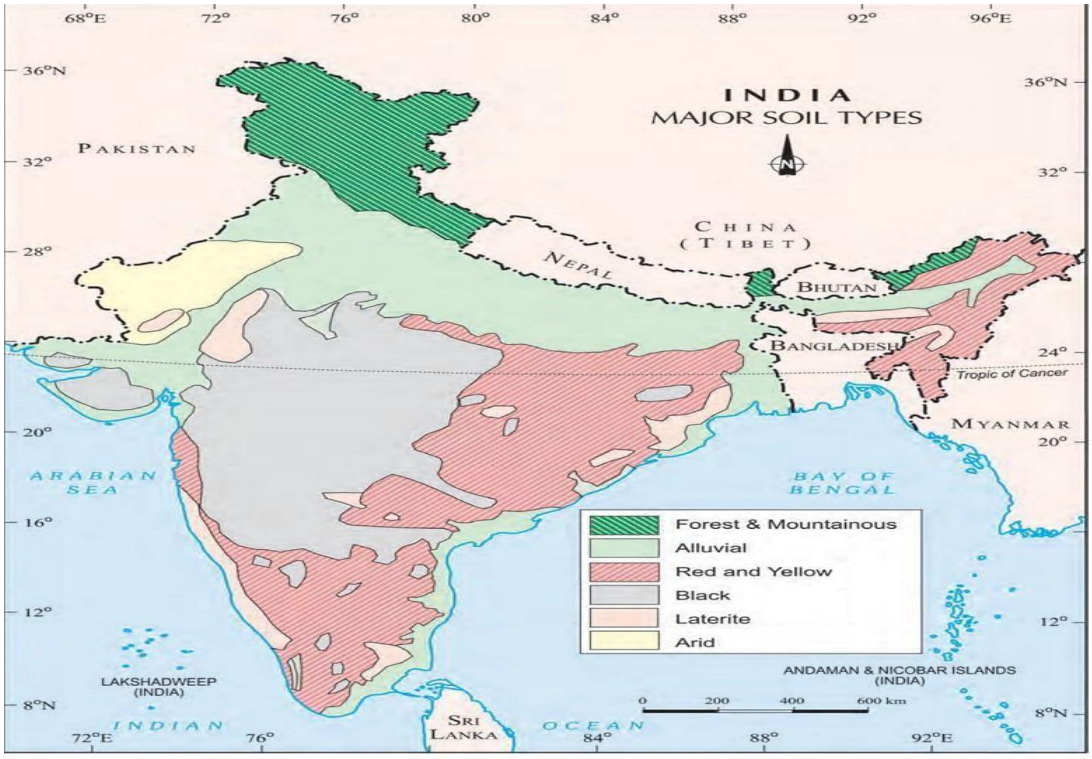

India: Major Soil Types

मृदा अपरदन और मृदा संरक्षण

1.मृदा आवरण का क्षरण और उसके बाद उसका बह जाना मृदा अपरदन कहलाता है।

2. मृदा अपरदन मानवीय गतिविधियों जैसे वनों की कटाई, अत्यधिक चराई, निर्माण और खनन आदि के कारण होता है। कुछ प्राकृतिक शक्तियां जैसे हवा, ग्लेशियर और पानी मृदा अपरदन का कारण बनते हैं।

3. बहता पानी चिकनी मिट्टी को काटता है और गहरी नालियाँ बनाता है।

4. जब पानी ढलान से नीचे बड़े क्षेत्र में चादर के रूप में बहता है और ऊपरी मिट्टी बह जाती है, तो इसे चादर अपरदन के रूप में जाना जाता है।

मृदा संरक्षण के विभिन्न तरीके:

1. समोच्च रेखा के साथ जुताई ढलानों से नीचे की ओर पानी के बहाव को धीमा करने के लिए रेखाएँ खींची जाती हैं। इसे **समोच्च रेखीय जुताई** कहते हैं।

2. सीढ़ीनुमा खेती कटाव को रोकता है। इस प्रकार की कृषि पद्धति पश्चिमी और मध्य हिमालय में की जाती है।

3.जब किसी बड़े खेत को पट्टियों में बाँट दिया जाता है और फसलों के बीच घास की पट्टियाँ उगने दी जाती हैं। इससे हवा का बल टूट जाता है। इस विधि को स्ट्रिप क्रॉपिंग कहते हैं।

4.वृक्षों की पंक्तियां लगाना इसे बनाने से रेत के टीलों को स्थिर करने और पश्चिमी भारत के रेगिस्तान को स्थिर करने में मदद मिलती है। ऐसे पेड़ों की पंक्तियों को आश्रय बेल्ट कहा जाता है।

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. निम्नलिखित में से कौन सी मिट्टी कपास उगाने के लिए आदर्श है?

(ए) रेगुर मिट्टी (बी) लेटराइट मिट्टी (सी) रेगिस्तानी मिट्टी (डी) पहाड़ी मिट्टी

उत्तर: (ए) रेगुर मिट्टी

2. एक या एक से कम कृषि वर्ष तक बिना खेती के छोड़ी गई भूमि कहलाती है

(ए) कृषि योग्य बंजर भूमि (बी) वर्तमान परती भूमि

(सी) बंजर भूमि (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (बी) वर्तमान परती भूमि

3.पंजाब में भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण निम्नलिखित में से कौन सा है?

(ए) गहन खेती (बी) वनों की कटाई

(सी) अधिक सिंचाई (डी) अत्यधिक चराई

उत्तर: (सी) अधिक सिंचाई

4.जीवन के सभी रूपों के अस्तित्व के लिए संसाधन नियोजन आवश्यक है

(ए) पारिस्थितिक संतुलन (बी) शोषण (सी) सतत विकास (डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (सी) सतत विकास

5. पहला अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया था?

(ए) जिनेवा (बी) न्यूयॉर्क (सी) जापान (डी) रियो डी जनेरियो

उत्तर: (डी) रियो डी जनेरियो

6. भारत की सबसे अधिक विस्तृत उच्चावच विशेषता है:-

(ए) पर्वत (बी) वन (सी) मैदान (डी) पठार

उत्तर: (सी) मैदान

7.लाल मिट्टी का रंग लाल होता है क्योंकि

(ए) यह ह्यूमस से भरपूर है।

(बी) यह लौह यौगिकों से समृद्ध है।

(सी) यह ज्वालामुखीय उत्पत्ति से प्राप्त हुआ है।

(डी) इसमें पानी प्रचुर मात्रा में है।

उत्तर: (बी) यह लौह यौगिकों से भरपूर है

8. एजेंडा 21 के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

(ए) इसका लक्ष्य वैश्विक सतत विकास प्राप्त करना है।

(बी) यह वैश्विक सहयोग के माध्यम से पर्यावरणीय क्षति, गरीबी और बीमारी से निपटने का एक एजेंडा है।

(सी) एजेंडा 21 का एक प्रमुख उद्देश्य यह है कि प्रत्येक स्थानीय सरकार को अपना स्थानीय एजेंडा 21 नहीं बनाना चाहिए।

(डी) विकल्प (ए) और (बी)।

उत्तर: (डी) विकल्प (ए) और (बी)।

9. मिट्टी का निर्माण किस प्रक्रिया से होता है?

(ए) अनाच्छादन (बी) ग्रेडेशन (सी) अपक्षय (डी) कटाव

उत्तर: (सी) अपक्षय

10. तीव्र निक्षालन से बनी मिट्टी है

(ए) जलोढ़ मिट्टी (बी) लाल मिट्टी (सी) लेटराइट मिट्टी (डी) रेगिस्तान

उत्तर: (सी) लैटेराइट मिट्टी

11. निम्नलिखित में से किस राज्य में सीढ़ीदार खेती की जाती है?

(ए) पंजाब (बी) उत्तर प्रदेश के मैदान (सी) हरियाणा (डी) उत्तराखंड

उत्तर: (डी) उत्तराखंड

12.एक कृषि वर्ष में एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र और शुद्ध बोया गया क्षेत्र कहलाता है:

(ए) शुद्ध बोया गया क्षेत्र (बी) वन आवरण (सी) बंजर भूमि (डी) सकल फसली क्षेत्र

उत्तर: (डी) सकल फसली क्षेत्र

13. निम्नलिखित में से कौन मृदा निर्माण के लिए महत्वपूर्ण नहीं है?

(ए) उच्चावच (बी) जनक शैल (सी) जलवायु (डी) दिन की अवधि

उत्तर: (डी) दिन की अवधि

14. राजस्थान राज्य सौर और _____ ऊर्जा से बहुत समृद्ध है लेकिन जल संसाधनों का अभाव है।

(ए) भूतापीय (बी) हाइड्रो (ग) पवन (डी) ज्वारीय

उत्तर: (ग) पवन

प्रश्न संख्या 15-17 कथन और कारण आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें।

(a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है

15. कथन (ए): मानव अस्तित्व के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए संसाधन महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष (आर): यह माना जाता था कि संसाधन प्रकृति के निःशुल्क उपहार हैं

उत्तर: A सत्य है लेकिन R गलत है।

16. कथन (ए): काली मिट्टी का रंग काला होता है और इसे रेगुर मिट्टी के रूप में भी जाना जाता है।

निष्कर्ष (आर): काली मिट्टी लावा प्रवाह से बनी होती है

उत्तर: A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

17. कथन (ए): भारत में संसाधन नियोजन एक आसान प्रक्रिया है।

निष्कर्ष (आर): संसाधन नियोजन में देश के सभी क्षेत्रों में संसाधनों की पहचान और सूची शामिल है।

उत्तर: A गलत है और R सत्य है।

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1. **लाल मिट्टी के दो नुकसान बताइये।**

उत्तर: (i) मिट्टी में नाइट्रोजन, कार्बनिक और फॉस्फोरिक एसिड सामग्री की कमी है और
यह कम उपजाऊ है।

(ii)लाल मिट्टी प्रकृति में अपारगम्य होती है लेकिन नमी को धारण करने वाली नहीं होती है।

2.**संसाधनों का संरक्षण करना क्यों आवश्यक है?**

उत्तर: संसाधनों का संरक्षण करना आवश्यक है क्योंकि:

(i) उनके अतार्किक उपभोग और अत्यधिक उपयोग ने सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को जन्म दिया है।

(ii) प्राकृतिक संसाधनों के निर्माण में लाखों वर्ष लगते हैं।

(iii) प्राकृतिक संसाधन सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं और ये अनवीकरणीय हैं।

3. **"भारत जैसे देश के लिए संसाधनों की योजना बनाना बहुत महत्वपूर्ण है।" तीन कारण बताकर पुष्टि कीजिए।**

उत्तर: (i) भारत में संसाधनों की उपलब्धता में भारी विविधता है। ऐसे कई क्षेत्र हैं जो कुछ प्रकार के संसाधनों से समृद्ध हैं लेकिन कुछ अन्य संसाधनों की कमी है।

(ii) झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य खनिज और कोयला भंडार में समृद्ध हैं लेकिन बुनियादी ढांचे के विकास का अभाव है।

(iii)पंजाब,हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य मिट्टी में समृद्ध हैं लेकिन खनिजों की कमी है।

4**. उन कारकों का उल्लेख करें जिन पर भारत का भूमि-उपयोग पैटर्न निर्भर करता है।**

उत्तर: भूमि का उपयोग भौतिक विज्ञान द्वारा निर्धारित होता है

साथ ही मानवीय कारक भी।

(i)भौतिक कारक: स्थलाकृति, जलवायु और मिट्टी के प्रकार।

(ii)मानवीय कारक: जनसंख्या घनत्व, तकनीकी क्षमता, संस्कृति और परंपराएँ।

5**. भूमि निम्नीकरण की समस्या को हल करने के लिए क्या तरीके अपनाए जाते हैं?**

उत्तर:(i)वनरोपण.

(ii)चारागाह भूमि का उचित प्रबंधन.

(iii)मरुस्थलीय क्षेत्रों में पेड़ों की पंक्ति को लगाना।

(iv)अति पशुचारण पर नियंत्रण.

(v). रेत के टीलों का स्थिरीकरण।

(vi)। बंजर भूमि का उचित प्रबंधन.

(vii)खनन गतिविधियों पर नियंत्रण।

(viii)उपचार के बाद अपशिष्ट पदार्थों का उचित प्रबंधन भूमि क्षरण को कम कर सकता है।

6. मिट्टी के निर्माण के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या करें।

उत्तर: (i) उच्चावच, मूल चट्टान या जनक शैल,जलवायु,वनस्पति और जीवन के अन्य रूप और समय मिट्टी के निर्माण में महत्वपूर्ण कारक हैं।

(ii)प्रकृति की विभिन्न शक्तियां जैसे तापमान में परिवर्तन, बहते पानी,हवा और ग्लेशियरों की क्रियाएं,अपघटक की गतिविधियां आदि मिट्टी के निर्माण में योगदान दें।

(iii) मिट्टी में होने वाले रासायनिक और जैविक परिवर्तन समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

(iv) मिट्टी में कार्बनिक (ह्यूमस) और अकार्बनिक पदार्थ भी होते हैं।

7. पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन को नियंत्रित करने के उपायों का वर्णन करें?

उत्तर:पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन को विभिन्न तरीकों से नियंत्रित किया जा सकता है:

(i) समोच्च जुताई: समोच्च रेखाओं के साथ जुताई करने से ढलानों से नीचे पानी का प्रवाह धीमा हो सकता है।

(ii)सीढ़ीदार खेती: ढलानों पर सीढ़ीदार खेती की जाती है जो मृदा के कटाव को रोकती है।

(iii)पट्टीदार खेती: बड़े खेतों को पट्टियों में विभाजित किया जाता है और फसलों के बीच घास की पट्टियों को उगने के लिए छोड़ दिया जाता है।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. **काली मिट्टी की कोई चार विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर:(i) इनका निर्माण लावा के सूखने से हुआ है।

(ii) काली मिट्टी अत्यंत महीन पदार्थों अर्थात चिकनी मिट्टी से बनी होती है।

(iii) ये मिट्टी कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम कार्बोनेट, पोटाश और नींबू जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।

(iv)इस मिट्टी आम तौर पर फॉस्फोरिक सामग्री की कमी होती हैं।

(v)मिट्टी अपनी नमी धारण करने की क्षमता के लिए जानी जाती है।

2**. काली मिट्टी के विकास के लिए कौन से भौगोलिक कारक उत्तरदायी हैं? इसे कपास उगाने के लिए सबसे उपयुक्त क्यों माना जाता है?**

उत्तर: (1) जलवायु परिस्थितियाँ जैसे तापमान, वर्षा आदि, वर्तमान चट्टान सामग्री के साथ-साथ काली मिट्टी के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं। मूल चट्टान ज्वालामुखीय चट्टान है।

(2) यह कपास उगाने के लिए आदर्श है क्योंकि:

(i)इसमें नमी धारण करने की क्षमता होती है।

(ii)इनमें कैल्शियम कार्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूना प्रचुर मात्रा में होता है।

(iii)इस मिट्टी को काली कपास मिट्टी के नाम से भी जाना जाता है।

(iv)गर्म मौसम के दौरान उनमें गहरी दरारें पड़ जाती हैं.

3 . **उन समस्याओं पर चर्चा करें जो संसाधनों के अत्यधिक उपयोग के कारण उत्पन्न हुई हैं। संसाधनों को बचाने के कोई दो उपाय सुझाएँ।**

उत्तर: (I)संसाधनों की कमी: कुछ व्यक्तियों के अत्यधिक उपयोग के कारण और लालच को पूरा करने के लिए संसाधनों की कमी हो गई है। उदाहरण के लिए, पेट्रोलियम उत्पादों के अत्यधिक उपयोग से ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि दुनिया के अधिकांश देश ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं।

(ii) संसाधनों का संकेंद्रण: अमीरों देश इनका प्रयोग और संकेंद्रण अधिक कर रहे हैं जिसने अमीर और गरीब वर्गों को विभाजित कर दिया है।

(iii) वैश्विक पारिस्थितिक संकट: संसाधनों के अत्यधिक उपयोग ने ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन परत की कमी, प्रदूषण और भूमि क्षरण जैसे वैश्विक पारिस्थितिक संकट को जन्म दिया है।

सुझाव:(i)अपशिष्ट को कम करना। एवं (ii)नवीकरणीय संसाधनों का उपयोग।

4 **. "पृथ्वी के पास हर चीज़ की ज़रूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं लेकिन एक व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं हैं।" यह कथन विकास की चर्चा के लिए किस प्रकार प्रासंगिक है? चर्चा करना।**

उत्तर: (i)किसी भी विकासात्मक गतिविधि के लिए संसाधन महत्वपूर्ण हैं।

(ii)संसाधनों के अतार्किक उपभोग और अत्यधिक उपयोग से सामाजिक आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

(iii) संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण वैश्विक पारिस्थितिक संकट जैसे ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण प्रदूषण आदि पैदा हुए।

(iv)लालची और स्वार्थी व्यक्ति और आधुनिक प्रौद्योगिकी की शोषणकारी प्रकृति वैश्विक स्तर पर संसाधन की कमी का मूल कारण है।

(v)यदि कुछ व्यक्तियों और देशों द्वारा संसाधनों की कमी की वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो हमारे ग्रह का भविष्य खतरे में है।

(vi) सतत विकास की आवश्यकता है।

इसका मतलब है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास होना चाहिए और विकास वर्तमान में होना चाहिए न कि भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों के प्रति प्रतिबद्धता।

स्रोत आधार प्रश्नोत्तर

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें। गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए।

नियोजन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए व्यापक रूप से स्वीकृत रणनीति है। भारत जैसे देश में,जहां संसाधनों की उपलब्धता में भारी विविधता है,इसका महत्व है। ऐसे क्षेत्र हैं जो कुछ प्रकार के संसाधनों से समृद्ध हैं लेकिन कुछ अन्य संसाधनों की कमी है। कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के मामले में आत्मनिर्भर माना जा सकता है और कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें कुछ महत्वपूर्ण संसाधनों की भारी कमी है। उदाहरण के लिए, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य खनिज और कोयला भंडार से समृद्ध हैं। अरुणाचल प्रदेश में जल संसाधन प्रचुर मात्रा में हैं लेकिन ढांचागत विकास का अभाव है। राजस्थान राज्य सौर और पवन ऊर्जा से बहुत समृद्ध है लेकिन जल संसाधनों की कमी है। लद्दाख का ठंडा रेगिस्तान देश के बाकी हिस्सों से अपेक्षाकृत अलग है। इसकी सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध है लेकिन इसमें पानी, बुनियादी ढांचे और कुछ महत्वपूर्ण खनिजों की कमी है। इसके लिए राष्ट्रीय, राज्य,क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर संतुलित संसाधन योजना की आवश्यकता है।

1.संसाधन नियोजन क्या है? 1

उत्तर- संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना।

2.खनिज और कोयला भंडार से समृद्ध दो राज्यों के नाम बताएं? 1

उत्तर: झारखंड और छत्तीसगढ़।

3.हम कैसे कह सकते हैं कि राजस्थान में पाए जाने वाले संसाधन अधिक लाभकारी हैं? 2

उत्तर: (i) ये नवीकरणीय हैं। एवं (ii) ये बड़ी मात्रा में हैं.

2.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें। गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए

उत्खनन कार्य पूरा होने के बाद खनन स्थलों को गहरे निशान और अत्यधिक गढ़ा को छोड़ दिया जाता है। झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों में खनन के कारण वनों की कटाई से गंभीर भूमि क्षरण हुआ है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में अतिचारण भूमि निम्नीकरण का एक मुख्य कारण है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अत्यधिक सिंचाई से जल भराव के कारण भूमि क्षरण के लिए जिम्मेदार है,जिससे मिट्टी में लवणता और क्षारीयता में वृद्धि होती है। सीमेंट उद्योग के लिए चूना पत्थर पीसने और सीमेंट उद्योग के लिए कैल्साइट और सोपस्टोन जैसे खनिज प्रसंस्करण से वातावरण में भारी मात्रा में धूल उत्पन्न होती है। यह भूमि पर जमने के बाद मिट्टी में पानी के प्रवेश की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। हाल के वर्षों में, अपशिष्ट के रूप में औद्योगिक अपशिष्ट देश के कई हिस्सों में भूमि और जल प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत बन गया है।

1.दो राज्यों के नाम बताएं जो खनन के कारण भूमि क्षरण की समस्या का सामना कर रहे हैं? 1

उत्तर: झारखंड और छत्तीसगढ़

2.पंजाब में मिट्टी में लवणता और क्षारीयता बढ़ाने के लिए कौन सा कारक जिम्मेदार है? 1

उत्तर: अत्यधिक सिंचाई से जल भराव

3. हम जल प्रदूषण को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? 2

उत्तर: (i) गर्म पानी और अपशिष्टों को पानी में छोड़ने से पहले उनका उपचार करना।

(ii) अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण।

अध्याय 2

वन एवं वन्यजीव संसाधन

परिचय

*हम विभिन्न प्रकार के जानवरों और सूक्ष्म जीवों के साथ रहते हैं। साथ ही उनके साथ जल, मिट्टी और जंगल जैसे संसाधन भी साझा करते हैं।

*यह जैव विविधता हमारे पर्यावरण में संतुलन बनाती है।

*जैव विविधता या जैविक विविधता वन्यजीवन और कृषि योग्य प्रजातियों के मामले में अत्यधिक समृद्ध है, रूप और कार्य में विविधतापूर्ण है, लेकिन अंतरनिर्भरता के कई नेटवर्क के माध्यम से एक प्रणाली में घनिष्ठ रूप से एकीकृत है।

भारत में वनस्पति और जीव

*भारत में जैव विविधता बहुत समृद्ध है। यहाँ कई तरह की प्रजातियाँ पाई जाती हैं और कुछ प्रजातियाँ सिर्फ़ भारत में ही पाई जाती हैं। जैव विविधता के मामले में भारत का स्थान 8वाँ है।

*हमारे पर्यावरण के प्रति असंवेदनशीलता के कारण हमारी वनस्पतियां और जीव-जंतु भारी तनाव में हैं।

भारत में वन एवं वन्य जीवन का संरक्षण

*वन और वन्य जीवन का संरक्षण हमारे भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह पारिस्थितिक विविधता और हमारे जीवन समर्थन प्रणालियों - जल, वायु और मिट्टी को संरक्षित करता है।

भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में लागू किया गया था। केंद्र सरकार ने कुछ विशेष जानवरों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाओं की घोषणा की, जो गंभीर रूप से संकटग्रस्त थे, जिनमें बाघ, एक सींग वाला गैंडा, कश्मीरी हिरण या हंगुल शामिल हैं।

1991 में पहली बार पौधों को भी सूची में शामिल किया गया, जिसकी शुरुआत छह प्रजातियों से हुई।

वन एवं वन्यजीव संसाधनों के प्रकार एवं वितरण

*हमारे वनों की सुरक्षा के लिए हमारी सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। वनों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है-

(i) आरक्षित वन: कुल वन भूमि के आधे से अधिक भाग को आरक्षित वन घोषित किया गया है। जहाँ तक वन और वन्यजीव संसाधनों के संरक्षण का सवाल है, आरक्षित वनों को सबसे मूल्यवान माना जाता है।

(ii) संरक्षित वन: कुल वन क्षेत्र का लगभग एक तिहाई हिस्सा संरक्षित वन है, जैसा कि वन विभाग द्वारा घोषित किया गया है।

(iii) अवर्गीकृत वन: ये अन्य वन और बंजर भूमि हैं जो सरकार और निजी व्यक्तियों और समुदायों दोनों के स्वामित्व में हैं।

वन का वितरण:

*मध्य प्रदेश में स्थायी वनों के अंतर्गत सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो इसके कुल वन क्षेत्र का 75 प्रतिशत है।

*जम्मू और कश्मीर, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में कुल वन का बड़ा प्रतिशत आरक्षित वनों का है।

सभी पूर्वोत्तर राज्यों और गुजरात के कुछ हिस्सों में स्थानीय समुदायों द्वारा प्रबंधित अवर्गीकृत वनों का प्रतिशत बहुत अधिक है

समुदायों के विभिन्न आंदोलन

*__चिपको आन्दोलन__- वनों और वन्य जीवों को नष्ट होने से बचाने के लिए शुरू किया गया आन्दोलन। लोग पेड़ों से लिपटकर उन्हें लकड़हारों से बचाते थे। सुन्दरलाल बहुगुणा के नेतृत्व में यह आन्दोलन लोकप्रिय हुआ।
*__टिहरी और नवधान्य में बीज बचाओ आन्दोलन__ जैसे किसानों और नागरिक समूहों ने यह दर्शाया है कि कृत्रिम रसायनों के उपयोग के बिना भी पर्याप्त मात्रा में विविध फसल उत्पादन संभव है और आर्थिक रूप से व्यवहार्य भी है।
*भारत में **संयुक्त वन प्रबंधन** (**जेएफएम**) कार्यक्रम खराब हो चुके वनों के प्रबंधन और पुनरुद्धार में स्थानीय समुदायों को शामिल करने का एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करता है। सबसे पहले ओडिशा में शुरू किया गया, वनों की रक्षा करके ग्रामीणों को गैर-लकड़ी वन उपज का उपयोग करने का मौका मिलता है।

प्रोजेक्ट टाइगर(बाघ परियोजना)

1973 में अधिकारियों को पता चला कि सदी के अंत में बाघों की अनुमानित संख्या 55,000 से घटकर 1,827 रह गयी थी।

कारण

बाघों की खाल का व्यापार और पारंपरिक दवाओं में उनकी हड्डियों के उपयोग के कारण, विशेष रूप से एशियाई देशों में बाघों की आबादी विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है।

विशेषताएँ: -

- ❖ दुनिया के सबसे चर्चित वन्यजीव अभियानों में से एक, यह अभियान 1973 में शुरू किया गया था।
- ❖ बाघ संरक्षण को न केवल एक लुप्तप्राय प्रजाति को बचाने के प्रयास के रूप में देखा गया है, बल्कि इसे बड़े पैमाने पर जीव-प्ररूपों को संरक्षित करने के साधन के रूप में भी समान महत्व दिया गया है।
- ❖ उत्तराखंड में कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिम बंगाल में सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, मध्य प्रदेश में बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान में सरिस्का वन्यजीव अभयारण्य, असम में मानस टाइगर रिजर्व और केरल में पेरियार टाइगर रिजर्व भारत के कुछ बाघ अभयारण्य हैं।

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1.बक्सा टाइगर रिजर्व को गंभीर खतरा है:
(ए) लौह अयस्क खनन (बी) तेल की खोज
(सी) उस क्षेत्र में डोलोमाइट खनन (डी) उस क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोट
उत्तर: (सी) उस क्षेत्र में डोलोमाइट खनन

2. **हिमालयन यव** निम्नलिखित भागों में पाया जाता है:
(ए) हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश (बी) पंजाब और हरियाणा
(सी) पश्चिम बंगाल और केरल (डी) मध्य प्रदेश और गोवा
उत्तर: (ए) हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश

3. सागौन मोनोकल्चर ने प्राकृतिक वनों को नुकसान पहुँचाया है:
(ए) गंगा का मैदान (बी) दक्षिण भारत
(सी) ब्रह्मपुत्र मैदान (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (बी) दक्षिण भारत

4. निम्नलिखित में से कौन भारत की जैव विविधता में गिरावट के लिए जिम्मेदार नहीं है?
(ए) खनन गतिविधियाँ (बी) शिकार और अवैध शिकार
(सी) जंगल की आग (डी) वनरोपण
उत्तर: (डी) वनरोपण

5.हमें अपने वनों और वन्य जीवन को संरक्षित करने की आवश्यकता है:
(ए) पारिस्थितिक विविधता को संरक्षित करने के लिए
(बी) आनुवंशिक विविधता को संरक्षित करने के लिए
(ई) जलीय जैव विविधता के रखरखाव के लिए
(डी) उपरोक्त सभी
उत्तर: (डी) उपरोक्त सभी

6. भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था:
(ए) 1972 (बी) 1971 (सी) 2010 (डी) 1982
उत्तर: (ए) 1972

7.पारिस्थितिकी तंत्र में किसे प्राथमिक उत्पादक माना जाता है?
(ए) जंगल (बी) पशु (सी) वन (डी) मनुष्य
उत्तर: (सी) वन

8. निम्नलिखित में से किस संरक्षण रणनीति में सीधे तौर पर सामुदायिक भागीदारी शामिल नहीं है?
(ए) संयुक्त वन प्रबंधन (बी) बीज बचाओ आंदोलन
(सी) चिपको आंदोलन (डी) वन्यजीव अभयारण्यों का सीमांकन
उत्तर: (डी) वन्यजीव अभयारण्यों का सीमांकन

9.निम्नलिखित में से किस राज्य में पेरियार बाघ अभयारण्य स्थित है?
(ए) केरल (बी) छत्तीसगढ़ (सी) तमिलनाडु (डी) पश्चिम बंगाल
उत्तर: (ए) केरल

10. चिपको आंदोलन का उद्देश्य क्या था?
(ए) मानव अधिकार (बी) कृषि विस्तार (सी) राजनीतिक अधिकार (डी) वन संरक्षण
उत्तर: (डी) वन संरक्षण
11. भारत में वन्यजीव संरक्षण की पहली परियोजना कौन सी है?
(ए) परियोजना हाथी (बी) प्रोजेक्ट टाइगर
(सी) परियोजना मगरमच्छ (डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (बी) प्रोजेक्ट टाइगर

12. निम्नलिखित में से किस बाघ अभयारण्य में स्थानीय समुदायों ने वनों के संरक्षण के लिए संघर्ष किया है?
(ए) मानस टाइगर रिजर्व (बी) पेरियार टाइगर रिजर्व
(सी) सिमलीपाल बायो रिजर्व (डी) सरिस्का टाइगर रिजर्व
उत्तर: (डी) सरिस्का टाइगर रिजर्व

13. जनजातीय बेल्ट के बड़े हिस्से, विशेष रूप से पूर्वोत्तर और _____ में, स्थानांतरित खेती (झूम), जो एक प्रकार की 'दहन तथा कर्तन ' कृषि है, द्वारा वनों की कटाई या अवक्रमण किया गया है।
(ए) मध्य भारत (बी) पश्चिमी भारत
(ग) दक्षिण भारत (डी) उत्तर पश्चिम भारत
उत्तर: (ए) मध्य भारत

प्रश्न संख्या 14 -16 कथन और कारण आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें।
a) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है
14. कथन (ए): वन पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
कारण (आर): वन प्राथमिक उत्पादक हैं जिन पर अन्य सभी जीवित प्राणी निर्भर हैं।
उत्तर: A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है

15. कथन (ए): हमारे पर्यावरण की उपेक्षा के कारण जानवरों और पौधों की कई प्रजातियों का विनाश और विलुप्त होना हुआ है।
कारण (आर): घटता वन आवरण क्षेत्र प्रजातियों के विनाश का एक प्रमुख कारण है
उत्तर :. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

16 कथन (ए): वनों और वन्यजीवों के विनाश के परिणामस्वरूप सांस्कृतिक विविधता का नुकसान हुआ।
कारण (आर): जीवन की बेहतर गुणवत्ता प्रदान करने के लिए वनों और वन्यजीवों का संरक्षण आवश्यक है।
उत्तर. A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

17. निम्नलिखित में से कौन सा जानवर गंभीर रूप से खतरे में था, और केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा के लिए कई परियोजनाओं की घोषणा की?
(ए) कश्मीर हरिण (ख) एशियाई शेर
(ग) एक सींग वाला गैंडा (डी) उपरोक्त सभी
उत्तर: (डी) उपरोक्त सभी

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1.वन आवरण की कमी के तीन प्रमुख कारण लिखिए।

उत्तर:(i)कृषि प्रयोजनों के लिए वनों की कटाई।

(ii)स्थानांतरण खेती जो अभी भी जनजातीय क्षेत्रों के बड़े हिस्से में प्रचलित है।

(iii) पर्यावरण प्रदूषण और जंगल की आग के कारण भी वनों का ह्रास हुआ है।

2. हमें अपनी जैव विविधता के संरक्षण की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर:जैव विविधता का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि:

(i)पारिस्थितिकी विविधता को संरक्षित करता है।

(ii)हमारे जीवन समर्थन प्रणालियों, यानी, पानी, हवा और मिट्टी को संरक्षित करता है।

(iii)प्रजातियों की बेहतर वृद्धि और प्रजनन के लिए पौधों और जानवरों की आनुवंशिक विविधता को संरक्षित करता है।

(iv)मत्स्य पालन भी जलीय जैव विविधता के रखरखाव पर बहुत अधिक निर्भर है।

3 आवासों की सुरक्षा के लिए" भारतीय वन्यजीव) संरक्षण (अधिनियम 1972" द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रावधानों की सूची बनाएं।

उत्तर:(i)संरक्षित प्रजातियों की अखिल भारतीय सूची प्रकाशित की गई।

(ii)कुछ लुप्तप्राय प्रजातियों की शेष आबादी की रक्षा पर जोर दिया गया था-

- o शिकार पर प्रतिबंध लगाना;
- o उनके आवासों को कानूनी सुरक्षा देना और
- o वन्य जीवन में व्यापार को प्रतिबंधित करना।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. सामुदायिक स्तर पर जैव विविधता के संरक्षण के तीन उदाहरण लिखिए।

उत्तर:सामुदायिक भागीदारी के तीन उदाहरण:

(i) राजस्थान के 'सरिस्का टाइगर रिजर्व' में, ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देकर खनन के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। कई क्षेत्रों में,ग्रामीण स्वयं आवासों की रक्षा कर रहे हैं और सरकार की भागीदारी को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर रहे हैं।

(ii) राजस्थान के अलवर जिले के पांच गांवों के निवासियों ने 1200 हेक्टेयर जंगल को 'भैरोदेव डाकव सोनचुरी' घोषित कर दिया है, अपने स्वयं के नियमों और विनियमों की घोषणा की है, जो शिकार की अनुमति नहीं देते हैं, और बाहरी अतिक्रमण से किसी भी तरह से वन्यजीवों की रक्षा कर रहे हैं।

(iii) हिमालय में प्रसिद्ध चिपको आंदोलन ने वनों की कटाई का सफलतापूर्वक विरोध किया है और यह भी दिखाया है कि स्वदेशी प्रजातियों के साथ सामुदायिक वनीकरण एक बड़ी सफलता हो सकती है।

2. "वन पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" हमारे जीवन में वनों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

उत्तर:(i) वन पारिस्थितिक तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि ये प्राथमिक उत्पादक हैं जिन पर अन्य सभी जीवित प्राणी निर्भर हैं।

(ii) कई वन आश्रित समुदाय भोजन, पेय, चिकित्सा, संस्कृति, आध्यात्मिकता आदि के लिए सीधे उन पर निर्भर हैं।

(iii)वन हमें लकड़ी प्रदान करते हैं।

(iv) वन बांस, ईंधन के लिए लकड़ी, घास, लकड़ी का कोयला, फल, फूल आदि भी प्रदान करते हैं।

3. "भारत में वनों की कटाई के लिए चराई और ईंधन-लकड़ी का संग्रह जिम्मेदार है।" उपयुक्त कारणों सहित कथन का समर्थन करें

उत्तर:(i) अत्यधिक चराई से पौधे नष्ट हो जाते हैं और जानवरों द्वारा पौधों को जड़ से उखाड़ दिया जाता है।

(ii) अत्यधिक चराई से भी मिट्टी का कटाव होता है। मृदा अपरदन वनों की कटाई का एक महत्वपूर्ण कारक है।

(iii) ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करते समय स्थानीय लोग पेड़ों को भी नष्ट कर देते हैं, जिससे वनों की कटाई होती है।

4.जेएफएम के मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर:(i) संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम के तहत, स्थानीय समुदाय ख़राब वनों के प्रबंधन और बहाली में शामिल हैं।

(ii) जेएफएम का मुख्य उद्देश्य वनों को अतिक्रमण, चराई, चोरी और आग से बचाना और अनुमोदित संयुक्त वन प्रबंधन योजना के अनुसार वनों में सुधार करना है।

(iii) बदले में, इन समुदायों के सदस्य गैर-लकड़ी वन उपज जैसे मध्यस्थ लाभ के हकदार हैं।

5. वनों की कटाई से क्या हानियाँ हैं?

उत्तर:वनों की कटाई के परिणामों में शामिल हैं:

(i)भूजल स्तर में कमी।

(ii)मिट्टी को गर्मी और बारिश के संपर्क में लाना,जिससे मिट्टी का क्षरण होता है।

(iii)जल अवशोषण कम होने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया।

(iv)आवास नष्ट होने से जैव विविधता की हानि।

स्रोत आधार प्रश्नोत्तर

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें। गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए।

हमारे देश में संरक्षण की रणनीतियाँ नई नहीं हैं। हम अक्सर इस बात को नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि भारत में जंगल कुछ पारंपरिक समुदायों का घर भी हैं। भारत के कुछ इलाकों में स्थानीय समुदाय सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर इन आवासों को संरक्षित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे ही उनकी दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षित होगी। राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में ग्रामीणों ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देकर खनन के खिलाफ़ लड़ाई लड़ी है। कई इलाकों में ग्रामीण खुद ही आवासों की रक्षा कर रहे हैं और सरकार की भागीदारी को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर रहे हैं। राजस्थान के अलवर जिले के पाँच गाँवों के निवासियों ने 1,200 हेक्टेयर जंगल को भैरोदेव डाकव 'सोनचुरी' घोषित कर दिया है, अपने खुद के नियम और कानून घोषित किए हैं जो शिकार की अनुमति नहीं देते हैं, और किसी भी बाहरी अतिक्रमण से वन्यजीवों की रक्षा कर रहे हैं। हिमालय में प्रसिद्ध चिपको आंदोलन ने न केवल कई क्षेत्रों में वनों की कटाई का सफलतापूर्वक विरोध किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि स्थानीय प्रजातियों के साथ सामुदायिक वनीकरण बहुत सफल हो सकता है। पारंपरिक संरक्षण विधियों को पुनर्जीवित करने या पारिस्थितिक खेती के नए तरीके विकसित करने के प्रयास अब व्यापक हैं। टिहरी और नवधान्य में बीज बचाओ आंदोलन जैसे किसानों और नागरिक समूहों ने दिखाया है कि सिंथेटिक रसायनों के उपयोग के बिना विविध फसल उत्पादन

का पर्याप्त स्तर संभव है और आर्थिक रूप से व्यवहार्य है।**

प्रश्न 1:अलवर, राजस्थान में स्थानीय समुदायों ने वन संरक्षण में किस प्रकार योगदान दिया है?..1

उत्तर:अलवर, राजस्थान में पाँच गाँवों ने 1,200 हेक्टेयर वन भूमि को भैरोदेव डाकव 'सोनचुरी' घोषित किया, जिससे शिकार पर रोक लगाने और बाहरी अतिक्रमणों से वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए नियम बनाए गए, जिससे पर्यावास का संरक्षण हुआ।

प्रश्न 2:चिपको आंदोलन ने सामुदायिक वनरोपण के बारे में क्या प्रदर्शित किया है?.....1

उत्तर:हिमालय में चिपको आंदोलन ने दिखाया है कि देशी प्रजातियों के साथ सामुदायिक वनरोपण सफलतापूर्वक वनों की कटाई का विरोध कर सकता है और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे सकता है, जिससे कई क्षेत्रों में इसकी प्रभावशीलता साबित हुई है।

प्रश्न:3.भारत में वन संरक्षण और पारिस्थितिक खेती में स्थानीय समुदायों और आंदोलनों ने क्या भूमिका निभाई है?

उत्तर: भारत में स्थानीय समुदायों और चिपको आंदोलन जैसे आंदोलनों ने वनों की कटाई का सफलतापूर्वक विरोध किया है और स्वदेशी प्रजातियों के साथ सामुदायिक वनीकरण को बढ़ावा दिया है। बीज बचाओ आंदोलन और नवदान्य जैसी पहलों ने प्रदर्शित किया है कि सिंथेटिक रसायनों के बिना विविध फसल उत्पादन संभव और आर्थिक रूप से व्यवहार्य दोनों है।

अध्याय-3

जल संसाधन

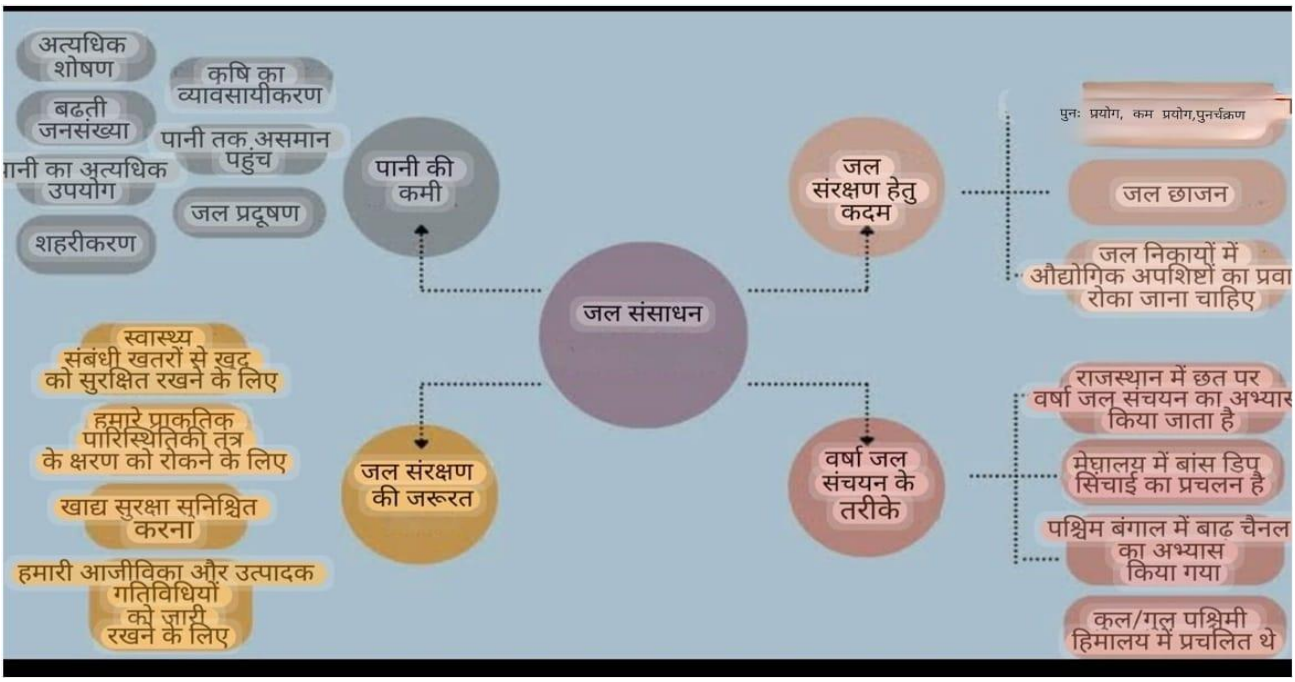

जल: कुछ तथ्य और आंकड़े

*पृथ्वी की सतह का तीन-चौथाई भाग जल से ढका हुआ है।

*97.5% खारा है तथा केवल 2.5% ताजा जल है।

*इस मीठे पानी का 70% हिस्सा अंटार्कटिका, ग्रीनलैंड और विश्व के पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फ की चादरों और ग्लेशियरों के रूप में पाया जाता है, जबकि 30% से थोड़ा कम हिस्सा विश्व के जलभृतों में भूजल के रूप में संग्रहित है।

*भारत में वैश्विक वर्षा का लगभग 4% हिस्सा प्राप्त होता है।

*सारा जल जल विज्ञान चक्र के अंतर्गत चलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि जल एक नवीकरणीय संसाधन है।

महत्वपूर्ण शब्द

***जल विज्ञान चक्र**- पृथ्वी के स्थलमंडल, वायुमंडल और जलमंडल के भीतर जल का निरंतर परिसंचरण है, और यह सौर विकिरण द्वारा संचालित होता है।

***ताजा पानी-** प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला शुद्ध जल जो खारा न हो।

भूजल- वह जल जो जमीन के नीचे पाया जाता है जैसे चट्टानों आदि में।

***हाइड्रोलिक संरचना-** ऐसी संरचना जो पानी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित, मोड़, प्रतिबंधित, रोक या अन्यथा प्रबंधित करती है।

***बाँध-** नदी के पानी को रोकने और उसके पीछे जलाशय बनाने के लिए नदी के पार बनाई गई दीवार या अवरोध।

*__बहुउद्देशीय परियोजनाएं__- बहुउद्देशीय परियोजना वह है जो एक साथ कई उद्देश्यों की पूर्ति करती है जैसे सिंचाई, बिजली उत्पादन, घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, मनोरंजन, अंतर्देशीय नौवहन और मछली प्रजनन आदि।

***बारहमासी नहरें:** वर्ष भर बहने वाली नदियों के पानी को मोड़कर नहरें विकसित की गईं।

***जल छाजन:** -यह वर्षा जल को संग्रहित करके तथा रिसने वाले गड्ढों, चेकडैम आदि संरचनाओं का निर्माण करके भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने की एक तकनीक है।

***बूंद से सिंचाई:** -सिंचाई का एक प्रकार जिसमें नमी को संरक्षित करने के लिए पौधों की जड़ों के पास बूंदों के रूप में पानी गिराया जाता है।

***जलप्लावन नहर**: -नहर का उद्देश्य मुख्यतः बरसात के मौसम में बाढ़ के पानी को मोड़ना है।

जल संरक्षण एवं प्रबंधन की आवश्यकता :- हमें निम्नलिखित कारणों से जल संरक्षण करने की आवश्यकता है:

i) भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन के परिणामस्वरूप जल स्तर में गिरावट आ रही है।
ii) वनस्पति की हानि से सूखा पड़ता है और वर्षा में कमी आती है।
iii) सिंचाई में कुल ताजे पानी का 90% से अधिक उपयोग होता है।
iv) बढ़ती जनसंख्या के कारण जल की कमी हो गई है।
v) हमारे जल संसाधन जैसे नदियाँ, झीलें आदि प्रदूषित हैं और पर्याप्त उपचार के बिना उनका उपयोग शायद ही किया जा सकता है।

बहुउद्देशीय नदी परियोजनाएँ एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन –

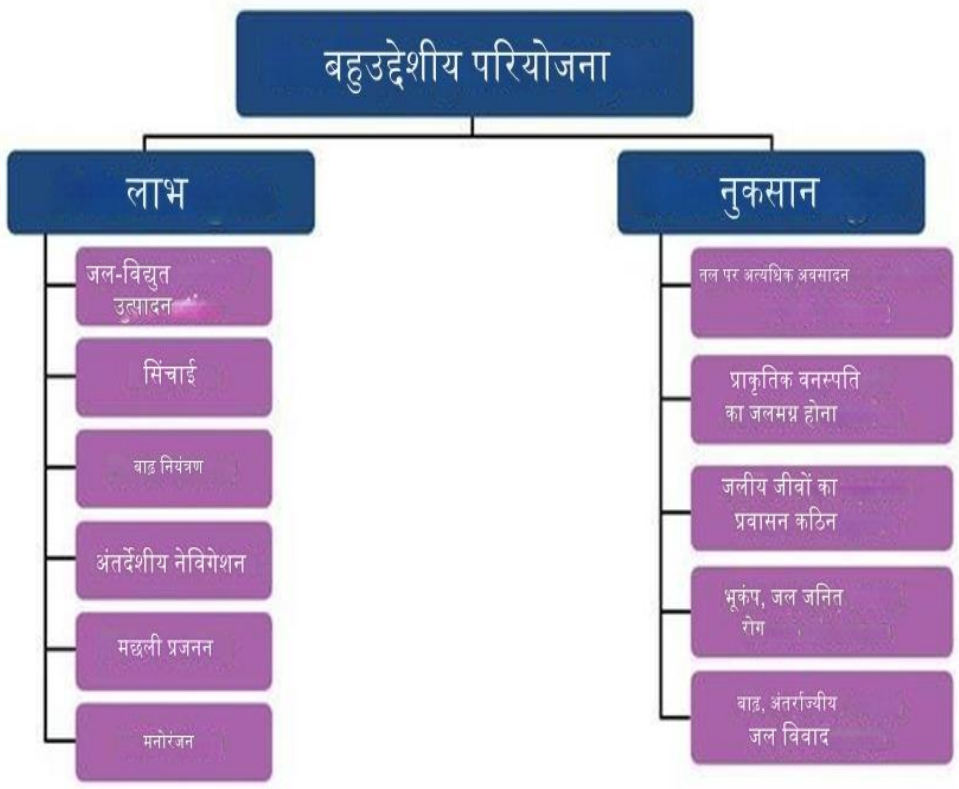

*पुरातात्विक और ऐतिहासिक अभिलेखों से पता

चलता है कि प्राचीन काल से ही हम पत्थर के मलबे से बने बांध, जलाशय या झील, तटबंध और सिंचाई के लिए नहरों जैसी परिष्कृत हाइड्रोलिक संरचनाओं का निर्माण करते रहे हैं।

*बांधों का निर्माण पारंपरिक रूप से नदियों और वर्षा जल को रोकने के लिए किया जाता था, जिसका उपयोग बाद में कृषि क्षेत्रों की सिंचाई के लिए किया जा सके।

*आज, बांध केवल सिंचाई के लिए ही नहीं बल्कि बिजली उत्पादन, घरेलू और औद्योगिक उपयोगों के लिए जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, मनोरंजन, अंतर्देशीय नौवहन और मछली पालन के लिए भी बनाए जाते हैं। इसलिए, बांधों को अब बहुउद्देश्यीय परियोजनाओं के रूप में संदर्भित किया जाता है, जहाँ संचित जल के कई उपयोग एक दूसरे के साथ एकीकृत होते हैं।

*उदाहरण के लिए, सतलुज-व्यास नदी बेसिन में भाखड़ा-नांगल परियोजना के पानी का उपयोग जल विद्युत उत्पादन और सिंचाई दोनों के लिए किया जा रहा है। इसी तरह महानदी बेसिन में हीराकुंड परियोजना जल संरक्षण को बाढ़ नियंत्रण के साथ एकीकृत करती है।

भारत के महत्वपूर्ण बांध-

Salal – Jammu & Kashmir
Bhakra Nangal – Himachal Pradesh
Tehri – Uttarakhand
Hirakud – Odisha
Rana Pratap – Rajasthan
Sardar Sarovar – Gujarat
Tungbhadra – Karnataka
Nagarjuna Sagar – Telangana

एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन –

वर्षा जल संग्रहण यह एक सरल विधि है जिसके द्वारा भविष्य में उपयोग के लिए वर्षा जल को एकत्र किया जाता है। एकत्रित वर्षा जल को संग्रहीत किया जा सकता है, विभिन्न तरीकों से उपयोग किया जा सकता है या सीधे पुनर्भरण उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा सकता है।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग तरीके अपनाए गए हैं-

*पश्चिमी हिमालय के 'गुल' या 'कुल'।

***टंका** राजस्थान में, विशेषकर बीकानेर में - वर्षा जल, या पलारपानी (पानी का शुद्धतम रूप)

***छत पर वर्षा जल संचयन** यह मेघालय के शिलांग में सबसे आम प्रथा है। (विश्व में सर्वाधिक वर्षा वाला क्षेत्र)

***तमिलनाडु** भारत में यह पहला और एकमात्र राज्य है जिसने राज्य भर के सभी घरों में छत पर वर्षा जल संचयन संरचना को अनिवार्य बना दिया है।

***बांस ड्रिप सिंचाई प्रणाली**-मेघालय में बांस के पाइपों का उपयोग करके नदियों और झरनों का पानी निकालने की 200 साल पुरानी प्रणाली प्रचलित है।

अटल भूजल योजना (अटल जल) को सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के *80* जिलों के *229* प्रशासनिक ब्लॉकों/तालुकाओं की *8220* जल संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों में लागू किया जा रहा है। चयनित राज्य भारत में जल संकटग्रस्त (अति-शोषित, गंभीर और अर्ध-महत्वपूर्ण) ब्लॉकों की कुल संख्या का लगभग *37* प्रतिशत हिस्सा हैं। अटल जल का एक प्रमुख पहलू समुदाय में व्यवहार परिवर्तन लाना है, जिसमें उपभोग के प्रचलित दृष्टिकोण से लेकर संरक्षण और स्मार्ट जल प्रबंधन तक शामिल है।

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1 कौन सा ताजे पानी का स्रोत नहीं है?

(ए) ग्लेशियर और बर्फ की चादरें (बी) भूजल

(सी) सतही अपवाह (डी) महासागर

उत्तर: (डी) महासागर

2. निम्नलिखित में से कौन सा पानी की कमी का कारण नहीं है?

(ए) बढ़ती जनसंख्या (बी) सिंचाई सुविधाओं का विस्तार

(सी) औधयोगिकीकरण (डी) छत पर जल संचयन प्रणाली

उत्तर: (डी) छत पर जल संचयन प्रणाली

3. पश्चिमी हिमालय में देखी जाने वाली डायवर्जन चैनल कहलाती हैं:

(ए) गुल्स या कुल्स (बी) खादिन (सी) जोहड़ (डी) पुनर्भरण गड्ढे

उत्तर: (ए) गुल्स या कुल्स

4.पीने के लिए वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए राजस्थान में देखे जाने वाले भूमिगत टैंकों को कहा जाता है:

(ए) टंका (बी) खड़ीन (सी) तालाब (डी) कुल्स

उत्तर: (ए) टंका

5.पश्चिमी राजस्थान में आज प्रचुर मात्रा में पानी उपलब्ध है क्योंकि:

(ए) छत पर जल संचयन (बी) बारहमासी राजस्थान नहर

(सी) टांकाओं का निर्माण (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (बी) बारहमासी राजस्थान नहर

6.निम्नलिखित में से कौन सा सिंचाई का प्रतिकूल प्रभाव नहीं है?

(ए) सिंचाई से फसल पैटर्न बदल जाता है (बी) जल गहन फसलें शुष्क क्षेत्रों में उगाई जाती हैं

(सी) मिट्टी का लवणीकरण (डी) फसल की उपज बढ़ जाती है

उत्तर: (डी) फसल की उपज बढ़ जाती है

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1 "पानी की कमी बड़ी और बढ़ती जनसंख्या का परिणाम हो सकती है"। व्याख्या करिए।

उत्तर:(i) बड़ी आबादी का मतलब न केवल घरेलू उपयोग के लिए बल्कि अधिक भोजन पैदा करने के लिए भी अधिक पानी की अवक्श्यकता है।

(ii) बढ़ती जनसंख्या के कारण पानी की समस्या का अधिकांश भारतीय शहर इसका सामना कर रहे हैं

(iii) बढ़ती जनसंख्या का सीधा प्रभाव जल स्तर पर भी पड़ता है।

2. शहरीकरण और शहरी जीवनशैली किस प्रकार जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन को बढ़ावा देती है, स्पष्ट करें।

उत्तर:(i) हमारे अधिकांश शहर अत्यधिक आबादी वाले हैं। अधिक जनसंख्या के कारण जल संसाधनों का उपयोग अधिक हो जाता है।

(ii) शहरीकरण, विशेषकर अनियोजित शहरीकरण, जल प्रदूषण को बढ़ाता है।

(iii) शहरीकरण मौजूदा जल संसाधनों विशेषकर नदी को भी नुकसान पहुँचाता है।

3. "भारत में पानी एक बहुत ही महत्वपूर्ण संसाधन है।" किन्हीं तीन बिंदुओं को समझाकर कथन का समर्थन करें।

उत्तर:(i) पानी मानव अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है।

(ii) जल का उपयोग परिवहन के लिए किया जाता है।

(iii) पानी का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए भी किया जाता है

4. उद्योगों की बढ़ती संख्या मौजूदा मीठे पानी के संसाधनों पर किस प्रकार दबाव डालती है

उत्तर:(i) उद्योगों ने पानी का उपयोग शीतलक, कच्चे माल, विलायक आदि के रूप में किया।

(ii) उद्योग हानिकारक रसायन छोड़ते हैं जो पानी को प्रदूषित करते हैं।

(iii) अधिकांश भारतीय नदियाँ उद्योगों द्वारा छोड़े गए जहरीले रसायनों के कारण प्रदूषित हो रही हैं।

5. बांध पानी के संरक्षण और प्रबंधन में कैसे मदद करते हैं?

उत्तर:(i) बांध पारंपरिक रूप से नदियों और वर्षा जल को रोकने के लिए बनाए जाते थे जिनका उपयोग बाद में कृषि क्षेत्रों की सिंचाई के लिए किया जा सकता था।

(ii) बांध बारहमासी नहरों का भी स्रोत है।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. जल की कमी क्या है? जल की कमी के मुख्य कारण लिखिए।

उत्तर:जल की कमी का मतलब है पानी की कमी. यह आमतौर पर कम वर्षा वाले या सूखाग्रस्त क्षेत्रों से जुड़ा होता है। ऐसे और भी कई कारण हैं जिनकी वजह से पानी की कमी होती है।

जल की कमी के कारण ये हैं:

(i) बड़ी बढ़ती जनसंख्या का अर्थ है घरेलू उपयोग के लिए और अधिक भोजन पैदा करने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता।

(ii) कृषि क्षेत्र में, सिंचित क्षेत्रों और शुष्क मौसम वाली कृषि का विस्तार करने के लिए जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है।

(iii) उच्च खाद्य उत्पादन को सुविधाजनक बनाने के लिए सिंचाई उद्देश्यों के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है, यानी,एक से अधिक फसलें लेने और HYV बीजों के लिए।

(iv) बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के साथ पानी की अधिक मांग है। .

(v) पानी की गुणवत्ता खराब हो रही है, यानी घरेलू और औद्योगिक कचरे, रासायनिक उर्वरकों और कृषि में उपयोग किए जाने वाले कीटनाशकों से प्रदूषित हो रही है।

(vi) उद्योगों द्वारा पानी का अत्यधिक उपयोग, जिन्हें चलाने के लिए जल-विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए भी पानी की आवश्यकता होती है।

(vii) शहरी क्षेत्रों में पानी का अत्यधिक दोहन। हाउसिंग सोसायटी और कॉलोनियों के पास अपने स्वयं के भूजल पंपिंग उपकरण हैं। इससे शहरों में नाजुक जल संसाधनों की कमी हो रही है।

2.जल संसाधनों के संरक्षण के लिए अपनाए गए कुछ उपाय लिखिए।

उत्तर:जल संरक्षण के उपाय:

(i)भूजल का अत्यधिक दोहन न करें,वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों से भूगर्भ जल का पुनर्भरण करें।

(ii)सभी स्तरों पर पानी की बर्बादी से बचें।

(iii)जल को प्रदूषित न करें।

(iv) जलाशयों, वाटरशेड विकास कार्यक्रमों आदि में वर्षा जल का दोहन करके जल संसाधनों को बढ़ाना।

(v) सिंचाई की जल संरक्षण तकनीकों को अपनाना, जैसे, ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर आदि, विशेष रूप से शुष्क क्षेत्रों में। जल स्तर के स्तर को ऊपर उठाने में मदद के लिए पर्याप्त जल रिसाव सुविधाओं को बढ़ाया जाना चाहिए।

3. बांध क्या है? बांधों की कार्यप्रणाली का वर्णन करें? बांधों को किस आधार पर विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है?

उत्तर:बांध बहते पानी के बीच एक अवरोध है जो जलाशय, झील या अवरोध का निर्माण करके प्रवाह को बाधित, निर्देशित या धीमा कर देता है।

बांध एक जलाशय है न कि संपूर्ण संरचना।

कार्यप्रणाली:अधिकांश बांधों में एक खंड होता है जिसे स्पिलवे जिसके माध्यम से पानी रुक-रुक कर या लगातार बहता रहेगा।

वर्गीकरण:बांधों को संरचना, इच्छित उद्देश्य या ऊंचाई के अनुसार वर्गीकृत किया जाता है।

(i) उपयोग की गई संरचना और सामग्री के अनुसार, उन्हें लकड़ी के बांध, तटबंध बांध या चिनाई वाले बांध के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
(ii)ऊंचाई के अनुसार इन्हें बड़े और प्रमुख बांध, कम ऊंचाई वाले बांध, मध्यम ऊंचाई वाले बांध और ऊंचे बांध के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

4. बताएं कि राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में छत पर वर्षा जल संचयन कैसे किया जाता है।

उत्तर:आमतौर पर पीने के पानी को संग्रहित करने के लिए 'छत पर वर्षा जल संचयन' का अभ्यास किया जाता था, खासकर राजस्थान के बीकानेर, फलोदी और बाड़मेर जैसे अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में।
(i) अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में, सभी घरों में पीने के पानी के भंडारण के लिए घर के अंदर भूमिगत टैंक या 'टंका' बनाए जाते थे। वे अच्छी तरह से विकसित छत पर वर्षा जल संचयन प्रणाली का हिस्सा थे।
(ii) टांका एक बड़े कमरे जितना बड़ा हो सकता है। फलोदी में एक घर में एक टैंक था जो 6.1 मीटर गहरा, 4.27 मीटर लंबा और 2.44 मीटर चौड़ा था।
(iii) टांका मुख्य घर या आंगन के अंदर बनाए जाते थे।
(iv)टैंकों को पाइप के माध्यम से घरों की ढलान वाली छतों से जोड़ा जाता था। गिरती हुई बारिश पाइपों से होकर भूमिगत 'टैंकों' में जमा हो जाती थी। बारिश की पहली बारिश को एकत्र नहीं किया जा सका क्योंकि इससे छत और पाइप साफ हो गए। बाद की वर्षा का वर्षा जल एकत्र किया गया।
(v)कई घरों में गर्मी से बचने के लिए टांका के पास भूमिगत कमरे बनाए जाते थे,क्योंकि इससे कमरा ठंडा रहता था।

5. पानी के संरक्षण और भंडारण के लिए पारंपरिक वर्षा जल संचयन विधियों का आधुनिक अनुकूलन कैसे किया जा रहा है? स्पष्ट कीजेये i

उत्तर:(i) आधुनिक समय में, वर्षा जल संचयन ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में किया जाता है ताकि संरचनाओं का निर्माण करके वर्षा जल को एकत्र करके और संग्रहीत करके भूजल को रिचार्ज किया जा सके, जैसे कि कुएँ, रिसाव गड्ढे, खेतों के चारों ओर खाइयाँ खोदना आदि।
(ii) छत पर वर्षा जल संचयन संरचनाएं कई शहरों में एक आम बात है। वर्षा जल को पीवीसी पाइप का उपयोग करके एकत्र किया जाता है और रेत और ईंटों का उपयोग करके फ़िल्टर किया जाता है।
(iii) इस पानी को टैंकों में भंडारण के माध्यम से घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए संग्रहित किया जा सकता है। यह पानी तत्काल उपयोग के लिए आसानी से उपलब्ध है।
(iv)अतिरिक्त पानी या एक पाइप को भूमिगत जलाशय से जोड़ा जा सकता है जो हैंडपंप के माध्यम से भूजल को रिचार्ज कर सकता है। बाद में, इस पानी को विभिन्न उपयोगों के लिए निकाला जा सकता है।
(v) वर्षा जल को संग्रहित करने के लिए भंडारण टैंक/जलाशय बनाए जाते हैं जिनका उपयोग बाद में सिंचाई उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

अध्याय 4
कृषि

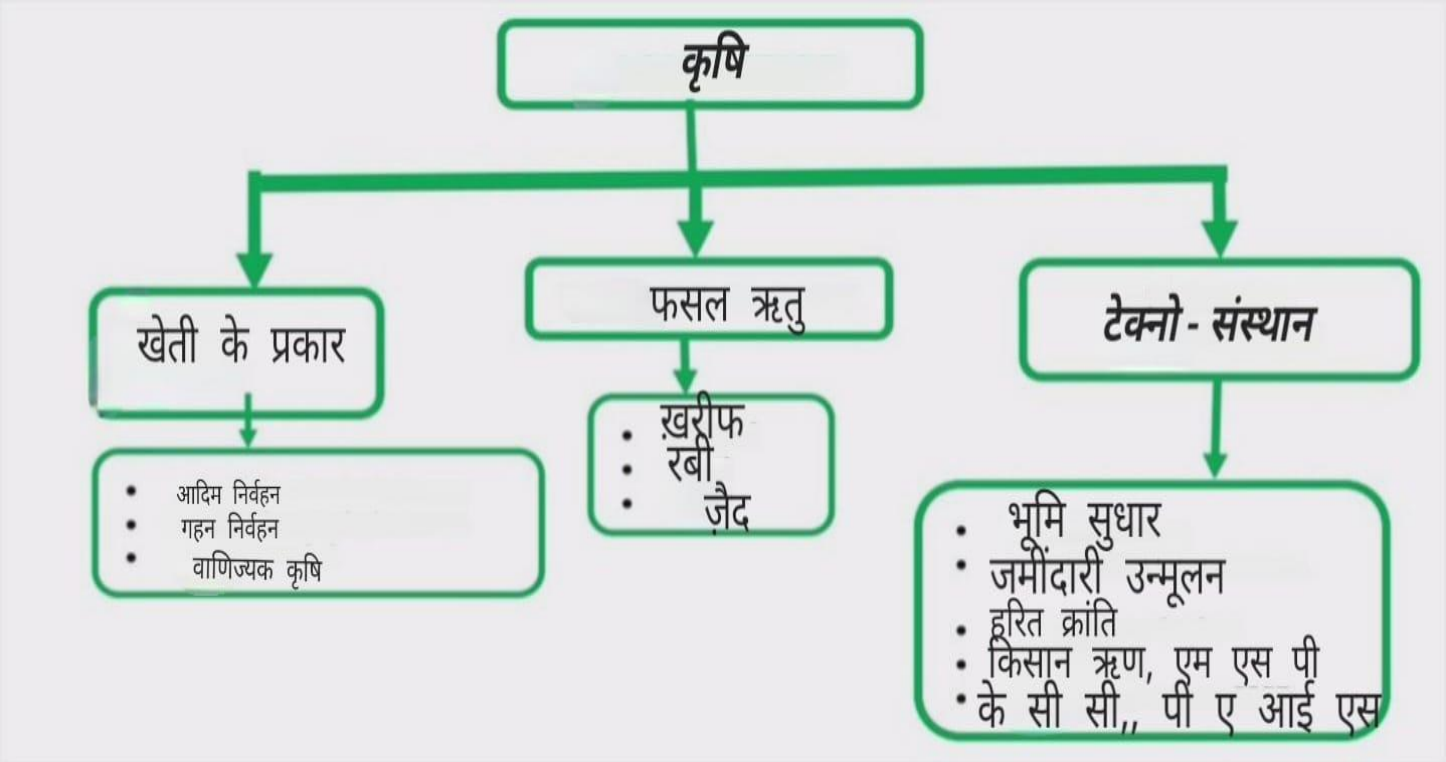

- **खरीफ**-मानसून की शुरुआत के साथ उगाया जाता है, सितंबर अक्टूबर में काटा जाता है, फसलें-चावल (धान), मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, कपास, जूट, मूंगफली, सोयाबीन
- **रबी**- अक्टूबर से दिसंबर तक सर्दियों में बोया जाता है और अप्रैल से जून तक गर्मियों में काटा जाता है। फसलें – गेहूँ, जौ, मटर, चना, सरसों।
- **जैद**-खरीफ और रबी मौसम के बीच, छोटा मौसम, फसलें- तरबूज, खरबूजा, खीरा, सब्जियां और चारा फसले

फसल मौसम –

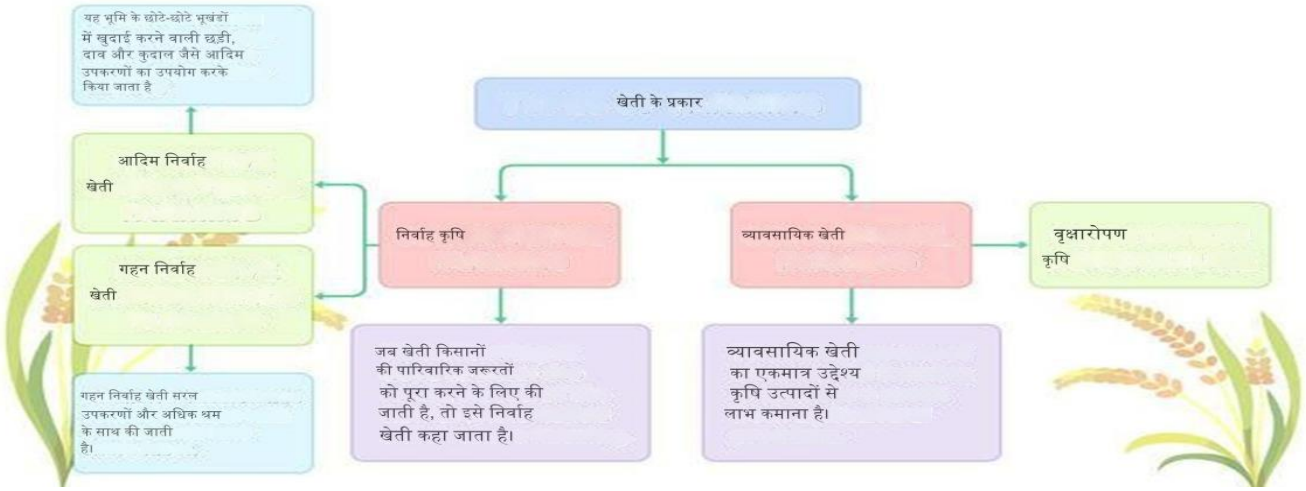

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. वृक्षारोपण खेती के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

(ए) इस प्रकार की खेती में एक ही फसल बड़े क्षेत्र पर उगाई जाती है।
(बी) वृक्षारोपण में कृषि और उद्योग का इंटरफ़ेस है।
(सी) वृक्षारोपण भूमि के बड़े हिस्से को कवर करते हैं जिन्हें एस्टेट कहा जाता है।
(डी) किसान अनाज और अन्य खाद्य फसलें पैदा करने के लिए पेड़ों को काटकर और उन्हें जलाकर भूमि का एक टुकड़ा साफ करते हैं।
उत्तर: **(डी)**

2. भारत की तीन प्रमुख फसल ऋतुएँ हैं:
(ए) औस, अमन और बोरो (बी) रबी, खरीफ और ज़ैद
(सी) बैसाख, पौस और चैत (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर: (बी) रबी, ख़रीफ़ और ज़ैद

3. रबी मौसम की मुख्य खाद्य फसल है:
(ए) गेहूं (बी) चावल (सी) मक्का (डी) ज्वार
उत्तर: (ए) गेहूँ
4. मक्के की वृद्धि के लिए उपयुक्त परिस्थिति कौन सी है?
(ए) तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच और पुरानी जलोढ़ मिट्टी
(बी) 17 डिग्री सेल्सियस से नीचे तापमान और उथली काली मिट्टी
(सी) 25 डिग्री सेल्सियस तापमान और 200 सेमी वर्षा
(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर: **(ए) तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच और पुरानी जलोढ़ मिट्टी**

5. निम्नलिखित में से कौन सी फसल शाकाहारी भोजन में प्रोटीन का प्रमुख स्रोत है?
(ए) गेहूं (बी) चावल (सी) दालें (डी) तिलहन
उत्तर: (सी) दालें

6. निम्नलिखित में से किसे स्वर्ण रेशे के रूप में जाना जाता है?
(ए) कपास (बी) जूट (सी) गांजा (डी) सिल
उत्तर: (बी) जूट

7. गन्ने की वृद्धि के लिए आदर्श स्थिति कौन सी है?
(ए) तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस और वार्षिक वर्षा 75 सेमी और 100 सेमी के बीच
(बी) 17 डिग्री सेल्सियस से नीचे तापमान और 50 से 75 सेमी वर्षा
(सी) 25 डिग्री सेल्सियस तापमान और 200 सेमी वर्षा
(डी) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर(ए) तापमान 21 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस और वार्षिक वर्षा 75 सेमी और 100 सेमी के बीच

8. कथन (ए): चाय की खेती, एक श्रम प्रधान उद्योग है।

कारण (आर): खेती पूरे वर्ष की जा सकती है। चाय की झाड़ियों को गर्म और नम ठंढ-मुक्त जलवायु की आवश्यकता होती है।

उत्तर: कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण (आर) कथन (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1.भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का क्या महत्व है?

उत्तर:(i)भारत एक कृषि प्रधान देश है।

(ii)इसकी लगभग दो-तिहाई आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे कृषि पर निर्भर है।

(iii कृषि भारत की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है।

(iv) यह उद्योगों के लिए कई कच्चे माल का उत्पादन करता है

2. वृक्षारोपण कृषि क्या है?

उत्तर :(i)वृक्षारोपण खेती पेड़ों को रोपने की खेती है।

(ii)यह रबर,चाय,कॉफी,कोको,मसाले,नारियल और सेब,अंगूर,संतरे आदि फलों की एकल फसल खेती है।

(iii)यह पूंजी प्रधान है और अच्छी प्रबंधकीय क्षमता,तकनीकी जानकारी,परिष्कृत मशीनरी, उर्वरक,सिंचाई और परिवहन सुविधाओं की मांग करता है।

3. किन कारकों ने भारत में कृषि विकास की गति को बाधित किया है?

उत्तर : (i) सिंचाई के स्रोत के विकास के बावजूद, अधिकांश किसान अभी भी मानसून पर निर्भर हैं।

(ii)किसान अभी भी प्राकृतिक उर्वरक और खाद पर निर्भर हैं और इसलिए भूमि उर्वरता हासिल नहीं कर पाती है।

(iii)भारतीय किसान अभी भी पुराने औजारों और औजारों का उपयोग कर रहे हैं और उन्होंने आधुनिक कृषि मशीनरी के उपयोग को लागू नहीं किया है।

(iv)वे अभी भी खेती के पारंपरिक तरीकों का उपयोग कर रहे हैं और उन्होंने खेती की नई तकनीक, तकनीकी और संस्थागत सुधारों का उपयोग नहीं किया है।

(v)प्रत्येक पीढ़ी के बाद भूमि के विभाजन के कारण भूमि के टुकड़े हो गए हैं, भूमि और छोटी जोतें बँट गई हैं जो अलाभकारी हो गई हैं।

4. भारत में कौन सी फसल ऋतुएँ पाई जाती हैं?

उत्तर :भारत में 3 फसल ऋतुएँ रबी, ख़रीफ़ और ज़ैद हैं।

(i)रबी - फसलें सर्दियों में अक्टूबर से दिसंबर तक बोई जाती हैं और गर्मियों में अप्रैल से जून तक काटी जाती हैं। कुछ महत्वपूर्ण फ़सलें हैं - गेहूँ, जौ, सरसों, मटर, घास।

(ii) खरीफ - फसलें मानसून की शुरुआत के साथ उगाई जाती हैं और सितंबर-अक्टूबर में काटी जाती हैं। महत्वपूर्ण फसलें हैं - धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, अरहर, मूंग, उड़द, कपास, जूट, मूंगफली, सोयाबीन।

(iii) ज़ैद - फसलें रबी और ख़रीफ़ के बीच उगाई जाती हैं, गर्मियों के दौरान एक छोटा मौसम होता है जिसे ज़ैद मौसम के रूप में जाना जाता है। महत्वपूर्ण फसलें हैं - तरबूज, खरबूजा, ककड़ी, सब्जियाँ और चारा फसलें। गन्ने को उगने में लगभग एक वर्ष का समय लगता है।

5. व्यावसायिक खेती की विशेषताएँ बताइये?

उत्तर :(i)उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए आधुनिक तरीको,अर्थात् उच्च उपज वाले किस्म (HYV) के बीज, रासायनिक उर्वरक, कीटनाशकों और कीटनाशकों का उपयोग।

(ii)कृषि वस्तुएं मुख्य रूप से बिक्री के लिए उत्पादित की जाती हैं।

(iii)मुख्य फसलें चावल, बाजरा, मसाले, कपास आदि हैं। किसान इन्हें व्यावसायिक तौर पर बेच सकते हैं।

(iv)व्यावसायीकरण की डिग्री एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है। उदाहरण के लिए, हरियाणा और पंजाब में चावल एक व्यावसायिक फसल है, लेकिन उड़ीसा में यह निर्वाह खेती है

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. किस फसल को "सुनहरा रेशा" कहा जाता है, दो भौगोलिक व्याख्या कीजिए
इस फसल की खेती के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ। किन्हीं चार का उल्लेख करें
उपयोग करता है।

उत्तर:जूट को "सुनहरा रेशा" कहा जाता है।

इसकी खेती के लिए भौगोलिक परिस्थितियाँ इस प्रकार हैं:

(i)जूट बाढ़ के मैदानों की अच्छी जल निकास वाली उपजाऊ मिट्टी में अच्छी तरह उगता है और प्रत्येक वर्ष नवीनीकरण किया जाता है।

(ii)वृद्धि के समय उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।

(iii)यह बाढ़ के मैदानों में अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ मिट्टी पर अच्छी तरह उगता है।

उपयोग :

(i)इसका उपयोग टाट, चटाई, रस्सियाँ,कालीन आदि के निर्माण के लिए किया जा सकता है

(ii)जूट का उपयोग कपड़ों के निर्माण में किया जाता है, जैसे हेस्सियन कपड़ा, टाट, स्क्रिम, कालीन बैकिंग कपड़ा (सीबीसी), और कैनवास।

(iii)हेसियन टाट की तुलना में हल्का होता है,और इसका उपयोग बैग,रैपर,दीवार-कवरिंग,असबाब और घरेलू सामान के लिए किया जाता है।

(iv)सैकिंग,जो भारी जूट के रेशों से बना कपड़ा है, जिसका उपयोग विभिन्न कार्यों में किया जाता है।

2. विभिन्न तकनीकी और संस्थागत सुधारों का वर्णन करें जिनके कारण भारत में हरित क्रांति सफल हुई थी.

उत्तर:जिम्मेदार कारक:

(1980 और 1990 के दशक में कृषि में सुधार के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए संस्थागत और तकनीकी सुधार इस प्रकार थे:

A. संस्थागत सुधार:

i. व्यापक भूमि विकास कार्यक्रम शुरू किया गया।

ii. सूखा, बाढ़, चक्रवात, आग और बीमारी के खिलाफ फसल बीमा का प्रावधान शुरू किया गया।

iii. किसानों को कम ब्याज दरों पर ऋण सुविधा प्रदान करने के लिए ग्रामीण बैंक, सहकारी समितियाँ और बैंक स्थापित किए गए।

iv- किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) शुरू किया गया।

v. सामूहिकीकरण, जोत की चकबंदी, जमींदारी उन्मूलन आदि को प्राथमिकता दी गई।

B. तकनीकी सुधार:

i. उच्च उपज वाले बीज, रासायनिक खाद और कीटनाशक उपलब्ध कराए गए।

ii. सिंचाई के तरीकों का आधुनिकीकरण किया गया।

iii. नवीनतम कृषि उपकरण पेश किए गए।

iv. रेडियो और टेलीविजन पर किसानों के लिए विशेष मौसम बुलेटिन और कृषि कार्यक्रम शुरू किए गए।

3.कृषि को आधुनिक बनाने के भारत सरकार के प्रयासों का उल्लेख करें।

उत्तर:(i) कृषि विश्वविद्यालयों, पशु चिकित्सा सेवाओं और पशु प्रजनन केंद्रों की स्थापना।

(ii) भारत की कृषि में सुधार के लिए बागवानी विकास अनुसंधान और मेट्रोलॉजी और मौसम पूर्वानुमान आदि के क्षेत्र में विकास को प्राथमिकता दी गई है।

(iii) ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, बुनियादी प्रणाली जो देश को ठीक से काम करने के लिए चाहिए (यानी) परिवहन, संचार और बैंकिंग प्रणाली को प्रदान करना।

(iv) मशीनों और रासायनिक उर्वरकों की देखभाल को प्रोत्साहन, बीजों की अधिक उपज देने वाली किस्मों का विकास किया गया।

(v) सरकार ने पौधों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए विभिन्न योजनाएँ शुरू की हैं।

(vi)ट्रैक्टर , हार्वेस्टर, थ्रैशर आदि जैसे विभिन्न प्रकार के औजारों और उपकरणों के विकास से समय बर्बादी की संभावना कम हो गई है और देश में भोजन की वृद्धि हुई है,

अध्याय 5
खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

खनिज क्या है?

खनिज को "एक समरूप, प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले पदार्थ के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसकी आंतरिक संरचना निश्चित हो।"

खनिजों की प्राप्ति का तरीका

खनिज आमतौर पर "अयस्क" में पाए जाते हैं। अयस्क शब्द का उपयोग किसी भी खनिज के अन्य तत्वों के साथ मिश्रित संचय का वर्णन करने के लिए किया जाता है। खनिज आमतौर पर निम्नलिखित रूपों में पाए जाते हैं:

- आग्नेय और कायांतरित चट्टानों में खनिज दरारें, दरारों, भ्रंशों या जोड़ों में पाए जा सकते हैं।
- अवसादी चट्टानों में अनेक खनिज बिस्तरों या परतों में पाए जाते हैं।
- सतही चट्टानों के अपघटन और घुलनशील घटकों के हटने से भी खनिज बनते हैं।
- खनिज घाटियों के तल की रेत और पहाड़ियों के आधार में जलोढ़ जमा के रूप में भी पाए जाते हैं।
- महासागरीय जल में प्रचुर मात्रा में खनिज मौजूद हैं।

खनिजों का वर्गीकरण-

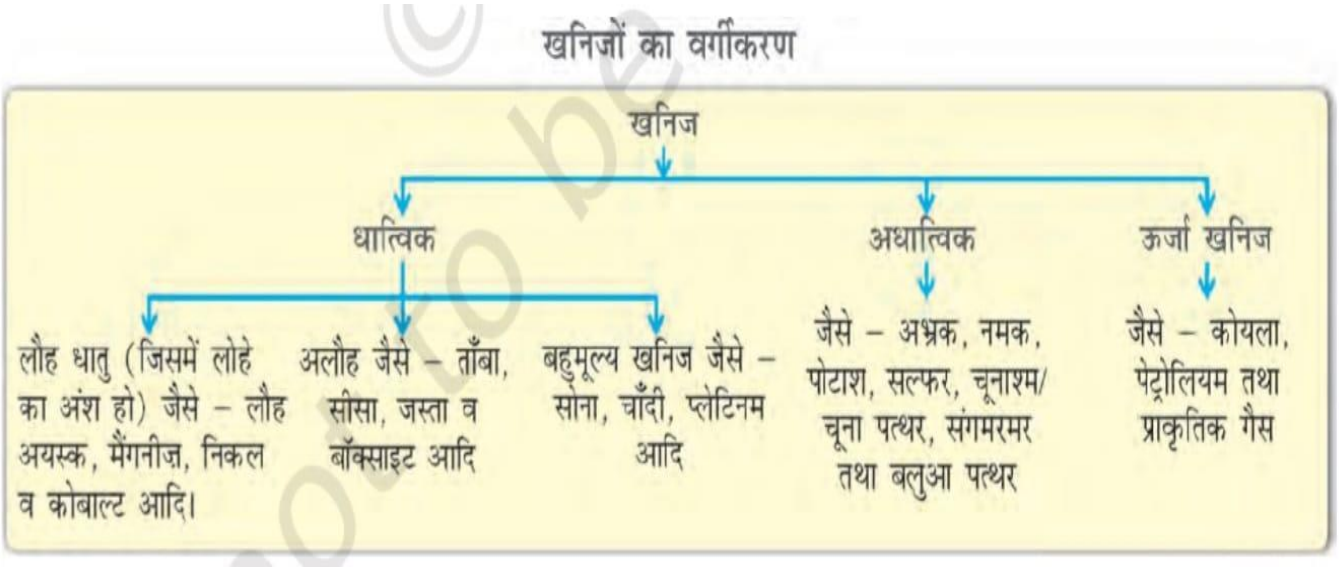

A- लौह खनिज.

ऐसे सभी खनिज जिनमें लौह तत्व मौजूद होता है, लौह खनिज कहलाते हैं। उदाहरण: लौह अयस्क, मैंगनीज, निकल आदि।

B- अलौह खनिज. जिन खनिजों में लोहा पाया जाता है उन्हें अलौह खनिज कहते हैं। उदाहरण: तांबा, सीसा, बॉक्साइट आदि।

ऊर्जा संसाधन –

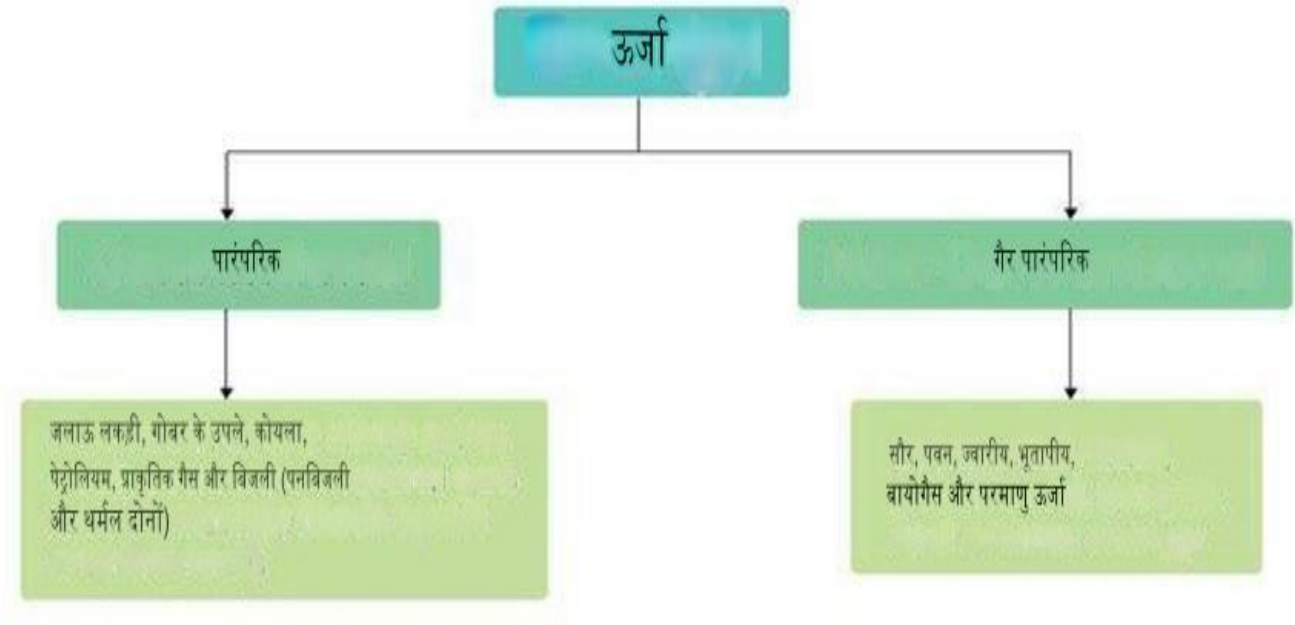

ऊर्जा

संसाधनों को इस प्रकार वर्गीकृत किया जा सकता है

*परम्परागत स्रोत: इसमें जलाऊ लकड़ी, गोबर के उपले, कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली शामिल हैं।

*गैर-परम्परागत स्रोत: इसमें सौर, पवन, ज्वारीय, भूतापीय, बायोगैस और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं।

B- ऊर्जा के गैर-परंपरागत स्रोत-

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ज्वार, बायोमास और अपशिष्ट पदार्थों से प्राप्त ऊर्जा को गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत कहा जाता है-

राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र - कृषि, उद्योग, परिवहन, वाणिज्यिक और घरेलू - को ऊर्जा की आवश्यकता होती है। ऊर्जा विकास के लिए एक स्थायी मार्ग विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। यहाँ कुछ तरीके दिए गए हैं जिनसे हम में से हर कोई ऊर्जा संसाधनों को बचाने में योगदान दे सकता है:

* व्यक्तिगत वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों का उपयोग करना
* उपयोग न होने पर बिजली बंद कर दें
* बिजली बचाने वाले उपकरणों का उपयोग करना

गैर पारंपरिक संसाधनों का उपयोग

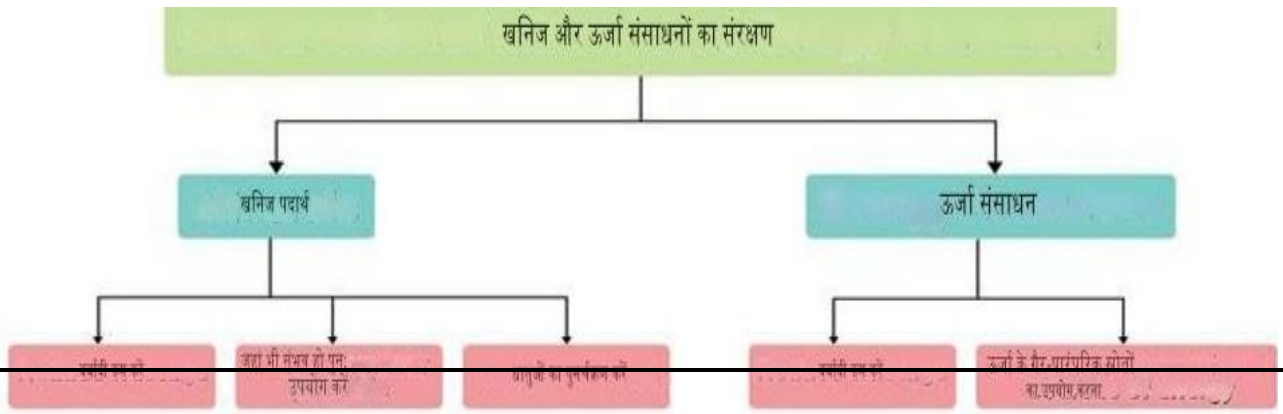

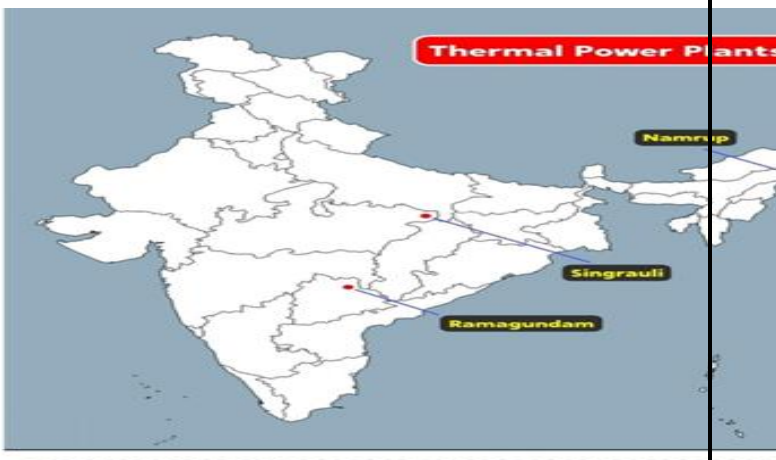

Namrup – Assam
Singrauli – Madhya Pradesh
Ramagundam – Telangana

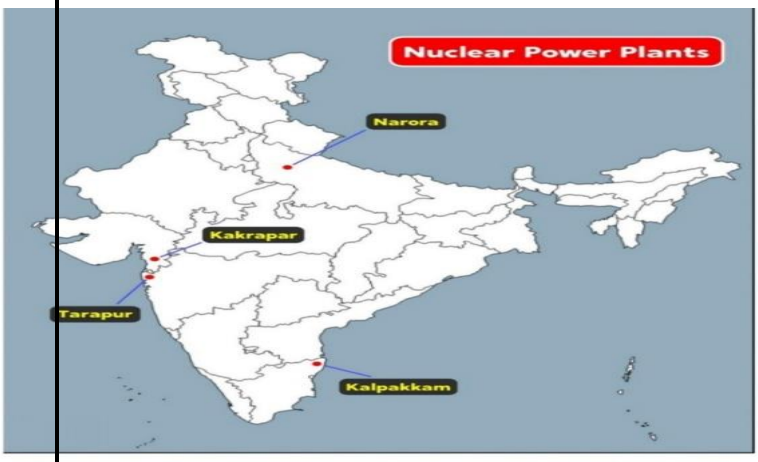

Narora – Uttar Pradesh
Kakrapar – Gujarat
Tarapur – Maharashtra
Kalpakkam – Tamil Nadu

महत्वपूर्ण मानचित्र स्थान-

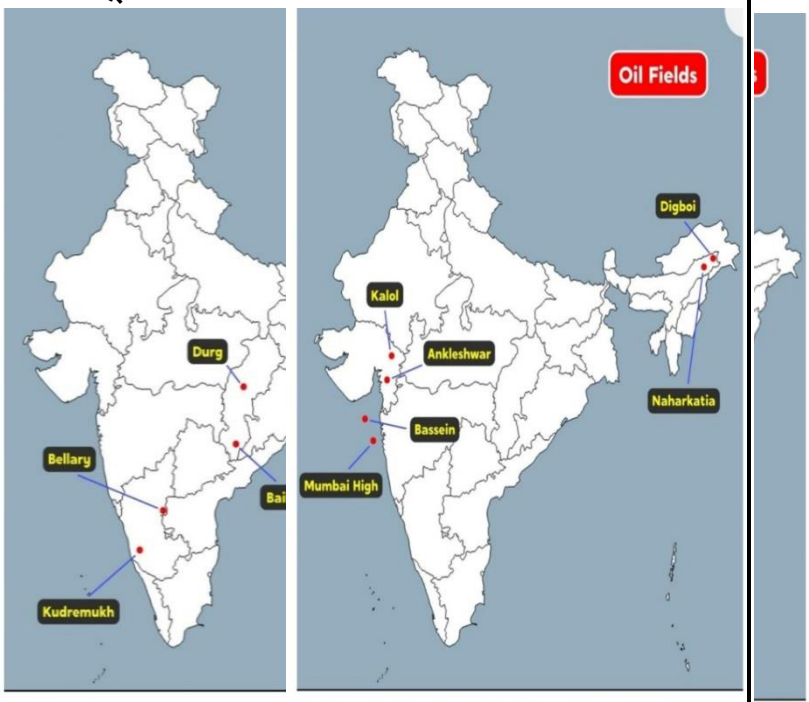

Durg – Chhattisgarh
Bailadila – Chhattisgarh
Mayurganj – Odisha

Kalol – Gujarat
Ankleshwar – Gujarat
Mumbai High – Arabian Sea
Bassein – Arabian Sea
Digboi – Assam
Naharkatia – Assam

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1.उपयोग की मात्रा की दृष्टि से कौन सा अयस्क सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक लौह अयस्क है?

(ए) मैग्नेटाइट (बी) पाइराइट (सी) गोएथाइट (डी) हेमेटाइट

उत्तर: (डी) हेमेटाइट

2.निम्नलिखित में से कौन सा खनिज शिराओं और छिद्रों से प्राप्त नहीं होता है?

(ए) टिन (बी) जिंक (सी) लीड (डी) जिप्सम

उत्तर: (डी) जिप्सम

3.झारखंड में कोडरमा निम्नलिखित में से किस खनिज का प्रमुख उत्पादक है?

(ए) बॉक्साइट (बी) अभ्रक (सी) लौह अयस्क (डी) तांबा

उत्तर: (बी) अभ्रक

4.भारत के _____ निक्षेप मुख्य रूप से अमरकंटक पठार, मैकल पहाड़ियों और बिलासपुर-कटनी के पठारी क्षेत्र में पाए जाते हैं।

(ए) बॉक्साइट (बी) लौह अयस्क (सी) स्टील (डी) मैंगनीज

उत्तर: (ए) बॉक्साइट

5.निम्नलिखित में से किस चट्टान के स्तरों में खनिजों का निक्षेपण एवं संचयन होता है?

(ए) तलछटी चट्टानें (बी) रूपांतरित चट्टानें

(सी) आग्नेय चट्टानें (डी) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (ए) अवसादी चट्टानें

6. प्रमुख लिग्नाइट भंडार तमिलनाडु में _____ में पाए जाते हैं और इसका उपयोग बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है।

(ए) मदुरै (बी) वेल्लोर (सी) नेवेली (डी) तूतीकोरिन

उत्तर: (सी) नेवेली

7. भारत का अधिकांश पेट्रोलियम उत्पादन _____ से होता है।

(ए) मुंबई हाई (बी) असम (सी) गुजरात (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर:(ए) मुंबई हाई

8. निम्नलिखित में से कौन सा खनिज चट्टानों के अपघटन से बनता है, जिससे अपक्षयित सामग्री का अवशिष्ट द्रव्यमान निकलता है?

(ए) कोयला (बी) बॉक्साइट (सी) सोना (डी) जिंक

उत्तर: (बी) बॉक्साइट

9. सोना, चांदी और प्लैटिनम _____ के उदाहरण हैं।

(ए) लौह खनिज (बी) अलौह खनिज (सी) बहुमूल्य खनिज (डी) अधात्विक खनिज

उत्तर:(सी) बहुमूल्य खनिज

10. गुजरात और _____ में प्रायद्वीप के पश्चिमी और पूर्वी किनारों पर तलछटी चट्टानों में अधिकांश पेट्रोलियम भंडार हैं।

(ए) मध्य प्रदेश (बी) तेलंगाना (सी) असम (डी) महाराष्ट्र

उत्तर:(सी) असम

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1.तांबे के क्या उपयोग हैं? भारत के दो प्रमुख तांबा उत्पादक राज्यों के नाम बताइये।

उत्तर तांबे का उपयोग: (i)विद्युत केबलों के निर्माण ।

(ii)इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों ।

(iii)रासायनिक उद्योगों में।

भारत के दो प्रमुख तांबा उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश और राजस्थान हैं।

2.खनिज संसाधनों का संरक्षण क्यों आवश्यक है?

उत्तर संरक्षण के कारण:

(i)खनिजों पर उद्योग और कृषि की मजबूत निर्भरता।

(ii)खनिज निर्माण की प्रक्रिया धीमी होती है।

(iii)वे गैर-नवीकरणीय हैं।

(iv)वे मात्रा में सीमित हैं।

3. ऊर्जा विकास का एक स्थायी मार्ग विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। चिंतित नागरिक के रूप में,आप ऊर्जा

संरक्षण में कैसे मदद कर सकते हैं?

उत्तर:(i)ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना।

(ii)नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग बढ़ाना।

(iii)व्यक्तिगत वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों का उपयोग करना।

(iv)उपयोग में न होने पर बिजली बंद कर देना।

(v)बिजली-बचत उपकरणों का उपयोग करना।

(vi)ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों का उपयोग करना।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1.**'खनिज हमारे जीवन का अपरिहार्य हिस्सा हैं'। उदाहरण सहित कथन का समर्थन करें।**

उत्तर खनिज हमारे जीवन का अपरिहार्य हिस्सा हैं:

(i)हमारे द्वारा उपयोग की जाने वाली लगभग सभी चीजें,एक छोटी पिन से लेकर एक ऊंची इमारत या बड़े जहाज तक, सभी खनिजों से बनी हैं।

(ii)रेलवे लाइनें और सड़कों का डामर, हमारे उपकरण और मशीनरी भी खनिजों से बने हैं।

(iii)कारें,बसें,रेलगाड़ियाँ, हवाई जहाज़ खनिजों से निर्मित होते हैं और पृथ्वी से प्राप्त बिजली संसाधनों पर चलते हैं।

(iv)यहां तक कि जो भोजन हम खाते हैं उसमें भी खनिज होते हैं।

(v)विकास के सभी चरणों में, मानव ने अपनी आजीविका, सजावट,उत्सव,धार्मिक और औपचारिक अनुष्ठानों के लिए खनिजों का उपयोग किया है।

2 . भारत में सौर ऊर्जा का भविष्य उज्ज्वल क्यों है?

उत्तर: i. भारत एक उष्णकटिबंधीय देश है और यहाँ प्रचुर मात्रा में धूप मिलती है।

ii. इसमें सौर ऊर्जा के दोहन की अपार संभावनाएँ हैं

iii. यह ऊर्जा का एक अक्षय स्रोत है जो प्रकृति में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध है।

iv. यह ऊर्जा का एक सस्ता स्रोत है और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में तेज़ी से लोकप्रिय हो रहा है

v. फोटोवोल्टिक तकनीक उपलब्ध है जो सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में परिवर्तित करती है।

3 **. "भारत में खनिजों का वितरण असमान है।" उदाहरणों के साथ कथन का समर्थन करें।**

उत्तर: i. भारत के विभिन्न क्षेत्रों में खनिजों का वितरण असमान है।

ii. प्रायद्वीपीय चट्टानों में कोयला, धात्विक खनिज, अभ्रक और कई अन्य गैर-धात्विक खनिजों के अधिकांश भंडार हैं।

iii. प्रायद्वीप के पश्चिमी और पूर्वी किनारों पर गुजरात और असम में तलछटी चट्टानों में अधिकांश पेट्रोलियम भंडार हैं।

iv. प्रायद्वीप की चट्टान प्रणालियों के साथ राजस्थान में कई अलौह खनिजों के भंडार हैं। उत्तर भारत के विशाल जलोढ़ मैदान आर्थिक खनिजों से लगभग रहित हैं।

स्रोत आधारित प्रश्न **:** विषय-वस्तु को पढ़ें और उत्तर दें:

आज की दुनिया में बिजली के इतने व्यापक अनुप्रयोग हैं कि, इसकी प्रति व्यक्ति खपत को विकास का सूचकांक माना जाता है। बिजली मुख्य रूप से दो तरीकों से उत्पन्न होती है: जल प्रवाहित करके जो हाइड्रो टर्बाइनों को जलविद्युत उत्पन्न करने के लिए चलाता है; और कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे अन्य ईंधनों को जलाकर टर्बाइनों को तापीय विद्युत उत्पन्न करने के लिए चलाता है। एक बार उत्पन्न होने के बाद बिजली बिल्कुल वैसी ही होती है। हाइड्रो बिजली तेज बहने वाले पानी से उत्पन्न होती है, जो एक नवीकरणीय संसाधन है। भारत में भाखड़ा-नांगल, दामोदर घाटी निगम, कोपिली हाइडल परियोजना आदि जैसी कई बहुउद्देश्यीय परियोजनाएँ हैं जो जलविद्युत शक्ति का उत्पादन करती हैं। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का उपयोग करके तापीय बिजली उत्पन्न की जाती है। तापीय बिजली स्टेशन बिजली उत्पन्न करने के लिए गैर-नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते हैं।

(i) जलविद्युत कैसे उत्पन्न होती है? 1

उत्तर: जलविद्युत तेज बहने वाले पानी से उत्पन्न होती है।

(ii) तापीय बिजली स्टेशन बिजली कैसे उत्पन्न करते हैं? 1

उत्तर: कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस का उपयोग करके तापीय बिजली उत्पन्न की जाती है।

iii) बिजली पैदा करने के दो तरीके क्या हैं? 2

उत्तर: पानी चलाकर और कोयले जैसे अन्य ईंधन जलाकर।

अध्याय 6
विनिर्माण उद्योग

औद्योगिक स्थानीयकरण निम्नलिखित की उपलब्धता से प्रभावित होते हैं:

- कच्चा माल, श्रम,पूंजी, शक्ति ,परिवहन, बाज़ार, पानी और सरकारी नीतियां

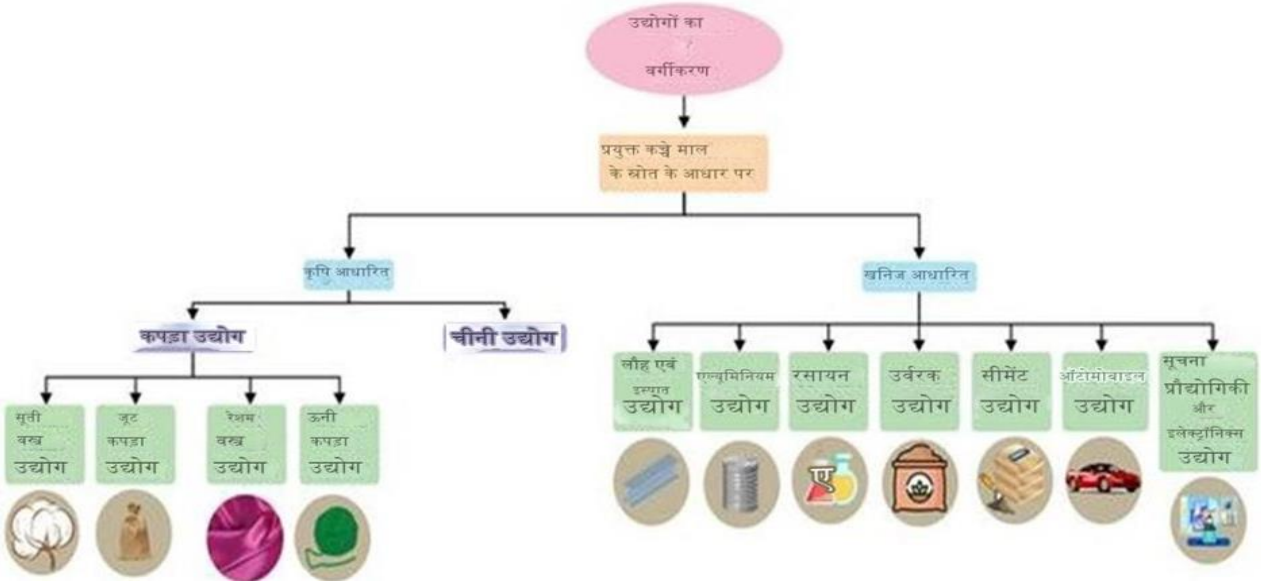

*

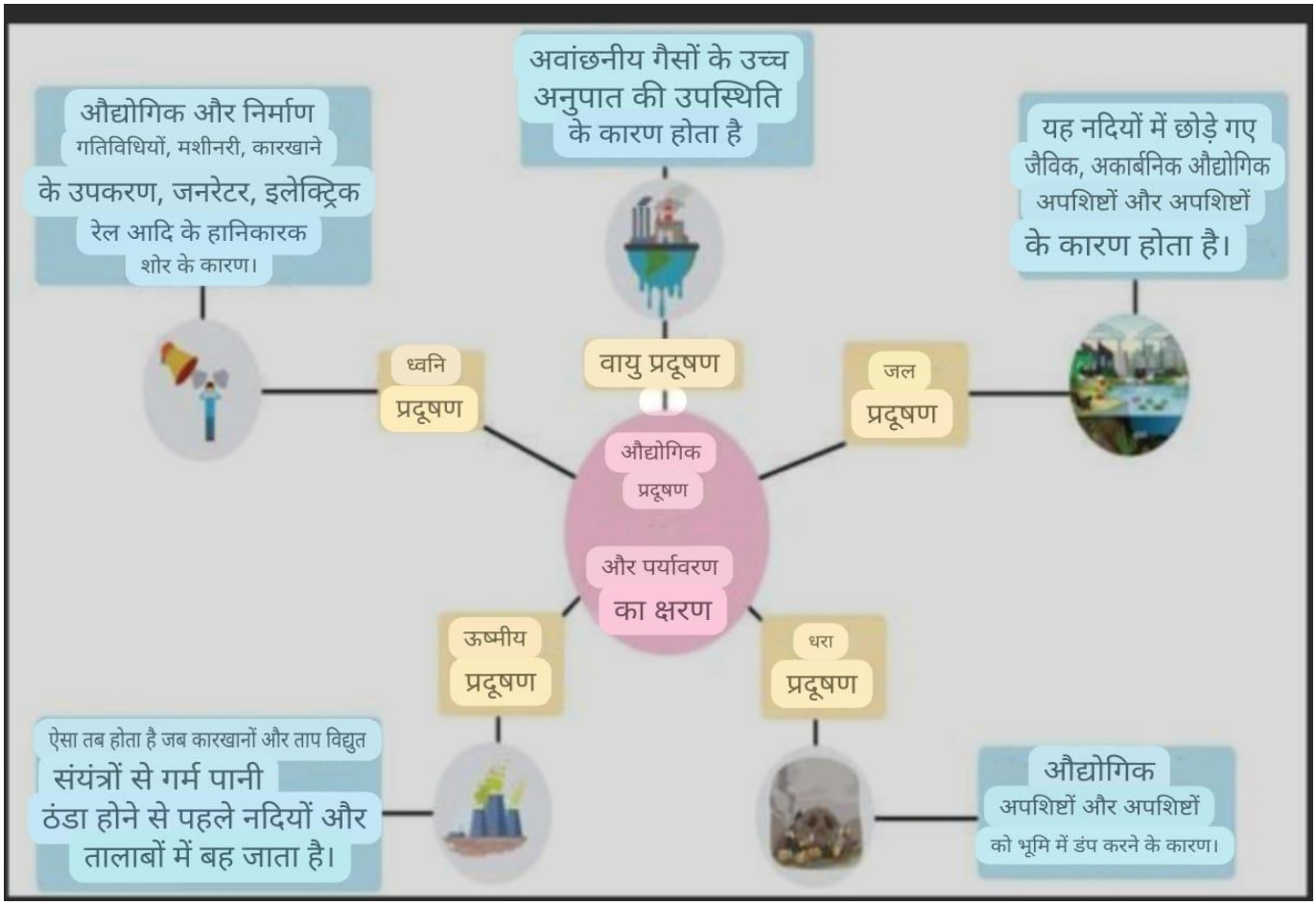

औद्योगिक प्रदूषण और पर्यावरण क्षरण-

पर्यावरण क्षरण पर नियंत्रण- यहां कुछ तरीके दिए गए हैं जिनके माध्यम से औद्योगिक प्रदूषण को कम किया जा सकता है:

1. पानी का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण करके उसके उपयोग को न्यूनतम करना।

2. जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्षा जल का संचयन करना।

3. नदी के रेत तालाबों में छोड़ने से पहले गर्म पानी और अपशिष्टों का उपचार करना।

4. कारखानों में इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रीसिपिटेटर, फैब्रिक फिल्टर, स्क्रबर और इनर्शियल सेपरेटर युक्त स्मोक स्टैक्स लगाकर वायु में उपस्थित कणीय पदार्थ को कम किया जा सकता है।

5. कारखानों में कोयले के स्थान पर तेल या गैस का उपयोग करके धुआँ कम किया जा सकता है। ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और शोर कम करने के लिए मशीनरी को पुनः डिजाइन किया जा सकता है।

मानचित्र कौशल-

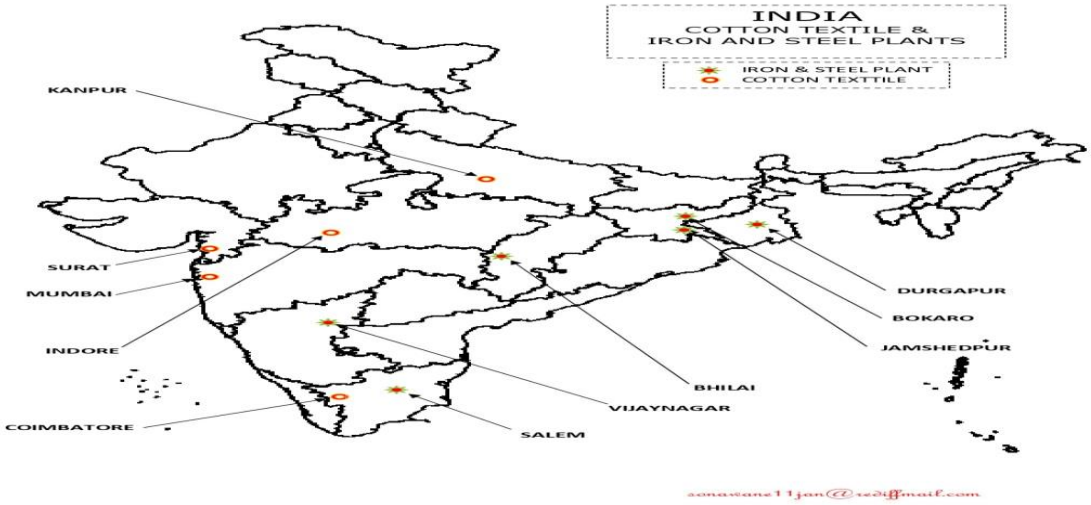

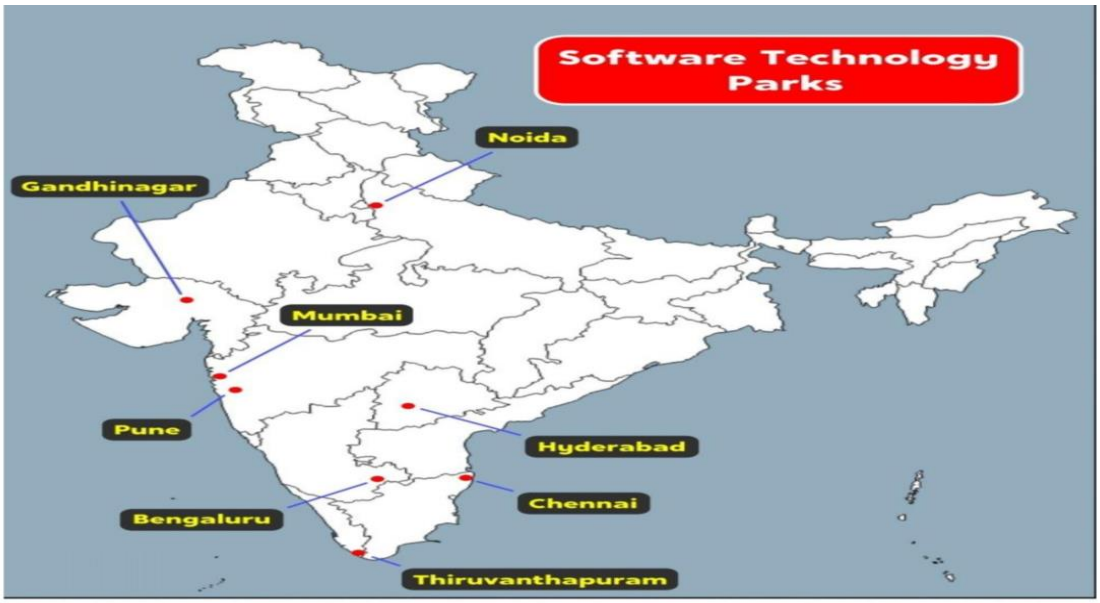

बहु विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1.निम्नलिखित में से कौन सा लौह एवं इस्पात उद्योग में प्रयुक्त होने वाला कच्चा माल नहीं है?

(ए) चूना पत्थर (बी) कोयला (सी) लौह अयस्क (डी) यूरेनियम

उत्तर :(डी)यूरेनियम

2. निम्नलिखित में से कौन सा कुटीर उद्योग का उदाहरण है?

(ए0 कपड़ा उद्योग (बी) चीनी उद्योग (सी) हथकरघा उद्योग डी) इलेक्ट्रॉनिक उद्योग

उत्तर :(सी)हथकरघा उद्योग

3. निम्नलिखित में से कौन सा किसी उद्योग के स्थान को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है?

(ए) कच्चे माल की उपलब्धता (बी) बाजारों की अनुपलब्धता

(सी) श्रम की उपलब्धता (डी) जलवायु

उत्तर: (बी) बाजारों की अनुपलब्धता

4. पिछड़े क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार निम्नलिखित में से कौन सा उपाय करती है?

(ए) कर रियायतें (बी) बुनियादी ढांचे का विकास

(सी) सब्सिडी डी) उपरोक्त सभी

उत्तर:(डी)उपरोक्त सभी

5. निम्नलिखित में से छत्तीसगढ़ में कौन सा संयंत्र स्टील का निर्माण करता है?

(ए) टिस्को (बी) भिलाई इस्पात संयंत्र

(सी) बोकारो स्टील प्लांट (डी) राउरकेला स्टील प्लांट

उत्तर :(बी)भिलाई इस्पात संयंत्र

लघु उत्तर प्रश्नोत्तर

1.“विनिर्माण उद्योग को भारत के आर्थिक विकास की रीढ़ माना जाता है।” कारण बताइए।

उत्तर:भारत के लिए विनिर्माण उद्योगों का महत्व:

(i)यह कृषि को आधुनिक बनाने में मदद करता है,जो हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है।

(ii)यह गैर-कृषि क्षेत्रों में रोजगार प्रदान करके कृषि आय पर भारी निर्भरता को कम करता है।

(iii)गरीबी और बेरोजगारी उन्मूलन के लिए औद्योगिक विकास आवश्यक है क्योंकि लोगों को नौकरियां मिलती हैं और अधिक आय उत्पन्न होती है।

(iv) विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात से व्यापार का विस्तार होता है और अत्यधिक आवश्यक विदेशी मुद्रा आती है।

2. "कृषि और उद्योग एक-दूसरे से अलग नहीं हैं,बल्कि साथ-साथ चलते हैं।" इस कथन के पक्ष में तर्क दीजिए।

उत्तर:(i)भारत में कृषि-उद्योगों ने अपनी उत्पादकता बढ़ाकर कृषि को बढ़ावा दिया है।

(ii)उद्योग अपने कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं, जैसे सूती वस्त्र उद्योग।

(iii)उद्योग किसानों को सिंचाई पंप,उर्वरक,कीटनाशक,पीवीसी पाइप,मशीनें और उपकरण आदि जैसे कई कृषि इनपुट प्रदान करते हैं।

(iv)विनिर्माण उद्योगों ने कृषकों को अपना उत्पादन बढ़ाने में सहायता की है और उत्पादन प्रक्रियाओं को बहुत कुशल बनाया है।

(v)औद्योगिक क्षेत्र द्वारा परिवहन के विभिन्न तरीकों के विकास ने न केवल किसानों को कृषि इनपुट प्राप्त करने में मदद की है बल्कि उन्हें अपने उत्पादों का व्यापार करने में भी मदद की है।

3 उन प्रमुख कारकों की सूची बनाएं जो किसी स्थान पर उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं।

उत्तर:(i)कच्चा माल: कच्चे माल की सस्ती एवं प्रचुर उपलब्धता। जो उद्योग भारी और खराब होने वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं उन्हें कच्चे माल के स्रोत के करीब स्थित होना चाहिए।

(ii)श्रम: उत्पादन लागत कम रखने के लिए सस्ते श्रम की उपलब्धता आवश्यक है।

(iii)शक्ति: उत्पादन प्रक्रिया में निरंतरता के लिए बिजली की सस्ती एवं निरंतर आपूर्ति अत्यंत आवश्यक है।

(iv)पूँजी: यह बुनियादी ढांचे के विकास, संपूर्ण विनिर्माण प्रक्रिया और विनिर्माण व्यय को पूरा करने के लिए आवश्यक है।

(v)बैंकिंग और बीमा सुविधाएं:अनुकूल सरकारी नीतियां अन्य कारक हैं जो किसी उद्योग के स्थान को प्रभावित करते हैं।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1**. उन मुख्य कारकों की व्याख्या करें जो हुगली नदी के किनारे जूट मिलों की सघनता के लिए जिम्मेदार हैं।**

उत्तर:हुगली के तट पर जूट उद्योग की सघनता के लिए उत्तरदायी कारक:

(i)जूट उत्पादक क्षेत्रों की हुगली बेसिन से निकटता ।

(ii)हुगली नदी द्वारा सस्ता जल परिवहन की उपलब्धता।

(iii) मिलों तक कच्चे माल की सुविधा के लिए यह रेलवे,जलमार्ग और सड़क मार्गों के अच्छे नेटवर्क से जुड़ा हुआ है।

(iv)कच्चे जूट के प्रसंस्करण के लिए प्रचुर मात्रा में पानी।

(v)पश्चिम बंगाल और आसपास के राज्यों बिहार,उड़ीसा और उत्तर प्रदेश से सस्ते श्रम की उपलब्धता।

(vi)कोलकाता एक बंदरगाह और बड़े शहरी केंद्र के रूप में,जूट के सामान के निर्यात के लिए बैंकिंग,बीमा और बंदरगाह सुविधाएं प्रदान करता है।

2**.चीनी मिलें भारत के दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में क्यों स्थानांतरित और केंद्रित हो रही हैं? कारण दे।**

उत्तर:चीनी उद्योग दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों की ओर स्थानांतरित हो रहा है, क्योंकि:

(i)यहां उत्पादित गन्ने में सुक्रोज की मात्रा अधिक होती है।

(ii)अनुकूल जलवायु परिस्थितियाँ (ठंडी जलवायु) लंबे समय तक बढ़ने और पिराई का मौसम सुनिश्चित करती हैं।

(iii)इन राज्यों में सहकारी समितियाँ अधिक सफल हैं और चीनी उद्योग मौसमी प्रकृति का होने के कारण सहकारी क्षेत्र के लिए आदर्श रूप से अनुकूल है।

(iv)दक्षिणी राज्यों में प्रति हेक्टेयर उपज अधिक है।

3. लौह एवं इस्पात उद्योग को बुनियादी या प्रमुख उद्योग क्यों कहा जाता है? व्याख्या करना।

उत्तर:(i)चूंकि अन्य सभी उद्योग-भारी,मध्यम और हल्के,अपनी मशीनरी के लिए इस पर निर्भर हैं।

(ii)विभिन्न प्रकार के इंजीनियरिंग सामानों के निर्माण के लिए स्टील की आवश्यकता होती है।

(iii)निर्माण सामग्री, रक्षा और चिकित्सा उपकरणों के लिए स्टील की आवश्यकता होती है।

(iv)टेलीफोनिक,वैज्ञानिक उपकरणों और विभिन्न प्रकार की उपभोक्ता वस्तुओं के लिए स्टील की आवश्यकता होती है।

(v)इस्पात के उत्पादन और खपत को अक्सर किसी देश के विकास का सूचकांक माना जाता है।

अध्याय 7

भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा

सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुसार इस अध्याय से केवल मानचित्र कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा।

भारत के प्रमुख हवाई अड्डे और बंदरगाह

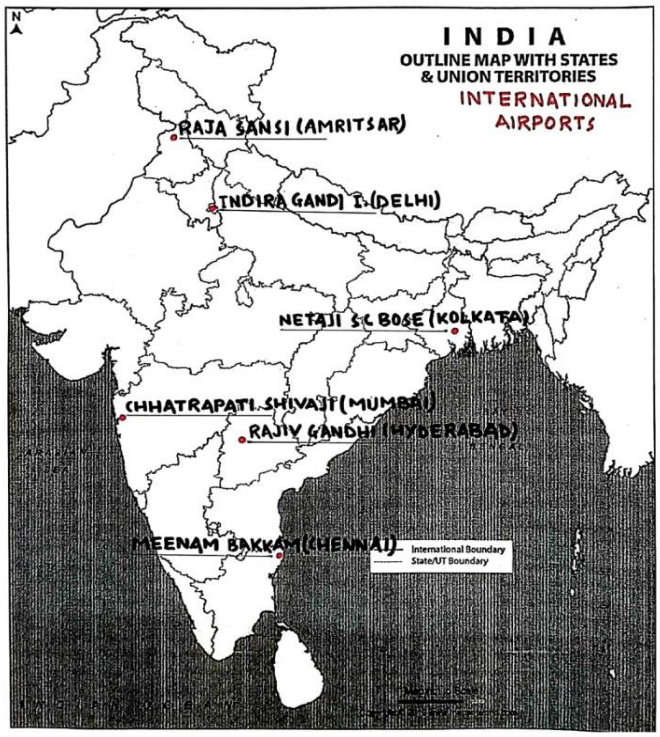

अध्याय-1
सत्ता की साझेदारी

1-हर देश में, विभिन्न समुदाय और सामाजिक समूह एक साथ रहते हैं। वे एक-दूसरे के साथ सद्भाव में रह सकते हैं या वैकल्पिक रूप से, समुदायों के बीच विविधता उनके बीच संघर्ष और लड़ाई का एक सतत स्रोत बन सकती है। उदाहरण-बेल्जियम, जहाँ विभिन्न समुदाय सद्भाव में रहते हैं -श्रीलंका, जहाँ विभिन्न समुदाय गृहयुद्ध में लगे हुए हैं।

2-बेल्जियम ने एक राजनीतिक प्रणाली अपनाई जिसमें विभिन्न समुदाय सत्ता साझा करते हैं और सरकार राज्य के मामलों का संचालन करते समय विभिन्न समुदायों के हितों को ध्यान में रखती है। सद्भाव है और देश समृद्धि की राह पर आगे बढ़ रहा है।

3-श्रीलंका ने बहुसंख्यकवाद को प्राथमिकता दी, बहुसंख्यक समुदाय ने अल्पसंख्यक समुदाय के साथ खिलवाड़ करना चुना। सारी राजनीतिक शक्ति बहुसंख्यक समूह के पास केंद्रित हो गई। श्रीलंका लंबे समय से गृहयुद्ध का सामना कर रहा है। इसने देश के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को एक भयानक झटका दिया है।

4-कई कारणों से सत्ता साझा करने का पक्ष लिया जाता है। इन कारणों को दो समूहों में विभाजित किया जा सकता है (i) **विवेकपूर्ण कारण** (ii) **नैतिक कारण**। जबकि विवेकपूर्ण कारण इस बात पर जोर देते हैं कि सत्ता के बंटवारे से बेहतर नतीजे सामने आएंगे, नैतिक कारण सत्ता के बंटवारे के कार्य को मूल्यवान मानते हैं।

5-आधुनिक लोकतंत्रों में, सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था कई रूप ले सकती है।
→ **सत्ता का क्षैतिज वितरण:** सत्ता सरकार के विभिन्न अंगों, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच साझा की जाती है। उदाहरण: भारत।
→ **संघीय सरकार (**सत्ता का ऊर्ध्वाधर वितरण): सत्ता को विभिन्न स्तरों पर सरकारों के बीच साझा किया जा सकता है - पूरे देश के लिए एक सामान्य सरकार और प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर पर सरकारें। उदाहरण: यूएसए।
→ **सत्ता को विभिन्न सामाजिक समूहों जैसे धार्मिक और भाषाई समूहों के बीच भी साझा किया जा सकता** है। उदाहरण: बेल्जियम में 'सामुदायिक सरकार'।
→ **सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था को राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों द्वारा** सत्ता में बैठे लोगों को नियंत्रित या प्रभावित करने के तरीके में भी देखा जा सकता है।

❖ सत्ता का बंटवारा क्यों वांछनीय है?

• सत्ता का बंटवारा अच्छा है क्योंकि इससे सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष की संभावना कम हो जाती है।
• सत्ता का बंटवारा लोकतंत्र की मूल भावना है।
→ एक लोकतांत्रिक शासन में सत्ता का बंटवारा उन लोगों के साथ किया जाता है जो इसके प्रयोग से प्रभावित होते हैं और जिन्हें इसके प्रभावों के साथ जीना पड़ता है।

❖ सत्ता की साझेदारी के रूप

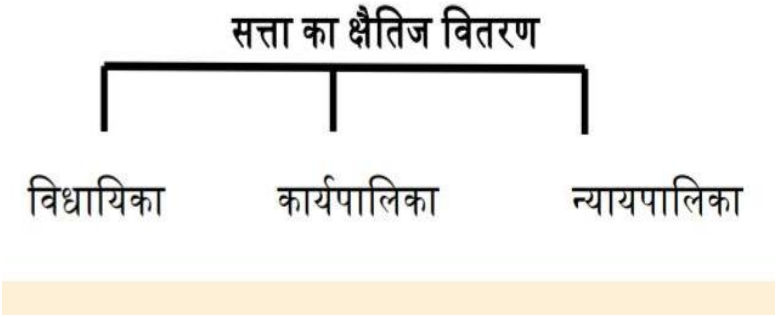

बहु विकल्पीय प्रकार के प्रश्न

प्रश्न 1 राजधानी शहर ब्रसेल्स में कितने लोग फ्रेंच और डच बोलते हैं?

a) 60 प्रतिशतफ्रेंच 40 प्रतिशतडच b) 50% डच 50% फ्रेंच

c) 80% फ्रेंच 20% डच d) 80% डच 20% फ्रेंच

उत्तर.c) 80% फ्रेंच 20% डच

प्रश्न 2 बेल्जियम के नेताओं ने अपने संविधान में कितनी बार संशोधन किया?

A) दो बार B) तीन बार C) चार बार d) समय से

Ans. C) चार बार

प्रश्न 3 सत्ता के बंटवारे के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A) यह विभिन्न समूहों के बीच संघर्ष को जन्म देता है।

B) यह देश की स्थिरता सुनिश्चित करता है।

C) यह विभिन्न समूहों के बीच संघर्ष को कम करने में मदद करता है।

a) केवल A सत्य है b) केवल B सत्य है c) A और B दोनों सत्य हैं

d) B और C दोनों सत्य हैं

Ans. d) B और C दोनों सत्य हैं

प्रश्न 4 श्रीलंका की एकमात्र आधिकारिक भाषा कौन सी थी?

a) तमिल (b) मलयालम

c) सिंहल (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर. c) सिंहल

प्रश्न 5 बेल्जियम में कौन सा समुदाय समृद्ध और शक्तिशाली था?

a) जर्मन (b) फ्रेंच c) डच (d) उपर्युक्त में से को ईनहीं

उत्तर. (b) फ्रेंच

प्रश्न 6 निम्नलिखित में से दो भाषाएँ बेल्जियम के नागरिकों द्वारा प्रमुखता से बोली जाती हैं।

(a) डच और फ्रेंच (b) फ्रेंच और अंग्रेजी (c) रूसी और डच (d) रूसी और फ्रेंच

उत्तर-(a) डच और फ्रेंच

प्रश्न 7 निम्नलिखित में से कौन बेल्जियम का राजधानी शहर है?

(a) ब्रुसेल्स (b) ब्रुग्स (c) गेन्ट (d) एंटवर्प

उत्तर-(a) ब्रुसेल्स

प्रश्न 8. बेल्जियम ,जर्मनी, नीदरलैंड, लक्समबर्ग और _____ के साथ सीमा साझा करता है।

(a) इंग्लैंड (b) नॉर्वे (c) फ्रांस (d) इटली

उत्तर-(c) फ्रांस

प्रश्न 9. बेल्जियम का संविधान निर्धारित करता है कि केंद्रीय सरकार में डच
और फ्रेंच भाषी मंत्रियोंकीसंख्या _____ है।

(a) डचभाषी अधिक होंगे (b) फ्रेंचभाषी अधिक होंगे

(c) बराबर होंगे (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) बराबर होंगे

प्रश्न 10. निम्नलिखित समुदायों में से एक ने
ब्रुसेल्स में बहुमत का गठन किया।

(a) फ्रेंचभाषी (b) डचभाषी (c) जर्मनभाषी (d) इनमेंसेकोईनहीं

उत्तर-(a) फ्रेंचभाषी

प्रश्न.11 बेल्जियम की कितनी प्रतिशत आबादी फ्लेमिश क्षेत्र में रहती है।

(a) 40% (b) 30% (c) 59% (d) 50%

उत्तर-(c) 59%

प्रश्न.12 निम्नलिखित में से एक श्रीलंका का प्रमुख जाति समूह है?

(a) ईसाई और तमिल (b) सिंहल और तमिल (c) बौद्ध और हिंदू (d) सिंहल और ईसाई

उत्तर-(b) सिंहल और तमिल

प्रश्न.13 श्री लंका एक स्वतंत्र देश के रूप में कब उभरा?

(a) 1948 (b) 1947 (c) 1949 (d) 1950

उत्तर-(a) 1948

प्रश्न 14 निम्नलिखित को सही क्रम में लिखिए:

(i) सिंहल को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए एक अधिनियम पारित किया गया था।

(ii) श्री लंका एक स्वतंत्र देश के रूप में उभरा।

(iii) एक गृह युद्ध छिड़ गया

(iv) एक स्वतंत्रत मिल राज्य की मांग को लेकर कई राजनीतिक दल बनाए गए।

(a) (i),(ii),(iv),(iii)

(b) (ii),(i),(iv),(iii)

(c) (ii),(i),(iii),(iv)

(d) (i),(ii),(iii),(iv)

उत्तर-(b) (ii),(i),(iv),(iii)

प्रश्न 15. श्रीलंका में सिंहली भाषी लोगों का प्रतिशत कितना है?

(a) 74% (b) 75% (c) 14% (d) 19%

उत्तर-(a) 74%

अति लघु उत्तरीय प्रश्न:-

प्रश्न 1. बहुसंख्यकवाद क्या है?

उत्तर: एक धारणा है कि बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यकों की इच्छाओं और जरूरतों की अनदेखी करके किसी भी तरह से देश पर शासन करने में सक्षम होना चाहिए।

प्रश्न 2. बहुसंख्यकवाद बनाने के लिए श्रीलंका सरकार द्वारा उठाए गए एक कदम का उल्लेख करें।

उत्तर: 1956 में, सिंहल को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए एक अधिनियम पारित किया गया था।

प्रश्न 3. भारतीय संदर्भ में सत्ता के बंटवारे के लिए एक विवेकपूर्ण कारण और एक नैतिक कारण बताएँ।

उत्तर: भारत एक बहुराष्ट्रीय समाज है और भारत एक लोकतांत्रिक देश है।

प्रश्न 4. उस देश का नाम बताइए जिसने बहुसंख्यकवाद के कारण शांति खो दी है।

उत्तर: श्रीलंका।

प्रश्न 5. बेल्जियम में सामुदायिक सरकार का चुनाव कौन करता है?

उत्तर: एक भाषा समुदाय से संबंधित लोग- डच, फ्रेंच और जर्मन

प्रश्न 6. श्रीलंका में तमिलों के दो उपसमूहों के नाम बताइए।

उत्तर: श्रीलंकाई तमिल और भारतीय मूल के तमिल

प्रश्न 7. सत्ता के बंटवारे की जाँच और संतुलन की प्रणाली क्या है?

उत्तर: इस प्रणाली के तहत, सरकार का एक अंग दूसरे पर जाँच रखता है। कोई भी अंग असीमित शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता है।

प्रश्न 8. श्रीलंका में सामाजिक विभाजन के दो मुख्य आधार बताइए

उत्तर: धर्म और भाषा प्रश्न 9. श्रीलंका में जनसंख्या की दृष्टि से बहुमत किसने बनाया?

उत्तर: सिंहली बौद्ध बहुमत बनाए।

प्रश्न 10. बेल्जियम में जनसंख्या की दृष्टि से बहुमत किसने बनाया?

उत्तर: डचों ने बहुमत बनाया

प्रश्न 11. किस वर्ष, श्रीलंका एक स्वतंत्र देश के रूप में उभरा?

उत्तर: 4 फरवरी, 1948

प्रश्न 12. बेल्जियम की भाषाई संरचना क्या है?

उत्तर: 59% लोग डच बोलते हैं, 40% लोग फ्रेंच बोलते हैं और 1% लोग जर्मन बोलते हैं।

प्रश्न 13. सत्ता के संघीय विभाजन से आपका क्या तात्पर्य है?

उत्तर: सरकार के विभिन्न स्तरों पर साझा की गई शक्ति

प्रश्न 14. उस समुदाय का नाम बताइए जो बेल्जियम में अपेक्षाकृत समृद्ध और शक्तिशाली है।

उत्तर: फ्रांसीसी अल्पसंख्यक समुदाय

प्रश्न 15. जातीय शब्द किसको संदर्भित करता है?

उत्तर: यह साझा संस्कृति के आधार पर एक सामाजिक विभाजन को संदर्भित करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न:-

प्रश्न 1. श्रीलंकाई तमिलों की तीन मांगों का वर्णन करें। उन्होंने अपनी स्वतंत्रता के लिए कैसे संघर्ष किया?

उत्तर. क). तमिल को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता।

ख). क्षेत्रीय स्वायत्तता

ग). नौकरियों और शिक्षा को सुरक्षित करने में समान अवसर।

उन्होंने कई राजनीतिक संगठन बनाए, लेकिन जब सरकार ने बलपूर्वक उनकी गतिविधियों को दबाने की कोशिश की, तो इससे गृहयुद्ध हुआ।

प्रश्न 2. सरकार के विभिन्न अंगों, यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता कैसे साझा की जाती है?

उत्तर. क). इस प्रकार की सत्ता साझेदारी को क्षैतिज सत्ता साझेदारी के रूप में जाना जाता है क्योंकि सभी अंगों को एक ही स्तर पर रखा जाता है और प्रत्येक अंग दूसरे की जाँच कर सकता है।

ख). उदाहरण के लिए, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के माध्यम से भी

सत्ता का प्रयोग करते हुए, वे संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

प्रश्न 3. सत्ता के बंटवारे के क्षैतिज विभाजन की विशेषताओं को लिखें।

उत्तर: सत्ता का क्षैतिज विभाजन, जिसमें सत्ता सरकार के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच साझा की जाती है।

क). सरकार के विभिन्न अंग शक्ति का प्रयोग करते हैं।

ख). यह जाँच और संतुलन की अवधारणा को निर्दिष्ट करता है।

c). यह लोकतंत्र के विस्तार की अवधारणा को सुनिश्चित करता है।

d). उदाहरण: विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका भारत सरकार के अंग हैं।

प्रश्न 4. सत्ता के बंटवारे के ऊर्ध्वाधर विभाजन की विशेषताएं लिखें।

उत्तर: सत्ता के ऊर्ध्वाधर विभाजन में सरकार के विभिन्न स्तरों जैसे संघ सरकार, राज्य सरकार और निचले स्तरों के बीच सत्ता साझा की जाती है।

क). सरकार के विभिन्न स्तर सरकार की शक्ति का प्रयोग करते हैं।

ख). जाँच और संतुलन की प्रणाली का कोई विनिर्देश नहीं।

ग). यह लोकतंत्र को गहरा करने की अवधारणा को सुनिश्चित करता है।

घ). केंद्र सरकार, राज्य सरकार और पंचायत राज सत्ता के बंटवारे के ऊर्ध्वाधर विभाजन के उदाहरण हैं।

प्रश्न 5. सत्ता की साझेदारी क्या है?

उत्तर: a). सत्ता की साझेदारी एक रणनीति है जिसमें समाज के सभी प्रमुख वर्गों को देश के शासन में सत्ता का एक स्थायी हिस्सा प्रदान किया जाता है।

b). यह प्रथाओं और स्थापित नियम और भूमिकाओं को साझा करने का एक साधन है ताकि व्यापक आधारित निर्णय लेने, नियंत्रण और नेतृत्व की सुविधा मिल सके।

c). यह समाज में विवादों को सुलझाने का संभावित उपकरण है।

प्रश्न 6. कारण बताइए कि सत्ता की साझेदारी वांछनीय क्यों है?

उत्तर: a). सत्ता की साझेदारी वांछनीय है क्योंकि इससे संघर्ष की संभावना कम हो जाती है।

b). यह राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करता है।

c). यह देश की एकता को मजबूत करता है।

प्रश्न 7 बहुसंख्यकवाद क्या है?

उत्तर: a). बहुसंख्यकवाद एक राजनीतिक दर्शन है जो इस बात पर जोर देता है कि आबादी के बहुमत को समाज को प्रभावित करने वाले निर्णय लेने का अधिकार है।

b). इसका अर्थ है अपने जीवन को प्रभावित करने वाले सभी निर्णयों के लिए बहुसंख्यक समूह की अधीनता।

Q 8. गृहयुद्ध क्या है? उस देश और दो सामाजिक समूहों के नाम बताइए जिनके बीच बहुसंख्यकवाद के कारण गृह युद्ध छिड़ गया।

उत्तर: a). गृह युद्ध देश के भीतर विरोधी समूहों के बीच एक हिंसक संघर्ष है जो इतना बड़ा हो जाता है कि यह युद्ध जैसा प्रतीत होता है।

b). श्रीलंका।

c). सिंहली और तमिल

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. विविधताओं को समायोजित करने के लिए सत्ता की साझेदारी के बेल्जियम मॉडल की व्याख्या करें?

उत्तर: a) दोनों समूहों के लिए मंत्रियों की समान संख्या: बेल्जियम का संविधान निर्धारित करता है कि केंद्रीय सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की संख्या समान होगी। कुछ विशेष कानूनों के लिए प्रत्येक भाषाई समूह के सदस्यों के बहुमत का समर्थन आवश्यक है।

b) राज्य सरकार को अधिक शक्तियाँ: उचित शक्ति साझाकरण व्यवस्था के तहत देश के दो क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार की कई शक्तियाँ राज्य सरकारों को दे दी गईं। राज्य सरकारें केंद्र सरकार के अधीन नहीं थीं।

c) राज्य और केंद्रीय स्तर पर समान प्रतिनिधित्व: ब्रुसेल्स में एक अलग सरकार स्थापित की गई है जिसमें दोनों समुदायों का समान प्रतिनिधित्व है।

d) सामुदायिक सरकार का गठन किया गया जो सामुदायिक सरकार है। यह सामुदायिक सरकार एक भाषाई समुदाय के लोगों द्वारा चुनी जाती है। डच, फ्रेंच और जर्मन भाषी लोगों की अपनी सामुदायिक सरकार होती है।

2. विभिन्न राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों के बीच सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था की व्याख्या करें।

उत्तर: a). लोकतंत्र में सत्ता विभिन्न राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों के बीच भी साझा की जाती है।

b). लोकतंत्र नागरिकों को चुनने का विकल्प प्रदान करता है। यह विकल्प विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्रदान किया जाता है, जो जीतने के लिए चुनाव लड़ते हैं। ऐसी प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती है कि सत्ता एक हाथ में न रहे।

c). लंबे समय में सत्ता विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच साझा की जाती है जो विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

d). कभी-कभी इस तरह का बंटवारा प्रत्यक्ष भी हो सकता है, जब दो या दो से अधिक दल चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन करते हैं। यदि उनका गठबंधन चुना जाता है, तो वे गठबंधन सरकार बनाते हैं और इस तरह सत्ता साझा करते हैं।

e). लोकतंत्र में विभिन्न दबाव समूह और आंदोलन भी सक्रिय रहते हैं। सरकारी समितियों में भागीदारी के माध्यम से या निर्णय लेने की प्रक्रिया पर प्रभाव डालकर, उनका भी सरकारी सत्ता में हिस्सा होगा।

3.सरकार के विभिन्न अंगों के बीच सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था की व्याख्या करें।

उत्तर: a). लोकतंत्र में सरकार के विभिन्न अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता का बंटवारा होता है। इसे सत्ता के बंटवारे का क्षैतिज वितरण भी कहा जाता है। b). विधायिका कानून बनाने वाली संस्था है, कार्यपालिका कानून को लागू करने वाली संस्था है और न्यायपालिका सरकार का विवाद सुलझाने वाली संस्था है।

c). क्योंकि यह एक ही स्तर पर रखे गए सरकार के विभिन्न अंगों को अलग-अलग शक्तियों का प्रयोग करने की अनुमति भी देता है।

d). इस तरह की सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था के तहत सरकार का कोई भी अंग असीमित शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकता है।

e). प्रत्येक अंग की अपनी शक्ति होती है और वह दूसरे की शक्तियों की जाँच करता है।

f). इसके परिणामस्वरूप विभिन्न संस्थाओं के बीच शक्ति का संतुलन बनता है।

4. विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच सत्ता की साझेदारी व्यवस्था की व्याख्या करें।

उत्तर: a). लोकतंत्र में, विशेष रूप से बहुजातीय समाज में, सत्ता धार्मिक और भाषाई समूहों जैसे सामाजिक समूहों के बीच भी साझा की जाती है।

b). बेल्जियम में सामुदायिक सरकार इस व्यवस्था का एक अच्छा उदाहरण है।

c). कुछ देशों में, संवैधानिक और कानूनी व्यवस्थाएँ हैं, जिसके तहत सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों और महिलाओं को विधायिकाओं और प्रशासन में प्रतिनिधित्व दिया जाता है।

d). भारत में पिछड़े और अन्य वर्गों को सत्ता में हिस्सेदारी प्रदान करने के लिए विधानसभाओं और संसद में आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था का पालन किया जाता है।

e). इस प्रकार की व्यवस्था का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक समूहों को सरकार और प्रशासन में उचित हिस्सेदारी देना है, जो अन्यथा सरकार से अलग-थलग महसूस करेंगे।

5.सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच सत्ता के बंटवारे की व्यवस्था की व्याख्या करें।

उत्तर: a) इसके तहत लोग अलग-अलग स्तरों पर अलग-अलग सरकार चुनते हैं, उदाहरण के लिए पूरे देश के लिए एक सामान्य सरकार और प्रांतीय, उप-राष्ट्रीय या क्षेत्रीय स्तर पर सरकारें।

b). पूरे देश के लिए ऐसी सामान्य सरकार को आमतौर पर संघीय सरकार कहा जाता है।

c). भारत में हम इसे संघ सरकार कहते हैं। प्रांतीय या क्षेत्रीय स्तर की सरकारों को अलग-अलग देशों में अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है।

d). भारत में इन्हें राज्य सरकार के रूप में जाना जाता है। यह प्रणाली दुनिया के सभी देशों में नहीं अपनाई जाती है।

e). इस प्रकार की सरकारों के तहत सत्ता का विभाजन अधिक महत्वपूर्ण है। विभिन्न स्तरों पर एक सरकार को अलग-अलग शक्तियाँ प्राप्त होती हैं जो उन्हें संविधान द्वारा दी जाती हैं।

f). सरकार के उच्च और निम्न स्तरों को शामिल करने वाले सत्ता के विभाजन को सत्ता का ऊर्ध्वाधर विभाजन कहा जाता है।

स्रोत आधारित प्रश्न

.पाठ को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें: (1)सत्ता के बंटवारे के पक्ष में दो अलग-अलग कारण दिए जा सकते हैं। सबसे पहले, सत्ता का बंटवारा अच्छा है क्योंकि यह सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष की संभावना को कम करने में मदद करता है। चूँकि सामाजिक संघर्ष अक्सर हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता की ओर ले जाता है, इसलिए सत्ता का बंटवारा राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करने का एक अच्छा तरीका है। बहुसंख्यक समुदाय की इच्छा को दूसरों पर थोपना अल्पावधि में एक आकर्षक विकल्प की तरह लग सकता है, लेकिन लंबे समय में, यह राष्ट्र की एकता को कमजोर करता है। बहुसंख्यकों का अत्याचार न केवल अल्पसंख्यकों के लिए दमनकारी है; यह अक्सर बहुसंख्यकों को भी बर्बाद कर देता है। लोकतंत्र के लिए सत्ता का बंटवारा अच्छा क्यों है, इसका एक दूसरा, गहरा कारण है। सत्ता का बंटवारा लोकतंत्र की मूल भावना है। एक लोकतांत्रिक शासन में उन लोगों के साथ सत्ता साझा करना

शामिल है जो इसके प्रयोग से प्रभावित होते हैं, और जिन्हें इसके प्रभावों के साथ रहना पड़ता है। लोगों को यह अधिकार है कि वे इस बारे में सलाह लें कि उन्हें कैसे शासित किया जाना है। वैध सरकार वह होती है जिसमें नागरिक भागीदारी के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं। कारणों का पहला समूह विवेकपूर्ण है और दूसरा नैतिक है। जबकि विवेकपूर्ण कारण इस बात पर जोर देते हैं कि सत्ता के बंटवारे से बेहतर नतीजे सामने आएंगे, वहीं पहला तर्क सत्ता के बंटवारे के कार्य को मूल्यवान मानता है।

प्रश्न 1. कौन से कारण समाज में संघर्ष से बचने और बहुसंख्यक अत्याचार को रोकने में मदद करते हैं? 1

उत्तर: विवेकपूर्ण कारण समाज में संघर्ष से बचने और बहुसंख्यक अत्याचार को रोकने में मदद करते हैं।

प्रश्न 2. सामाजिक संघर्षों के बुरे प्रभाव क्या हैं? 1

उत्तर: हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता

प्रश्न 3. वैध सरकार की विशेषताएँ बताइए? 2

उत्तर: वैध सरकार वह होती है जहाँ नागरिक भागीदारी के माध्यम से व्यवस्था में हिस्सेदारी हासिल करते हैं। कारणों का पहला समूह विवेकपूर्ण है और दूसरा नैतिक है।

अध्याय-2
संघवाद

संघवाद क्या है?

. संघवाद सरकार की एक प्रणाली है जिसमें संविधान द्वारा सत्ता को केंद्रीय प्राधिकरण और देश की विभिन्न घटक इकाइयों के बीच विभाजित होती है।

संघवाद में सरकार के दो स्तर होते हैं:

एकात्मक प्रणाली के तहत, या तो सरकार का केवल एक स्तर होता है या उप-इकाइयाँ केंद्र के अधीन होती हैं।

संघीय प्रणाली में, केंद्र सरकार राज्य सरकार को कुछ करने का आदेश नहीं दे सकती।

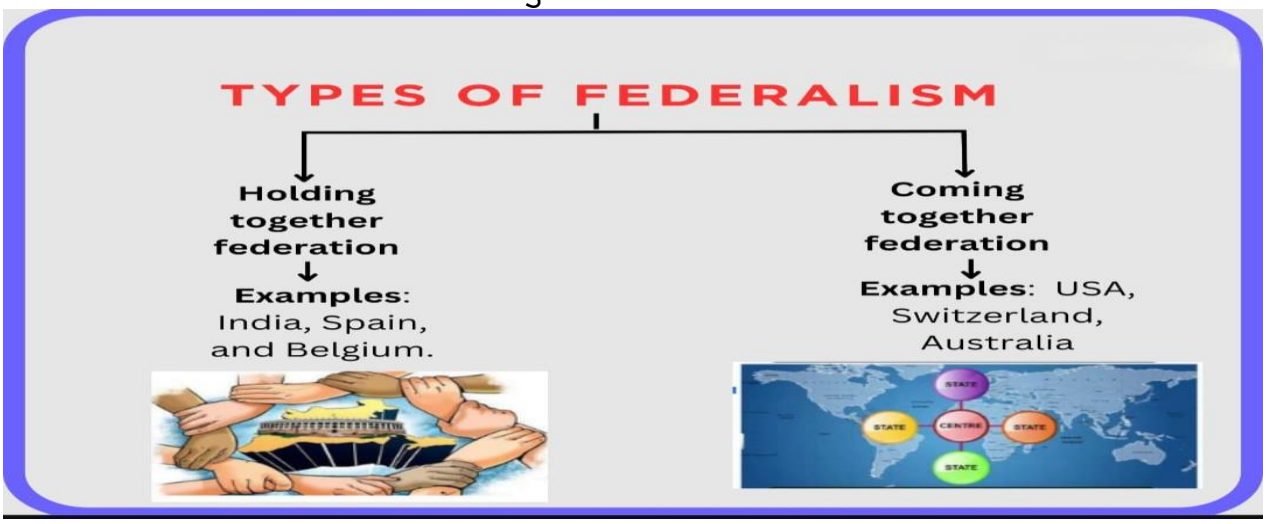

संघ दो प्रकार के होते हैं:

एक साथ मिलकर चलने वाला संघ - इस प्रकार में, पूरी इकाई में विविधता को समायोजित करने के लिए विभिन्न घटक भागों के बीच शक्तियों को साझा किया जाता है। ...

एक साथ आकर चलने वाला संघ - इस प्रकार में, स्वतंत्र राज्य एक बड़ी इकाई बनाने के लिए एक साथ आते हैं।

संघवाद की मुख्य विशेषताएँ:

(i) सरकार के दो या अधिक स्तर (या स्तर) होते हैं।

(ii) सरकार के विभिन्न स्तर एक ही नागरिकों पर शासन करते हैं, लेकिन प्रत्येक स्तर का कानून, कराधान और प्रशासन के विशिष्ट मामले में अपना अधिकार क्षेत्र होता है।

(iii) सरकार के संबंधित स्तरों या स्तरों के अधिकार क्षेत्र संविधान में निर्दिष्ट हैं।

(iv) संविधान के मूल प्रावधानों को सरकार के एक स्तर द्वारा एकतरफा रूप से नहीं बदला जा सकता है।

(v) न्यायालयों के पास संविधान और सरकार के विभिन्न स्तरों की शक्तियों की व्याख्या करने की शक्ति है।

(vi) सरकार के प्रत्येक स्तर के लिए राजस्व के स्रोत स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट हैं ताकि इसकी वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित हो सके।

(vii) इस प्रकार संघीय प्रणाली के दोहरे उद्देश्य हैं: देश की एकता की रक्षा करना और उसे बढ़ावा देना, साथ ही साथ क्षेत्रीय विविधताओं को समायोजित करना।

संघवाद का पालन कैसे किया जाता है?

1. संघवाद की सफलता के लिए संवैधानिक प्रावधान आवश्यक हैं, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं।

2. भारत में संघवाद की वास्तविक सफलता का श्रेय हमारे देश में लोकतंत्र की राजनीति की प्रकृति को दिया जा सकता है।

भाषाई राज्य:

1. भाषाई राज्यों का निर्माण हमारे देश में लोकतांत्रिक राजनीति के लिए पहली और बड़ी परीक्षा थी।
2. कई पुराने राज्य समाप्त हो गए और कई नए राज्य बनाए गए।
3. 1947 में, नए राज्यों के निर्माण के लिए भारत के कई पुराने राज्यों की सीमाओं को बदल दिया गया।
4. यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि एक ही भाषा बोलने वाले लोग एक ही राज्य में रहें।
5. जब भाषा के आधार पर राज्यों के गठन की मांग उठाई गई, तो कुछ राष्ट्रीय नेताओं को डर था कि इससे देश का विघटन हो जाएगा।

भाषा नीति:

1. भारतीय संघ के लिए दूसरी परीक्षा भाषा नीति है।
2. हमारे संविधान ने किसी एक भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा नहीं दिया।
3. हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में पहचाना गया।
4. संविधान के अनुसार, आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी का उपयोग 1965 में बंद हो जाना था।
5. केंद्र सरकार ने आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी का उपयोग जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।
6. भाषा के प्रचार तथा प्रसार का मतलब यह नहीं है कि केंद्र सरकार उन राज्यों पर हिंदी थोप सकती है जहाँ लोग एक अलग भाषा बोलते हैं।

केंद्र-राज्य संबंध:

1. केंद्र-राज्य संबंधों का पुनर्गठन एक और तरीका है जिससे व्यवहार में संघवाद को मजबूत किया गया है।
2. 1990 में देश के कई राज्यों में क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का उदय हुआ।
3. यह केंद्र में गठबंधन सरकार के युग की शुरुआत भी थी।
4. चूंकि लोकसभा में किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, इसलिए प्रमुख राष्ट्रीय दलों ने कई दलों के साथ गठबंधन किया।
5. इससे सत्ता के बंटवारे और राज्य सरकार की स्वायत्तता के सम्मान की एक नई संस्कृति का जन्म हुआ।
6. इस प्रकार, संविधान लागू होने के बाद के शुरुआती वर्षों की तुलना में आज संघीय सत्ता का बंटवारा अधिक प्रभावी है।

भारत में विकेंद्रीकरण:

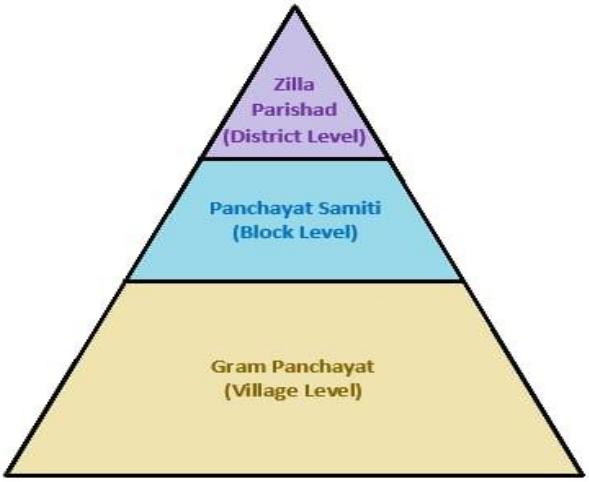

1.संघीय सरकार में दो या अधिक स्तर की सरकार होती है।

2. लेकिन भारत जैसे विशाल देश को केवल इन दो स्तरों के माध्यम से नहीं चलाया जा सकता।

3. भारत में संघीय सत्ता के बंटवारे के लिए सरकार के एक और स्तर की आवश्यकता है

4. इसके परिणामस्वरूप सरकार का तीसरा स्तर बन गया जिसे स्थानीय सरकार कहा जाता है।

5. जब केंद्र और राज्य सरकार से सत्ता छीन ली जाती है, तो इसे विकेंद्रीकरण कहा जाता है।

6. स्थानीय स्तर पर, लोगों के लिए निर्णय लेने में सीधे भाग लेना संभव है।

7. विकेंद्रीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम 1992 में उठाया गया था।

8. ग्रामीण स्थानीय सरकार को लोकप्रिय रूप से पंचायती राज के नाम से जाना जाता है।

9. यह एक परिषद है जिसमें कई वार्ड सदस्य होते हैं, जिन्हें अक्सर पंच कहा जाता है, और एक अध्यक्ष या सरपंच होता है।

10. वे उस वार्ड या गाँव में रहने वाली सभी वयस्क आबादी द्वारा सीधे चुने जाते हैं।

11. यह पूरे गाँव के लिए निर्णय लेने वाली संस्था है।

12. एक जिले में सभी पंचायत समिति या मंडल मिलकर जिला परिषद का गठन करते हैं।

13. शहरी क्षेत्रों के लिए भी स्थानीय सरकारी निकाय मौजूद हैं।

14. बड़े शहरों को नगर निगमों में बदल दिया जाता है।

15. स्थानीय सरकार की यह नई प्रणाली दुनिया में कहीं भी किया गया लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रयोग है।

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न

1. संविधान द्वारा कितनी अनुसूचित भाषाओं को मान्यता दी गई है?

a) हिंदी के अलावा, 18 अनुसूचित भाषाएँ हैं। b) हिंदी के अलावा, 21 अनुसूचित भाषाएँ हैं।

c) हिंदी के अलावा 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं। d) हिंदी के अलावा 19 अनुसूचित भाषाएँ हैं।

उत्तर.(b) हिंदी के अलावा, 21 अनुसूचित भाषाएँ हैं।

2. ब्लॉक स्तर पर सरकार को क्या कहा जाता है?

a) ग्राम सभा b) ग्राम पंचायत c) पंचायत समिति d) न्याय पंचायत

उत्तर. c) पंचायत समिति

3. जिला स्तर पर कौन सी स्थानीय सरकार काम करती है?

a) पंचायत समिति b) ग्राम पंचायत c) जिला परिषद d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर. c) जिला परिषद

4. **शहरी क्षेत्र में स्थानीय सरकार को किस नाम से जाना जाता है?**

A) नगर पालिका **B) नगर निगम** **C) पंचायत समिति**

a) केवल A सत्य है b) केवल B सत्य है

c) B और C दोनों सत्य हैं d) A और B दोनों सत्य हैं

उत्तर. d) A और B दोनों सत्य हैं

5. नगर निगम का अध्यक्ष कौन होता है?

a) खंड विकास अधिकारी b) महापौर

c) सरपंच d) लोकसभा सदस्य

उत्तर. b) महापौर

6. निम्नलिखित में से कौन सरकार की एकात्मक प्रणाली का उदाहरण है?

a) बेल्जियम b) श्रीलंका

c) श्रीलंका और बेल्जियम दोनों d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: विकल्प (b)

7. ___ ने एकात्मक से संघीय सरकार प्रणाली में बदलाव किया।

a) श्रीलंका b) बेल्जियम c) बेल्जियम और श्रीलंका दोनों d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: विकल्प (b)

8. निम्नलिखित में से किसकी सरकार की संघीय प्रणाली नहीं है?

a) भारत b) यूएसए c) रूस d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: विकल्प (d)

9 . निम्नलिखित में से कौन एक साथ संघों को रखने का उदाहरण है?

a) भारत b) यूएसए c) स्विट्जरलैंड d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर: विकल्प (ए) भारत

10. निम्नलिखित में से कौन सा संघों के एक साथ आने का उदाहरण है?

ए) स्पेन बी) बेल्जियम सी) यूएसए डी) उपरोक्त सभी।

उत्तर: विकल्प (सी)

11. निम्नलिखित में से कौन संघ सूची में शामिल हैं?

ए) बैंकिंग बी) विदेशी मामले सी) देश की रक्षा डी) उपरोक्त सभी

उत्तर: विकल्प (डी)

12. निर्देश:- निम्नलिखित प्रश्नों में, अभिकथन (A) और कारण (R) दिए गए हैं। दोनों कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए गए उत्तर में से सही उत्तर चुनें:

(A) यदि अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

(B) यदि अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं लेकिन कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(C) अभिकथन (A) सत्य है लेकिन कारण (R) गलत है।

(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

A. अभिकथन (A) : सरकार का तीसरा स्तर स्थानीय सरकार है।

कारण (R) : इसने लोकतंत्र को मजबूत बनाया

उत्तर- (A) यदि अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।

B. अभिकथन (A): हिंदी को भारत की एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में पहचाना जाता है।

कारण (R): इसने हिंदी भाषी लोगों को दूसरों पर वर्चस्व बनाने में मदद की।

उत्तर- (C) अभिकथन (A) सत्य है लेकिन कारण (R) असत्य है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. भारत की केंद्र सरकार राज्यों को हिंदी को अपनी आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए बाध्य क्यों नहीं कर रही है?

उत्तर. क) भारत बहुभाषी देश है। 1991 की जनगणना के अनुसार 1500 से अधिक अलग-अलग भाषाएँ दर्ज की गईं, लोगों ने अपनी मातृभाषाएँ बताईं।

ख) हिंदी भारत के केवल 40% लोगों की मातृभाषा है।

ग) संविधान द्वारा 22 भाषाओं को मान्यता दी गई है।

घ) दक्षिण भारत के राज्यों में हिंदी का हिंसक विरोध हुआ है।

2. उदाहरण सहित एकात्मक व्यवस्था के साथ संघीय शासन प्रणाली की तुलना करें।

उत्तर. क) संघवाद में सरकार के कम से कम दो स्तर होते हैं।

ख) केंद्र सरकार राष्ट्रीय महत्व के विषयों के लिए जिम्मेदार होती है।

ग) राज्य सरकार राज्यों के दैनिक प्रशासन की देखभाल करती है।

घ) एकात्मक शासन प्रणाली में सरकार का केवल एक स्तर होता है और यदि कोई उप-इकाइयाँ होती हैं तो वे केंद्र सरकार के अधीन रहती हैं।

3 . पंचायती राज के क्या महत्व हैं?

उत्तर. क) यह भारतीय संघीय व्यवस्था का तीसरा स्तर है।

ख) यह स्तर लोगों को लोगों का प्रतिनिधि बनने का मौका देता है।

c) स्थानीय निकायों में 36 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।

d) महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण है।

e) वे भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली को मजबूत करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. संघवाद की विशेषताएँ क्या हैं?

उत्तर: 1) सरकार के दो या अधिक स्तर होते हैं।

2) सरकार के विभिन्न स्तर एक ही नागरिकों पर शासन करते हैं, लेकिन प्रत्येक स्तर का कानून, कराधान और प्रशासन के विशिष्ट मामलों में अपना अधिकार क्षेत्र होता है।

3) संविधान में संबंधित स्तरों के अधिकार क्षेत्र को निर्दिष्ट किया गया है। इसलिए सरकार के प्रत्येक स्तर का अस्तित्व और अधिकार संवैधानिक रूप से प्रदान किया गया है।

4) संविधान के मौलिक प्रावधानों को सरकार के एक स्तर द्वारा एकतरफा रूप से नहीं बदला जा सकता है और इसके लिए विभिन्न स्तरों के संविधानों और सरकारों की शक्तियों की आवश्यकता होती है। यदि उनकी संबंधित शक्तियों के प्रयोग में विवाद उत्पन्न होते हैं तो सर्वोच्च न्यायालय निर्णायक के रूप में कार्य करता है।

5) वित्तीय स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए राजस्व के स्रोत निर्दिष्ट किए गए हैं।

2. समझाएँ कि सरकार के विभिन्न अंगों के बीच शक्ति कैसे साझा की जाती है।

उत्तर: 1) **संघ सूची**: रक्षा, विदेशी मामले, परमाणु ऊर्जा, बैंकिंग, डाक और टेलीग्राफ जैसे राष्ट्रीय महत्व के विषय संघ सूची में शामिल हैं। संघ सूची में वर्णित विषयों पर केवल केंद्र सरकार ही कानून पारित कर सकती है क्योंकि हमें पूरे देश में महत्वपूर्ण या राष्ट्रीय मुद्दों पर एक समान नीति की आवश्यकता है। संघ सूची में 97 विषय हैं।

2) **राज्य सूची**: इसमें वे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं जिन पर राज्य सरकार कानून पारित कर सकती है। पुलिस, स्थानीय सरकार, व्यापार और वाणिज्य, कृषि जैसे विषय राज्य के भीतर हैं जो राज्य सूची में शामिल हैं। राज्य सूची में 66 विषय हैं।

3) **समवर्ती सूची**: समवर्ती सूची में वे विषय शामिल हैं जो केंद्र और राज्य सरकार दोनों के लिए समान चिंता का विषय हैं। केंद्र और राज्य सरकारें दोनों इन विषयों पर कानून बना सकती हैं। हालाँकि, यदि समवर्ती सूची के किसी विषय पर केंद्रीय कानून और राज्य कानून के बीच टकराव होता है, तो केंद्रीय कानून प्रभावी होगा। समवर्ती सूची में 47 विषय हैं।

4) **अवशिष्ट शक्तियाँ**: वे मामले जो शक्तियों के विभाजन में शामिल नहीं हैं, अवशिष्ट शक्तियाँ कहलाती हैं। यह महसूस किया गया कि ऐसे विषय हो सकते हैं जिनका उल्लेख इन सूचियों में से किसी में भी नहीं है। केंद्र सरकार को अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने का अधिकार दिया गया है।

3. विकेंद्रीकरण की दिशा में 1992 में कौन से प्रमुख कदम उठाए गए?

उत्तर 1) अब स्थानीय सरकारी निकायों के लिए नियमित चुनाव कराना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है।

2) राज्यों में निर्वाचित निकायों और इन संस्थाओं के कार्यकारी प्रमुखों के पद अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित हैं।

3) सभी पदों में से कम से कम एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

4) पंचायत और नगरपालिका चुनाव कराने के लिए प्रत्येक राज्य में राज्य चुनाव आयोग नामक एक स्वतंत्र संस्था बनाई गई है।

5) राज्य सरकारों को स्थानीय सरकारी निकायों के साथ कुछ शक्तियों और राजस्व को साझा करना आवश्यक है। साझा करने की प्रकृति राज्य दर राज्य अलग-अलग होती है।

स्रोत आधारित प्रश्न

सामग्री पढ़ें और उत्तर दें: :- हमारे पास जो नवीनतम जानकारी है, वह 2011 में आयोजित भारत की जनगणना से है। इस जनगणना में 1300 से अधिक अलग-अलग भाषाओं को दर्ज किया गया था, जिन्हें लोगों ने अपनी मातृभाषा बताया था। इन भाषाओं को कुछ प्रमुख भाषाओं के अंतर्गत एक साथ रखा गया था। उदाहरण के लिए भोजपुरी, मगधी, बुंदेलखंडी, छत्तीसगढ़ी, राजस्थानी और कई अन्य भाषाओं को 'हिंदी' के अंतर्गत एक साथ रखा गया था। इस समूहीकरण के बाद भी, जनगणना में 121 प्रमुख भाषाएँ पाई गईं। इनमें से 22 भाषाएँ अब भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं और इसलिए उन्हें 'अनुसूचित भाषाएँ' कहा जाता है। अन्य को 'गैर-अनुसूचित भाषाएँ' कहा जाता है। भाषाओं के मामले में, भारत शायद दुनिया का सबसे विविध देश है।

प्रश्न-i)-अनुसूचित भाषाएँ क्या हैं? 1

उत्तर-अनुसूचित भाषाएँ वे 22 भाषाएँ हैं जो भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल हैं।

प्रश्न ii) हिंदी के अंतर्गत कौन सी भाषाएँ रखी गईं? 1

उत्तर- भोजपुरी, मगधी, बुंदेलखंडी, छत्तीसगढ़ी और राजस्थानी को 'हिंदी' के अंतर्गत समूहीकृत किया गया। प्रश्न iii) भाषाई विविधता ने भारत की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए किस प्रकार चुनौती पेश की है? 2

उत्तर- राष्ट्रीय नेताओं को डर था कि भाषाई राज्यों के गठन से देश का विघटन हो जाएगा। - जब हिंदी को दक्षिण भारतीय राज्यों पर थोपा गया तो उन्होंने हिंसा का सहारा लिया।

अध्याय-3
लिंग धर्म और जाति

• **लिंग विभाजन** पदानुक्रमित सामाजिक विभाजन का एक रूप है। इसे स्वाभाविक और अपरिवर्तनीय माना जाता है। यह जीव विज्ञान पर आधारित नहीं है, बल्कि सामाजिक अपेक्षाओं और रूढ़ियों पर आधारित है।

• **श्रम का लैंगिक विभाजन:** महिलाएँ घर के अंदर का सारा काम करती हैं या घरेलू नौकरों की मदद लेती हैं और पुरुष घर के बाहर का काम करते हैं।

• **पितृसत्तात्मक समाज** वह व्यवस्था है जो पुरुषों को अधिक महत्व देती है और उन्हें महिलाओं पर अधिकार देती है।

• **नारीवादी आंदोलन:** एक आंदोलन जिसका उद्देश्य व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में भी समानता लाना है। (समान अधिकारों और अवसरों में विश्वास करें।)

• **जाति** एक सामाजिक श्रेणी है, जिसमें व्यक्ति अनैच्छिक रूप से शामिल होता है।

• **व्यावसायिक गतिशीलता** एक व्यवसाय से दूसरे व्यवसाय में बदलाव है, आमतौर पर जब एक नई पीढ़ी अपने पूर्वजों द्वारा किए गए व्यवसायों के अलावा अन्य व्यवसाय अपनाती है।

• **धर्म** को आमतौर पर निर्दिष्ट व्यवहार और प्रथाओं, नैतिकता, विश्वदृष्टि, ग्रंथों, पवित्र स्थानों, भविष्यवाणियों, नैतिकता या संगठनों की एक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो आम तौर पर मानवता को अलौकिक, पारलौकिक और आध्यात्मिक तत्वों से जोड़ता है।

• **सांप्रदायिकता** एक ऐसी स्थिति है जब एक विशेष समुदाय अन्य समुदायों की कीमत पर अपने हितों को बढ़ावा देने की कोशिश करता है।

•**सांप्रदायिक राजनीति:** राजनीतिक उद्देश्य के लिए धर्म का उपयोग जहां एक धर्म को दूसरे धर्म से श्रेष्ठ दिखाया जाता है, सांप्रदायिक राजनीति कहलाती है। सांप्रदायिक राजनीति इस विचार पर आधारित है कि धर्म सामाजिक समुदाय का मुख्य आधार है।

• भारतीय समाज का सामाजिक विभाजन जातिवाद, लैंगिक असमानताओं और सांप्रदायिक विभाजनों से स्पष्ट रूप से संकेतित होता है।

• भारत में महिलाओं की स्थिति-

(i) भारत एक पितृसत्तात्मक समाज है।

(ii) महिलाओं में साक्षरता दर 54% है जबकि पुरुषों में यह 76% है। (जनगणना 2011 के अनुसार, यह 82.14% की तुलना में 65.46 थी।)

(iii) हर साल लड़कियाँ स्कूल में लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं, लेकिन अधिक लड़कियाँ स्कूल छोड़ती हैं क्योंकि माता-पिता अपने बेटे की शिक्षा का खर्च उठाना चाहते हैं।

(iv) हालांकि समान वेतन अधिनियम है, जिसके अनुसार महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए, लेकिन महिलाओं को समान काम के लिए कम वेतन दिया जाता है।

(v) एक महिला औसतन एक पुरुष से एक घंटा अधिक काम करती है, फिर भी उसके काम को न तो महत्व दिया जाता है और न ही मान्यता दी जाती है।

(vi) 17वीं लोकसभा (2019) में निर्वाचित महिला सदस्यों का प्रतिशत इसकी कुल संख्या का 14.36% है।

• धर्म और राजनीति के बीच संबंध:

(क) गांधी का दृष्टिकोण: धर्म को कभी भी राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता। इसे धर्म से नैतिकता द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए।

(ख) मानवाधिकार समूहों के विचार: हमारे देश में सांप्रदायिक दंगों के शिकार धार्मिक अल्पसंख्यक हैं।

(ग) महिला आंदोलन का दृष्टिकोण: धर्मों के पारिवारिक कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करते हैं, इसलिए ऐसे कानूनों को बदला जाना चाहिए ताकि उन्हें न्यायसंगत बनाया जा सके।

• चुनावी राजनीति में जाति-

(i) किसी भी संसदीय क्षेत्र में केवल जाति का वर्चस्व नहीं होता।

(ii) एक ही जाति के सभी मतदाता एक ही पार्टी को वोट नहीं देते।

(iii) कभी-कभी एक ही जाति के एक से अधिक उम्मीदवार चुनाव में खड़े होते हैं और कभी-कभी मतदाताओं को अपनी जाति का कोई उम्मीदवार नहीं मिलता।

(iv) सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद और विधायक अक्सर चुनाव हार जाते हैं। ऐसा तब नहीं हो सकता जब सभी मतदाता जाति के अनुसार वोट दें।

• जाति में राजनीति-

(i) प्रत्येक जाति समूह उपजातियों या पड़ोसी जातियों को शामिल करके संख्या में वृद्धि करने का प्रयास करता है।

(ii) पिछड़ी और अगड़ी जाति समूहों जैसे नए जाति समूह सामने आते हैं।

(iii) जाति की राजनीति ने दलित और ओबीसी जातियों को निर्णय लेने में बेहतर पहुँच हासिल करने में मदद की है।

(iv) विभिन्न जाति समूह चुनावों के दौरान अन्य जातियों के साथ गठबंधन करते हैं।

(v) राजनीतिक दल जाति के आधार पर भेदभाव के खिलाफ माँग करते हैं, आंदोलन करते हैं। वे अधिक सम्मान, अधिक संसाधन, अधिक अवसर की मांग करते हैं।

धर्मनिरपेक्ष राज्य: ऐसा राज्य जिसमें संविधान सभी व्यक्तियों और समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और उसका प्रचार करने या किसी भी धर्म का पालन न करने का अधिकार देता है।

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न

1. पितृसत्तात्मक समाज का अर्थ है ____।

a) पुरुषों द्वारा शासित समाज **b**) महिलाओं द्वारा शासित समाज

c) ऐसा समाज जहाँ पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता हो **d**) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: विकल्प (a)

2. ___ का समान पारिश्रमिक अधिनियम यह प्रावधान करता है कि समान कार्य के लिए समान वेतन का भुगतान किया जाना चाहिए।

a) 1986 b) 1976 c) 1966 d) 1972

उत्तर: विकल्प (b)

3. स्थानीय सरकारी निकायों, पंचायतों और नगर पालिकाओं में _____ सीटें अब महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

a) तीन-चौथा b) एक-तिहाई c) एक-चौथाई d) एक-पांचवां

उत्तर: विकल्प (b)

4. ____ कहते थे कि धर्म को राजनीति से कभी अलग नहीं किया जा सकता। उनका मानना था कि राजनीति को धर्म से प्राप्त नैतिकता द्वारा निर्देशित होना चाहिए।

a) सी राजगोपालाचारी b) सरदार पटेल c) गांधीजी d) नेहरू

उत्तर: विकल्प (c)

5. ___ में कोई आधिकारिक धर्म नहीं है।

a) श्रीलंका b) इंग्लैंड c) पाकिस्तान d) भारत

उत्तर: विकल्प (d)

6. वह व्यवस्था जिसमें पिता को परिवार का मुखिया माना जाता है

(a) राजतंत्र (b) पितृसत्ता (c) पदानुक्रम (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (b) पितृसत्ता

7. वह व्यक्ति जो पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अधिकारों और अवसरों में विश्वास करता है, उसे कहा जाता है

(a) नारीवादी (b) पितृसत्ता (c) जाति पदानुक्रम (d) सामाजिक परिवर्तन

उत्तर: (a) नारीवादी

8.

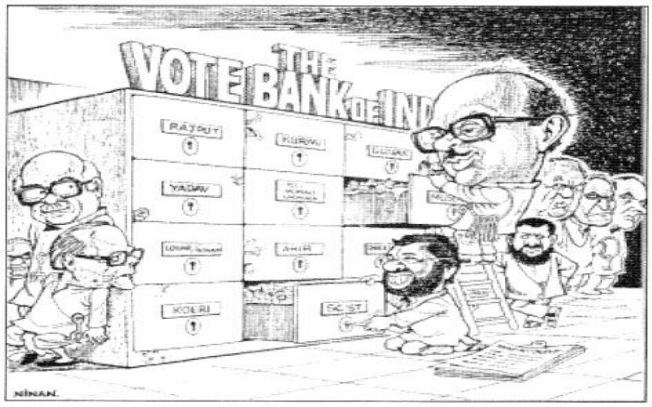

मतदाताओं के निम्नलिखित पहलुओं में से कौन सा पहलू राजनेता कार्टून में दर्शाते हैं?

i. जातिगत निष्ठा ii. वोट बैंक

iii. समुदाय के प्रति निष्ठा iv. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: ii. वोट बैंक

9.

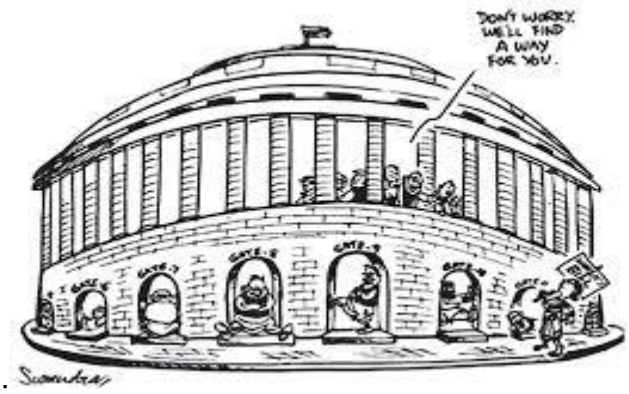

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प इस कार्टून को सबसे बेहतर ढंग से दर्शाता है?

i.महिलाएं प्रवेश का रास्ता खोज रही हैं।

ii.आरक्षण प्रदान करने में चुनौती

iii.संसद के सामने प्रदर्शन करती महिलाएं

iv.उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: ii.आरक्षण प्रदान करने में चुनौती

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. नारीवादी आंदोलन क्या हैं?

उत्तर: वे आंदोलन जिनका उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं की समानता है।

2. भारतीय संविधान के किन्हीं दो प्रावधानों का उल्लेख करें जो भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य बनाते हैं।

उत्तर: (i) भारतीय राज्य के लिए कोई आधिकारिक धर्म नहीं है,

(ii) संविधान धर्म के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है।

3. सांप्रदायिकता क्या है?

उत्तर: यह एक ऐसी स्थिति है जब एक विशेष समुदाय अन्य समुदायों की कीमत पर अपने हितों को बढ़ावा देने की कोशिश करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं के लिए अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता की व्याख्या करें। इसे कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

(i) लोकसभा में निर्वाचित महिला सदस्यों का प्रतिशत कभी भी इसकी कुल संख्या के 10 प्रतिशत तक भी नहीं पहुंचा है।

(ii) राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से भी कम है। इस संबंध में, भारत दुनिया के सबसे निचले देशों में से एक है। भारत अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई विकासशील देशों के औसत से पीछे है।

(iii) सरकार में, जब कोई महिला मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनती है, तब भी मंत्रिमंडल में सभी पुरुष ही होते हैं।

2. धर्म और राजनीति के बारे में गांधीजी के क्या विचार थे? व्याख्या करें।

उत्तर: गांधीजी कहते थे कि धर्म को राजनीति से कभी अलग नहीं किया जा सकता। धर्म से उनका तात्पर्य हिंदू धर्म या इस्लाम जैसा कोई विशेष धर्म नहीं था, बल्कि नैतिक मूल्य थे जो सभी धर्मों का आधार बनते हैं। उनका मानना था कि राजनीति को धर्मों से प्राप्त नैतिकता द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए।

3. चुनावी राजनीति में जाति के अलावा और कौन से कारक मायने रखते हैं?

उत्तर: (i) समुदाय के आधार पर मतदान: राजनीतिक नेता मतदाताओं को सांप्रदायिक आधार पर वोट देने के लिए प्रेरित करते हैं।

(ii) धार्मिक आधार पर राजनीतिक लामबंदी: धार्मिक आधार पर राजनीतिक लामबंदी सांप्रदायिकता का एक और आम रूप है।

(iii) सरकार का प्रदर्शन: जाति और समुदाय के साथ-साथ लोग राजनीतिक दल के प्रदर्शन या पार्टी के एजेंडे की भी जाँच करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. जीवन के विभिन्न पहलुओं का उल्लेख करें जिनमें भारत में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है या उन्हें वंचित रखा जाता है।

उत्तर :भारत में महिलाओं के साथ निम्नलिखित तरीकों से भेदभाव किया जाता है या उन्हें वंचित रखा जाता है:

क. साक्षरता - महिलाओं की साक्षरता दर 65.46 प्रतिशत है, जबकि पुरुषों के लिए यह 82.14 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि स्वतंत्रता के बाद से, साक्षरता के संबंध में पुरुषों और महिलाओं के अनुपात के बीच का अंतर अभी भी नहीं भरा जा सका है।

ख. उच्च शिक्षा - जब आप स्कूल के बाद उच्च अध्ययन करने वाले लड़कों और लड़कियों के प्रतिशत की तुलना करते हैं, तो यह लड़कियों के लिए कम है क्योंकि वे स्कूल के बाद पढ़ाई छोड़ देती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि माता-पिता लड़कियों की शिक्षा पर अपने संसाधन खर्च नहीं करना चाहते हैं, जो लड़कों के मामले में काफी अपेक्षित है।

ग. उच्च वेतन वाली नौकरियाँ - उच्च वेतन वाली नौकरियों में काम करने वाली महिलाओं का प्रतिशत अभी भी पुरुषों की तुलना में कम है। औसतन, एक भारतीय महिला हर दिन एक औसत पुरुष से एक घंटा अधिक काम करती है। फिर भी, उसके अधिकांश काम का भुगतान नहीं किया जाता है और इसलिए अक्सर उसका मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

घ. समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 में कहा गया है कि समान काम के लिए समान वेतन दिया जाना चाहिए। हालाँकि, खेल और सिनेमा से लेकर कारखानों और खेतों तक, लगभग सभी क्षेत्रों में, महिलाओं को पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है, भले ही दोनों बिल्कुल समान काम करते हों।ई. लिंगानुपात - भारत का लिंगानुपात 107.48 है, यानी 2019 में प्रति 100 महिलाओं पर 107.48 पुरुष।

2. सांप्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूपों को एक-एक उदाहरण के साथ बताएं।

उत्तर.सांप्रदायिक राजनीति के विभिन्न रूप हैं:

क. सांप्रदायिकता धार्मिक पूर्वाग्रहों, धार्मिक समुदायों की रूढ़ियों और दूसरे धर्मों पर अपने धर्म की श्रेष्ठता में विश्वास का रूप लेती है। उदाहरण के लिए, उग्रवादी धार्मिक समूह।

ख. एक समुदाय में एक धर्म के दूसरे धर्म पर राजनीतिक प्रभुत्व की चाहत। यह बहुसंख्यकवाद का रूप ले लेता है। उदाहरण के लिए, धर्म के आधार पर राजनीतिक दलों के बीच दरार।

ग. धार्मिक आधार पर राजनीतिक लामबंदी सांप्रदायिकता का एक और लगातार रूप है। उदाहरण - चुनावों के दौरान, नफरत भरे भाषण सतह पर आते हैं, जो सांप्रदायिकता को उजागर करते हैं।

घ. सांप्रदायिक हिंसा राजनीति में सांप्रदायिकता का दूसरा रूप है। उदाहरण के लिए, धार्मिक भावनाओं के आधार पर दंगे।SSS

3. राजनीति में जाति के विभिन्न रूपों की व्याख्या करें।

उत्तर: राजनीति में जाति के विभिन्न रूप:

i) जब सरकारें बनती हैं, तो राजनीतिक दल आमतौर पर इस बात का ध्यान रखते हैं कि विभिन्न जातियों और जनजातियों के प्रतिनिधियों को इसमें जगह मिले।

ii) जब पार्टियाँ उम्मीदवारों का चयन करती हैं, तो वे मतदाताओं की संरचना को ध्यान में रखते हैं और तदनुसार विभिन्न जातियों से उम्मीदवारों का चयन करते हैं ताकि चुनाव जीतने के लिए आवश्यक समर्थन जुटाया जा सके।

iii) राजनीतिक दल समर्थन हासिल करने के लिए जातिगत भावनाओं की अपील करते हैं। कुछ राजनीतिक दल कुछ जातियों का पक्ष लेने के लिए जाने जाते हैं।

iv) सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और एक व्यक्ति-एक-वोट के सिद्धांत ने राजनीतिक नेताओं को राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए मजबूर किया। इसने उन जातियों के लोगों में भी नई चेतना लाई, जिन्हें कमतर समझा जाता था।

स्रोत आधारित प्रश्न

भारत में विधायिका में महिलाओं का अनुपात बहुत कम रहा है। उदाहरण के लिए, 2019 में 17वीं लोकसभा के लिए लोकसभा में निर्वाचित महिला सदस्यों का प्रतिशत इसकी कुल ताकत का 14.36 प्रतिशत हो गया है। राज्य विधानसभाओं में उनकी हिस्सेदारी 5 प्रतिशत से भी कम है। इस संबंध में, भारत दुनिया के सबसे निचले देशों में से एक है। भारत अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई विकासशील देशों के औसत से पीछे है। सरकार में, कैबिनेट में ज्यादातर पुरुष ही होते हैं, भले ही कोई महिला मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन जाए। इस समस्या को हल करने का एक तरीका यह है कि निर्वाचित निकायों में महिलाओं का उचित अनुपात होना कानूनी रूप से बाध्यकारी बना दिया जाए। भारत में पंचायती राज ने यही किया है। स्थानीय सरकारी निकायों - पंचायतों और नगर पालिकाओं में - एक तिहाई सीटें अब महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

1. भारत में विधायिका में महिलाओं के अनुपात की स्थिति क्या है? (1)

उत्तर: भारत में विधायिका में महिलाओं के अनुपात की स्थिति बहुत कम रही है।

2. भारत कई विकासशील देशों के औसत से पीछे है। इन देशों के नाम बताइए। (1)

उत्तर: भारत अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के कई विकासशील देशों के औसत से पीछे है।

3. भारत की लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व प्रतिशत कितना है? भारत में निर्वाचित निकायों में महिलाओं का उचित अनुपात रखने की समस्या को हल करने का एक तरीका क्या है? (2)

उत्तर: लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व प्रतिशत क्रमशः 14.36% और 5% से कम है। भारत में निर्वाचित निकायों में महिलाओं का उचित अनुपात रखने की समस्या को हल करने का एक तरीका स्थानीय सरकारी निकायों-पंचायतों और नगर पालिकाओं में एक तिहाई सीटों का आरक्षण है।

अध्याय-4
राजनीतिक दल

राजनीतिक दल का अर्थ

* राजनीतिक दल लोगों का एक समूह है जो चुनाव लड़ने और सरकार में सत्ता संभालने के लिए एक साथ आते हैं।

<u>भारत की राष्ट्रीय पार्टियाँ</u>

एक पार्टी जो लोकसभा चुनाव या चार राज्यों में विधानसभा चुनाव में कुल वोटों का कम से कम छह प्रतिशत हासिल करती है और लोकसभा में कम से कम चार सीटें जीतती है, उसे राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है।

<u>भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)</u>

<u>भारतीय जनता पार्टी (BJP)</u>

<u>बहुजन समाज पार्टी (BSP)</u>

<u>भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी - मार्क्सवादी (CPI-M)</u>

<u>आम आदमी पार्टी (AAP)</u>

<u>नेशन</u>

कौन से दल

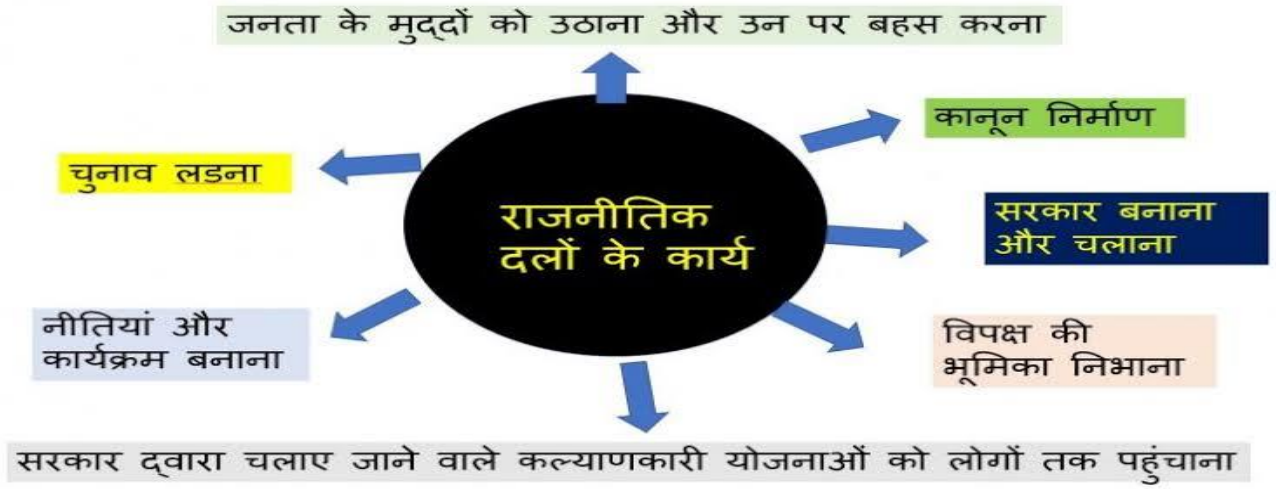

राष्ट्रीय दल होते हैं :-

- जैसा कि नाम से पता चलता है, इसकी एक क्षेत्रीय दल के विपरीत राष्ट्रव्यापी उपस्थिति होती है, जो केवल एक विशेष राज्य या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है।
    - एक निश्चित कद राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ा होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि उसका बहुत अधिक राष्ट्रीय राजनीतिक प्रभाव हो।
- किसी पार्टी को 'राष्ट्रीय' घोषित करने की शर्तें:
    - ECI की राजनीतिक दल और चुनाव चिह्न, 2019 पुस्तिका के अनुसार, एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल माना जाएगा यदि:
        - यह चार या अधिक राज्यों में राज्य स्तरीय दल के रूप में 'मान्यता प्राप्त' हो; या
        - लोकसभा या राज्यों के विधानसभा चुनावों में 4 अलग-अलग राज्यों से कुल वैध मतों के 6 प्रतिशत मत प्राप्त करे तथा इसके अतिरिक्त 4 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करे। या
        - यदि उसने कम से कम 3 राज्यों से लोकसभा में कुल सीटों का कम से कम 2% सीटें जीती हो।

किसी दल को राज्य स्तरीय दल कैसे घोषित किया जाता है?

- किसी दल को किसी राज्य में राज्यस्तरीय दल के रूप में मान्यता दी जाती है यदि निम्न में से कोई भी शर्त पूरी होती है:
    - यदि यह संबंधित राज्य विधान सभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए वैध मतों का 6% मत प्राप्त करता है और साथ ही यह उसी राज्य विधान
    - सभा में 2 सीटें जीतता है।
    - यदि यह लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में कुल वैध मतों का 6% प्राप्त करता है और साथ ही यह उसी राज्य से लोकसभा में 1 सीट जीतता है।
    - यदि यह राज्य या राज्य विधान सभा के लिये लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए कुल वैध मतों का 8% मत प्राप्त करता है।

<u>राजनीतिक दलों के लिए चुनौतियाँ</u>

* आंतरिक लोकतंत्र की कमी
* वंशवादी उत्तराधिकार की चुनौती
* धन और बाहुबल की बढ़ती भूमिका
* सार्थक विकल्प का अभाव

पार्टियों में सुधार कैसे किया जा सकता है?

भारत में हाल के प्रयास और सुझाव

* निर्वाचित विधायकों और सांसदों को दल बदलने से रोकने के लिए संविधान में संशोधन किया गया।
* नए कानून में कहा गया है कि अगर कोई विधायक या सांसद दल बदलता है, तो वह विधानमंडल में अपनी सीट खो देगा।
* सुप्रीम कोर्ट ने धन और अपराधियों के प्रभाव को कम करने के लिए एक आदेश पारित किया।
* चुनाव आयोग ने एक आदेश पारित कर राजनीतिक दलों के लिए अपने संगठनात्मक चुनाव आयोजित करना और आयकर रिटर्न दाखिल करना अनिवार्य कर दिया।

राजनीतिक दलों में सुधार के लिए कुछ सुझाव

* राजनीतिक दलों के आंतरिक मामलों को विनियमित करने के लिए एक कानून बनाया जाना चाहिए।

* महिला उम्मीदवारों को कम से कम एक तिहाई टिकट दिए जाने चाहिए।

* चुनावों का राज्य द्वारा वित्तपोषण होना चाहिए।

बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न

1) ___ लोगों का एक समूह है जो चुनाव लड़ने और सरकार में सत्ता संभालने के लिए एक साथ आते हैं।

a) दबाव समूह b) राजनीतिक दल c) हित समूह d) व्यापार लॉबी

उत्तर: विकल्प (b)

2) _____ ने चुनाव के समय पार्टियों द्वारा दीवार लेखन पर आधिकारिक रूप से प्रतिबंध लगा दिया है।

a) संसद b) राष्ट्रपति c) चुनाव आयोग d) नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG)

उत्तर: विकल्प (c)

3) राजनीतिक दल समाज में मौलिक __ को दर्शाते हैं। पार्टियाँ समाज के एक हिस्से के बारे में होती हैं और इस प्रकार पक्षपात को शामिल करती हैं।

a) सामाजिक विभाजन b) आर्थिक विभाजन c) धार्मिक विभाजन d) राजनीतिक विभाजन

उत्तर: विकल्प (d)

4) भारत जैसे देशों में, ___ चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवारों का चयन करते हैं।

a) पार्टी के शीर्ष नेता b) पार्टी के सदस्य c) पार्टी के समर्थक d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: विकल्प (a)

5) सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी नीतियों को ___ द्वारा अपनाई गई लाइन पर आधारित करे।

a) विपक्षी दल b) सत्तारूढ़ दल c) राष्ट्रपति d) संसद

उत्तर: विकल्प (b)

6) राजनीतिक दलों का उदय सीधे तौर पर ___ के उद्भव से जुड़ा हुआ है।

a) निगरानी लोकतंत्र b) प्रत्यक्ष लोकतंत्र

c) प्रतिनिधि लोकतंत्र d) संवैधानिक लोकतंत्र।

उत्तर: विकल्प (c)

7) भारत में, __ पार्टियाँ भारत के चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत हैं।

a) 750 से कम b) 75 से कम c) 100 से कम d) 750 से अधिक

उत्तर: विकल्प (d)

8) _____ और यूनाइटेड किंगडम दो-पक्षीय प्रणाली के उदाहरण हैं।

a) संयुक्त राज्य अमेरिका b) रूस c) चीन d) कनाडा

उत्तर: विकल्प (a)

9) निम्नलिखित में से कौन बहु-पक्षीय प्रणाली का उदाहरण है?

a) भारत b) न्यूज़ीलैंड c) कनाडा d) उपरोक्त सभी

उत्तर: विकल्प (d)

छवि आधारित प्रश्न:

1.इस कार्टून में राजनीतिक दलों के निम्नलिखित में से कौन से कार्य को दर्शाया गया है?

i. देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाना

ii.सरकार बनाना और चलाना

ii.लोगों को सरकारी मशीनरी और कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच प्रदान करना

iv.जनमत को आकार देना

उत्तर: i. देश के लिए कानून बनाने में निर्णायक भूमिका निभाना।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. 'राजनीतिक दल' का क्या अर्थ है?

उत्तर: राजनीतिक दल लोगों का एक समूह है जो सरकार में सत्ता संभालने के लिए चुनाव लड़ने के लिए एक साथ आते हैं।

2. पार्टियाँ किसी देश की सरकार कैसे चलाती हैं?

उत्तर: पार्टियाँ नेताओं की भर्ती करती हैं, उन्हें प्रशिक्षित करती हैं और फिर उन्हें सरकार चलाने के लिए मंत्री बनाती हैं।

3. लोकतंत्र में विपक्ष की क्या भूमिका है?

उत्तर: विपक्षी दल अलग-अलग विचार व्यक्त करते हैं और सरकार की विफलताओं या गलत नीतियों की आलोचना करते हैं।

4. एकदलीय प्रणाली क्या है?

उत्तर: कुछ देशों में, केवल एक पार्टी को सरकार को नियंत्रित करने और चलाने की अनुमति है। इसे एकदलीय प्रणाली कहा जाता है। जैसे, चीन।

5. भारत में कौन सा संगठन 'राजनीतिक दलों' को मान्यता देता है?

उत्तर: भारत में राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग द्वारा मान्यता दी जाती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. राजनीतिक दल के घटक क्या हैं?

उत्तर: एक राजनीतिक दल के तीन घटक होते हैं:

* इसके नेता
* इसके सक्रिय सदस्य और
* इसके अनुयायी।

2. द्विदलीय प्रणाली की कोई तीन मुख्य विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: द्विदलीय प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ:

* सत्ता आमतौर पर दो दलों के बीच बदलती रहती है, कई अन्य दल भी हो सकते हैं।

* ऐसी प्रणाली में लोगों को स्पष्ट विकल्प मिलता है।
* बहुमत पाने वाली पार्टी सरकार बनाती है और दूसरी विपक्ष में बैठती है।

3. बहुदलीय प्रणाली क्या है? भारत ने बहुदलीय प्रणाली क्यों अपनाई है? समझाइए।

उत्तर: बहुदलीय प्रणाली: यदि कई दल सत्ता के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं और दो से अधिक दलों के पास अपने बल पर या दूसरों के साथ गठबंधन करके सत्ता में आने का उचित मौका होता है, तो हम इसे बहुदलीय प्रणाली कहते हैं।
भारत ने बहुदलीय प्रणाली इसलिए अपनाई क्योंकि:
* भारत में सामाजिक और भौगोलिक विविधता है।
• भारत इतना बड़ा देश है कि दो या तीन पार्टियों द्वारा इसे आसानी से समाहित नहीं किया जा सकता।

4.'क्षेत्रीय राजनीतिक दल' से क्या अभिप्राय है? 'क्षेत्रीय राजनीतिक दल' के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शर्तें बताइए।

उत्तर: एक क्षेत्रीय दल वह दल होता है जो केवल कुछ राज्यों में ही मौजूद होता है।
किसी दल को क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए आवश्यक शर्तें हैं:
* एक दल जो किसी राज्य की विधान सभा के चुनाव में कुल मतों का कम से कम छह प्रतिशत प्राप्त करता है।
* विधान सभा में कम से कम दो सीटें जीतता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. राजनीतिक दलों के किन्हीं पाँच प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।

उत्तर: राजनीतिक दलों के कार्य:
* दल चुनाव लड़ते हैं।
* वे नीतियाँ और कार्यक्रम सामने रखते हैं।
* कानून बनाने में दल निर्णायक भूमिका निभाते हैं।
* दल सरकार बनाते और चलाते हैं।
* चुनाव में पराजित दल सत्ताधारी दलों के विपक्ष की भूमिका निभाते हैं।

2. राजनीतिक दलों में सुधार के लिए किन्हीं पाँच प्रभावी उपायों का सुझाव दें और उनकी व्याख्या करें।

उत्तर: राजनीतिक दलों में सुधार के लिए पाँच सुझाव:
1. राजनीतिक दलों के आंतरिक मामलों को विनियमित करने के लिए कानून जैसे अपने सदस्यों का रजिस्टर रखना, अपने स्वयं के संविधान का पालन करना, स्वतंत्र प्राधिकरण होना, पार्टी विवाद के मामले में न्यायाधीश के रूप में कार्य करना, सर्वोच्च पद के लिए खुले चुनाव आयोजित करना।
2. राजनीतिक दलों के लिए एक तिहाई टिकट महिला उम्मीदवारों को देना अनिवार्य होना चाहिए। साथ ही पार्टी के निर्णय लेने वाले निकायों में महिलाओं के लिए कोटा होना चाहिए।
3. चुनावों का राज्य वित्त पोषण होना चाहिए। सरकार को पार्टियों को उनके चुनाव खर्च के लिए वस्तु (पेट्रोल, कागज, टेलीफोन आदि) या पिछले चुनाव में पार्टी द्वारा प्राप्त वोटों के आधार पर नकद राशि देनी चाहिए।

4. उम्मीदवार शिक्षित होना चाहिए, ताकि वह लोगों की समस्याओं को समझ सके और उन्हें हल कर सके। उसका पिछला रिकॉर्ड साफ होना चाहिए। वह ईमानदार होना चाहिए और उसके खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं होना चाहिए।

5. नागरिक राजनीति में सुधार कर सकते हैं यदि वे सीधे भाग लेते हैं और राजनीतिक दलों में शामिल होते हैं। लोग याचिकाओं, मीडिया में प्रचार, आंदोलन आदि के माध्यम से राजनीतिक दलों पर दबाव डाल सकते हैं।

3. राजनीतिक दलों के सामने विभिन्न चुनौतियाँ क्या हैं?

राजनीतिक दलों के सामने विभिन्न चुनौतियाँ हैं:

आंतरिक लोकतंत्र का अभाव:

* पार्टी के प्रत्येक सदस्य को निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेने का मौका नहीं मिलता।
* निर्णय लेने से पहले प्रत्येक सदस्य से परामर्श नहीं किया जाता।
* सदस्यों का कोई उचित संगठन या पंजीकरण नहीं है।
* सत्ता कुछ शीर्ष नेताओं के हाथों में रहती है, जो आम सदस्यों से परामर्श नहीं करते।
* आम सदस्यों को पार्टी के अंदरूनी कामकाज के बारे में कोई जानकारी नहीं होती।

वंशवादी उत्तराधिकार: कुछ शीर्ष नेताओं के हाथों में सत्ता होने के कारण, पार्टी के सभी पद उनके परिवार के सदस्यों को मिल जाते हैं। हो सकता है कि ये सदस्य योग्य न हों या अपने पद पर बने रहने की क्षमता न रखते हों।

धन और बाहुबल: • पार्टी की छवि को प्रचारित करने के लिए प्रदर्शन, जनसभा और भाषण आयोजित करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। पार्टियाँ उन उम्मीदवारों को चुनती हैं जो पार्टी के लिए धन जुटा सकें और अपने धन से चुनाव जीत सकें।

• कई बार पार्टियाँ अपराधी उम्मीदवारों का भी समर्थन करती हैं क्योंकि वे चुनाव जीत सकते हैं। दूसरों के लिए सार्थक विकल्प अधिकांश राजनीतिक दलों के मूल और वैचारिक मुद्दे एक जैसे होते हैं।

मतदाताओं के पास सार्थक विकल्प नहीं होता। यहाँ तक कि नेता भी दल बदलते रहते हैं, जिससे मतदाता भ्रमित हो जाता है।

स्रोत आधारित प्रश्न

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें-

किसी देश में प्रत्येक पार्टी को चुनाव आयोग के पास पंजीकरण कराना होता है। जबकि आयोग सभी दलों के साथ समान व्यवहार करता है, यह बड़ी और स्थापित पार्टियों को कुछ विशेष सुविधाएं प्रदान करता है। इन पार्टियों को एक अनूठा प्रतीक दिया जाता है-केवल उस पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार ही उस चुनाव चिह्न का उपयोग कर सकते हैं। जिन दलों को यह विशेषाधिकार और कुछ अन्य विशेष सुविधाएं मिलती हैं, उन्हें इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग द्वारा 'मान्यता प्राप्त' है। यही कारण है कि इन दलों को 'मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल' कहा जाता है। चुनाव आयोग ने वोटों और सीटों के अनुपात के विस्तृत मानदंड निर्धारित किए हैं जो एक पार्टी को मान्यता प्राप्त पार्टी होने के लिए प्राप्त होने चाहिए। एक पार्टी जो किसी राज्य की विधानसभा के चुनाव में कुल वोटों का कम से कम छह प्रतिशत हासिल करती है और कम से कम दो सीटें जीतती है, उसे राज्य पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है। वह पार्टी जो लोकसभा चुनाव या चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में कुल वोटों का कम से कम छह प्रतिशत हासिल करती है और लोकसभा में कम से कम चार सीटें जीतती है, उसे राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है।

i) प्रत्येक राजनीतिक दल को विशिष्ट प्रतीक कौन देता है? **1**

ii) किसी राज्य की विधानसभा में जीतने के लिए किसी पार्टी को कितने प्रतिशत वोटों की आवश्यकता होती है
1

iii) कौन सी पार्टियाँ राजनीतिक दलों के रूप में मान्यता प्राप्त हैं? 2

उत्तर: i) चुनाव आयोग।

ii) कम से कम 6 प्रतिशत।

iii) जिन पार्टियों को एक विशिष्ट प्रतीक दिया जाता है और जिन्हें यह विशेषाधिकार और कुछ अन्य विशेष सुविधाएँ मिलती हैं, उन्हें इस उद्देश्य के लिए चुनाव आयोग द्वारा 'मान्यता' दी जाती है। पार्टी जो चुनाव आयोग के साथ पंजीकृत है।

अध्याय-5
लोकतंत्र के परिणाम

लोकतंत्र सरकार का एक ऐसा रूप है जिसमें सत्ता और अधिकार लोगों के पास होते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में, नागरिक आम तौर पर मतदान या निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यह राजनीतिक संरचना व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समान प्रतिनिधित्व और मानवाधिकारों की सुरक्षा पर जोर देती है।

हम लोकतंत्र के परिणामों का आकलन कैसे करते हैं

नियमित चुनाव: एक लोकतांत्रिक सरकार में, नई सरकार चुनने के लिए आम चुनाव होते हैं।

मतदान का अधिकार: देश के सभी नागरिकों को, एक निश्चित आयु या उससे अधिक आयु के, मतदान का अधिकार है।

राजनीतिक दल: राजनीतिक दल लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को खड़ा करते हैं।

कानून का शासन: सभी लोकतंत्रों की एक और सामान्य विशेषता यह है कि यह कानून के शासन को सुनिश्चित करता है। कानून सर्वोच्च है और कानून की नज़र में सभी नागरिक समान हैं। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।

लोकतंत्र को सरकार का बेहतर रूप क्यों माना जाता है?

तानाशाही या सरकार के किसी अन्य वैकल्पिक रूप की तुलना में लोकतंत्र सरकार का बेहतर रूप है।

क. नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है।

ख. व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है।

ग. निर्णय लेने की गुणवत्ता में सुधार करता है।

घ. विवादों को सुलझाने का तरीका प्रदान करता है।

च . गलतियों को सुधारने की गुंजाइश देता है।

लोकतंत्र के परिणाम जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार लोकतंत्र उत्तरदायी सरकार बनाता है: लोकतंत्र उत्तरदायी सरकार बनाता है, क्योंकि लोगों को चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार होता है लोकतंत्र उत्तरदायी सरकार बनाता है: लोकतांत्रिक सरकारें लोगों द्वारा चुनी जाती हैं और लोगों और संसद के प्रति उत्तरदायी होती हैं। लोकतंत्र वैध सरकार बनाता है: लोकतांत्रिक सरकार लोगों की अपनी सरकार होती है। लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासित होना चाहते हैं

आर्थिक वृद्धि और विकास

 लोकतंत्र की उच्च आर्थिक वृद्धि हासिल करने में असमर्थता

 तानाशाही और लोकतंत्र वाले कम विकसित देशों के बीच आर्थिक विकास नगण्य है

 तानाशाही और लोकतंत्र के तहत देशों के बीच आर्थिक विकास की दरों में महत्वपूर्ण अंतर

असमानता और गरीबी में कमी

 लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित हैं। प्रतिनिधियों के चुनाव में सभी व्यक्तियों का समान महत्व होता है

 सरकारें समानता को बढ़ावा देने और असमानता और गरीबी को कम करने के लिए हस्तक्षेप कर सकती हैं,
 बढ़ती असमानता सतत विकास को रोकती है, आर्थिक विकास को कम करती है और समाजों के भीतर सामाजिक सामंजस्य को नुकसान पहुँचाती है
 सामाजिक विविधता का समायोजन
 भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य राज्य है और संविधान सर्वोच्च कानून है
 भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण राष्ट्र है। इसमें विभिन्न संस्कृतियाँ, परंपराएँ, धर्म, जातियाँ, भाषाएँ, नस्लें और जातीय समूह निवास करते हैं।
 विभिन्न समुदायों के लोगों के बीच संघर्ष
 बहुसंख्यकों के साथ अल्पसंख्यकों का भी समान प्रतिनिधित्व है
 स्थिति और एकता से परे सभी के अधिकारों और हितों की रक्षा की जाती है

नागरिकों की गरिमा और स्वतंत्रता

 व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र किसी भी अन्य प्रकार की सरकार से कहीं बेहतर है
 सम्मान और स्वतंत्रता के लिए जुनून लोकतंत्र का आधार है
 जाति आधारित असमानताएं और अत्याचार भी लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं हैं
 दुनिया भर के अधिकांश समाज पुरुष-प्रधान हैं, लेकिन लोकतंत्र ने समान व्यवहार के प्रति संवेदनशीलता पैदा की है

बहुविकल्पीय प्रश्न

1) लोकतांत्रिक सरकार के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

a) लोकतांत्रिक सरकार एक वैध सरकार होती है।

b) लोकतांत्रिक सरकार धीमी, कम कुशल और हमेशा बहुत उत्तरदायी या साफ-सुथरी नहीं हो सकती है।

c) लोकतांत्रिक सरकार लोगों की अपनी सरकार होती है।

d) उपरोक्त सभी।

उत्तर: विकल्प (d)

2) नीचे दिए गए देशों में से किस देश में लोकतंत्र को सबसे अधिक समर्थन प्राप्त है?

a) भारत b) नेपाल c) बांग्लादेश d) पाकिस्तान

उत्तर: विकल्प (a)

3) इनमें से कौन सा कारक किसी देश के आर्थिक विकास में भूमिका निभाता है?

a) अन्य देशों से सहयोग। b) जनसंख्या का आकार

c) सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक प्राथमिकताएँ। d) उपरोक्त सभी

उत्तर: विकल्प (d)

4) 1950 से 2000 तक विभिन्न देशों के लिए आर्थिक विकास की दरें ___ में सबसे अधिक थीं।

a) सभी लोकतांत्रिक शासन। b) तानाशाही के तहत गरीब देश।

c) लोकतंत्र के तहत गरीब देश। d) गैर-लोकतांत्रिक देश

उत्तर: विकल्प (d)

5) निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

a) गैर-लोकतांत्रिक शासन अक्सर आंतरिक सामाजिक मतभेदों को अनदेखा कर देते हैं या दबा देते हैं।

b) सामाजिक मतभेदों, विभाजनों और संघर्षों को संभालने की क्षमता इस प्रकार लोकतांत्रिक शासन का एक निश्चित प्लस पॉइंट है।

c) लोकतंत्र आमतौर पर अपनी प्रतिस्पर्धा का संचालन करने के लिए एक प्रक्रिया विकसित करते हैं।

d) उपरोक्त सभी।

उत्तर: विकल्प (घ)

अभिकथन और कारण प्रश्न:

निम्नलिखित प्रश्नों में दो कथन हैं - अभिकथन (A) और कारण (R)। नीचे दिए गए उपयुक्त विकल्प का चयन करके इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

प्रश्न 1. अभिकथन (A): लोकतंत्र केवल बहुमत की राय से शासन नहीं है।

कारण (R): लोकतंत्र में, बहुमत को हमेशा अल्पमत के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होती है ताकि सरकारें सामान्य दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करने के लिए कार्य कर सकें।

उत्तर: (a)

प्रश्न 2. अभिकथन (A): व्यक्तियों की गरिमा और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में लोकतंत्र किसी भी अन्य प्रकार की सरकार से कहीं बेहतर है।

कारण (R): लोकतंत्र ने आर्थिक असमानताओं को सफलतापूर्वक कम किया है।

उत्तर: (c)

प्रश्न 3. अभिकथन (A): लोकतांत्रिक सरकार किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले प्रक्रियाओं का पालन करने में अधिक समय लेगी।

कारण (R): लोकतांत्रिक सरकार ने प्रक्रियाओं का पालन किया है, इसके निर्णय लोगों को अधिक स्वीकार्य और अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

उत्तर: (a)

प्रश्न 4. अभिकथन (A): लोकतंत्र सुनिश्चित करता है कि निर्णय लेना मानदंडों और प्रक्रियाओं पर आधारित होगा।

कारण (R): लोकतंत्र में एक नागरिक जो यह जानना चाहता है कि क्या निर्णय सही प्रक्रियाओं के माध्यम से लिया गया था, वह इसे आसानी से पता लगा सकता है।

उत्तर: (a)

प्रश्न 5. अभिकथन (A): लोकतंत्र लोगों को एक विषय की स्थिति से नागरिक की स्थिति में बदल देता है।

कारण (R): अधिकांश व्यक्तियों का मानना है कि उनका वोट सरकारों के चलने के तरीके और उनके स्वयं के हित में अंतर लाता है।

उत्तर: (a)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. पारदर्शिता का क्या अर्थ है?

उत्तर: कोई भी नागरिक लोकतंत्र में निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच कर सकता है।

2. लोकतंत्र एक जवाबदेह सरकार कैसे बनाता है?

उत्तर: लोगों को सरकार बनाने के लिए नेताओं को चुनने का अधिकार है और यदि संभव हो तो वे निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं।

3. आप कैसे कह सकते हैं कि लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित हैं?

उत्तर: प्रतिनिधियों के चुनाव में सभी व्यक्तियों का समान महत्व होता है।

4. आर्थिक असमानता का क्या अर्थ है?

उत्तर: यह आर्थिक परिसंपत्तियों और आय के वितरण में असमानताओं को संदर्भित करता है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. "पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार को भारी समर्थन मिल रहा है।" कथन का समर्थन करें।

उत्तर:पूरी दुनिया में लोकतंत्र के विचार को भारी समर्थन मिल रहा है क्योंकि:

* एक लोकतांत्रिक सरकार लोगों की अपनी सरकार होती है।
* दक्षिण एशिया के साक्ष्यों से पता चलता है कि लोकतांत्रिक शासन वाले देशों में इसका समर्थन मौजूद है।
* लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासित होना चाहते हैं।

2. लोकतंत्र के कोई तीन गुण बताएँ।

उत्तर:लोकतंत्र के गुण हैं:

* लोकतंत्र जीवन के हर क्षेत्र जैसे राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक में समानता सुनिश्चित करता है।
* यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदि जैसी बुनियादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बनाए रखता है।
* कानूनों का उचित पालन।

3. लोकतंत्र को कब सफल माना जाता है? समझाएँ।

उत्तर:लोकतंत्र को सफल माना जाता है क्योंकि:

* लोगों द्वारा चुने गए शासकों को सभी बड़े फैसले लेने चाहिए, न कि अमीर और शक्तिशाली लोगों को।
* चुनाव में लोगों को स्वतंत्र विकल्प और अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।
* राजनीतिक समानता के आधार पर सभी लोगों को विकल्प उपलब्ध होना चाहिए।

4. लोकतंत्र से कोई व्यक्ति किस तरह के परिणामों की उचित रूप से अपेक्षा कर सकता है?

उत्तर: लोकतंत्र से कोई व्यक्ति उचित रूप से निम्नलिखित परिणामों की अपेक्षा कर सकता है:

* राजनीतिक क्षेत्र में हम उत्तरदायी और वैध सरकार की अपेक्षा कर सकते हैं।
* आर्थिक क्षेत्र में हम न्यूनतम आर्थिक असमानताओं की अपेक्षा कर सकते हैं।
* सामाजिक क्षेत्र में हम उत्पीड़ित वर्गों और महिलाओं को समान सुरक्षा की अपेक्षा कर सकते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लोकतंत्र एक जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार कैसे बनाता है?

उत्तर→ लोकतंत्र एक जवाबदेह सरकार बनाता है: लोकतंत्र एक जवाबदेह सरकार बनाता है, क्योंकि लोगों को चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार है। ये चुने हुए प्रतिनिधि सरकार बनाते हैं और लोगों की ओर से निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं। यदि ये चुने हुए प्रतिनिधि ठीक से काम नहीं करते हैं, तो लोगों के पास अगले चुनाव में उन्हें न चुनने का मौका होता है।

→ लोकतंत्र उत्तरदायी सरकार बनाता है: लोकतांत्रिक सरकारें लोगों द्वारा चुनी जाती हैं और लोगों और संसद के प्रति उत्तरदायी होती हैं। ये सरकारें जनमत के निर्माण को बढ़ावा देती हैं और लोगों की जरूरतों और अपेक्षाओं का ख्याल रखती हैं।
→ लोकतंत्र वैध सरकार बनाता है: एक लोकतांत्रिक सरकार लोगों की अपनी सरकार होती है। लोग अपने द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों द्वारा शासित होना चाहते हैं। वे यह भी मानते हैं कि लोकतंत्र उनके देश के लिए उपयुक्त है। लोकतंत्र की अपनी खुद की सहायता जुटाने की क्षमता ही एक ऐसा परिणाम है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता

2. "लोकतंत्र आर्थिक असमानताओं को कम करने में बहुत सफल नहीं दिखते हैं"। उदाहरणों के साथ कथन की जाँच करें।

उत्तर:पिछले कुछ वर्षों में, लोकतंत्र का आर्थिक विकास और आर्थिक असमानताओं के साथ क्या संबंध है, यह देखने के लिए सावधानीपूर्वक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं।
यह देखा गया है कि औसतन तानाशाही शासनों का आर्थिक विकास का रिकॉर्ड थोड़ा बेहतर रहा है, यानी 4.34%। लेकिन जब हम केवल गरीब देशों (4.28%) में उनके रिकॉर्ड की तुलना करते हैं, तो कोई अंतर नहीं दिखता।
यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि लोकतंत्रों के भीतर असमानताओं का स्तर बहुत अधिक हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील जैसे देशों में, शीर्ष 20 प्रतिशत लोग राष्ट्रीय आय का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा ले लेते हैं, जिससे नीचे की 20 प्रतिशत आबादी के लिए 3 प्रतिशत से भी कम बचता है।
शायद विकास से ज़्यादा, लोकतंत्रों से आर्थिक असमानताओं को कम करने की उम्मीद करना उचित है। लोकतंत्र राजनीतिक समानता पर आधारित होते हैं, लेकिन राजनीतिक क्षेत्र में समानता के बावजूद आर्थिक असमानताएँ बढ़ रही हैं। हमारे मतदाताओं में गरीबों की संख्या बहुत ज़्यादा है और कोई भी पार्टी अपने वोट खोना नहीं चाहेगी। फिर भी लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारें गरीबी की समस्या से निपटने के लिए उत्सुक नहीं दिखती हैं।
लोकतंत्र से अच्छी सरकार बनाने की उम्मीद की जाती है, लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि वे विकास भी करेंगे। जैसा कि साक्ष्य बताते हैं, आर्थिक विकास कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे देश का आकार, वैश्विक स्थिति, दूसरे देशों से सहयोग, देश द्वारा अपनाई गई आर्थिक प्राथमिकताएँ आदि।

स्रोत आधारित प्रश्न

यदि लोकतंत्रों से अच्छी सरकारें बनाने की अपेक्षा की जाती है, तो क्या यह अपेक्षा करना उचित नहीं है कि वे विकास भी करेंगे? साक्ष्य दर्शाते हैं कि व्यवहार में कई लोकतंत्र इस अपेक्षा को पूरा नहीं कर पाए। यदि आप 1950 से 2000 के बीच के पचास वर्षों के सभी लोकतंत्रों और सभी तानाशाही पर विचार करें, तो तानाशाही में आर्थिक विकास की दर थोड़ी अधिक है। उच्च आर्थिक विकास प्राप्त करने में लोकतंत्र की अक्षमता हमें चिंतित करती है। लेकिन केवल यही लोकतंत्र को अस्वीकार करने का कारण नहीं हो सकता।
जैसा कि आप अर्थशास्त्र में पहले ही पढ़ चुके हैं, आर्थिक विकास कई कारकों पर निर्भर करता है: देश की जनसंख्या का आकार, वैश्विक स्थिति, अन्य देशों से सहयोग, देश द्वारा अपनाई गई आर्थिक प्राथमिकताएँ, आदि। हालाँकि, तानाशाही वाले कम विकसित देशों और लोकतंत्रों के बीच आर्थिक विकास की दरों में अंतर नगण्य है। कुल मिलाकर, हम यह नहीं कह सकते कि लोकतंत्र आर्थिक विकास की गारंटी है। लेकिन हम उम्मीद कर सकते हैं कि लोकतंत्र इस मामले में तानाशाही से पीछे नहीं रहेगा। जब हम तानाशाही और लोकतंत्र के तहत देशों के बीच आर्थिक विकास की दरों में इतना महत्वपूर्ण अंतर पाते हैं, तो लोकतंत्र को प्राथमिकता देना बेहतर है क्योंकि इसके कई अन्य सकारात्मक परिणाम हैं।

प्रश्न 1:लोकतंत्रों से हमेशा आर्थिक वृद्धि की अपेक्षा करना उचित क्यों नहीं है, इस धारणा के बावजूद कि उन्हें अच्छी सरकारें बनानी चाहिए……1

उत्तर: आर्थिक वृद्धि विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिसमें जनसंख्या का आकार, वैश्विक स्थिति, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताएँ शामिल हैं। इसलिए, लोकतंत्र हमेशा आर्थिक वृद्धि की गारंटी नहीं देते हैं, क्योंकि ये तत्व लोकतांत्रिक और तानाशाही दोनों शासनों को समान रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

प्रश्न 2:1950 और 2000 के बीच के पचास वर्षों के साक्ष्य लोकतंत्रों की तुलना में तानाशाही की आर्थिक वृद्धि दरों के बारे में क्या संकेत देते हैं?.....1

उत्तर: साक्ष्य संकेत देते हैं कि 1950 और 2000 के बीच के पचास वर्षों में तानाशाही में लोकतंत्रों की तुलना में आर्थिक वृद्धि की दर थोड़ी अधिक है। हालाँकि, यह अंतर न्यूनतम है और तानाशाही के पक्ष में लोकतंत्र को अस्वीकार करने का औचित्य नहीं है।

प्रश्न 3: तानाशाही की तुलना में कभी-कभी कम आर्थिक वृद्धि के बावजूद हमें लोकतंत्र को क्यों प्राथमिकता देनी चाहिए?.....2

उत्तर: हमें लोकतंत्र को प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि यह आर्थिक विकास से परे कई अन्य सकारात्मक परिणाम प्रदान करता है। लोकतंत्र बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करते हैं, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं, राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा देते हैं, और नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे वे थोड़ी कम आर्थिक विकास दर के बावजूद अधिक वांछनीय बन जाते हैं।

अध्याय 1
विकास

आर्थिक विकास:-

सामान्य तौर पर आर्थिक विकास का मतलब किसी देश की वास्तविक प्रति व्यक्ति आय या प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में दीर्घकालिक वृद्धि है।

प्रति व्यक्ति आय के साथ-साथ कुछ अन्य मानदंड भी हैं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, आत्मविश्वास, लैंगिक समानता, व्यक्ति की गरिमा आदि।

आर्थिक विकास का मतलब है वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद और लोगों के जीवन स्तर में दीर्घकालिक और स्थायी सुधार।

आर्थिक विकास का संबंध लोगों के जीवन की गुणवत्ता और उनकी क्षमताओं, पोषण, साक्षरता, शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, आवास सुविधाओं आदि के सुधार से है।

1. **विकास के कई पहलू हैं।** अलग-अलग लोगों के हासिल करने के लिए अलग-अलग लक्ष्य होते हैं। हम सभी के लिए कुछ सामान्य लक्ष्य हो सकते हैं। एक के लिए विकास दूसरे के लिए विकास नहीं हो सकता है। लोग अधिक आय की इच्छा रखते हैं।

2.अलग-अलग लोग, अलग-अलग लक्ष्य: -केवल आय ही जीवन को खुशहाल बनाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

1. सुरक्षा, सम्मान, समान व्यवहार और स्वतंत्रता समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। लोगों का एक ही लक्ष्य नहीं होता। जीवन में कई लक्ष्य होते हैं।
2. राष्ट्रीय विकास सभी नागरिकों की चिंता है।
3. अलग-अलग व्यक्तियों के पास देश के विकास के बारे में अलग-अलग और परस्पर विरोधी धारणाएँ हो सकती हैं।
4. राष्ट्रों के विकास की तुलना के लिए प्रति व्यक्ति आय मुख्य मानदंड है।
5. कुल आय को देशों के बीच तुलना के लिए उपयोगी उपाय नहीं माना जा सकता।

तुलना के लिए हम औसत आय/प्रति व्यक्ति आय या प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का उपयोग करते हैं। **किसी देश की औसत आय (प्रति व्यक्ति आय) देश की कुल आय को उसकी जनसंख्या से विभाजित करके प्राप्त की जा सकती है।** प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का अर्थ है जनसंख्या से विभाजित सकल घरेलू उत्पाद।

3. आय और अन्य लक्ष्य: -

●पैसा लोगों की बुनियादी जरूरत माना जाता है और अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पैसा या आय कमाना बहुत जरूरी है।

●भौतिकवादी चीजों को खरीदने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली बनाए रखने के लिए स्वतंत्रता, सुरक्षा, उपचार, सम्मान के लिए धन की आवश्यकता होती है।

●इसलिए, जीवन में बेहतर आय और अन्य चीजें प्राप्त करने के लिए विकासात्मक लक्ष्य आवश्यक हैं।

4. राष्ट्रीय विकास: - विकास का मतलब केवल उच्च आय और अधिक उपभोग नहीं है, बल्कि अन्य लक्ष्य या कारक भी हैं। ये हैं: (i) समाज में समान व्यवहार, (i) स्वतंत्रता (ii) सामाजिक सुरक्षा (iii) दूसरों का सम्मान (iv) काम करने का माहौल आदि।

●इसे देश की अपने निवासियों के जीवन स्तर को बढ़ाने की क्षमता के रूप में परिभाषित किया जाता है।
●लोगों के लिए, राष्ट्रों के विकास में विश्वास अलग है।
●लोगों के जीवन स्तर में सुधार, नागरिकों को भोजन, शिक्षा, सामाजिक सेवा, चिकित्सा सहायता आदि जैसी बुनियादी चीजें प्रदान करना और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, राष्ट्रीय विकास के रूप में जाना जाता है।

अन्य लक्ष्य:औसत आय के अलावा, हम विभिन्न क्षेत्रों या राष्ट्रों की तुलना करने के लिए सुरक्षा, दूसरों के प्रति सम्मान, समान व्यवहार, स्वतंत्रता आदि जैसे अन्य लक्ष्यों का उपयोग कर सकते हैं।

आय एवं अन्य मानदंड:-

शिशु मृत्यु दर:-एक वर्ष की आयु से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या है, जो उस विशेष वर्ष में पैदा हुए 1,000 जीवित बच्चों के अनुपात में होती है।
साक्षरता दर का अर्थ है किसी देश की 7 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की साक्षर आबादी।
शुद्ध उपस्थिति अनुपात:-14 और 15 वर्ष की आयु के बच्चों की कुल संख्या है जो उसी आयु वर्ग के कुल बच्चों की संख्या के प्रतिशत के रूप में स्कूल जाते हैं।

सार्वजनिक सुविधाएँ:-आय, नागरिकों द्वारा उपयोग की जा सकने वाली वस्तुओं और सेवाओं का पूर्णतः पर्याप्त संकेतक नहीं है। लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण, मिलावट रहित दवाइयाँ, संक्रामक रोगों से बचाव, सुरक्षा, सार्वजनिक शिक्षा आदि की आवश्यकता होती है। ये सभी चीजें सरकार द्वारा सार्वजनिक सुविधाओं के रूप में सामूहिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जा सकती हैं।
केरल में शिशु मृत्यु दर कम है, क्योंकि यहाँ बुनियादी स्वास्थ्य और शैक्षिक सुविधाओं का पर्याप्त प्रावधान है। उन राज्यों के लोगों का स्वास्थ्य और पोषण स्तर उच्च होगा जहाँ **सार्वजनिक वितरण प्रणाली** अच्छी तरह से काम कर रही है।

बॉडी मास इंडेक्स (BMI) = वजन (किलोग्राम में) / (ऊंचाई मीटर में)2

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) के आधार पर देशों की तुलना:-

यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट निम्नलिखित के आधार पर देशों की तुलना करती है:-
(i) लोगों का शैक्षिक स्तर (सकल नामांकन अनुपात और औसत स्कूली शिक्षा वर्ष),
(ii) उनकी स्वास्थ्य स्थिति (जीवन प्रत्याशा, जन्म के समय गिना जाता है- एलई)
(iii) प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई)।

विकास की धारणीयता:-

"धारणीय विकास का अर्थ है ऐसी विकासकी रणनीति जो भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों से समझौता किए बिना वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करे।" विकास टिकाऊ होना चाहिए। भले ही भूजल नवीकरणीय है, फिर भी देश का लगभग एक तिहाई हिस्सा इसका ज़रूरत से ज़्यादा इस्तेमाल कर रहा है।
I. गैर-नवीकरणीय संसाधन वे हैं जो कई सालों के इस्तेमाल के बाद खत्म हो जाएँगे।
II. इसके वैकल्पिक और नए संसाधनों की खोज और इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

III. पर्यावरण क्षरण के परिणाम राष्ट्रीय या राज्य की सीमाओं का सम्मान नहीं करते हैं।

IV. वैज्ञानिक, अर्थशास्त्री, दार्शनिक और अन्य सामाजिक वैज्ञानिक सतत विकास पर मिलकर काम कर रहे हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) निवल उपस्थिति अनुपात _____ आयु वर्ग के बच्चों की कुल संख्या है जो उसी आयु वर्ग के कुल बच्चों की संख्या के प्रतिशत के रूप में स्कूल जाते हैं।

a) 17 और 18 वर्ष b) 9 और 10 वर्ष

c) 12 और 13 वर्ष d) 14 और 15 वर्ष

उत्तर) विकल्प :d)

(2) यदि बॉडी मास इंडेक्स)BMI) _____ है, तो वयस्क व्यक्ति को कुपोषित माना जाएगा।

a) 18.5 से कम b) 10.5 से कम

c) 25.5 से कम d) 28.5 से कम

उत्तर) विकल्प :a)

(3) UNDP द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट _____ के आधार पर देशों की तुलना करती है।

a) स्वास्थ्य की स्थिति b) प्रति व्यक्ति आय

c) लोगों का शैक्षिक स्तर d) उपरोक्त सभी

उत्तर) विकल्प :d)

(4) निम्नलिखित दक्षिण एशियाई देशों में से _____ की जन्म के समय जीवन प्रत्याशा सबसे अधिक थी।

a) म्यांमार b) श्रीलंका c) नेपाल d) भारत

उत्तर) विकल्प :b)

(5) धन के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

a) धन से आप प्रदूषण मुक्त वातावरण नहीं खरीद सकते।

b) धन यह सुनिश्चित नहीं कर सकता कि आपको मिलावट रहित दवाइयाँ मिलें।

c) धन आपको संक्रामक रोगों से भी नहीं बचा सकता।

d) उपरोक्त सभी।

उत्तर) विकल्प :d)

(6) पहचानें कि निम्नलिखित में से कौन सा भूमिहीन ग्रामीण मजदूर के लिए विकास का लक्ष्य नहीं हो सकता है?

(a) काम के ज़्यादा दिन (b) बेहतर मज़दूरी

(c) बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (d) विदेश यात्राएँ

उत्तर) विकल्प :d)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. विकास क्या है?

उत्तर: यह एक व्यापक शब्द है जिसमें वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, लोगों के जीवन स्तर में सुधार, गरीबी में कमी आदि शामिल हैं।

2. भूमिहीन ग्रामीण मज़दूर के कोई दो विकासात्मक लक्ष्य बताएँ।

उत्तर) :i) काम के ज़्यादा दिन और बेहतर मज़दूरी।)ii) अपने बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आय के अलावा, हमारे जीवन के लिए अन्य कौन से कारक महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर: हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण कारक हैं:

● महिलाओं के लिए उनके कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण।

● स्वतंत्रता, सम्मान, उपचार और सुरक्षा।

● प्रदूषण मुक्त वातावरण।

● राजनीतिक अधिकार

2. मानव विकास के मामले में भारत के किस पड़ोसी देश का प्रदर्शन बेहतर है?

उत्तर: ● मानव विकास के मामले में श्रीलंका ने भारत से बेहतर प्रदर्शन किया।

● इसकी प्रति व्यक्ति आय $4390, साक्षरता दर 91%, HDI रैंक 93, जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 74 है जो भारत और अन्य पड़ोसी देशों म्यांमार, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल और बांग्लादेश से बेहतर है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. आय के अलावा, आर्थिक विकास की तुलना करने के लिए अन्य विशेषताएँ क्या हो सकती हैं?

उत्तर) :1) बेशक, देशों के आर्थिक विकास की तुलना करने के लिए, उनकी आय को सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक माना जाता है। यह इस समझ पर आधारित है कि अधिक आय का मतलब है कि मनुष्यों को जिन चीजों की आवश्यकता है, उनकी अधिकता। इसीलिए, विश्व बैंक आर्थिक विकास की तुलना करने के लिए प्रति व्यक्ति आय का उपयोग करता है।)2) आय के अलावा, लोगों के शैक्षिक स्तर और उनकी स्वास्थ्य स्थिति को एक राष्ट्र के आर्थिक विकास की तुलना करने के उपायों के रूप में माना जाता है।)i) शिशु मृत्यु दर)IMR): यह उस विशेष वर्ष में पैदा हुए 1,000 जीवित बच्चों के अनुपात के रूप में एक वर्ष की आयु से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या को इंगित करता है।)ii) साक्षरता दर यह :7 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में साक्षर आबादी के अनुपात को मापता है।)iii) शुद्ध उपस्थिति अनुपात यह :6-10 आयु वर्ग के स्कूल जाने वाले बच्चों की कुल संख्या है, जो समान आयु वर्ग के कुल बच्चों की संख्या का प्रतिशत है।)iv) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा यह जन्म के समय किसी व्यक्ति :के जीवन की औसत अपेक्षित लंबाई को दर्शाता है।

2. प्रति व्यक्ति आय क्या है? क्या इसे किसी देश के आर्थिक विकास का एकमात्र संकेतक माना जा सकता है? अपने उत्तर के समर्थन में चार मान्य तर्क दें।

उत्तर) :i) प्रति व्यक्ति आय किसी देश की औसत आय है।)ii) प्रति व्यक्ति आय मानदंड जीवन के केवल आर्थिक पहलू को ध्यान में रखता है और जीवन के सामाजिक पहलू को नजरअंदाज करता है।)iii) प्रति व्यक्ति आय मानदंड शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, स्वच्छता आदि को नजरअंदाज करता है।)iv) प्रति व्यक्ति आय मानदंड शांति, प्रदूषण मुक्त वातावरण, लोकतंत्र आदि जैसी गैर भौतिक चीजों को भी नजरअंदाज करता है।)v) हालांकि पंजाब में प्रति व्यक्ति आय केरल की तुलना में अधिक है, लेकिन मानव विकास सूचकांक पर इसे नीचे स्थान दिया गया है क्योंकि यह साक्षरता दर में केरल से बहुत पीछे है और केरल की तुलना में यहां शिशु मृत्यु दर अधिक है।

केस आधारित

नीचे दिए गए अंश को पढ़ें और उसके बाद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:

ज़्यादा आय की चाहत के अलावा, लोग एक या दूसरे तरीक़े से समान व्यवहार, आज़ादी, सुरक्षा और दूसरों के सम्मान जैसी चीज़ें भी चाहते हैं। वे भेदभाव से नाराज़ हैं। ये सभी महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं। वास्तव में, कुछ मामलों में, ये ज़्यादा आय या ज़्यादा खपत से ज़्यादा महत्वपूर्ण हो सकते हैं क्योंकि भौतिक वस्तुएँ ही वो सब नहीं हैं जो आपको जीने के लिए चाहिए। पैसा, या भौतिक चीज़ें जो कोई इससे खरीद सकता है, एक ऐसा कारक है जिस पर हमारा जीवन निर्भर

करता है। लेकिन हमारे जीवन की गुणवत्ता गैर :भौतिक चीज़ों पर भी निर्भर करती है। एक उदाहरण पर विचार करें- अगर आपको दूर की जगह पर नौकरी मिलती है, तो इसे स्वीकार करने से पहले आप आय के अलावा कई कारकों पर विचार करने की कोशिश करेंगे, जैसे कि आपके परिवार के लिए सुविधाएँ, काम करने का माहौल या सीखने का अवसर। दूसरे मामले में, एक नौकरी आपको कम वेतन दे सकती है लेकिन नियमित रोज़गार दे सकती है जो आपकी सुरक्षा की भावना को बढ़ाती है। हालाँकि, दूसरी नौकरी में ज़्यादा वेतन मिल सकता है लेकिन नौकरी की सुरक्षा नहीं है और आपके परिवार के लिए भी समय नहीं मिलेगा। इससे आपकी सुरक्षा और आज़ादी की भावना कम हो जाएगी। इसी तरह, विकास के लिए, लोग लक्ष्यों के मिश्रण को देखते हैं। यह सच है कि अगर महिलाओं को वेतनभोगी काम में लगाया जाए तो घर और समाज में उनकी गरिमा बढ़ती है। हालाँकि, यह भी सच है कि अगर महिलाओं के लिए सम्मान होगा तो घर के कामों में ज़्यादा भागीदारी होगी और बाहर काम करने वाली महिलाओं को ज़्यादा स्वीकार किया जाएगा। एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण ज़्यादा महिलाओं को कई तरह की नौकरियाँ करने या व्यवसाय चलाने की अनुमति दे सकता है। इसलिए, लोगों के विकास के लक्ष्य सिर्फ़ बेहतर आय के बारे में नहीं हैं, बल्कि जीवन की अन्य महत्वपूर्ण चीज़ों के बारे में भी हैं।

***प्रश्न 1: गैर-भौतिक कारक लोगों के निर्णयों और जीवन की गुणवत्ता को सिर्फ़ आय से परे कैसे प्रभावित करते हैं?.....1**

*उत्तर: समान व्यवहार, स्वतंत्रता, सुरक्षा और सम्मान जैसे गैर-भौतिक कारक लोगों के निर्णयों और जीवन की गुणवत्ता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, कम वेतन वाली लेकिन बेहतर नौकरी सुरक्षा और सहायक कार्य वातावरण वाली नौकरी को कम स्थिरता और परिवार के लिए समय वाली उच्च वेतन वाली नौकरी से बेहतर माना जा सकता है।

प्रश्न 2:गैर-भौतिक लक्ष्य समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण क्यों हैं, खासकर कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी के संदर्भ में?.....1

उत्तर:**सम्मान, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण जैसे गैर-भौतिक लक्ष्य समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। वे महिलाओं को कार्यबल और घरेलू कामों में अधिक भाग लेने में सक्षम बनाते हैं, जिससे समाज में उनकी गरिमा और स्वीकृति बढ़ती है। ये कारक सिर्फ़ आय से परे एक संतुलित और संतुष्ट जीवन में योगदान करते हैं।

प्रश्न 3 .गैर-भौतिक कारक लोगों के विकास लक्ष्यों को कैसे प्रभावित करते हैं, और इन्हें आय से अधिक प्राथमिकता क्यों दी जा सकती है…….2

उत्तर: समान व्यवहार, स्वतंत्रता, सुरक्षा और सम्मान जैसे गैर-भौतिक कारक लोगों के विकास लक्ष्यों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। ये तत्व आय से अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि वे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं। उदाहरण के लिए, नौकरी की सुरक्षा, एक सहायक कार्य वातावरण, और सीखने और परिवार के समय के अवसर अक्सर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उच्च वेतन से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

अध्याय 2
भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

लोग विभिन्न आर्थिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। इनमें से कुछ गतिविधियाँ वस्तुओं का उत्पादन कर रही हैं। कुछ अन्य सेवाएँ उत्पादित कर रही हैं। आम तौर पर, की जाने वाली आर्थिक गतिविधियों को विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाता है जिन्हें सेक्टर कहा जाता है।

आर्थिक गतिविधियों के आधार पर

प्राथमिक क्षेत्रक :

● सभी आर्थिक गतिविधियाँ जो प्राकृतिक संसाधनों का सीधे उपयोग या दोहन करके की जाती हैं, उन्हें प्राथमिक क्षेत्र में रखा जाता है।
● यह उन सभी अन्य उत्पादों का आधार बनता है जिन्हें हम बाद में बनाते हैं।
● इसे कृषि और संबंधित क्षेत्र भी कहा जाता है क्योंकि अधिकांश प्राकृतिक उत्पाद कृषि, डेयरी, मछली पकड़ने, वानिकी आदि से प्राप्त होते हैं।

द्वितीयक क्षेत्रक :

● इसमें वे गतिविधियाँ शामिल हैं जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण के तरीकों के माध्यम से अन्य रूपों या तैयार वस्तुओं में बदला जाता है।
● चूँकि यह क्षेत्र धीरे-धीरे विभिन्न प्रकार के उद्योगों से जुड़ गया, इसलिए इसे औद्योगिक क्षेत्र भी कहा जाता है। उदाहरण के लिए, कपास के रेशे से कपड़े बनाना या गन्ने से चीनी या गुड़ बनाना आदि।

तृतीयक क्षेत्रक :

● इसमें वे गतिविधियाँ शामिल हैं जो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के विकास में मदद करती हैं। ये गतिविधियाँ, अपने आप में, कोई वस्तु उत्पन्न नहीं करती हैं, लेकिन वे उत्पादन प्रक्रिया के लिए एक सहायता या समर्थन हैं। उदाहरण के लिए, कारखानों से दुकानों आदि तक माल ले जाने के लिए परिवहन सुविधाएँ प्रदान करना।
● चूँकि ये गतिविधियाँ वस्तुओं के बजाय सेवाएँ उत्पन्न करती हैं, इसलिए तृतीयक क्षेत्र को सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है।

क्षेत्रकों में ऐतिहासिक परिवर्तन:

● विकास के प्रारंभिक चरणों में, प्राथमिक क्षेत्र आर्थिक गतिविधि का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। इस क्षेत्र में सबसे अधिक लोग कार्यरत थे।
● खेती के तरीकों में बदलाव के साथ, कृषि क्षेत्र समृद्ध होने लगा। इसके अलावा, नई विनिर्माण विधियों की शुरूआत के साथ, कारखाने स्थापित किए गए और लोग औद्योगिक क्षेत्र में चले गए।
● खेतों से लोग अब बड़ी संख्या में कारखानों में काम करने लगे और इस क्षेत्र ने अब महत्व हासिल कर लिया।
● पिछले 100 वर्षों में, द्वितीयक क्षेत्र से सेवा क्षेत्र में एक और बदलाव हुआ है।
● आज उत्पादन और रोजगार में योगदान के मामले में, सेवा क्षेत्र अधिकांश विकसित अर्थव्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उत्पादन में तृतीयक क्षेत्रक का बढ़ता महत्व:

तृतीयक क्षेत्रक भारत में प्राथमिक क्षेत्र की जगह सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र बनकर उभरा है, जिसके निम्नलिखित कारण हैं:

● परिवहन, व्यापार, भंडारण आदि जैसी सहायक सेवाओं का विकास।

● बढ़ती आय के साथ बाहर खाने-पीने, पर्यटन आदि जैसी अधिक सेवाओं की मांग में वृद्धि।

● सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली बुनियादी सेवाएँ जैसे स्कूल, अस्पताल, पुलिस व्यवस्था आदि। हालाँकि, सेवा क्षेत्र में वृद्धि एक समान नहीं है, जिसमें उच्च कौशल-उन्मुख सेवाओं ने छोटी दुकान रखने जैसी अन्य सेवाओं के जीविका स्तर की तुलना में उच्च वृद्धि दर्ज की है।

अधिक रोजगार सृजन के तरीके:

● कृषि पर निर्भर लोगों को किफायती ऋण सुविधाएं प्रदान करना ताकि वे अपनी तकनीकों को आधुनिक बना सकें।

● स्वास्थ्य और शिक्षा परिदृश्यों को बेहतर बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का विकास, ताकि लोग वैकल्पिक व्यवसाय अपना सकें।

● दूर-दराज के बाजारों में कृषि उपज के अच्छे विपणन की अनुमति देने के लिए परिवहन सुविधाएं प्रदान करना।

● अर्ध-ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक सेवाओं और औद्योगिक अवसरों की पहचान करना।

रोजगार की स्थिति के आधार पर:

संगठित और असंगठित के रूप में क्षेत्रकों का विभाजन:

● **संगठित क्षेत्रक:** इसमें रोजगार की नियमित शर्तें, सरकार के साथ अनिवार्य पंजीकरण और न्यूनतम मजदूरी अधिनियम आदि जैसे कानूनों और नियमों का अनिवार्य पालन शामिल है।

संगठित क्षेत्रक की विशेषताएं:

1.सरकार द्वारा निर्धारित व्यवस्थित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करता है

2.वे सरकार के अधीन पंजीकृत हैं

3.महीने के अंत में प्रोत्साहन और भत्तों के साथ निश्चित वेतन

4.निश्चित कार्य घंटे और सभ्य कार्य वातावरण

5.नौकरी की सुरक्षा, सवेतन छुट्टी, सवेतन छुट्टियां, पीएफ, ग्रेच्युटी, चिकित्सा भत्ता आदि जैसे लाभ।

● **असंगठित क्षेत्रक:** इसमें सरकारी नियंत्रण की कमी, नियमों और विनियमों का पालन न करना और असुरक्षित रोजगार की विशेषता है।

असंगठित क्षेत्रक की विशेषताएँ:

1.कोई व्यवस्थित नियम और प्रक्रियाएँ नहीं अपनाई जाती हैं।

2. यह सरकार के नियंत्रण से बाहर है क्योंकि वे पंजीकृत नहीं हैं।

3.वेतन तय नहीं है। वे ज़्यादातर दैनिक मज़दूरी पर निर्भर हैं।

4.नौकरी की असुरक्षा का जोखिम। लोगों को बिना किसी कारण के कभी भी नौकरी छोड़ने के लिए कहा जा सकता है।काम के घंटे तय नहीं हैं। काम का माहौल ज़्यादातर भीड़भाड़ वाला और अस्वास्थ्यकर होता है।

स्वामित्व के आधार पर:

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक :

● **सार्वजनिक क्षेत्रक** की विशेषता यह है कि इसमें अधिकांश संपत्तियों का स्वामित्व सरकार के पास होता है और यह सभी सेवाएँ प्रदान करता है। उदाहरण के लिए, रेलवे, डाकघर, आदि।

● इसके विपरीत, **निजी क्षेत्रक** की विशेषता यह है कि इसमें संपत्तियों का निजी स्वामित्व होता है और निजी व्यक्तियों या कंपनियों द्वारा सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। उदाहरण के लिए, टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (टिस्को) या रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) आदि।

मुख्य बिंदु:

1. **मध्यवर्ती वस्तुएँ**: वे वस्तुएँ जो एक फर्म द्वारा दूसरी फर्म को पुनर्विक्रय या आगे की प्रक्रिया के लिए बेची जाती हैं।
2. **अंतिम वस्तुएँ:** वे उत्पादन की सीमा रेखा को पार कर चुकी हैं और अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग के लिए तैयार हैं। जैसे कपड़ा, कूलर, टी.वी. आदि।
3. **सकल घरेलू उत्पाद**: यह किसी देश के घरेलू क्षेत्र में उत्पादित केवल अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है।
4. **बेरोजगारी**: जब व्यक्ति प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने को तैयार है, लेकिन उसे नौकरी नहीं मिल रही है तो इसे बेरोजगारी कहते हैं।
5. **मौसमी बेरोजगारी:** मौसम में बदलाव के कारण होने वाली बेरोजगारी को मौसमी बेरोजगारी कहते हैं। यह ज्यादातर कृषि क्षेत्र में देखी जाती है।
6. **अल्परोजगार या छिपी हुई बेरोजगारी** का मतलब है कि जरूरत से ज्यादा लोग किसी काम में लगे हुए हैं।
7. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005, (मनरेगा 2005): नरेगा 2005 के तहत, जो लोग काम करने में सक्षम हैं और जिन्हें काम की ज़रूरत है, उन्हें सरकार द्वारा एक साल में 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। अगर सरकार रोजगार देने के अपने कर्तव्य में विफल रहती है, तो वह लोगों को बेरोजगारी भत्ता देगी।

● **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (मनरेगा 2005) द्वारा काम का अधिकार लागू किया गया था।**

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि प्राथमिक क्षेत्र का हिस्सा है?

ए) बैंकिंग बी) वस्त्र निर्माण सी) खेती डी) खुदरा व्यापार

उत्तरः सी) खेती

2. निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग द्वितीयक क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है?

ए) मछली पकड़ना बी) पर्यटन सी) ऑटोमोबाइल विनिर्माण डी) सूचना प्रौद्योगिकी

उत्तरः सी) ऑटोमोबाइल विनिर्माण

3. निम्नलिखित में से एक सही कथन चुनें: अल्परोजगार घटित होता है -

ए . जब लोग काम करने को तैयार नहीं होते।

बी. जब लोग धीरे-धीरे काम कर रहे हों।

सी. जब लोग अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हों।

डी . जब लोगों को उनके काम के लिए भुगतान नहीं किया जाता है।

उत्तर : सी) जब लोग अपनी क्षमता से कम काम कर रहे हों।

4. बड़ी निजी कंपनियाँ राष्ट्र के विकास में किस प्रकार योगदान देती हैं?

ए -. विज्ञापनों के माध्यम से अपने उत्पादों की मांग बढ़ाकर।

बी-. अपने मुनाफे में वृद्धि करके.

सी-. औद्योगिक वस्तुओं के विनिर्माण में देश की उत्पादकता बढ़ाकर।

डी- .अमीरों के लिए निजी अस्पताल की सुविधा उपलब्ध कराकर।

उत्तर:सी) औद्योगिक वस्तुओं के विनिर्माण में देश की उत्पादकता बढ़ाकर।

5. निम्नलिखित में से कौन सा उस विशेष वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों के अनुपात के रूप में 1 वर्ष की आयु से पहले मरने वाले बच्चों के अनुपात को मापता है?

ए . आईएमआर - शिशु मृत्यु दर बी. साक्षरता दर

सी. शुद्ध उपस्थिति अनुपात डी . ड्रॉप आउट अनुपात

उत्तर:ए) आईएमआर - शिशु मृत्यु दर

6. निम्नलिखित में से कौन भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है?

ए) कृषि बी) विनिर्माण सी) सेवाएं डी) खनन

उत्तर: सी) सेवाएं

7. निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र भारतीय कार्यबल के सबसे बड़े हिस्से को रोजगार देता है?

ए) प्राथमिक क्षेत्र बी) द्वितीयक क्षेत्र सी) तृतीयक क्षेत्र डी) चतुर्थक क्षेत्र

उत्तर: ए) प्राथमिक क्षेत्र

8. भारत में प्राथमिक क्षेत्र से द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र में रोजगार के स्थानांतरण का मुख्य कारण क्या है?

ए) कृषि उत्पादकता में कमी बी) औद्योगीकरण और सेवाओं में वृद्धि

सी) सरकारी नीतियां डी) जनसंख्या वृद्धि

उत्तर: बी) औद्योगीकरण और सेवाओं में वृद्धि

9. निम्नलिखित में से कौन संगठित क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं?

ए. रघु, एक ठेकेदार के अधीन बांध स्थल पर काम करने वाला एक दिहाड़ी मजदूर।

बी. नफीसा, एक डॉक्टर जो सभी रोजगार लाभ प्राप्त कर रही हैं।

सी. पुरुषोत्तमन, एक निजी बैंक में सफाई कर्मचारी।

डी. अम्मिनी, एक दर्जी जो अपने घर पर कपड़े सिलता है।

उत्तर:बी) नफीसा, एक डॉक्टर जो सभी रोजगार लाभ प्राप्त कर रही है।

10. अल्परोजगारी एक छिपी हुई बेरोजगारी है, जिसके विपरीत कुछ लोगों के पास नौकरी नहीं है और वे स्पष्ट रूप से बेरोजगार दिखाई देते हैं। इसे _____भी कहा जाता है ।

ए . छिपा हुआ रोज़गार बी. छिपी हुई बेरोजगारी. सी. अस्थिर रोजगार डी. कम रोज़गार

उत्तर:बी) छिपी हुई बेरोजगारी

11. नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन अभिकथन (A) और तर्क (R) दिए गए हैं। कथनों को पढ़ें और उचित विकल्प चुनें।

अभिकथन (A): रोजगार में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी उत्पादन में वृद्धि के अनुपात में नहीं बढ़ी है।

कारण (R): अभी भी देश में आधे से अधिक श्रमिक प्राथमिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं।

विकल्प:

A. A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

C. A सत्य है लेकिन R असत्य है।

D. A असत्य है लेकिन R सत्य है।

उत्तर: B) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के बीच मुख्य अंतर क्या हैं?

उत्तर द्वितीयक क्षेत्र में कच्चे माल को तैयार माल में बदलना शामिल है, जैसे विनिर्माण और निर्माण।
तृतीयक क्षेत्र में बैंकिंग, शिक्षा और आईटी जैसी सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

2. प्राथमिक क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर प्राथमिक क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीक अपनाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करना तथा ऋण और बाजार तक बेहतर पहुंच प्रदान करना शामिल है।

3. सेवा क्षेत्र के विकास ने भारत में शहरीकरण को किस प्रकार प्रभावित किया है?

उत्तर सेवा क्षेत्र के विकास से शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जिससे प्रवासन और शहरीकरण को बढ़ावा मिला है।

4. सतत विकास की अवधारणा और प्राथमिक क्षेत्र के संदर्भ में इसके महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर सतत विकास में भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना शामिल है। प्राथमिक क्षेत्र के लिए प्राकृतिक संसाधनों की दीर्घकालिक उपलब्धता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

लघु उत्तरीय प्रश्न(3)

1. क्या आपको लगता है कि आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक में वर्गीकृत करना उपयोगी है? समझाइए कैसे?

उत्तर I) हां, आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र में वर्गीकृत करना उपयोगी है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि में सापेक्ष महत्व का अनुमान लगाने में मदद मिलती है।
II) यह यह निर्धारित करने में सहायता करता है कि कौन सा क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक योगदान देता है तथा किस क्षेत्र में अधिक लोगों को रोजगार देने तथा राष्ट्रीय आय में वृद्धि करने की गुंजाइश है।
III) यह गणना करने में मदद करता है कि कितनी वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन किया जाता है और प्रत्येक क्षेत्र में कितने लोग काम करते हैं
IV) इस प्रकार का वर्गीकरण विभिन्न देशों में विकास के स्तर की तुलना करने में मदद करता है।

2. यह कहना कहाँ तक सही है कि कई सेवाएँ जो निजी क्षेत्र द्वारा प्रदान नहीं की जा सकतीं, सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा प्रदान की जा सकती हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर (i) समाज को कई चीजों की आवश्यकता है जैसे स्वच्छता प्रणाली, सुरक्षित पेयजल, शिक्षा आदि, जिन्हें निजी क्षेत्र उचित लागत पर उपलब्ध नहीं कराएगा।
(ii) कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं, जिनका सरकार को समर्थन करना पड़ता है। निजी क्षेत्र तब तक अपना उत्पादन या व्यवसाय जारी नहीं रख सकता जब तक सरकार उसे प्रोत्साहित न करे। उदाहरण के लिए, बिजली को उत्पादन की लागत पर बेचने से उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ सकती है।
(iii) इसी तरह, भारत में सरकार किसानों से गेहूं और चावल 'उचित मूल्य' पर खरीदती है। इसे वह अपने गोदामों में संग्रहीत करती है और राशन की दुकानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को कम कीमत पर बेचती है।

3. "आर्थिक गतिविधियों को यद्यपि तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है, लेकिन वे अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं कि प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र एक दूसरे पर निर्भर हैं?
उत्तर प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र एक दूसरे पर निर्भर हैं जैसा कि नीचे बताया गया है:
1. जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके वस्तुओं का उत्पादन करते हैं, तो यह प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि होती है। यह प्राथमिक क्षेत्र इसलिए है क्योंकि यह उन सभी अन्य उत्पादों का आधार बनता है जिन्हें हम बाद में बनाते हैं।
2. द्वितीयक क्षेत्र में वे गतिविधियाँ शामिल हैं जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को मैन्युअल रूप से या मशीनों द्वारा दूसरे रूपों में बदला जाता है। उदाहरण के लिए गेहूं का उपयोग रोटी बनाने के लिए किया जाता है। इसलिए प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के बीच परस्पर निर्भरता है।
3. प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के विकास में मदद करने वाली गतिविधियाँ तृतीयक क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं। ये गतिविधियाँ अपने आप में कोई वस्तु उत्पन्न नहीं करती हैं, लेकिन वे उत्पादन प्रक्रिया के लिए सहायता या समर्थन होती हैं। परिवहन, भंडारण, संचार और बैंकिंग तृतीयक गतिविधियों के कुछ उदाहरण हैं।

4. भारत में तृतीयक क्षेत्र सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र क्यों बन रहा है?
उत्तर: किसी भी देश में अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, डाक और तार सेवाएँ, पुलिस स्टेशन आदि जैसी कई सेवाओं की आवश्यकता होती है, इन्हें बुनियादी सेवाएँ कहा जाता है। विकासशील देशों में सरकार को इन सेवाओं के प्रावधान की जिम्मेदारी लेनी होती है।
कृषि और उद्योग के विकास से परिवहन, व्यापार, भंडारण आदि जैसी सेवाओं का विकास होता है। प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों का जितना अधिक विकास होगा, ऐसी सेवाओं की माँग उतनी ही अधिक होगी। जैसे-जैसे आय का स्तर बढ़ता है, लोग बाहर खाना खाने, पर्यटन, खरीदारी, निजी अस्पताल आदि जैसी सेवाओं की माँग करने लगते हैं, खासकर शहरों में।
पिछले दशक में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी पर आधारित कुछ नई सेवाएँ महत्वपूर्ण और आवश्यक हो गई हैं। इन सेवाओं का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1.सार्वजनिक क्षेत्र किस प्रकार योगदान देता है? किसी राष्ट्र का आर्थिक विकास किस प्रकार होता है? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर: (1) सार्वजनिक क्षेत्र बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से तेजी से आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है।
(2) इससे रोजगार के अवसर पैदा होते हैं।
(3) यह सभी वर्गों और जातियों के समग्र विकास का समर्थन करने के लिए राजस्व उत्पन्न करने में मदद करता है

(4) यह मध्यम दरों पर वस्तुओं की आसान उपलब्धता सुनिश्चित करता है।
(5) यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देता है।

2. प्रदूषण को कम करने के लिए कोई पाँच उपाय सुझाएँ। बेरोजगारी.
उत्तर: (1) क्षमता निर्माण से बेरोजगारी कम की जा सकती है। शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से नौकरियां और नए कौशल हासिल करने की क्षमता का निर्माण किया जाना चाहिए।
(2) रोजगार सृजन योजनाओं में अधिक निवेश दूसरा रास्ता हो सकता है।
(3) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना भी रोजगार सृजन का एक प्रभावी तरीका है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण बुनियादी ढांचे जैसे पीने के पानी के कुएं, सामुदायिक सिंचाई कुएं, गांव के टैंक, ग्रामीण सड़कें और स्कूलों को मजबूत करने के लिए सामुदायिक संपत्ति बनाना है।
(4) सभी वर्गों और क्षेत्रों के युवा पुरुषों और महिलाओं को स्टार्टअप और देशी उद्योग स्थापित करने की ओर प्रेरित करने के लिए ऋण आसानी से उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
(5) किसानों को खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आसानी से ऋण दिया जाना चाहिए जिससे अधिक रोजगार पैदा होगा।

3.. भारतीय अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्र के योगदान का मूल्यांकन करें।
उत्तर: तृतीयक क्षेत्र, जिसमें बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी और पर्यटन जैसी सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। अर्थव्यवस्था में योगदान:
1. सकल घरेलू उत्पाद में योगदान: तृतीयक क्षेत्र भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 50% से अधिक का योगदान देता है, जो अर्थव्यवस्था में इसकी प्रमुख भूमिका को दर्शाता है।
2. रोजगार: यह महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करता है, प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों से श्रम को अवशोषित करता है और उच्च-कुशल नौकरियां प्रदान करता है।
3. शहरीकरण: सेवाओं के विकास ने शहरी विकास को बढ़ावा दिया है, जिससे शहरों का विस्तार हुआ है और बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है।
4. जीवन की गुणवत्ता: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और वित्तीय सेवाएं जैसी सेवाएं जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं और मानव पूंजी विकास में योगदान देती हैं।
प्रौद्योगिकीय उन्नति: आईटी और दूरसंचार क्षेत्रों ने भारत को प्रौद्योगिकी और नवाचार में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

स्रोत आधारित प्रश्न

2 1. नीचे दिए गए अंश को पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:
किसी विशेष वर्ष के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उस वर्ष के लिए क्षेत्र का कुल उत्पादन प्रदान करता है। और तीनों क्षेत्रों में उत्पादन का योग किसी देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) कहलाता है। यह किसी देश में किसी विशेष वर्ष के दौरान उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य होता है। जीडीपी बताता है कि अर्थव्यवस्था कितनी बड़ी है। भारत में जीडीपी मापने का विशाल कार्य केंद्र सरकार के एक मंत्रालय द्वारा किया जाता है। यह मंत्रालय सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न सरकारी विभागों की मदद से वस्तुओं और सेवाओं की कुल मात्रा और उनकी कीमतों से संबंधित जानकारी एकत्र करता है और फिर जीडीपी का अनुमान लगाता है। जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो वह

प्राथमिक क्षेत्र की गतिविधि होती है। द्वितीयक क्षेत्र जिसमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण के तरीकों के माध्यम से अन्य रूपों में बदला जाता है जिसे हम औद्योगिक गतिविधि से जोड़ते हैं ये गतिविधियाँ अपने आप में कोई वस्तु उत्पादित नहीं करतीं, बल्कि वे उत्पादन प्रक्रिया के लिए सहायता या समर्थन होती हैं।

I) कौन सा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र बनकर उभरा है? 1

II) जीवन बीमा किस क्षेत्र की गतिविधि है? 1

III) जीडीपी क्या है? 2

उत्तर:

2 1 .I : तृतीयक क्षेत्र

2 1 .II : तृतीयक क्षेत्र

2 1 .III : किसी विशेष वर्ष के दौरान किसी देश में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य।

अध्याय 3
मुद्रा और साख

मुद्रा विनिमय के माध्यम के रूप में:-

मुद्रा वह वस्तु है जिसे आम तौर पर विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है और साथ ही यह मूल्य के माप और भंडारण के रूप में कार्य करता है।

वस्तु विनिमय प्रणाली, मुद्रा का उपयोग किए बिना वस्तुओं या सेवाओं का प्रत्यक्ष विनिमय है। वस्तु विनिमय पारस्परिक विनिमय की एक प्रणाली है, जहाँ मुद्रा को माध्यम के रूप में उपयोग किए बिना वस्तुओं का सीधे वस्तुओं से आदान-प्रदान किया जाता है। इसमें आवश्यकताओं के दोहरा संयोगका अभाव होता है। मूल्य को संग्रहीत करने के लिए एक सामान्य विधि का अभाव, आस्थगित भुगतान के लिए मानक का अभाव, मूल्य की एक सामान्य इकाई का अभाव और मूल्य के हस्तांतरण का अभाव होता है।

पैसे रखने वाला व्यक्ति इसे किसी भी वस्तु या सेवा के लिए बदल सकता है जो उसे चाहिए। इस प्रकार हर कोई पैसे में भुगतान प्राप्त करना पसंद करता है और फिर पैसे को उन चीज़ों के लिए बदल देता है जो उसे चाहिए। दोनों पक्षों को एक दूसरे की वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए सहमत होना पड़ता है। इसे **आवश्यकताओं का दोहरा संयोग** कहा जाता है।

मुद्रा के कार्य:-

1. विनिमय का माध्यम
2. मूल्य के माप
3. मूल्य का भंडारण
4. आस्थगित भुगतान का मानक
5. मूल्य का हस्तांतरण

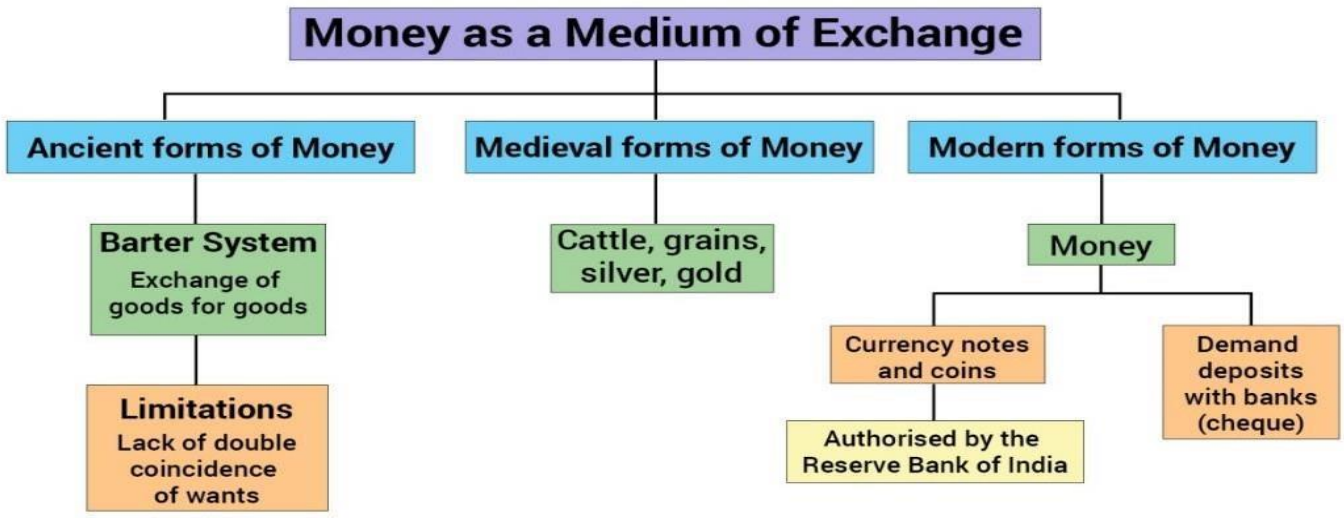

करेंसी:

- आधुनिक समय में, कागज के नोट और सिक्कों का उपयोग विनिमय के माध्यम के रूप में किया जाता है
- भारतीय रिजर्व बैंक केंद्र सरकार की ओर सेकरेंसीनोट जारी करता है

• भारत में कोई व्यक्ति कानूनी तौर पर रुपयों में भुगतान से इनकार नहीं कर सकता है।

बैंकों में जमा(निक्षेप) :-

• लोग अपने नाम से बैंक खाता खोलकर बैंकों में अतिरिक्त नकदी जमा करते हैं

• बैंक जमा स्वीकार करते हैं और जमा पर ब्याज के रूप में राशि भी देते हैं

• बैंक खातों में जमा राशि को मांग पर निकाला जा सकता है, जिसे डिमांड डिपॉजिट (मांग जमा) कहा जाता है

चेक: चेक एक ऐसा कागज़ होता है जो बैंक को व्यक्ति के खाते से उस व्यक्ति को एक निश्चित राशि का भुगतान करने का निर्देश देता है जिसके नाम पर चेक जारी किया गया है।

बैंकों की ऋण संबंधीगतिविधियाँ:-

• भारत में, बैंक अपनी जमाराशि का लगभग 15% नकद के रूप में रखते हैं, ताकि वे जमाकर्ताओं को भुगतान कर सकें, जो किसी भी दिन बैंक से पैसे निकालने आ सकते हैं

• बैंक उन लोगों के बीच मध्यस्थता करते हैं जिनके पास अतिरिक्त धन है (जमाकर्ता) और जिन्हें इन निधियों की आवश्यकता है (उधारकर्ता)।

• बैंक जमाराशि पर दिए जाने वाले ब्याज की तुलना में ऋण पर अधिक ब्याज दर वसूलते हैं। इन ब्याजों के बीच का अंतर बैंक की आय का मुख्य स्रोत है।

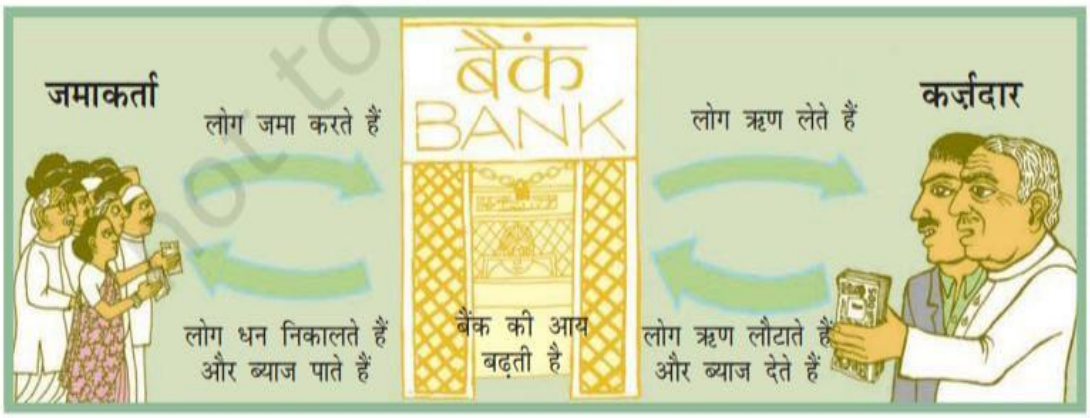

साख की दो विभिन्न स्थितियां:-

1.ऋण तब सकारात्मक भूमिका निभाता है जब उधारकर्ता समय पर ऋण राशि वापस करने में सक्षम होता है और उस पैसे के उपयोग से कुछ लाभ भी कमाता है। उदाहरण के लिए, सलीम, एक जूता निर्माता ने 3000 जोड़ी जूते का ऑर्डर पूरा करने के लिए विभिन्न स्रोतों से ऋण लिया। अंत में, उसने ऑर्डर दिया, लाभ कमाया और ऋण चुका दिया।

(1) त्यौहार का मौसम

अब से दो महीने बाद त्यौहार का मौसम है और जूता निर्माता सलीम के पास शहर के एक बड़े व्यापारी से 3000 जोड़ी जूते की माँग आती है, जिसे उसे एक महीने के अन्दर पूरा करना है। उत्पादन के काम को समय पर पूरा करने के लिए सलीम को सिलाई और चिपकाने के काम के लिए अतिरिक्त मज़दूर रखने की आवश्यकता है। उसे कच्चा माल भी ख़रीदना है। इन सभी खर्चों को पूरा करने के लिए सलीम दो स्रोतों से ऋण लेता है। पहला, वह चमड़ा व्यापारी को चमड़ा अभी देने का प्रस्ताव रखता है और बाद में भुगतान करने का वादा करता है। दूसरा, वह इस बड़े व्यापारी से 1000 जूतों के लिए अग्रिम भुगतान के रूप में नकद कर्ज लेता है तथा महीना खत्म होने से पहले पूरा ऑर्डर पहुँचाने का वादा करता है।

महीने के आखिर में सलीम जूते पहुँचाने में कामयाब होता है। उसे अच्छा-खासा लाभ भी होता है और वह उधार लिए धन की अदायगी भी कर देता है।

2.कुछ मामलों में, ऋण उधारकर्ता को ऐसी स्थिति में धकेल देता है, जहाँ से उबरना बहुत दर्दनाक होता है। उदाहरण के लिए, एक छोटे किसान स्वप्ना ने फसल की खेती के लिए ऋण लिया लेकिन कीटों की चपेट में आने के कारण उसकी फसल नष्ट हो गई। इसलिए उसने कीटनाशकों के छिड़काव के लिए एक और ऋण लिया लेकिन उत्पादन ऋण चुकाने के लिए पर्याप्त नहीं था। इसलिए वह कर्ज के जाल में फंस गई।

मुद्रा और साख 43

ऋण की शर्तें:-ब्याज दर,समर्थक ऋणाधार,भुगतान की अवधि,आवश्यक कागज़ात और भुगतान के तरीकों को सम्मिलित रूप से ऋण की शर्तें कहा जाता है। ऋण की शर्तों में एक ऋण व्यवस्था से दूसरी ऋण व्यवस्था में काफी फर्क आ जाता है। कर्ज़ की शर्तें उधारदाता और कर्जदार की प्रकृति पर भी निर्भर करती है।

विविध प्रकार के साख प्रबंध– एक गाँव का उदाहरण

रोहित और रंजन ने कक्षा में ऋण की शर्तों के बारे में पढ़ना खत्म किया था। वे अपने इलाके में प्रचलित विविध प्रकार के ऋण प्रबंधों को जानने को उत्सुक थे – कौन लोग उधार देते थे? कर्ज़दार कौन थे? ऋण की क्या शर्तें थीं? उन्होंने अपने गाँव के कुछ लोगों से बात करने का फैसला किया। आगे आप उनका लेखा पढ़ सकते हैं।

15, नवम्बर 2019, हम सीधा उन खेतों में जाते हैं जहाँ दिन के इस समय अधिकतर किसान और मजदूर काम कर रहे होंगे। खेतों में आलू की फसल लगी हुई है। पहले हम सोनपुर, एक छोटा-सा गाँव, जहाँ सिंचाई की सुविधाएँ मौजूद हैं, के एक छोटे किसान श्यामल से मिलते हैं।

श्यामल का कहना है कि उसे अपनी 1.5 एकड़ जमीन को जोतने के लिए हर मौसम में उधार लेने की ज़रूरत पड़ती है। कुछ साल पहले तक वह गाँव के महाजन से ऋण लेता था जिस पर उसे 5 प्रतिशत मासिक ब्याज देना पड़ता था (60 प्रतिशत वार्षिक)। पिछले कुछ वर्षों से श्यामल गाँव के एक कृषि व्यापारी से 3 प्रतिशत मासिक ब्याज की दर पर ऋण ले रहा है। जुताई के मौसम की शुरुआत होने पर व्यापारी ऋण पर कृषि संबंधित आगतें (जरूरतें) मुहैया कराता है, जिसे फसल तैयार हो जाने पर वापस करना होता है।

ऋण पर ब्याज के अलावा व्यापारी किसानों से वादा लेता है कि वह अपनी फसल उसी को बेचेगा। इस तरह व्यापारी निश्चिंत है कि ऋण की अदायगी समय से हो जायेगी। फसल की कीमतें फसल काटते समय कम होती है इसलिए वह किसानों से कम कीमत पर फसल खरीदकर और बाद में कीमत बढ़ने पर बेचकर भारी मुनाफा कमाता है। व्यापारी को उस समय फसल खरीदने से मुनाफ़ा होता है। वह फसल सस्ते में खरीदकर बाद में कीमतें बढ़ने पर बेचता है।

अब हम ***अरुण*** से मिलते हैं जो एक किसान मज़दूर के काम का निरीक्षण कर रहा है। अरूण के पास 7 एकड़ ज़मीन है। अरूण सोनपुर के उन कुछ लोगों में से है, जिसे खेती के लिए बैंक से ऋण मिला है। इस ऋण पर वार्षिक ब्याज दर 8.5 प्रतिशत है और इसे अगले तीन वर्षों में कभी भी लौटाया जा सकता है। अरूण की योजना है कि वे फसल तैयार होने पर अपनी उपज का कुछ हिस्सा बेचकर इस ऋण की अदाएगी कर देगा। वह बाकी आलू की फसल को शीत भंडार गृह में रखकर बैंक से इसके बदले नया ऋण लेने के लिए दरख्वास्त देना चाहता है। बैंक उन किसानों को ऐसी सुविधा देने के लिए तैयार है जो पहले भी खेती के लिए उससे ऋण ले चुके हैं।

रमा निकट के खेत में कृषि मज़दूर के रूप में काम करती है। साल में कई महीने रमा के पास कोई काम नहीं होता और उसे अपने रोज़मर्रा के खर्चों के लिए कर्ज़ लेना पड़ता है। अचानक बीमार पड़ने पर या परिवार में किसी समारोह पर ख़र्च करने के लिए भी उसे कर्ज़ लेना पड़ता है। रमा कर्ज़ के लिए अपने मालिक पर, जो सोनपुर का मध्यवर्गीय भूस्वामी है, आश्रित है। भूस्वामी उसे 5 प्रतिशत मासिक ब्याज दर पर ऋण देता है। रमा उस कर्ज़ को भूस्वामी के यहाँ काम करके वापस करती है। अधिकांशतया, रमा को नया ऋण लेना पड़ जाता है, जबकि वह पुराना ऋण लौटा भी नहीं पाती है। वर्तमान में, उसे भूस्वामी के 5,000 रुपये देने हैं। यद्यपि भूस्वामी उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता, फिर भी वह उसके लिए लगातार काम करती है ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसे ऋण मिल सके। रमा हमें बताती हैं कि सोनपुर में भूमिहीन लोगों के लिए ऋण का एकमात्र स्रोत भूस्वामी-नियोक्ता ही हैं।

सहकारी समितियों से ऋण

बैंकों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते ऋण का एक अन्य स्रोत सहकारी समितियाँ हैं। सहकारी समिति के सदस्य अपने संसाधनों को कुछ क्षेत्रों में सहयोग के लिए एकत्र करते हैं। कई प्रकार की सहकारी समितियाँ संभव है, जैसे-किसानों, बुनकरों एवं औद्योगिक मज़दूरों इत्यादि की सहकारी समितियाँ। कृषक सहकारी समिति सोनपुर के नज़दीक एक गाँव में काम करती है। इसके 2300 किसान सदस्य हैं। यह अपने सदस्यों से जमा प्राप्त करती है। इस जमा पूँजी को ऋणाधार मानते हुए, इस सहकारी समिति ने बैंक से बड़ा ऋण प्राप्त किया है। इस पूँजी का इस्तेमाल सदस्यों को कर्ज़ देने के लिए किया जाता है। यह ऋण लौटाने के बाद कर्ज़ का दूसरा दौर शुरू किया जा सकता है।

कृषक सहकारी समिति कृषि उपकरण खरीदने, खेती तथा कृषि व्यापार करने, मछली पकड़ने, घर बनाने और अन्य विभिन्न प्रकार के ख़र्चों के लिए ऋण मुहैया कराती है।

भारत में औपचारिक क्षेत्रक में साख:-औपचारिक और अनौपचारिक साख-किसे क्या मिलता है?

बैंक और सहकारी बैंक भारत में ऋण के औपचारिक क्षेत्र के स्रोत हैं।

अनौपचारिक ऋणदाताओं में साहूकार, व्यापारी, नियोक्ता, रिश्तेदार और मित्र आदि शामिल हैं। शहरी क्षेत्रों में गरीब परिवारों द्वारा लिए गए 54% ऋण अनौपचारिक स्रोतों से हैं।

आलेख 2 – शहरी परिवारों द्वारा लिए गए कुल ऋण का कितना प्रतिशत औपचारिक तथा कितना प्रतिशत अनौपचारिक था?

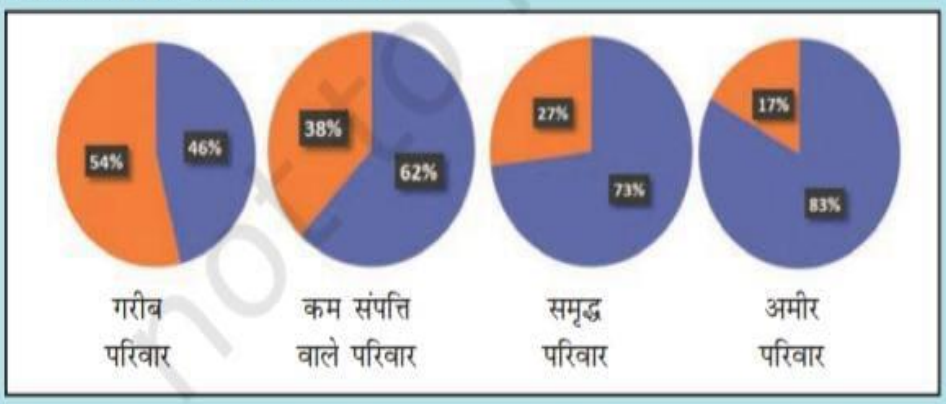

नीला: औपचारिक स्रोत में ऋण का प्रतिशत

नारंगी: अनौपचारिक स्रोत में ऋण का प्रतिशत

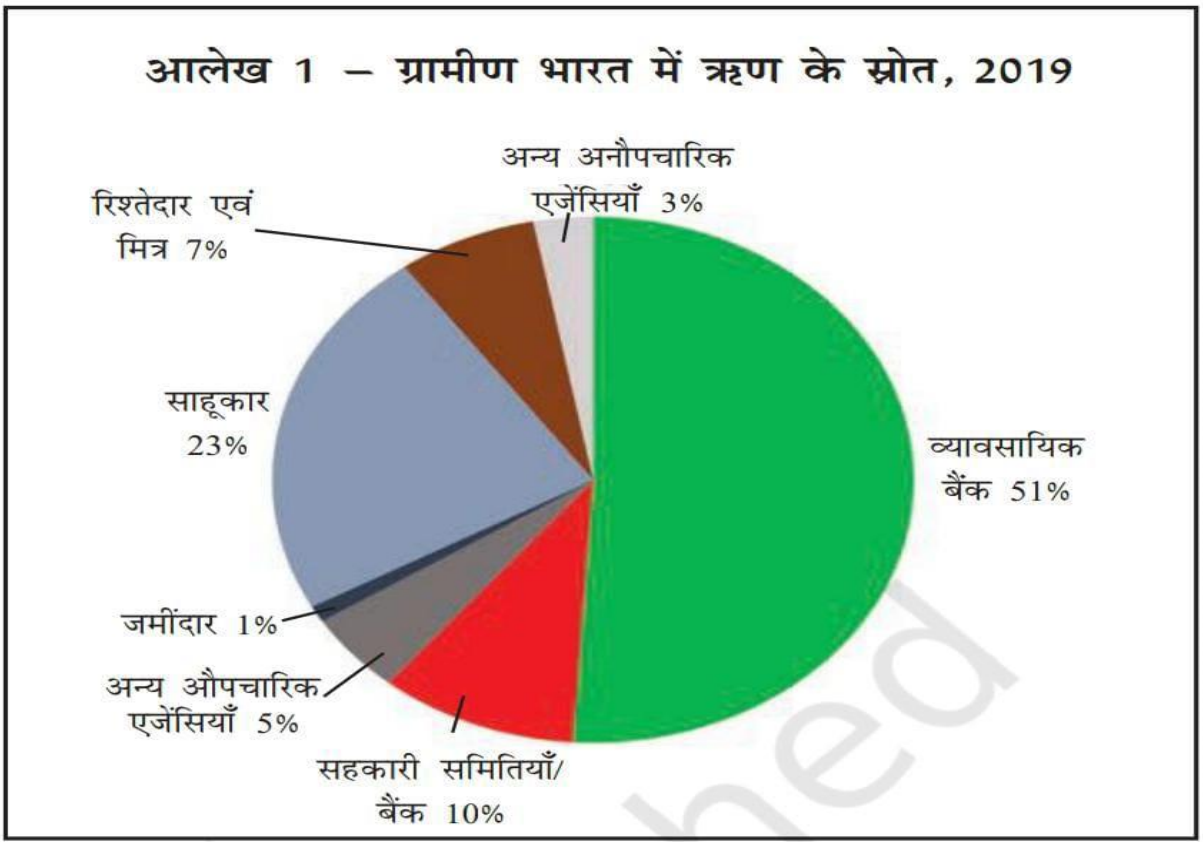

निर्धनों के स्वयं सहायता समूह:-एक विशेष स्वयं सहायता समूह में एक-दूसरे के पड़ोसी 15-20 सदस्य होते हैं, जो नियमित रूप से मिलते हैं और बचत करते हैं। प्रति व्यक्ति बचत 25 रुपए से लेकर 100 रुपए या अधिक हो सकती है। यह परिवारों की बचत करने की क्षमता पर निर्भर करता है। सदस्य अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए छोटे कर्ज समूह से ही कर्ज ले सकते हैं। समूह इन कर्जों पर ब्याज लेता है लेकिन यह साहूकार द्वारा लिए जाने वाले ब्याज से कम होता है। एक या दो वर्षों के बाद, अगर समूह नियमित रूप से बचत करता है, तो समूह बैंक से ऋण लेने के योग्य हो जाता है। ऋण समूह के नाम पर दिया जाता है और इसका मकसद सदस्यों के लिए स्वरोज़गार के अवसरों का सृजन करना है। उदाहरण के लिए, सदस्यों को छोटे-छोटे कर्ज अपनी गिरवी ज़मीन छुड़वाने के लिए, कार्यशील पूँजी की ज़रूरतें (बीज, खाद, बाँस और कपड़े खरीदने के लिए), घर बनाने, सिलाई की मशीन, हथकरघा, पशु इत्यादि संपत्ति खरीदने के लिए दिए जाते हैं।

इस प्रकार, स्वयं सहायता समूह उधारकर्ताओं को **समर्थक ऋणाधार की कमी** की समस्या से उबरने में मदद करते हैं। वे विभिन्न उद्देश्यों के लिए समय पर और उचित ब्याज दर पर ऋण प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह ग्रामीण गरीबों के संगठन के निर्माण खंड हैं। **यह न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है, बल्कि समूह की नियमित बैठकें स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा आदि जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने और कार्रवाई करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं।**

गुजरात में महिलाओं की स्वयं सहायता समूह की बैठक

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. सभी बैंक ---------- और ---------- के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करते हैं

a. ग्रामीण लोग, शहरी लोग

b. साक्षर, निरक्षर

c. लोग, सरकार

d. जमाकर्ता, उधारकर्ता

उत्तर: d) जमाकर्ता, उधारकर्ता

2. निम्नलिखित में से कौन सी स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की विशेषता नहीं है?

a. इसमें 15-20 या उससे अधिक सदस्य होते हैं।

b. यहाँ सदस्य अपनी बचत जमा करते हैं जो संपार्श्विक के रूप में कार्य करती है।

c. ऋण नाममात्र ब्याज दर पर दिए जाते हैं।

d. यह ऋण का एक अनौपचारिक स्रोत है।

उत्तर: (d) यह ऋण का एक अनौपचारिक स्रोत है।

3. निम्नलिखित में से कौन सा समर्थक ऋणाधार का उपयुक्त अर्थ है?

(a) यह बैंकों से उधार ली गई कुल धनराशि है।

(b) दोस्तों से उधार ली गई राशि।

(c) यह उधारकर्ता की एक परिसंपत्ति है जिसका उपयोग ऋणदाता को गारंटी के रूप में किया जाता है।

(d) किसी व्यवसाय में निवेश की गई राशि।

उत्तर: (c) यह उधारकर्ता की एक परिसंपत्ति है जिसका उपयोग ऋणदाता को गारंटी के रूप में किया जाता है।

4. निम्नलिखित में से कौन सा एक प्रमुख कारण है जो गरीबों को बैंकों से ऋण प्राप्त करने से रोकता है?

क. पूंजी की कमी

ख. ब्याज की उच्च दर के कारण वहनीय नहीं

ग. समर्थक ऋणाधार सुरक्षा का अभाव

घ. मध्यस्थों की अनुपस्थिति

उत्तर: (ग) समर्थक ऋणाधार सुरक्षा का अभाव (Lack of collateral security)

5. निम्नलिखित में से कौन सी मुद्रा के आधुनिक रूप की महत्वपूर्ण विशेषता है?

क. यह कीमती धातु से बना है

ख. यह रोजमर्रा के उपयोग की चीजों से बना है

ग. यह वाणिज्यिक बैंकों द्वारा अधिकृत है

घ. यह देश की सरकार द्वारा अधिकृत है

उत्तर: (घ) यह देश की सरकार द्वारा अधिकृत है

6. वर्तमान में कागजी मुद्रा के अलावा मुद्रा का कौन सा रूप तेजी से उपयोग किया जा रहा है?

(क) कमोडिटी मनी

(ख) धातु मुद्रा

(ग) प्लास्टिक मनी

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर: (ग) प्लास्टिक मनी

अभिकथन / तर्क(कारण) प्रकार के प्रश्न

निर्देश: सबसे उपयुक्त विकल्प को चिह्नित करें:

(क) यदि कथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण कथन का सही स्पष्टीकरण है।

(ख) यदि कथन और कारण दोनों सत्य हैं, लेकिन कारण कथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ग) यदि कथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।

(घ) यदि कथन और कारण दोनों गलत हैं।

1. **अभिकथन:** भारत में कोई भी व्यक्ति रुपये में किए गए भुगतान को स्वीकार करने से इनकार नहीं कर सकता।

कारण: रुपया भारत में वैध मुद्रा है।

उत्तर: (ए) अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या है।

कानून रुपये को भुगतान के माध्यम के रूप में वैध बनाता है जिसे भारत में लेनदेन निपटाने में अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

2. अभिकथन: मांग जमा की सुविधा नकदी के उपयोग के बिना भुगतान निपटाना संभव बनाती है।

कारण: मांग जमा कागजी आदेश हैं जो एक व्यक्ति के खाते से दूसरे व्यक्ति के खाते में धन हस्तांतरित करना संभव बनाते हैं।

उत्तर: (घ) अभिकथन और कारण दोनों गलत हैं।

मांग जमा के विरुद्ध चेक की सुविधा नकदी के उपयोग के बिना सीधे भुगतान निपटाना संभव बनाती है। चूँकि मांग जमा को मुद्रा के साथ-साथ भुगतान के साधन के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, इसलिए वे आधुनिक अर्थव्यवस्था में धन का गठन करते हैं।

3. अभिकथन: रोहन ने एक खरीदार से अग्रिम भुगतान के रूप में ऋण लिया और उसने खरीदार को समय पर माल वितरित किया और लाभ भी कमाया। ऋण ने रोहन को इस स्थिति में बेहतर बना दिया।

कारण: ऋण कभी भी किसी व्यक्ति को ऋण के जाल में नहीं धकेल सकता।

उत्तर: (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण गलत है।

ऋण ने रोहन को इस स्थिति में बेहतर बना दिया, हालाँकि, अगर वह समय पर माल वितरित करने में विफल रहता या उत्पादन प्रक्रिया में उसे नुकसान होता तो उसकी स्थिति और भी खराब हो जाती। बाद की दो स्थितियों ने रोहन को ऋण के जाल में फँसा दिया होगा।

4. अभिकथन: ऋण उपयोगी होगा या नहीं, यह स्थिति में शामिल जोखिम पर निर्भर करता है।

कारण: कृषि क्षेत्र में ऋण से लाभ उठाने की संभावना सबसे अधिक है।

उत्तर: (c) अभिकथन सत्य है, लेकिन कारण असत्य है।

ऋण उपयोगी होगा या नहीं, यह स्थिति में जोखिम पर निर्भर करता है और नुकसान की स्थिति में कुछ सहायता उपलब्ध है या नहीं।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1 . मांग जमाराशि में मुद्रा की आवश्यक विशेषताएं किस प्रकार होती हैं?

उत्तर: मांग जमाराशि में मुद्रा की आवश्यक विशेषताएं होती हैं:- मांग जमाराशि के विरुद्ध चेक की सुविधा नकदी के उपयोग के बिना सीधे भुगतान निपटाना संभव बनाती है। चूंकि मांग जमाराशि को मुद्रा के साथ-साथ भुगतान के साधन के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, इसलिए वे आधुनिक अर्थव्यवस्था में मुद्रा का गठन करते हैं।

2. वस्तु विनिमय प्रणाली का क्या अर्थ है? वस्तु विनिमय प्रणाली की एक अनिवार्य विशेषता यह है कि आवश्यकताओं का दोहरा संयोग होता है

उत्तर: वस्तु विनिमय प्रणाली का अर्थ: एक ऐसी प्रणाली जिसमें पैसे का उपयोग किए बिना वस्तुओं का सीधे आदान-प्रदान किया जाता है, वस्तु विनिमय प्रणाली कहलाती है। आवश्यकताओं का दोहरा संयोग का अर्थ है जब दोनों पक्ष - विक्रेता और क्रेता - एक दूसरे की वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए सहमत होते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि एक व्यक्ति जो बेचना चाहता है, वही दूसरा व्यक्ति खरीदना चाहता है। ऐसी व्यवस्था में पैसे का उपयोग नहीं किया जाता है। इसलिए, यह वस्तु विनिमय प्रणाली की एक अनिवार्य विशेषता है।

3. बैंकों और सहकारी समितियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी ऋण सुविधाएँ बढ़ाना क्यों आवश्यक है? **उत्तर:** बैंक और सहकारी समितियाँ लोगों को सस्ते और किफायती ऋण प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं। इससे लोगों को कई तरह से सशक्त बनाया जा सकेगा। वे अपनी फसल उगा सकते हैं, व्यापार कर सकते हैं, छोटे-मोटे उद्योग लगा सकते हैं, आदि। वे नए उद्योग लगा सकते हैं या वस्तुओं का व्यापार कर सकते हैं। अनौपचारिक ऋणदाताओं से मिलने वाले ऋण पर ब्याज दर बहुत अधिक होती है और इससे उधारकर्ताओं की आय में कोई वृद्धि नहीं होती। इसलिए, यह आवश्यक है कि बैंक और सहकारी समितियाँ विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अपने ऋण बढ़ाएँ, ताकि ऋण के अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता कम हो। सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। (कोई दो बिंदु)

4.. भारत की अर्थव्यवस्था में बैंक किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं?

उत्तर: (i) बैंक लोगों को उनके नाम से बैंक खाता खोलकर अपना अधिशेष धन जमा करने की सुविधा प्रदान करते हैं। बैंक जमा राशि पर ब्याज के रूप में एक राशि भी देते हैं। इस तरह लोगों का पैसा बैंकों के पास सुरक्षित रहता है और उस पर ब्याज के रूप में एक राशि मिलती है। इस प्रकार बैंक परिवार की आय में वृद्धि करते हैं।

(ii) बैंक जमा राशि का बड़ा हिस्सा जरूरतमंदों को ऋण देने में उपयोग करते हैं। विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण की भारी मांग है। इस प्रकार बैंक उन लोगों के बीच मध्यस्थता करते हैं जिनके पास अधिशेष धन है और जिन्हें इस धन की आवश्यकता है।

(iii) बैंक केवल लाभ कमाने वाले व्यवसायों और व्यापारियों को ही ऋण नहीं देते हैं बल्कि छोटे किसानों, लघु उद्योगों, छोटे उधारकर्ताओं आदि को भी ऋण देते हैं। इस प्रकार वे इन लोगों को सशक्त बनाते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से देश के विकास में मदद करते हैं।

(iv) बैंक हमेशा उधारकर्ताओं से जो ब्याज दर मांगते हैं वह सस्ती और वहनीय होती है। इससे लोगों की स्थिति में सुधार होता है। बैंक उद्योगपतियों को भी ऋण देते हैं। ये उद्योगपति इन ऋणों का उपयोग अपने उद्योगों को बढ़ाने के लिए करते हैं। इस तरह वे देश के विकास में योगदान देते हैं। बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देकर बैंक बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक हल करते हैं। (कोई दो बिंदु)

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आवश्यकताओं के दोहरे संयोग से क्या अभिप्राय है? इसकी अंतर्निहित समस्या क्या है?

उत्तर: आवश्यकताओं का दोहरा संयोग वह स्थिति है जब दोनों पक्ष एक-दूसरे के उत्पादों या वस्तुओं को बेचने और खरीदने के लिए सहमत हो जाते हैं। यह तभी संभव है जब दोनों व्यक्ति एक-दूसरे के सामान का आदान-प्रदान करने के लिए तैयार हों।

2. "ग्रामीण भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों का विस्तार करने की बहुत आवश्यकता है।" कथन की जाँच करें।

उत्तर: ग्रामीण भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों का विस्तार करने की बहुत आवश्यकता है क्योंकि: अनौपचारिक क्षेत्र में ऋणदाताओं की ऋण गतिविधियों की निगरानी करने के लिए कोई संगठन नहीं है। वे अपनी पसंद की ब्याज दर पर ऋण देते हैं। कोई भी ग्रामीण साहूकारों को अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग करने से नहीं रोक सकता।

3 क. बैंकों और सहकारी समितियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी ऋण सुविधाएँ बढ़ाना क्यों आवश्यक है? स्पष्ट करें।

या

ख. हमें भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों का विस्तार करने की आवश्यकता क्यों है?

उत्तर: कोई ऐसा संगठन नहीं है जो अनौपचारिक क्षेत्र में ऋणदाताओं की ऋण गतिविधियों की निगरानी करता हो। वे अपनी पसंद की ब्याज दर पर ऋण देते हैं।

• ग्रामीण साहूकारों को अपना पैसा वापस पाने के लिए अनुचित तरीकों का उपयोग करने से कोई नहीं रोक सकता।

• अनौपचारिक ऋणदाता ऋण पर बहुत अधिक ब्याज दर वसूलते हैं और परिणामस्वरूप उधारकर्ताओं और किसानों की कमाई का एक बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता है।

• चुकाई जाने वाली राशि अक्सर आय से अधिक होती है और गाँवों में किसान और अन्य उधारकर्ता ऋण के जाल में फंस जाते हैं।

इसलिए, यह आवश्यक है कि बैंक और सहकारी समितियाँ अपना ऋण बढ़ाएँ, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि ऋण के अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भरता समाप्त हो।

4. 'ऋण की शर्तें' क्या हैं?

उत्तर: ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार सुरक्षा, दस्तावेज़ीकरण आवश्यकताएँ और पुनर्भुगतान का तरीका मिलकर ऋण की शर्तें बनाते हैं। यह बैंक से बैंक और उधारकर्ता से उधारकर्ता तक अलग-अलग होता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. "आरबीआई औपचारिक क्षेत्र के ऋण को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" व्याख्या करें।

उत्तर: (1) भारतीय रिजर्व बैंक भारत में ऋण के औपचारिक स्रोतों के कामकाज की निगरानी करता है। यह भारत का केंद्रीय बैंक है।

(2) यह निम्नलिखित तरीकों से बैंकों के कामकाज की निगरानी करता है।

(3) आरबीआई निगरानी करता है कि बैंक वास्तव में प्राप्त जमाराशि में से न्यूनतम नकद शेष बनाए रखते हैं। भारत में बैंक इन दिनों अपनी जमाराशि का लगभग 15 प्रतिशत नकद के रूप में रखते हैं।

(4) आरबीआई यह सुनिश्चित करता है कि बैंक न केवल लाभ कमाने वाले व्यवसाय और व्यापारियों को बल्कि छोटे किसानों, लघु उद्योगों, छोटे उधारकर्ताओं आदि को भी ऋण दें।

(5) समय-समय पर, बैंकों को आरबीआई को जानकारी देनी होती है कि वे कितना उधार दे रहे हैं, किसे, किस ब्याज दर पर, आदि।

2. गरीब परिवारों की तुलना में अमीर परिवारों के लिए औपचारिक क्षेत्र के ऋण का हिस्सा अधिक क्यों है? इसके लिए उत्तरदायी कोई तीन कारण बताइए।

उत्तर: (1) निस्संदेह, समाज के सभी वर्गों के लिए ऋण व्यवस्था बहुत उचित नहीं है। गरीब परिवारों की तुलना में अमीर परिवारों के लिए औपचारिक क्षेत्र के ऋण का हिस्सा अधिक है। इसके निम्नलिखित कारण हैं:

(I)गरीबी गरीब परिवारों की उधार लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। औपचारिक क्षेत्र के ऋण के लिए ऋण के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में उचित दस्तावेजों और संपार्श्विक की आवश्यकता होती है। संपार्श्विक एक परिसंपत्ति है। इसलिए, गरीब लोग ऐसी चीजें उपलब्ध कराने में कमी करते हैं जो उनकी उधार लेने की क्षमता को प्रभावित करती हैं।

(ii) गरीब लोग ऋण नहीं चुकाते हैं

(iii) गांवों में लोगों की अपने गांव में बैंकों तक पहुंच नहीं हो सकती है। साथ ही, वे दिन-प्रतिदिन की विभिन्न जरूरतों के कारण समय पर ऋण नहीं ले पाते हैं।

(2) (i) ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बैंक खोलकर वहां अधिक ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

(ii) ऋण देने की प्रक्रिया को आसान एवं सरल बनाया जाना चाहिए।

3. स्वयं सहायता समूह महिलाओं को उनके विभिन्न सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए किस प्रकार कार्य करते हैं?

उत्तर: स्वयं सहायता समूह महिलाओं को उनके विभिन्न सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए निम्नलिखित तरीकों से कार्य करते हैं:

(1) स्वयं सहायता समूह ग्रामीण गरीबों, विशेष रूप से महिलाओं का एक संगठन है जो अपनी बचत को एकत्रित करती हैं।

(2) स्वयं सहायता समूह अपने सदस्यों को बचत के लिए प्रोत्साहित करता है और उन्हें अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समूह से ही छोटे ऋण लेने में सक्षम बनाता है। इस तरह, यह उनके आर्थिक मुद्दे को संबोधित करता है जो कई सामाजिक मुद्दों का आधार है।

(3) स्वयं सहायता समूह ग्रामीण गरीबों के संगठन के निर्माण खंड हैं। यह न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद करता है, बल्कि समूह की नियमित बैठकें स्वास्थ्य, पोषण, घरेलू हिंसा आदि जैसे विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करने और कार्रवाई करने के लिए एक मंच भी प्रदान करती हैं।

(4) स्वयं सहायता समूह अपने सदस्यों को कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने, आवास सामग्री के लिए, सिलाई मशीन, हथकरघा, मवेशी आदि जैसी संपत्ति खरीदने के लिए ऋण देकर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करता है।

(5) समूह इन ऋणों पर ब्याज लेता है लेकिन यह अभी भी साहूकारों द्वारा लिए जाने वाले ब्याज से कम है।

4. "सस्ता और किफायती ऋण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए आवश्यक है।" उपरोक्त कथन के प्रकाश में इससे जुड़े सामाजिक और आर्थिक मूल्यों की व्याख्या करें।

या

"सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है।" कथन का आकलन करें।

या

विकास के लिए ऋण की अपनी विशिष्ट भूमिका है।' तर्कों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर: यह एक ऐसे समझौते को संदर्भित करता है जिसमें ऋणदाता भविष्य में पुनर्भुगतान के वादे के बदले में उधारकर्ता को धन, सामान या सेवाएं प्रदान करता है।

1. सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों-बड़े या छोटे निवेश, व्यवसाय स्थापित करने, कार, घर आदि खरीदने के लिए ऋण की बहुत मांग है।

2. ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण किसानों को बीज, उर्वरक, महंगे कीटनाशक खरीदने के लिए धन उपलब्ध कराकर कृषि के विकास में मदद करता है।

3. निर्माताओं को कच्चा माल खरीदने या उत्पादन के चल रहे खर्च को पूरा करने के लिए ऋण की आवश्यकता होती है। ऋण संयंत्र, मशीनरी, उपकरण आदि की खरीद में मदद करता है।

4. कुछ लोगों को बीमारी, विवाह आदि के लिए उधार लेने की आवश्यकता हो सकती है। इस प्रकार, सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

5. बैंकों और सहकारी समितियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी ऋण सुविधाओं को बढ़ाना क्यों आवश्यक है? समझाइए।

उत्तर:- बैंक और सहकारी समितियाँ लोगों को सस्ते और किफायती ऋण प्राप्त करने में मदद कर सकती हैं। इससे लोगों को फसल उगाने, व्यापार करने, छोटे-मोटे उद्योग लगाने या वस्तुओं का व्यापार करने में मदद मिलेगी और अप्रत्यक्ष रूप से देश के विकास में भी मदद मिलेगी। उन्हें ऐसा करना चाहिए, ताकि अपेक्षाकृत गरीब लोगों को ऋण के अनौपचारिक स्रोतों (साहूकारों) पर निर्भर न रहना पड़े।

स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:-

आधुनिक मुद्रा में मुद्रा-कागज़ के नोट और सिक्के शामिल हैं। पहले मुद्रा के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली चीज़ों के विपरीत, आधुनिक मुद्रा सोने, चांदी और तांबे जैसी कीमती धातुओं से नहीं बनी है। और अनाज और मवेशियों के विपरीत, वे न तो रोज़मर्रा के काम की हैं। आधुनिक मुद्रा का अपना कोई उपयोग नहीं है। फिर, इसे विनिमय के माध्यम के रूप में क्यों स्वीकार किया जाता है? इसे विनिमय के माध्यम के रूप में इसलिए स्वीकार किया जाता है क्योंकि मुद्रा सरकार द्वारा अधिकृत है क्योंकि यह रुपये को भुगतान के माध्यम के रूप में वैध बनाती है जिसे भारत में लेन-देन निपटाने में अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। भारत में कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से रुपये में किए गए भुगतान को अस्वीकार नहीं कर सकता है। इसलिए, देश में रुपये को विनिमय के माध्यम के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। भारत में, भारतीय रिज़र्व बैंक केंद्र सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। भारतीय कानून के अनुसार, किसी अन्य व्यक्ति या संगठन को मुद्रा जारी करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, कानून रुपये को भुगतान के माध्यम के रूप में वैध बनाता है जिसे भारत में बिक्री के लेन-देन में अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। भारत में कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से रुपये में किए गए भुगतान को अस्वीकार नहीं कर सकता है। इसलिए, रुपया विनिमय के माध्यम के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है।

1. भारत में विनिमय के माध्यम के रूप में क्या स्वीकार किया जाता है?.....1 s

उत्तर: रुपया भारत में विनिमय के माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है

2. भारतीय कानून मुद्रा के बारे में क्या कहता है?.....1

उत्तर: भारतीय कानून के अनुसार, किसी अन्य व्यक्ति या संगठन को मुद्रा जारी करने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा, कानून रुपये को भुगतान के माध्यम के रूप में उपयोग करने को वैध बनाता है जिसे भारत में लेनदेन निपटाने में अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

3. भारत में करेंसी नोट कौन जारी करता है? आजकल हमारी कौन सी करेंसी चलन में है?.....2

उत्तर: भारतीय रिजर्व बैंक केंद्र सरकार की ओर से करेंसी नोट जारी करता है। आजकल हमारे देश में कागज के नोट और सिक्के करेंसी के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं।

अध्याय 4
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

वैश्वीकरण विभिन्न देशों के बीच तीव्र एकीकरण या अंतर्संबंध की प्रक्रिया है।

सभी देशों में उत्पादन:

● व्यापार दूर देशों को जोड़ने का मुख्य माध्यम था। बड़ी कंपनियाँ, जिन्हें अब कहा जाता है बहुराष्ट्रीय निगमों (MNCs) ने व्यापार में प्रमुख भूमिका निभाई।

बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी):

एमएनसी एक ऐसी कंपनी है जो एक से अधिक देशों में उत्पादन का मालिक है या उसे नियंत्रित करती है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां उन क्षेत्रों में उत्पादन के लिए कार्यालय और कारखाने स्थापित करती हैं जहां उन्हें सस्ते श्रम और अन्य संसाधन मिल सकते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उत्पादन लागत कम हो और बहुराष्ट्रीय कंपनियां अधिक मुनाफा कमा सकें।

● आज अधिक से अधिक वस्तुएं और सेवाएं, निवेश और प्रौद्योगिकी देशों के बीच स्थानांतरित हो रही हैं, न केवल विदेशों में उत्पादों की बिक्री के मामले में बल्कि वैश्विक उत्पादन के मामले में भी।

● वैश्वीकरण देशों के बीच लोगों के आवागमन से भी होता है। लोग आमतौर पर बेहतर आय, बेहतर नौकरी या बेहतर शिक्षा की तलाश में एक देश से दूसरे देश में जाते हैं।

विभिन्न देशों में इंटरलिंकिंग उत्पादन:

● निगम उत्पादन के कारकों की उपलब्धता और अनुकूल सरकारी नीति की तलाश करते हैं
किसी देश में उत्पादन स्थापित करने की खोज।

● संपत्ति अर्जित करने के लिए निगमों द्वारा खर्च किए गए धन को मेजबान देश द्वारा विदेशी निवेश कहा जाता है।

●ये बहुराष्ट्रीय कंपनियां मेजबान देश में स्थापित करने के लिए विभिन्न मार्गों का उपयोग करती हैं जैसे नई कंपनियां स्थापित करना, स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम करना, एक स्थानीय कंपनी (सबसे आम) खरीदना या स्थानीय कंपनियों को एमएनसी के ब्रांड नाम के तहत निर्माण के लिए ऑर्डर देना।

● ये निगम अपने साथ अकूत संपत्ति और तकनीकी जानकारी भी लाते हैं।

● इस प्रकार भौगोलिक रूप से फैला हुआ उत्पादन आपस में जुड़ रहा है।

विदेशी व्यापार और बाज़ारों का एकीकरण:

● विदेशी व्यापार उत्पादकों को अपने घरेलू राष्ट्रों के बाहर अपना माल बेचने की अनुमति देता है।

● यह उपभोक्ताओं को अपने देश में बने सामान के अलावा अन्य सामान खरीदने की अनुमति देता है।

● इस प्रकार विदेशी व्यापार के परिणामस्वरूप विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ा जाता है या बाजारों का एकीकरण किया जाता है।

वैश्वीकरण के सक्षम कारक:-

● प्रौद्योगिकी: उदाहरण के लिए प्रौद्योगिकी में तेजी से सुधार, परिवहन प्रौद्योगिकी में सुधार इससे कम लागत पर लंबी दूरी तक माल की अधिक तेजी से डिलीवरी संभव हो गई।

➢ सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने सूचना का वैश्विक प्रसारण नगण्य लागत पर संचार संभव कर दिया है।

विदेश व्यापार एवं निवेश नीति का उदारीकरण:

➢ उदारीकरण सरकार द्वारा निर्धारित बाधाओं या प्रतिबंधों को हटाने की एक प्रक्रिया है।

➢ व्यापार के उदारीकरण के साथ, व्यवसायों को आयात निर्यात और उनका निवेश के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने की अनुमति दी जाती है,

➢ भारत में 1991 के आसपास सरकार ने विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश पर बड़े पैमाने पर कई बाधाओं को हटाने का निर्णय लिया

बहुविकल्पीय प्रश्न

1.वैश्वीकरण क्या है?

ए) विभिन्न देशों के बीच घटती अंतःक्रिया की प्रक्रिया

बी) दुनिया भर में लोगों, कंपनियों और सरकारों के बीच बढ़ती बातचीत और एकीकरण की प्रक्रिया

सी) किसी देश द्वारा स्वयं को शेष विश्व से अलग करने की प्रक्रिया

डी) किसी देश की जनसंख्या कम करने की प्रक्रिया

उत्तर: बी) दुनिया भर में लोगों, कंपनियों और सरकारों के बीच बढ़ती बातचीत और एकीकरण की प्रक्रिया

2. भारत में किस क्षेत्र को वैश्वीकरण से सबसे अधिक लाभ हुआ है?

ए) कृषि बी) विनिर्माण

सी) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सेवाएं डी) खनन

उत्तरः सी) सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और सेवाएं

3. निम्नलिखित में से कौन सा वह प्रमुख कारक है जिसने वैश्वीकरण को सक्षम बनाया है?

ए) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर टैरिफ में वृद्धि बी) उन्नत परिवहन प्रणालियों का विकास

सी) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर प्रतिबंध डी) सूचना प्रौद्योगिकी तक सीमित पहुंच

उत्तर: बी) उन्नत परिवहन प्रणालियों का विकास

4. वैश्वीकरण में बहुराष्ट्रीय निगम (एमएनसी) क्या भूमिका निभाते हैं?

क) वे सीमाओं के पार वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह को प्रतिबंधित करते हैं

ख) वे सांस्कृतिक अलगाव को बढ़ावा देते हैं

ग) वे विभिन्न देशों में निवेश करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बनाते हैं

ग़) वे स्थानीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा को कम करते हैं

उत्तर: ग) वे विभिन्न देशों में निवेश करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बनाते हैं

5. वैश्वीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौते क्यों महत्वपूर्ण हैं?

1. A) वे व्यापार बाधाओं को बढ़ाते हैं
2. बी) वे सीमा पार व्यापार नियमों को सरल बनाते हैं
3. सी) वे देशों के बीच माल के प्रवाह को सीमित करते हैं
4. D) वे विदेशी निवेश को हतोत्साहित करते हैं

उत्तर: बी) वे सीमा पार व्यापार नियमों को सरल बनाते हैं

6. 1991 में किस भारतीय नीति सुधार का उद्देश्य अर्थव्यवस्था को उदार बनाना था?

ए) हरित क्रांति बी) औद्योगिक नीति संकल्प

सी) नई आर्थिक नीति डी) पंचवर्षीय योजना

उत्तरः सी) नई आर्थिक नीति

लघु उत्तरीय प्रश्न

1 . वैश्वीकरण क्या है और इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर वैश्वीकरण व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से देशों के बीच बढ़ती हुई परस्पर संबद्धता और अन्योन्याश्रयता की प्रक्रिया है। भारत में, वैश्वीकरण ने आर्थिक विकास, विदेशी निवेश में वृद्धि, प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुँच और निर्यात बाजारों का विस्तार किया है। हालाँकि, इसने बढ़ती प्रतिस्पर्धा और आर्थिक असमानता जैसी चुनौतियाँ भी पेश की हैं।

2 वैश्वीकरण को बढ़ावा देने में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की भूमिका की व्याख्या करें।

उत्तर विश्व व्यापार संगठन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों को सुगम बनाकर, लागत को कम करके वैश्वीकरण को बढ़ावा देता है। व्यापार बाधाओं को दूर करने और सदस्य देशों के बीच निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को सुनिश्चित करने के लिए यह एक मंच प्रदान करता है। यह व्यापार विवादों को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करता है और देशों को अपने बाजार खोलने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे वैश्विक आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा मिलता है।

3 . भारतीय उद्योगों पर वैश्वीकरण के कुछ सकारात्मक प्रभाव क्या हैं?

उत्तर सकारात्मक प्रभावों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि, उन्नत प्रौद्योगिकी तक पहुंच, निर्यात अवसरों का विस्तार, उत्पादों की गुणवत्ता और मानकों में सुधार, तथा आईटी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नौकरियों का सृजन शामिल हैं।

4. वैश्वीकरण ने भारत में रोजगार पैटर्न को कैसे प्रभावित किया है?

उत्तर- वैश्वीकरण के कारण आईटी, सेवा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है। हालांकि, इसके परिणामस्वरूप पारंपरिक और गैर-प्रतिस्पर्धी उद्योगों में नौकरियों का नुकसान भी हुआ है। रोजगार की प्रकृति अधिक कुशल और प्रौद्योगिकी-संचालित नौकरियों की ओर स्थानांतरित हो गई है।

PREVIOUS YEAR QUESTION PAPER 2023-2024

AND

UNSOLVED SAMPLE QUESTION PAPER

CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, DELHI

PREVIOUS YEAR QUESTION PAPER 2023-2024

CLASS-X/कक्षा 10

SUBJECT- SOCIAL SCIENCE (087)/ विषय -सामाजिक विज्ञान) 087)

TIME ALLOWED: 3 HOURS **MAXIMUM MARKS: 80**

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक80 :**

GENERAL INSTRUCTIONS:

Read the following instructions carefully and follow them:

1. This question paper contains 37 questions. All questions are compulsory.
2. Question paper is divided into SIX sections — Section A, B, C, D, E and F.
3. Section A — question number 1 to 20 are multiple choice type questions. Each question carries I mark.
4. Section B — question number 21 to 24 are Very Short Answer type questions. Each question carries 2 marks. Answer to these questions should not exceed 40 words.
5. Section C — question number 25 to 29 are Short Answer type questions. Each question carries 3 marks. Answer to these questions should not exceed 60 words.
6. Section D — question number 30 to 33 are Long Answer (LA) type questions. Each question carries 5 marks. Answer to these questions should not exceed 120 words.
7. Section E — question number 34 to 36 are Case-based/Source-based questions with three sub-questions. Each question carries 4 marks.
8. In Section F — question number 37 is Map skill based question with two parts — 37(i) History (2 marks) and 37(ii) Geography (3 marks). This question carries total 5 marks. In addition to this, NOTE that a separate question has been provided for Visually Impaired candidates in lieu of questions having visual inputs, Map etc.
9. Such questions are to be attempted by Visually Impaired candidates only.

SECTION - A **(Multiple Choice Questions) (20x1 = 20)**		
1	From which of the following countries Giuseppe Garibaldi belonged to? (a) Austria (b) Italy (c) Greece (d) Spain निम्नलिखित में से किस देश से ज्युसेपे गैरीबाल्डी का संबंध था ? (a) ऑस्ट्रिया (b) इटली (c) यूनान (d) स्पेन	**1**
2	Two statements are given below. They are Assertion (A) and Reason (R). Read both the statements and choose the correct option.	**1**

	Assertion (A) :The most serious source of nationalist tension in Europe after 1871 was Balkan. Reason (R): A large part of the Balkan was under the control of Ottoman Empire. Options : (a) Both, (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A). (b) Both, (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A). (c) (A) is true but (R) is false. (d) (A) is false but (R) is true. नीचे दो कथन दिए गए हैं। ये अभिकथन(A) और कारण (R) हैं। दोनों कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए। अभिकथन (A): 1871 के बाद यूरोप में राष्ट्रवादी तनाव का सबसे गंभीर स्रोत बाल्कन था। कारण (R) : बाल्कन का एक बड़ा हिस्सा ऑटोमन साम्राज्य के नियंत्रण में था। 1 विकल्प : (a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है। (b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है। (c) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है। (d) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।	
3	Arrange the following events in chronological order and choose the correct option from the following : I. Treaty of Constantinople II. Defeat of Napoleon III. Unification of Italy IV. Unification of Germany Options : (a) I,II,IV and III (b) II, III, I and IV (c) II, I, IV and III (d) IV, I, III and II निम्नलिखित घटनाओं को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए: I. कुस्तुनतुनिया की संधि II. नेपोलियन की हार III. इटली का एकीकरण IV. जर्मनी का एकीकरण विकल्प : (a) I, II, IV और III (b) II, III, I और IV (c) II, I, IV और III (d) IV, I, III और II	**1**
4	Which one of the following pairs regarding Indian nationalism is correctly matched? Leaders : Contribution (a) Sardar Patel : Hindustan Socialist Republican Army (b) Bhagat Singh : Swaraj Party (c) C.R. Das : Bardoli Satyagraha (d) Jawahar Lal Nehru : Oudh Kisan Sabha	**1**

	भारतीय राष्ट्रवाद से संदर्भित निम्नलिखित में से कौन-सा जोड़ा सुमेलित है? **नेता** **योगदान** (a) सरदार पटेल हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (b) भगत सिंह स्वराज पार्टी (c) सी.आर. दास बारदोली सत्याग्रह (d) जवाहर लाल नेहरू अवध किसान सभा	
5	Choose the correctly matched pair. (a) Ferrous — Natural Gas (b) Non-Ferrous — Nickel (c) Non-Metallic Minerals — Limestone (d) Energy Minerals — Cobalt सही सुमेलित जोड़े का चयन कीजिए। (a) लौह धातु प्राकृतिक गैस (b) अलौह धातु निकल (c) अधात्विक खनिज बलुआ पत्थर (d) ऊर्जा खनिज कोबाल्ट	**1**
6	Read the given statements and choose the correct option with regard to Rabi cropping season from the following : I. Rabi crops are sown in winter. II. Sown from October to December and harvested from April to June. III. Important crops are Maize, Cotton, Jute. IV. Punjab, Haryana, Uttar Pradesh are important for the production of wheat. Options : (a) I, III and IV (b) II, III and IV (c) I, II and IV (d) I, II and III दिए गए कथनों को पढ़िए और निम्नलिखित में से रबी शस्य ऋतु के संबंध में सही विकल्प का चयन कीजिए: I. रबी फसलों को शीत ऋतु में बोया जाता है। II. इन्हें अक्टूबर से दिसंबर में बोया जाता है और अप्रैल से जून में काटा जाता है। III. इसकी मुख्य फसलें मक्का, कपास और जूट हैं। IV. पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश गेहूँ उत्पादन के महत्वपूर्ण राज्य हैं। विकल्प : (a) I, III और IV (c) I, II और IV (b) II, III और IV (d) I, II और III	**1**
7	Identify the soil with the help of following information. • It develops in areas with high temperature. • It is the result of intense leaching due to heavy rain.	**1**

	• Humus content is low. Soil : (a) Arid soil (b) Yellow soil (c) Laterite soil (d) Black soil निम्नलिखित जानकारी की सहायता से मृदा की पहचान कीजिए। • यह उच्च तापमान वाले क्षेत्रों में विकसित होती है। • यह भारी वर्षा से अत्यधिक विक्षालन का परिणाम है। • इसमें ह्यूमस की मात्रा कम पाई जाती है। मृदा : (a) मरुस्थली मृदा (b) पीली मृदा (c) लैटेराइट मृदा (d) काली मृदा	
8	Which of the following term refers to the belief in and advocacy for the social, political and economic equality of women ? (a) Patriarchy (b) Matriarchy (c) Socialist (d) Feminists Read the given statements : • India has no official religion. • All the communities have freedom to profess and practice any religion in India. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समानता में विश्वास और उसकी वकालत करने से संबंधित है? (a) पितृसत्ता (b) मातृसत्ता (c) समाजवाद (d) नारीवाद	**1**
9	Which one of the following constitutional term is used for the above statements ? (a) Republic (b) Secular (c) Sovereign (d) Socialist दिए गए कथनों को पढ़िए : • भारत का कोई भी राजकीय धर्म नहीं है। • भारत में सभी समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की आजादी है। उपर्युक्त कथनों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा संवैधानिक शब्द उपयोग किया गया है ? a) गणतंत्र (b) संप्रभुता (c) पंथनिरपेक्ष (d) समाजवाद	**1**

10	Match the Column I with Column II and choose the correct option : Column I (List) Column II (Jurisdiction Sphere) I. Union list subjects A. State Governments alone make laws on it. II. State list subjects B. For uniformity Central Government Legislates on it. III. Concurrent subjects C. Subjects under Jurisdiction of Centre and State Governments. IV. Residuary subjects D. Central Government legislates on new subjects. स्तंभ I और स्तंभ II से कीजिए 1 का मिलान सही विकल्प का चयन कीजिए :	**1**

	I	II	III	IV
(A)	A	B	C	D
(B)	C	D	A	B
(C)	D	C	B	A
(D)	B	A	C	D

स्तंभ I (सूची)	स्तंभ II (अधिकार क्षेत्र)
केन्द्रीय सूची के विषय	इन विषयों पर सिर्फ राज्य सरकारें कानून बनाती हैं।
राज्य सूची के विषय	एकरूपता के लिए केन्द्र सरकार इन पर कानून बनाती है।
समवर्ती सूची के विषय	केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र के तहत विषय।
बाकी बचे विषय	नए विषयों पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है।

	I	II	III	IV
(A)	A	B	C	D
(B)	C	D	A	B
(C)	D	C	B	A
(D)	B	A	C	D

11	Which of the following was the primary objective of Belgium to form the separate government in Brussels? (a) Promoting cultural events. (b) Managing international relations. (c) Enforcing local laws. (d) Ensuring linguistic accommodation. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्रुसेल्स में अलग सरकार बनाने में बेल्ज़ियम का प्राथमिक उद्देश्य था ?	1

	(a) सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना। (a) अंतर्राष्ट्रीय संबंधों का प्रबंधन करना। (b) स्थानीय कानूनों को लागू करना। (c) भाषायी समायोजन सुनिश्चित करना।	
12	Which one of the following countries has two-party system ? (a) China (b) United Kingdom (c) India (d) Pakistan निम्नलिखित में से किस देश में दो-दलीय प्रणाली है ? (a) चीन (b) ब्रिटेन (c) भारत (d) पाकिस्तान	1
13	What role do 'checks and balances' play in a democratic country ? Choose the most suitable option from the following. (a) To establish a direct form of government without representatives. (b) To create a separation of powers to prevent from authoritarianism. (c) To prevent any change to the Constitution. (d) To ensure absolute power for one branch of government. लोकतांत्रिक देश में 'नियंत्रण और संतुलन' की क्या भूमिका है ? निम्नलिखित में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (a) प्रतिनिधियों के बिना सरकार का प्रत्यक्ष रूप स्थापित करना। (b) अधिनायकवाद को रोकने के लिए शक्तियों का पृथक्करण करना। (c) संविधान में किसी भी बदलाव को रोकना। (d) सरकार की एक शाखा के लिए पूर्ण शक्ति सुनिश्चित करना।	1
14	Suppose, the monthly income of the family members is as followsr espectively : • Mother — Rs. 50,000/- • Father — Rs. 40,000/- • Son — Rs. 20,000/- • Daughter — Rs. 20,000/- The average income of the family would be : (a) Rs. 32,000/- (b) Rs. 30,000/- (c) Rs. 32,500/- (d) Rs. 33,000/- मान लीजिए एक परिवार के सदस्यों की मासिक आय क्रमशः निम्नलिखित है : • माता रु. 50,000/- • पिता रु. 40,000/- • पुत्र रु. 20,000/- • पुत्री रु. 20,000/- इस परिवार की औसत मासिक आय होगी: (a) रु. 32,000/- (b) रु. 30,000/- (c) रु. 32,500/- (d) रु. 33,000/-	1
15	Which one of the following indices is given priority by the World Bank with respect to development?	1

	(a) Infant Mortality Rate (b) Equality (c) Body Mass Index (d) Per Capita Income विकास के संबंध में विश्व बैंक निम्नलिखित में से किस सूचक को प्राथमिकता देता है ? (a) शिशु मृत्युदर (b) समानता (c) शरीर द्रव्यमान सूचकांक (d) प्रति व्यक्ति आय	
16	Choose the correct option to fill the blank. Removing barriers or restrictions on business and trade set by the government is called as . (a) Disinvestment (b) Special Economic Zones (c) Liberalisation (d) Foreign Direct Investment. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। सरकार द्वारा व्यापार और वाणिज्य पर अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया के नाम से जानी जाती है। (a) विनिवेश (b) विशेष आर्थिक क्षेत्र (c) उदारीकरण (d) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1
17	Which one of the following is an example of organized sector activities? (a) A farmer irrigating his field. (b) A handloom weaver working in her house. (c) A head load worker carrying cement. (d) A teacher taking classes in a government school. निम्नलिखित में से कौन-सा संगठित क्षेत्र की गतिविधियों का उदाहरण है ? (a) एक किसान का अपने खेतों की सिंचाई करना। (b) हथकरघा बुनकर का अपने घर में काम करना। (c) सिर पर बोझ उठाने वाले श्रमिक का सीमेंट लादना। (d) सरकारी स्कूल में शिक्षक का क्लास लेना।	1
18	Which of the following are developmental goals of a prosperous farmer ? Choose the correct from the given options. I. Better wages II. Higher support prices for crops III. Assured high family income IV. More days for work Options : (a) Only I and II are correct. (b) Only II and IV are correct. (c) Only II and III are correct. (d) Only I and IV are correct. निम्नलिखित में से एक समृद्ध किसान के विकास के लक्ष्य कौनसे हैं? दिए गए विकल्पों में से सही का चयन कीजिए। I. बेहतर मजदूरी II. फसलों का अधिक समर्थन मूल्य III. उच्च पारिवारिक आय IV. कार्य के लिए अधिक दिन विकल्प : (a) केवल I व II सही हैं। (b) केवल II व IV सही हैं। (c) केवल II व III सही हैं। (d) केवल I व IV सही हैं।	1
19	Why do lenders often require collateral before lending loan ? Choose the most	1

	suitable option from the following. (a) To lower interest rates for borrowers. (b) To establish personal relations. (c) To increase their profit margins. (d) To mitigate the risk of loan default. **ऋण देने से पहले ऋणदाताओं को अकसर समर्थक ऋणाधार की आवश्यकता क्यों होती है ? निम्नलिखित में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।** (a) **उधारकर्ताओं के लिए ब्याज दर कम करने के लिए।** (b) **व्यक्तिगत संबंध बनाने के लिए।** (c) **अपने लाभ को बढ़ाने के लिए।** (d) **ऋण चूक के जोखिम को कम करने के लिए।**	
20	Look at the given picture carefully and infer the income of the bank. Choose the correct option from the following. a) The difference between the amount deposited and borrowed by the bank to Reserve Bank of India. b) The difference of amount of interest between what is charged from borrowers and what is paid to depositors. c) The difference of interest rate between what is charged from borrowers and what is charged from depositor. d) The difference between the amount deposited by the depositor and borrowed by the borrower. Note : The following question is for Visually Impaired Candidates only in lieu of Q. No. 20. Which one of the following supervise the functioning of formal sources of loan in India? (a) Reserve Bank of India (b) State Bank of India (c) National Development Council (d) National Finance Commission **दी गई तस्वीर को ध्यानपूर्वक देखिए और बैंक की आय का निष्कर्ष निकालिए।** 	1

	निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन कीजिए। (a) बैंक के द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक में जमा किए गए धन और लिए गए ऋण का अंतर। (b) कर्जदार से लिए गए ब्याज और जमाकर्ताओं को दिए गए ब्याज की रकम के बीच का अंतर। (c) बैंक द्वारा कर्जदारों से लिए गए ऋण की दर और जमाकर्ता को दिए गए ऋण की दर का अंतर। (d) जमाकर्ता द्वारा जमा किए गए धन और कर्जदार द्वारा लिए गए ऋण का अंतर। नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 20 के स्थान पर है। भारत में निम्नलिखित में से कौन ऋण के औपचारिक स्रोतों की कार्यप्रणाली पर नज़र रखता है? (a) भारतीय रिज़र्व बैंक (b) भारतीय स्टेट बैंक (c) राष्ट्रीय विकास परिषद (d) राष्ट्रीय वित्त आयोग	
SECTION -B **(Very Short Answer Type Questions)** (4x2 = 8)		
21	"The Silk route was a good example of vibrant pre-modern trade and cultural links between distant parts of the world." Explain the statement with any two examples. "आधुनिक काल से पहले के युग में दुनिया के दूर स्थित भागों के बीच व्यापारिक और सांस्कृतिक संपर्कों का जीवंत उदाहरण सिल्क मार्ग था।" इस कथन की व्याख्या किन्हीं दो उदाहरणों सहित कीजिए।	2
22	(A) Suggest any two measures for the conservation of forest. वन संरक्षण के लिए कोई दोउपाय सुझाइए। OR (B) Suggest any two measures for the conservation of wildlife. वन्यजीवों के संरक्षण के लिए कोई दो उपाय सुझाइए।	2
23	Why is power sharing desirable? Explain. सत्ता की साझेदारी क्यों जरूरी है? स्पष्ट कीजिए।	2
24	Differentiate between Public and Private Sector. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रक के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।	2
SECTION — C **(Short Answer Type Questions) (5x3 = 15)**		
25	(A) Describe any three causes that led to the Non-Cooperation Movement. (A)किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए जो असहयोग आंदोलन के लिए उत्तरदायी थे। OR (B) Describe any three causes of 'Civil Disobedience Movement.' (B) 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' के किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए	3
26	'Manufacturing industries are considered the backbone of economic development.' Justify the statement. 'विनिर्माण उद्योग आर्थिक विकास की रीढ़ समझे जाते हैं।' इस कथन को न्यायसंगत ठहराइये।	3
27	Analyse the role of political parties in a democracy.	3

	लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए	
28	How is credit essential for economic activities ? Explain with examples. आर्थिक गतिविधियों के लिए ऋण किस प्रकार आवश्यकहै? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।	3
29	How is the issue of sustainability important for development ? Explain. धारणीयता का विषय विकास के लिए किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है? स्पष्ट कीजिए।	3
SECTION — D (Long Answer Type Questions)(4x5 = 20)		
30	(A) How did the ideology of 'liberalism' affect the Europe in early nineteenth century ? Explain. (A) उन्नीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में 'उदारवाद' की विचारधारा ने यूरोप को किस प्रकार प्रभावित किया ? स्पष्ट कीजिए। OR (B) Explain the process of formation of 'United Kingdom of Great Britain'. 'यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन' के गठन की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।	5
31	(A) How is energy a basic requirement for economic development? Explain. आर्थिक विकास के लिए ऊर्जा किस प्रकार एक आधारभूत आवश्यकता है ? स्पष्ट कीजिए। OR (B) How are conventional sources of energy different from non-conventional sources? Explain. ऊर्जा के परम्परागत स्रोत किस प्रकार अपरम्परागत स्रोत से भिन्न हैं ? स्पष्ट कीजिए।	5
32	(A) How are democratic governments better than other forms of government? Explain. लोकतांत्रिक सरकारें, अन्य शासन व्यवस्थाओं की तुलना में किस प्रकार बेहतर हैं ? स्पष्ट कीजिए। OR B) How do democracies lead to peaceful and harmonious life among citizens? Explain. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्थाएं किस प्रकार शांति और सद्भाव का जीवन जीने में नागरिकों के लिए मददगार साबित होती हैं ? स्पष्ट कीजिए।	5
33	(A) "Globalisation is the process of rapid integration or interconnection between countries." Explain the statement with examples. "विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।" इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए। OR (B) 'Improvement in technology has stimulated the globalization process.' Explain the statement with examples. 'प्रौद्योगिकी की उन्नति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया है।' इस कथन की उदाहरणों सहित	5

	व्याख्या कीजिए।	
SECTION — E		
(Case-based/Source-based Questions) (3x4 = 12)		
34	Read the following source carefully and answer the questions that follow : **Printed Words** This is how Mercier describes the impact of the printed word, and the power of reading in one of his books : 'Anyone who had seen me reading would have compared me to a man dying of thirst who was gulping down some fresh, pure water.... Lighting my lamp with extraordinary caution, I threw myself hungrily into the reading. An easy eloquence, effortless and animated, carried me from one page to the next without my noticing it. A clock struck off the hours in the silence of the shadows, and I heard nothing. My lamp began to run out of oil and produced only a pale light, but still I read on. I could not even takeout time to raise the wick for fear of interrupting my pleasure. How those new ideas rushed into my brain! How my intelligence adopted them!' 34.1 How does the passage reflect the immersive nature of reading of Mercier ? 1 34.2 Why did Mercier describe himself as a virtual writer ? 1 34.3 How did reading influence Mercier's intellectual capacity and his engagement with new concepts ? Explain in any two points. 2 निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : मुद्रित शब्द मर्सिए ने अपनी एक किताब में छपे शब्द की ताक़त को यूँ बयान किया : 'अगर किसी ने मुझे पढ़ते देखा होगा तो उसने मुझे उस प्यासे की तरह पाया होगा जो शुद्ध ताज़ा पानी मिलने पर गटगट पीने लगता है... बड़े एहतियात से लालटेन जलाने के बाद मैं खुद को किताबों में डुबो देता था। और वाक और अर्थ के प्रवाह में मैं पन्ना-दर-पन्ना बहता चला जाता था, अनायास और अनजाने। ख़ामोशी के साये में घड़ियाल हर घंटे बजता चला जाता था, पर मुझे सुनाई नहीं पड़ता था। तेल ख़त्म होने से मेरी लालटेन की लौ पीली पड़ने लगती थी, पर मैं था कि पढ़ता जाता। मैं बत्ती उठाने की ज़हमत भी नहीं लेता था, कि मेरे आनंद में व्यवधान न पड़े। और वे नए विचार किस वेग से मेरे सिर में घुसते थे। मेरी बुद्धि कैसे उन्हें आत्मसात करती थी!' 34.1 यह स्रोत मर्सिए की पढ़ने की गहन प्रकृति को किस प्रकार दर्शाता है? 34.2 मर्सिए ने अपने आप को आभासी लेखक क्यों वर्णित किया ? 34.3 पढ़ने ने मर्सिए की बौद्धिक क्षमता और नई अवधारणाओं के साथ उसके जुड़ाव को कैसे प्रभावित किया ? किन्हीं दो बिंदुओं की व्याख्या कीजिए।	

Read the following source carefully and answer the questions that follow :

FLOODS

Basic safety Precautions To Be Taken :

- Listen to radio/TV for the latest weather bulletins and flood warnings.
- Pass on the information to others.
- Make a family emergency kit which should include; a portable radio/transistor, torch, spare batteries, a first aid box along with essential medicines, ORS, dry food items, drinking water, matchboxes, candles and other essential items.
- Keep hurricane lamp, ropes, rubber tubes, umbrella and bamboo stick in your house. These could be useful.
- Keep your cash, jewellery, valuables, important documents etc. in a safe place.
- If there is a flood, move along with your family members and cattle to safe areas like relief camps, evacuation centers, elevated grounds where you can take shelter.
- Turn off power and gas connections before leaving your house. During floods :
- Don’t enter into flood waters; it could be dangerous.
- Don’t allow children to play in or near flood waters.
- Stay away from sewerage line, gutters, drains, culverts etc.
- Be careful of snakes; snakebites are common during floods.
- Stay away from electric poles and fallen power—lines to avoid electrocution.
- Don’t use wet electrical appliances-get them checked before use.
- Eat freshly cooked and dry food. Always keep your food covered.
- Use boiled and filtered drinking water.
- Keep all drains, gutters near your house clean.
- Stagnation of water can breed vector/water—bore diseases. In case of sickness, seek medical assistance.
- Use bleaching powder and lime to disinfect the surroundings.

35.1 Mention any two essential items that should be included in a ‘family emergency kit’.

35.2 Why are the items of family emergency kit important during flood situation ?

35.3 In case of a flood, what are the recommended actions to ensure the safety of your family and belongings?

Describe any two.

34.4 निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बाढ़

बुनियादी सुरक्षा सावधानियाँ लेनी होंगी :

- रेडियो/टेलीविज़न पर नवीनतम मौसम बुलेटिन और बाढ़ चेतावनियों को सुनना। सूचनाओं को दूसरों को संप्रेषित करना।
- परिवार की एक आपातकालीन किट बनाना जिसमें एक वहनीय (पोर्टेबल) रेडियो/ट्रांजिस्टर, बैटरी (टॉर्च), अतिरिक्त बैटरी, आवश्यक औषधियों के साथ फर्स्ट एड बॉक्स, ओ.आर.एस., सूखे मेवा, पीने का पानी, दियासलाई, मोमबत्ती और दूसरे जरूरी सामान हों।
- हरिकेन लैंप, रस्सी, रबड़ ट्यूब, छाता और बांस की छड़ी अपने घर में रखिए, ये लाभदायक होंगी।
- अपनी नकदी, जेवरात, मूल्यवान, महत्त्वपूर्ण कागजात आदि को एक सुरक्षित स्थान पर रखिए।
- यदि बाढ़ आ जाए तो अपने परिवार के सदस्यों और पशुओं के साथ सुरक्षित स्थान जैसे सहायता कैंप, निकासी केन्द्र, ऊँचाई वाले मैदानों में चले जाएं, जहाँ आप आश्रय ले सकें।
- घर छोड़ने से पूर्व बिजली के स्विच और गैस कनेक्शन को बंद कर दें।

बाढ़ के दौरान :

- बाढ़ के पानी में न घुसें; यह खतरनाक हो सकता है।
- बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके समीप न खेलने दें।
- सिवरेज लाइन, नाले-नालियों, पुलिया आदि से दूर रहें।
- सांप आदि से सावधान रहें; सांप का काटना बाढ़ के दौरान सामान्य बात है।
- बिजली के खंभों से दूर रहें और गिरे हुए बिजली के तारों से दूर रहें।
- गीले बिजली के सामानों से दूर रहें; उनका उपयोग करने से पूर्व उनकी जाँच कर लें।
- ताज़ा पका हुआ खाना और सूखे मेवा खाएं। हमेशा अपने खाने का ढक कर रखें।
- गर्म किए हुए और फिल्टर्ड पानी का उपयोग करें।
- अपने घर के समीप सभी नाले-नालियों को साफ रखें।
- रुके हुए पानी से रोग वाहक / जल जनित रोग उत्पन्न हो सकते हैं। बीमारी की अवस्था में मेडिकल सहायता लें।
- ब्लीचिंग पाउडर और नींबू का उपयोग करें और आसपास के इलाके को विसंक्रामक रखें।
- 35.1 किन्हीं दो आवश्यक वस्तुओं का उल्लेख कीजिए जिन्हें 'पारिवारिक आपातकालीन किट' में शामिल किया जाना चाहिए।
- 35.2 बाढ़ की स्थिति में पारिवारिक आपातकालीन किट की वस्तुएं क्यों महत्त्वपूर्ण हैं ?
- 35.3 बाढ़ आने पर आपके परिवार और सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के क्या अनुशंसित कार्य हैं? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

Read the following source carefully and answer the questions that follow :

LOCAL GOVERNMENT

This new system of local government is the largest experiment in democracy

conducted any where in the world. There are now about 36 lakh elected representatives in the panchayats and municipalities etc., all over the country. This number is bigger than the population of many countries in the world. Constitutional status for local government has helped to deepen democracy in our country. It has also increased women's representation and voice in our democracy. At the same time, there are many difficulties. While elections are held regularly and enthusiastically, gram sabhas are not held regularly. Most state governments have not

transferred significant powers to the local governments. Nor have they given adequate resources. We are thus still a long way from realising the ideal of self-government.

36.1 Analyse the significance of the elected representatives in the Panchayats. 1

36.2 In what way has the representation of women in democracy influenced by Constitutional status for local government ? 1

36.3 What has been the impact of granting Constitutional status to local government on the democratic landscape of the country? Analyse any two impacts. 2

36. निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

स्थानीय सरकार

स्थानीय सरकारों की नयी व्यवस्था दुनिया में लोकतंत्र का अब तक का सबसे बड़ा प्रयोग है। पूरे देश में ग्राम पंचायतों और नगरपालिका आदि में करीब 36 लाख चुने हुए प्रतिनिधि हैं। यह संख्या ही अपने आप में दुनिया के कई देशों की कुल आबादी से ज़्यादा है। स्थानीय सरकारों को संवैधानिक दर्जा दिए जाने से हमारे यहाँ लोकतंत्र की जड़ें और मज़बूत हुई हैं। इसने महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के साथ ही हमारे लोकतंत्र में उनकी आवाज़ को मज़बूत किया है। बहरहाल, इन सबके बावजूद अभी भी अनेक परेशानियाँ कायम हैं। पंचायतों के चुनाव तो नियमित रूप से होते हैं और लोग बड़े उत्साह से इनमें हिस्सा भी लेते हैं लेकिन ग्राम सभाओं की बैठकें नियमित रूप से नहीं होतीं। अधिकांश राज्य सरकारों ने स्थानीय सरकारों को पर्याप्त अधिकार नहीं दिए हैं और न ही पर्याप्त संसाधन दिए हैं। इस प्रकार हम स्वशासन की आदर्श स्थिति से काफ़ी दूर हैं।

36.1 पंचायतों में निर्वाचित प्रतिनिधियों के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए।

36.2 लोकतंत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व स्थानीय सरकार की संवैधानिक स्थिति से किस प्रकार प्रभावित हुआ है?

36.3 स्थानीय सरकार को संवैधानिक दर्जा देने का देश के लोकतांत्रिक परिदृश्य पर क्या प्रभाव पड़ा है? किन्हीं दो प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

SECTION - F

(Map Skill Based Questions) (2+3 = 5)

(i) Two places 'A' and 'B' have been marked on the given Political outline map of India. Identify them with the help of the following information and write their correct names on the lines drawn near them :

(A) The place where Mahatma Gandhi broke the salt law.

(B) The place where Session of Indian National Congress was held in 1927.

(ii) On the same Political outline map of India, locate and label any three of the following with suitable symbols : (3x1 =3)

(a) Hirakud - Dam

(b) Mumbai - Software Technology Park

(c) Raja Sansi - International Airport

(d) Naraura - Nuclear Power Plant

Note : The following questions are for the Visually Impaired Candidates only,

Please see the attached Map.

Note: The following questions are for the Visually Impaired Candidatesonly, in lieu of Q.NO.37.

1. Name the place where Mahatma Gandhi broke Salt Law.
2. Name the place where the Indian National Congress Session was held in 1927.
3. Name the state where Hirkud dam is located.
4. Name the state where Mumbai Software Technology Park is located.
5. Name the state where Raja Sansi International Airport is located.
6. Name the state where Naraura Nuclear Power Plant is located.

37. (i) दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा मानचित्र पर दो स्थान 'A' और 'B' के रूप में अंकित किए गए हैं। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से उन्हें पहचानिए और उनके सही नाम उनके समीप खींची गई रेखाओं पर लिखिए :

(a) वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा।

(b) वह स्थान जहाँ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन 1927 में हुआ था।

(ii) भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइये और उनके नाम लिखिए :

(ii) भारत के इसी राजनीतिक रेखा-मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को उपयुक्त चिह्नों से दर्शाइये और उनके नाम लिखिए :$(3 \times 1=3)$

(a) हीराकुड बाँध

(b) मुंबई सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

(c) राजा सांसी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन

	(d) नरौरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (i) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा। (ii) उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन 1927 में हुआ। 1 (iii) उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ हीराकुड बांध स्थित है। (iv) उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ मुम्बई सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क स्थित है। (v) उस राज्य का नाम लिखिए जहां राजा सांसी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा स्थित है। (vi) उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ नरौरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है।	

प्रश्न संख्या 37 के लिए मानचित्र

Map for Q. No. 37

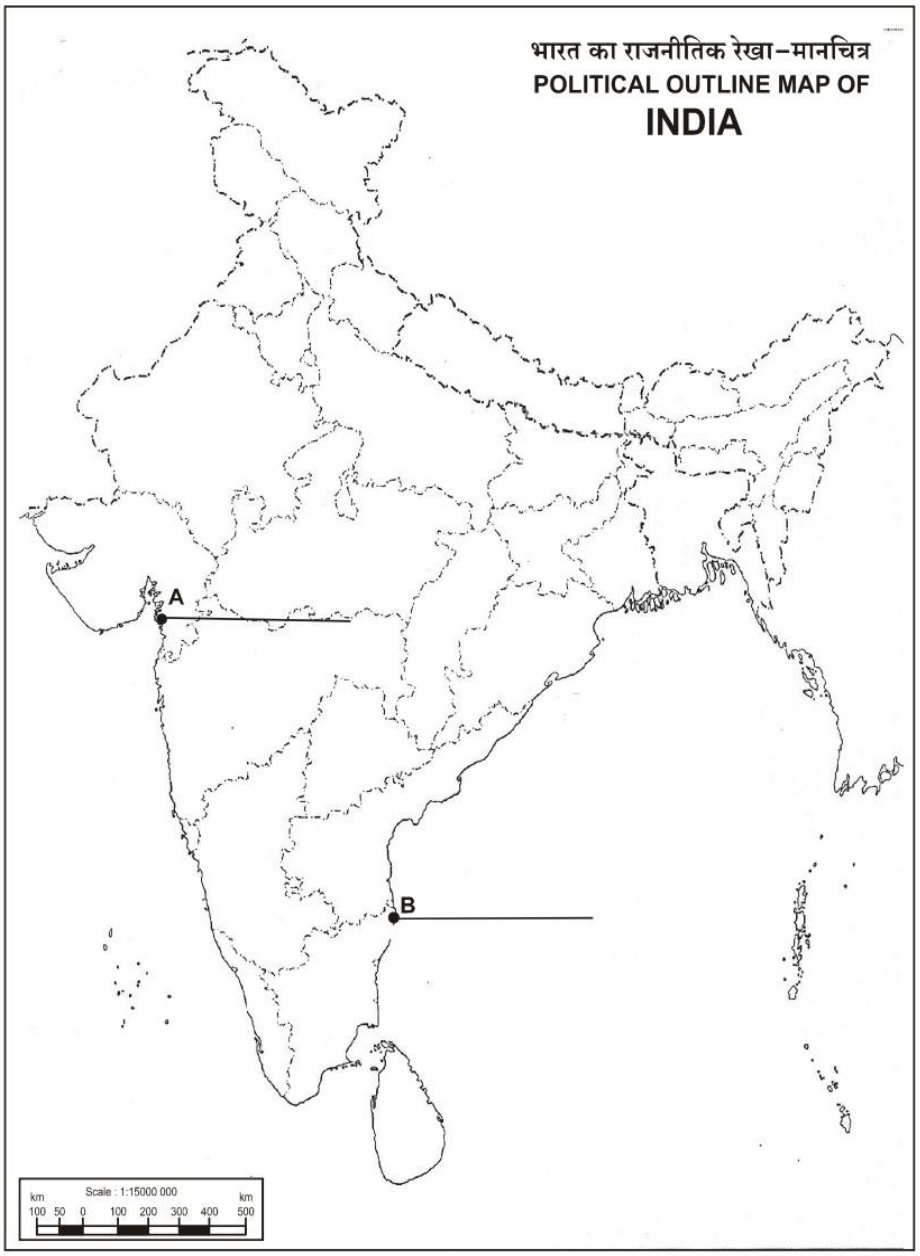

× Cut Here यहाँ से काटें × Cut Here यहाँ से काटें × Cut Here यहाँ से काटें

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

SAMPLE PAPER 1

CLASS 10TH: SOCIAL SCIENCE (087)/ कक्षा दसवीं: सामाजिक विज्ञान (087)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 80**

General Instructions:

*1. The question paper comprises Six Sections – **A, B, C, D, E and F**. There are **37 questions** in the Question paper. **All questions are compulsory**.*

***2. Section A** – From questions 1 to 20 are MCQs of 1 mark each.*

***3. Section B** – Question no. 21 to 24 are Very Short Answer Type Questions, carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 40 words.*

***4. Section C** contains Q.25to Q.29 are Short Answer Type Questions, carrying 3 marks each. Answer to each question should not exceed 60 words*

***5. Section D** – Question no. 30 to 33 are long answer type questions, carrying 5 marks each. Answer to each question should not exceed 120 words.*

***6. Section-E** - Questions no from 34 to 36 are case based questions with three sub questions and are of 4 marks each. Answer to each question should not exceed 100 words.*

7. Section F** – Question no. 37 is map based, carrying 5 marks with two parts, 37a from **History (2 marks)** and 37b from **Geography (3 marks).

8. There is no overall choice in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions. Only one of the choices in such questions have to be attempted.

9. In addition to this, separate instructions are given with each section and question, wherever necessary.

10. Note:** CBQ stands for **"Competency Based Question". 50% weightage allocated for competency-based questions.

सामान्य निर्देश:

1. प्रश्न पत्र में छह खंड शामिल हैं - ए, बी, सी, डी, ई और एफ. प्रश्न पत्र में 37 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. खंड ए – प्रश्न 1 से 20 तक प्रत्येक 1 अंक के बहुवैकल्पिक प्रश्न हैं।

3. खंड बी – प्रश्न संख्या। 21 से 24 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के 2 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
4. खंड सी में प्रश्न 25 से प्रश्न 29 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक में 3 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए
5. खंड डी - प्रश्न संख्या। 30 से 33 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए 5 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।
6. खंड-ई - प्रश्न संख्या 34 से 36 तक तीन उप प्रश्नों के साथ केस आधारित प्रश्न हैं और प्रत्येक के 4 अंक हैं
7. खंड एफ - प्रश्न संख्या। 37 नक्शा आधारित है, जिसमें दो भागों के साथ 5 अंक हैं, इतिहास से 37 ए (2 अंक) और भूगोल से 37 बी (3 अंक) ।
8. प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है।आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है कुछ प्रश्नों में ऐसे प्रश्नों में से केवल एक विकल्प का प्रयास करना है।
9. इसके अलावा, जहां आवश्यक हो, प्रत्येक अनुभाग और प्रश्न के साथ अलग-अलग निर्देश दिए गए हैं।
10. नोट: सीबीक्यू का अर्थ "योग्यता आधारित प्रश्न" है। योग्यता-आधारित प्रश्नों के लिए 50% वेटेज आवंटित किया गया है।

	SECTION A – MCQ (1 x 20 = 20 marks)	
1.	Who among the following was the architect for the Unification of Germany? A. Otto Von Bismarck B. William I C. Fredrick III D. Napolean निम्नलिखित में से कौन जर्मनी के एकीकरण का जनक था? A. ओटो वॉन बिस्मार्क B. विलियम I C. फ्रेड्रिक III D. नेपोलियन	1
2.	**Identify the crop with the help of the following information** • It is a crop which is used both as food and fodder. • It is a kharif crop which requires temperature between 21° C to 27° C. • It grows well in old alluvial soil. **Options:** A. Wheat B. Maize C. Rice D. Sugarcane निम्नलिखित जानकारी की सहायता से फसल की पहचान करें • यह एक ऐसी फसल है जिसका उपयोग भोजन और चारे दोनों के रूप में किया जाता है। • यह एक ख़रीफ़ फसल है जिसके लिए 21° C से 27° C के बीच तापमान की आवश्यकता होती है। • यह पुरानी जलोढ़ मिट्टी में अच्छी तरह उगता है। विकल्प: A. गेहूं B. मक्का C. चावल D. गन्ना	1
3.	In India's federal system, the Central and the State governments have the power	1

	to legislate on all those subjects which are included in the: A. Union List B. State list C. Concurrent list D. Sugarcane भारत की संघीय व्यवस्था में, केंद्र और राज्य सरकारों को उन सभी विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है जो शामिल हैं: A. संघ सूची B. राज्य सूची C. समवर्ती सूची D. अवशिष्ट विषय	
4.	Which of the following pair is correctly matched? A. Alluvial Soil - Gangetic Plain B. Black Soil - Himalayan Region C. Arid Soil - Western Ghat D. Laterite Soil - Desert Area निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है? A. जलोढ़ मिट्टी - गंगा का मैदान B. काली मिट्टी - हिमालय क्षेत्र C. शुष्क मिट्टी - पश्चिमी घाट D. लैटेराइट मिट्टी - मरुस्थलीय क्षेत्र	1
5.	Which one of the following is an example of 'Coming together federation'? A. India B. USA C. Belgium D. Spain निम्नलिखित में से कौन सा 'एक साथ आकार संघ बनाने' का उदाहरण है? A. भारत B. यू एस ए C. बेल्जियम D. स्पेन	1
6.	Which one of the following is a formal source of Credit? A. Relative B. Trader C. Money lender D. Cooperative society निम्नलिखित में से कौन सा ऋण का औपचारिक स्रोत है? A. रिश्तेदार B. व्यापारी C. साहूकार D. सहकारी समिति	1
7.	**Arrange the following in chronological order**: I. Print culture created the conditions for the French Revolution II. Martin Luther's writings led to beginning of the Protestant Reformation III. Menocchio reinterpreted the message of the Bible IV. Johann Gutenberg invented Printing press ***OPTIONS:*** A. III, II, I & IV B. I, II, III & IV	1

	C. IV, III, II & I D. IV, II, III & I निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें: I. मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए परिस्थितियाँ निर्मित कीं II. मार्टिन लूथर के लेखन से प्रोटेस्टेंट सुधार की शुरुआत हुई III. मेनोचियो ने बाइबिल के संदेश की पुनर्व्याख्या की IV. जोहान गुटेनबर्ग ने प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार किया विकल्प: III, II, I और IV I, II, III और IV IV, III, II और I IV, II, III और I	
8.	Which one of the following is a challenge of Globalisation? A. Access to New Markets B. Access to New Talent C. International Recruitment D. Disproportionate Growth निम्नलिखित में से कौन सी वैश्वीकरण की एक चुनौती है? A. नए बाजारों तक पहुंच B. नई प्रतिभा तक पहुंच C. अंतर्राष्ट्रीय भर्ती होना D. अनुपातहीन वृद्धि होना	1
9.	Which one of the following countries adopted majoritarianism in their Constitution? E. Nepal F. India G. Sri Lanka H. Bangladesh निम्नलिखित में से किस देश ने अपने संविधान में बहुसंख्यकवाद को अपनाया? A. नेपाल B. भारत C. श्रीलंका D. बांग्लादेश	1
10.	Choose the correct option from the following: List I (Example) List II (Sector) A. Courier Tertiary Sector B. Fisherman Secondary Sector C. Carpenter Primary Sector D. Transporter Secondary Sector निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें: सूची I (उदाहरण) सूची II (सेक्टर) A. कूरियर तृतीयक क्षेत्र B. मछुआरे माध्यमिक क्षेत्र C. बढ़ई प्राथमिक क्षेत्र D. ट्रांसपोर्टर माध्यमिक क्षेत्र	1
11.	A woman works at a sweet shop in her village on a contract basis and gets meagre salary after working the entire day. She doesn't get any holidays or paid leave,	1

	rather her employer deducts her salary whenever she is absent from work. Find out in which of the following sectors she is working? A. Primary Sector B. Service Sector C. Organized Sector D. Unorganised Sector एक महिला अपने गांव में एक मिठाई की दुकान पर अनुबंध के आधार पर काम करती है और पूरे दिन काम करने के बाद उसे बहुत कम वेतन मिलता है। उसे कोई छुट्टियाँ या सवैतनिक अवकाश नहीं मिलता, बल्कि जब भी वह काम से अनुपस्थित रहती है तो उसका नियोक्ता उसका वेतन काट लेता है। पता लगाएं कि वह निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में काम कर रही है? A. प्राथमिक क्षेत्र B. सेवा क्षेत्र C. संगठित क्षेत्र D. असंगठित क्षेत्र	
12.	Which one of the following Project was launched in 1973? A. Project Tiger B. Indian Wild Life act C. Wildlife Act D. Indian Wildlife Protection act निम्नलिखित में से कौन सी परियोजना 1973 में शुरू की गई थी? A. प्रोजेक्ट टाइगर B. भारतीय वन्य जीवन अधिनियम C. वन्यजीव अधिनियम D. भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम	1
13.	**There are two statements marked as Assertion (A) and Reason (R). Mark your answer as per the codes provided below:** **Assertion (A)**: Sustainable development is essential for economic growth of the countries. **Reason (R):** Sustainable development ensures that environment friendly measures are adopted for carrying out production processes. A. Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A) B. Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A) C. (A) is correct but (R) is wrong D. (A) is wrong but (R) is correct दो कथन अभिकथन (ए) और कारण (आर) के रूप में चिह्नित हैं। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें: अभिकथन (ए): देशों की आर्थिक वृद्धि के लिए सतत विकास आवश्यक है। कारण (आर): सतत विकास यह सुनिश्चित करता है कि उत्पादन प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाए जाएं। A. दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं और (आर) (ए) का सही स्पष्टीकरण है B. दोनों (ए) और (आर) सत्य हैं और (आर) (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है C. (ए) सही है लेकिन (आर) गलत है D. (ए) गलत है लेकिन (आर) सही है	1
14.	The process of integration between different countries is called as _____.	1

	A. Privatization B. Globalization C. Liberalization D. Competition विभिन्न देशों के बीच एकीकरण की प्रक्रिया को _____ कहा जाता है। A. निजीकरण B. वैश्वीकरण C. उदारीकरण D. प्रतियोगिता	
15.	Development of a country can generally be determined by (a) its per capita income (b) its average literacy level (c) health status of its people (d) all the above किसी देश का विकास सामान्यतः किसके द्वारा निर्धारित किया जा सकता है? (ए) प्रति व्यक्ति आय (बी) औसत साक्षरता स्तर (सी) लोगों की स्वास्थ्य स्थिति (डी) उपरोक्त सभी	1
16.	Which one of the following aspects was common between the writings of B.R. Ambedkar and E.V. Ramaswamy Naicker? A. Wrote on the caste system in India B. Highlighted the experiences of women C. Raised awareness about cultural heritage D. Motivated Indians for their national freedom. बी.आर. अम्बेडकर और ई.वी. रामास्वामी नायकर के लेखन के बीच निम्नलिखित में से कौन सा पहलू समान था? A. भारत में जाति व्यवस्था पर लिखा B. महिलाओं के अनुभवों पर प्रकाश डाला C. सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ाई D. भारतीयों को उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए प्रेरित किया	1
17.	Literacy Rate measures the proportion of the literate population in the _____ age group. A. 10 and above B. 21 and above C. 7 and above D. 18 and above साक्षरता दर _____ आयु वर्ग में साक्षर आबादी के अनुपात को मापती है। A. 10 एवं अधिक B. 21 एवं अधिक C. 7 एवं अधिक D. 18 एवं अधिक	1
18.	Name the writer of the novel ‘Anandmath’? A. Ravindra Nath Tagore B. Raja Ram Mohan Roy C. Gopal Krishna Gokhale D. Bankim Chandra Chatterjee उपन्यास 'आनंदमठ' के लेखक का नाम क्या है? A. रवीन्द्र नाथ टैगोर B. राजा राम मोहन राय C. गोपाल कृष्ण गोखले D. बंकिम चंद्र चटर्जी	1
19.	Removing barriers or restrictions set by the government is known as _____.	1

	a) Globalisation b) Disinvestment c) Privatisation d) Liberalisation सरकार द्वारा निर्धारित बाधाओं या प्रतिबंधों को हटाना _____ के रूप में जाना जाता है। A) वैश्वीकरण B) विनिवेश C) निजीकरण D) उदारीकरण	
20.	Apart from the Central and the State Government, Belgium has a third kind of government as well. Identify this third kind of government from the following options: A. Democratic Government B. Socialist Government C. Community Government D. Liberal Government केंद्र और राज्य सरकार के अलावा, बेल्जियम में एक तीसरी तरह की सरकार भी है। निम्नलिखित विकल्पों में से इस तीसरे प्रकार की सरकार की पहचान करें: A. लोकतान्त्रिक सरकार B. समाजवादी सरकार C. सामुदायिक सरकार D. उदारवादी सरकार	1
	SECTION B **VERY SHORT ANSWER QUESTIONS (2 x 4=8 marks)**	
21.	Explain any two provisions that make India a secular state. किन्हीं दो प्रावधानों को लिखिए जो भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बनाते हैं।	2
22.	Suggest any two ways to conserve energy resources in India. भारत में ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण के किन्हीं दो तरीकों का सुझाव दें।	2
23.	In what ways Government can increase employment in the rural sector? सरकार ग्रामीण क्षेत्र में किस प्रकार रोजगार बढ़ा सकती है?	2
24.	Describe any two steps taken by the government towards decentralization in the year 1992. वर्ष 1992 में विकेंद्रीकरण की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों का वर्णन कीजिए।	2
	SECTION C	
	SHORT ANSWER-BASED QUESTIONS (3 x 5 = 15 marks)	
25.	Why did Mahatma Gandhi decide to launch a nationwide Satyagraha against the proposed Rowlatt Act? Explain any three reasons. महात्मा गांधी ने प्रस्तावित रौलट एक्ट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह शुरू करने का फैसला क्यों किया? किन्हीं तीन कारणों को स्पष्ट कीजिए।	3
26.	Define plantation agriculture. Explain any two characteristics of plantation agriculture. रोपण कृषि को परिभाषित कीजिए। रोपण कृषि की किन्हीं दो विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।	3
27.	How has Globalisation created new opportunities for companies providing services in India? Explain. वैश्वीकरण ने भारत में सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए हैं? वर्णन	3

	करिए।	
28.	Describe the provisions of “National Rural Employment Guarantee Act 2005.” "राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005” के प्रावधानों का वर्णन कीजिए।	3
29.	“There is overwhelming support for the idea of democracy all over the world." Support the statement. "दुनिया भर में लोकतंत्र के विचार के लिए भारी समर्थन है” कथन का समर्थन करें।	3
	SECTION D **LONG ANSWER-BASED QUESTIONS (4 x 5 = 20 marks)**	
30.	“Political parties play a major role in democracy.” Explain any five points to justify this statement. राजनीतिक दल लोकतंत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। इस कथन को न्यायसंगत ठहराते हुए किन्हीं पांच बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए। OR Describe any 5 challenges before the political parties in India. भारत में राजनीतिक दलों के समक्ष किन्हीं पाँच चुनौतियों का वर्णन करें।	5
31.	How would you evaluate Napoleon as an administrator who created a more rational and efficient system? Elucidate with suitable examples. नेपोलियन, जिसने एक अधिक तर्कसंगत और कुशल प्रशानिक प्रणाली शुरू की, उनका मूल्यांकन एक प्रशासक के रूप में आप कैसे करेंगे? उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट करें। OR Analyse the role of folklore and symbols in the revival of nationalism in India during late 19th century. 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान भारत में राष्ट्रवाद के पुनरुद्धार में लोककथाओं और प्रतीकों की भूमिका का विश्लेषण करें।	5
32.	“Cheap and affordable credit is crucial for the country’s development.’’ Explain the statement with five points. “सस्ता और किफायती ऋण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है” कथन को पांच बिन्दुओं के साथ स्पष्ट कीजिए। OR Define the merits and demerits of “Formal Sector of Credit” in India. भारत में "औपचारिक ऋण क्षेत्र" के गुण और दोषों को परिभाषित करें।	5
33.	Suggest any five steps to minimize the environmental degradation caused by the industrial development in India. भारत में औद्योगिक विकास के कारण होने वाले पर्यावरणीय क्षरण को कम करने के लिए किन्हीं पांच तरीकों का सुझाव दें। OR What is the contribution of manufacturing industries to the National Economy? राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में विनिर्माण उद्योगों का योगदान क्या है?	5

	SECTION E **CASE BASED QUESTIONS (3 x 4 = 12 marks)**	
34.	**Read the given extract and answer following questions** Narmada Bachao Andolan or Save Narmada Movement is a Non-Governmental Organisation (NGO) that mobilized tribal people, farmers, environmentalists and human rights activists against the Sardar Sarovar Dam being built across the Narmada river in Gujarat. It originally focused on the environmental issues related to trees that would be submerged under the dam water. Recently it has re-focused the aim to enable poor citizens, especially the oustees (displaced people) to get full rehabilitation facilities from the government. People felt that their suffering would not be in vain… accepted the trauma of displacement believing in the promise of irrigated fields and plentiful harvests. So, often the survivors of Rihand told us that they accepted their sufferings as sacrifice for the sake of their nation. But now, after thirty bitter years of being adrift, their livelihood having even being more precarious, they keep asking: "Are we the only ones chosen to make sacrifices for the nation?" 1. With what objective 'Sardar Sarovar Dam' was built? 1 2. Analyse the reason of protest by the tribal people. 1 3. Highlight the issues on which 'Save Narmada Movement' worked on. 2 दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें नर्मदा बचाओ आंदोलन या सेव नर्मदा मूवमेंट एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) है जिसने गुजरात में नर्मदा नदी पर बन रहे सरदार सरोवर बांध के खिलाफ आदिवासी लोगों, किसानों, पर्यावरणविदों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को लामबंद किया। यह मूल रूप से बांध के पानी में डूबे पेड़ों से संबंधित पर्यावरणीय मुद्दों पर केंद्रित था। हाल ही में इसने गरीब नागरिकों, विशेषकर विस्थापितों (विस्थापित लोगों) को सरकार से पूर्ण पुनर्वास सुविधाएं प्राप्त करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य पर फिर से ध्यान केंद्रित किया है। लोगों को लगा कि उनकी पीड़ा व्यर्थ नहीं जाएगी... सिंचित खेतों और भरपूर फसल के वादे पर विश्वास करते हुए विस्थापन के आघात को स्वीकार किया। इसलिए, अक्सर रिहंद के बचे लोगों ने हमें बताया कि उन्होंने अपने राष्ट्र के लिए अपने कष्टों को बलिदान के रूप में स्वीकार किया है। लेकिन अब, तीस कड़वे वर्षों तक भटकने के बाद, उनकी आजीविका और भी अधिक अनिश्चित होने के बाद, वे पूछते रहते हैं: "क्या राष्ट्र के लिए बलिदान देने के लिए केवल हम ही चुने गए हैं?" 1. 'सरदार सरोवर बाँध' किस उद्देश्य से बनाया गया था? 1 2. जनजातीय लोगों के विरोध के कारण का विश्लेषण करें। 1 3. उन मुद्दों पर प्रकाश डालिए जिन पर 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' ने काम किया। 2	4
35.	**Read the given extract and answer following questions.**	4

	Power sharing arrangements can also be seen in the way political parties, pressure groups and movements control or influence those in power. In a democracy, the citizens must have freedom to choose among various contenders for power. In contemporary democracies, this takes the form of competition among different parties. Such competition ensures that power does not remain in one hand. In the long run, power is shared among different political parties that represent different ideologies and social groups. Sometimes this kind of sharing can be direct, when two or more parties form an alliance to contest elections. If their alliance is elected, they form a coalition government and thus share power. In a democracy, we find interest groups such as those of traders, businessmen, industrialists, farmers and industrial workers. They also will have share in governmental power, either through participation in governmental committees or bringing influence on the decision-making process. 1. 'Power sharing is an essential component of democracy.' Give one example to prove the statement. 1 2. How is alliance building an example of power sharing? 1 3. How Political parties, pressure groups and movements help in controlling or influencing those who are in power? 2 दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें। सत्ता साझेदारी व्यवस्था को राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों द्वारा सत्ता में बैठे लोगों को नियंत्रित या प्रभावित करने के तरीके में भी देखा जा सकता है। लोकतंत्र में, नागरिकों को सत्ता के विभिन्न दावेदारों में से चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। समकालीन लोकतंत्रों में यह विभिन्न दलों के बीच प्रतिस्पर्धा का रूप ले लेता है। ऐसी प्रतिस्पर्धा यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता एक हाथ में न रहे। लंबे समय में, सत्ता विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच साझा की जाती है जो विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। कभी-कभी इस प्रकार की साझेदारी प्रत्यक्ष हो सकती है, जब दो या दो से अधिक पार्टियाँ चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन बनाती हैं। यदि उनका गठबंधन निर्वाचित होता है, तो वे गठबंधन सरकार बनाते हैं और इस प्रकार सत्ता साझा करते हैं। लोकतंत्र में, हमें व्यापारियों, व्यवसायियों, उद्योगपतियों, किसानों और औद्योगिक श्रमिकों जैसे हित समूह मिलते हैं। सरकारी समितियों में भागीदारी या निर्णय लेने की प्रक्रिया पर प्रभाव डालने के माध्यम से, सरकारी सत्ता में भी उनकी हिस्सेदारी होगी। 1. 'सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र का एक अनिवार्य घटक है।' कथन को सिद्ध करने के लिए एक उदाहरण दीजिए। 1 2. गठबंधन निर्माण किस प्रकार सत्ता साझेदारी का एक उदाहरण है? 1 3. राजनीतिक दल, दबाव समूह और आंदोलन सत्ता में बैठे लोगों को नियंत्रित करने या प्रभावित करने में कैसे मदद करते हैं? 2	
36	Read the source given below and answer the questions that follow by choosing	4

the most appropriate option:

'Krishnaji Trimbuck Ranade inhabitant of Poona intends to publish a newspaper in the Marathi language with a view of affording useful information on every topic of local interest. It will be open for free discussion on subjects of general utility, scientific investigation and the speculations connected with the antiquities, statistics, curiosities, history and geography of the country and of the Deccan especially… the patronage and support of all interested in the diffusion of knowledge and welfare of the people is earnestly solicited.'

Bombay Telegraph and Courier, 6 January, 1849

'The task of the native newspapers and political associations is identical to the role of the Opposition in the House of Commons in Parliament in England. That is of critically examining government policy to suggest improvements, by removing those parts that will not be to the benefit of the people, and also by ensuring speedy implementation. These associations ought to carefully study the particular issues, gather diverse relevant information on the nation as well as on what are the possible and desirable improvements, and this will surely earn it considerable influence.'

1. Explain the main reason of publishing newspaper by Krishnaji? 1
2. How was the task of native newspaper and political association seen identical to the role of opposition? 1
3. Analyse the reasons of popularity of newspapers during 19th century. 2

नीचे दिए गए स्रोत को पढ़ें और सबसे उपयुक्त विकल्प चुनकर आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

'पूना के निवासी कृष्णाजी त्रिंबक रानाडे स्थानीय हित के हर विषय पर उपयोगी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से मराठी भाषा में एक समाचार पत्र प्रकाशित करने का इरादा रखते हैं। यह सामान्य उपयोगिता, वैज्ञानिक जांच और देश और विशेष रूप से दक्कन के पुरावशेषों, आंकड़ों, जिज्ञासाओं, इतिहास और भूगोल से जुड़ी अटकलों के विषयों पर मुफ्त चर्चा के लिए खुला रहेगा... प्रसार में रुचि रखने वाले सभी लोगों का संरक्षण और समर्थन लोगों के ज्ञान और कल्याण की गंभीरतापूर्वक अपेक्षा की जाती है।'

बॉम्बे टेलीग्राफ एंड कूरियर, 6 जनवरी, 1849

'देशी समाचार पत्रों और राजनीतिक संघों का कार्य इंग्लैंड में संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में विपक्ष की भूमिका के समान है। इसका अर्थ है सरकारी नीति की आलोचनात्मक जांच करना, सुधार का सुझाव देना, उन हिस्सों को हटाना जो लोगों के लाभ के लिए नहीं होंगे, और साथ ही त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है। इन संघों को विशेष मुद्दों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए, राष्ट्र के साथ-साथ संभावित और वांछनीय सुधारों पर विविध प्रासंगिक जानकारी एकत्र करनी चाहिए, और यह निश्चित रूप से इसे काफी प्रभाव अर्जित करेगा।'

	1. कृष्णाजी द्वारा समाचार पत्र प्रकाशित करने का मुख्य कारण बताएं? 1 2. देशी समाचार पत्र और राजनीतिक संघ का कार्य विपक्ष की भूमिका के समान कैसे देखा गया? 1 3. 19वीं शताब्दी के दौरान समाचार पत्रों की लोकप्रियता के कारणों का विश्लेषण करें। 2	
37	a) Two places A and B have been marked on the given outline map of India. Identify them with the help of given information and write their correct names on the lines drawn near them. i. Indian National congress session at this place in 1920. ii. The place where Mahatma Gandhi broke the salt law. a) भारत के दिए गए रूपरेखा मानचित्र पर दो स्थानों A और B को चिह्नित किया गया है। दी गई जानकारी की सहायता से उन्हें पहचानिए और उनके पास खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए। i. 1920 में इस स्थान पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन ii. वह स्थान जहां महात्मा गांधी ने नमक कानून तोड़ा था	2
	b) On the same outline map of India locate and label any 3 of the following with suitable symbols. i. Hirakund Dam ii. Tarapur Atomic Power Station iii. Paradip Sea port iv. Noida software technology park b) भारत के उसी रूपरेखा मानचित्र पर उपयुक्त प्रतीकों के साथ निम्नलिखित में से किसी 3 का पता लगाएं और लेबल करें। i. हीराकुंड बांध ii. तारापुर परमाणु संयंत्र iii. पाराद्वीप समुद्री तट iv. नोएडा सॉफ्टवेयर टेक्नॉलॉजी पार्क	3
	Note: The following question is for Visually Impaired Candidates only in lieu of Q. No. 37 a & b. **Attmpt any five question only** 37. i. Name the place where the Indian National Congress session was held in September 1920. ii. Name the place where Mahatma Gandhi Broke the salt law. iii. Name the state where Hirkud dam is located. iv. Name the state where Tarapur Atomic Power Station is located. v. Name the state where Paradip Sea port is located. vi. Name the State Where Noida Software Technology Park Is Located.	

	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 37a और 37b के स्थान पर हैं। 37. i. उस स्थान का नाम बताइए जहां सितंबर 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का सत्र आयोजित किया गया था। ii. उस स्थान का नाम बताइए जहां महात्मा गांधी ने नमक कानून तोड़ा था। निम्नलिखित में से किन्हीं 3 का उत्तर दीजिए: iii. उस राज्य का नाम बताएं जहां हीराकुड बांध स्थित है। iv. उस राज्य का नाम बताएं जहां तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थित है। v. उस राज्य का नाम बताएं जहां पारादीप समुद्री बंदरगाह स्थित है। vi. उस राज्य का नाम बताइए जहां नोएडा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है।	

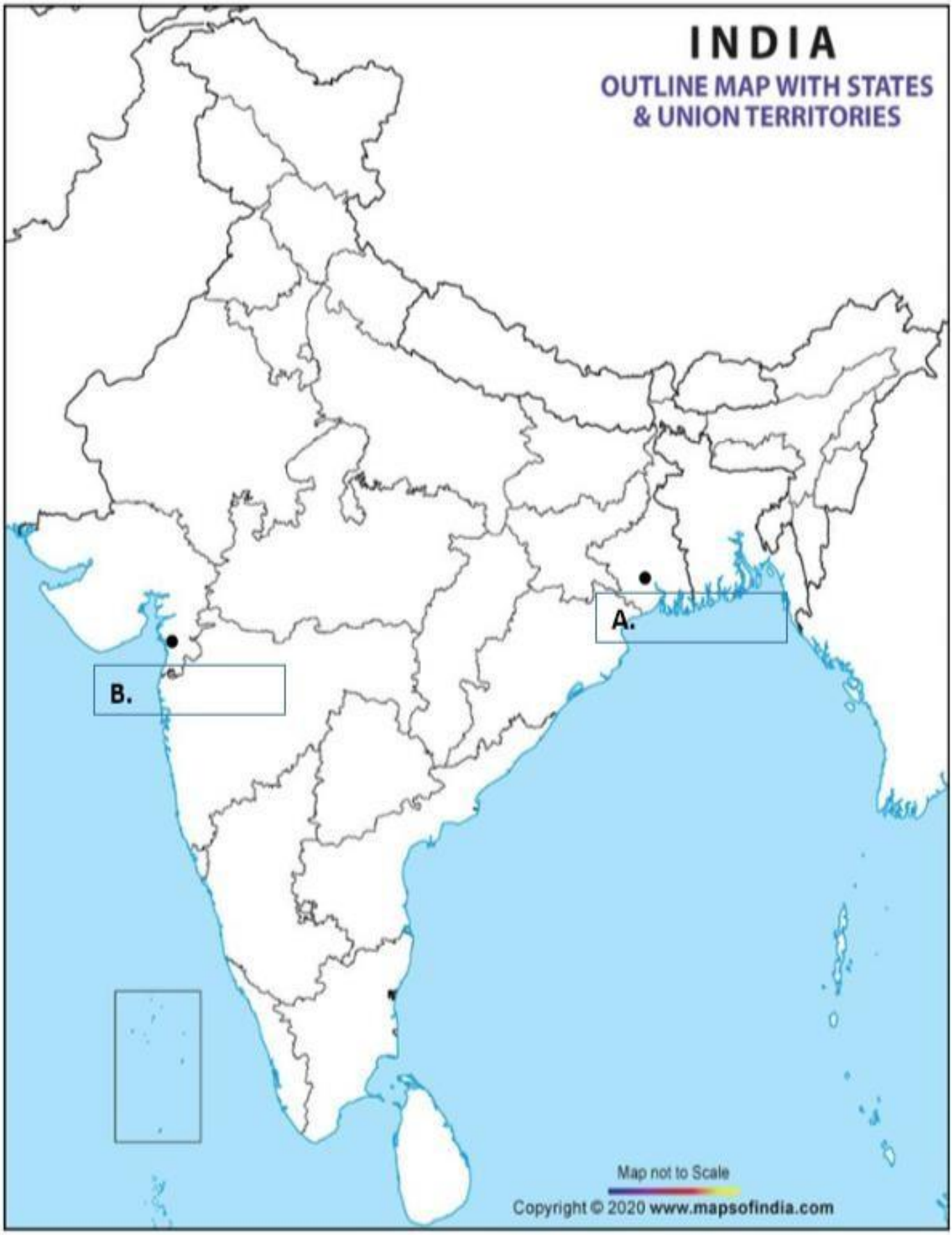
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
A.
B.
Map not to Scale
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

UNSOLVED SAMPLE PAPER 2

CLASS-X /कक्षा 10

SUBJECT- SOCIAL SCIENCE (087) / विषय- सामाजिक विज्ञान (087)

TIME ALLOWED: 3 HOURS **MAXIMUM MARKS: 80**

समय की अनुमति: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

General Instructions:

i. Question paper comprises Six Sections – A, B, C, D, E and F. There are 37 questions in the question paper. All questions are compulsory.

ii. Section A – From question 1 to 20 are MCQs of 1 mark.

iii. Section B – Question no. 21 to 24 are Very Short Answer Type Questions, carrying 2 marks each. Answer to each question should not exceed 40 words.

iv. Section C contains Q.25to Q.29 are Short Answer Type Questions, carrying 3 marks each. Answer to each question should not exceed 60 words

v. Section D – Question no. 30 to 33 are long answer type questions, carrying 5 marks each. Answer to each question should not exceed 120 words.

vi. Section-E - Questions no from 34 to 36 are case based questions with three sub questions and are of 4 marks each

vii. Section F – Question no. 37 is map based, carrying 5 marks with two parts, 37a from History (2 marks) and 37b from Geography (3 marks).

viii. There is no overall choice in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions. Only one of the choices in such questions have to be attempted.

ix. In addition to this, separate instructions are given with each section and question, wherever necessary.

सामान्य निर्देश:

i. प्रश्न पत्र में छह खंड शामिल हैं - ए, बी, सी, डी, ई और एफ। प्रश्न पत्र में 37 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ii. खंड ए – प्रश्न 1 से 20 तक प्रत्येक 1 अंक के बहुवैकल्पिक प्रश्न हैं।

iii. खंड बी – प्रश्न संख्या। 21 से 24 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक के 2 अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 40 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

iv. खंड सी में प्रश्न 25 से प्रश्न 29 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक में 3 अंक हैं।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए

v. खंड डी - प्रश्न संख्या। 30 से 33 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिनमें से प्रत्येक के लिए 5 अंक हैं।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

vi. खंड-ई - प्रश्न संख्या 34 से 36 तक तीन उप प्रश्नों के साथ केस आधारित प्रश्न हैं और प्रत्येक के 4 अंक हैं

vii. खंड एफ - प्रश्न संख्या। 37 नक्शा आधारित है, जिसमें दो भागों के साथ 5 अंक हैं, इतिहास से 37 ए (2 अंक) और भूगोल से 37 बी (3 अंक) ।

viii. प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है।आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है कुछ प्रश्नों मेंऐसे प्रश्नों में से केवल एक विकल्प का प्रयास करना है।

ix. इसके अलावा, जहां आवश्यक हो, प्रत्येक अनुभाग और प्रश्न के साथ अलग-अलग निर्देश दिए गए हैं।

SECTION - A /खंड- ए

MCQs (1X20=20) /एमसीक्यू (1X20=20)

Q. NO.	QUESTION	MARKS
1	---------- Of 1832 recognised Greece as the independent nation. (a) The Treaty of Versailles (b) The Congress of Vienna (c) The Treaty of Constantinople (d) The Treaty of Geneva ---------- 1832 में ग्रीस को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दी। (a) वर्साय की संधि (b) वियना की कांग्रेस (c) कांस्टेंटिनोपल की संधि (d) जिनेवा की संधि	1
2	What was the aim of Chipko movement? (a) Human rights (b) Political rights	1

	(c) Agriculture expansion (d) Forest conservation चिपको आंदोलन का उद्देश्य क्या था? (ए) मानवाधिकार (बी) राजनीतिक अधिकार (सी) कृषि विस्तार (डी) वन संरक्षण	
3	The Book Gulamgiri deal with— (a) Restriction on vernacular press (b) Treatment of widows (c) Injustices of caste system (d) None of these गुलामगिरी पुस्तक संबंधित है- (ए) वर्नाक्यूलर प्रेस पर प्रतिबंध (बी) विधवाओं का उपचार (सी) जाति व्यवस्था के अन्याय (डी) इनमें से कोई नहीं	**1**
4	First country to undergo industrial revolution is (a) Japan (b) Britain (c) Germany (d) France औद्योगिक क्रांति से गुजरने वाला पहला देश है (ए) जापान (बी) ब्रिटेन (सी) जर्मनी (डी) फ्रांस	**1**
5	Which one of the following statements refers to the sustainable development? (a) Overall development of various resources (b) Development should take place without damaging the environment. (c) Economic development of people. (d) Development that meets the desires of the members of all communities. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सतत विकास को संदर्भित करता है? (ए) विभिन्न संसाधनों का समग्र विकास (बी) वातावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास होना चाहिए । (c) लोगों का आर्थिक विकास। (डी) विकास जो सभी समुदायों के सदस्यों की इच्छाओं को पूरा करता है।	**1**
6	Which one of the statements is incorrect as regards to commercial farming? (a) crops are grown for sale (b) Family involved in growing crops (c) Practiced in large land holdings (d) Use of higher doses of modern inputs	**1**

	वाणिज्यिक खेती के संबंध में कौन सा कथन गलत है? (क) फसलें बिक्री के लिए उगाई जाती हैं (बी) परिवार फसल उगाने में लगा है (सी) बड़ी जोतों में फसलें उगाई जाती हैं (डी) आधुनिक आदानों की उच्च खुराक का उपयोग	
7	Who among the following proclaimed dams as 'the temple of modern India'? (a) Rajendra Prasad (b) Mahatma Gandhi (c) Sardar Patel (d) Jawaharlal Nehru निम्नलिखित में से किसने बांधों को आधुनिक भारत का मंदिर घोषित किया? (ए) राजेंद्र प्रसाद (बी) महात्मा गांधी (सी) सरदार पटेल (डी) जवाहरलाल नेहरू	**1**
8	Which of the following was not a provision of the Act of 1956 passed in Sri Lanka? (a) Sinhala was recognised as the only official language (b) Buddhism was to be protected by the state (c) Provinces autonomy was given to Tamils (d) Sinhala's were favoured in government jobs निम्नलिखित में से कौन सा श्रीलंका में पारित 1956 के अधिनियम का प्रावधान नहीं था? (a) सिंहली को एकमात्र आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई थी (b) बौद्ध धर्म को राज्य द्वारा संरक्षित किया जाना था (c) तमिलों को प्रांतों की स्वायत्तता दी गई थी (d) सिंहल को सरकारी नौकरी में वरीयता दी जाती थी	**1**
9	Who can make laws relating to the subjects given in the Concurrent list (a) State Government (b) Union Government (c) Both (d) None of the above समवर्ती सूची में दिए गए विषयों पर कानून कौन बना सकता है (ए) राज्य सरकार (बी) केंद्र सरकार (सी) दोनों (डी) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
10	**Assertion (A):** When power is taken away from central and state governments and given to local governments it is called decentralisation. **Reason (R):** At least one third of all positions are reserved for women in local government bodies.	**1**

	(a) Both assertion (A) and reason (R) are true and reason (R) is the correct explanation of assertion (A). (b) Both assertion (A) and reason (R) are true but reason (R) is not the correct explanation of assertion (A). (c) Assertion (A) is true but reason (R) is false. (d) Both assertion (A) and reason (R) are false. अभिकथन (A) : जब सत्ता केंद्र और राज्य सरकारों से लेकर स्थानीय सरकारों को दे दी जाती है तो इसे विकेन्द्रीकरण कहते हैं। कारण (R) : स्थानीय सरकारी निकायों में कम से कम एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। (ए) कथन (ए) और कारण (आर) दोनों सत्य हैं और कारण (आर) कथन (ए) का सही स्पष्टीकरण है। (बी) दोनों कथन (ए) और कारण (आर) सत्य हैं लेकिन कारण (आर) कथन (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है। (सी) कथन (ए) सच है लेकिन कारण (आर) गलत है। (डी) दोनों कथन (ए) और कारण (आर) गलत हैं।	
11	What step taken to provide representation to women in Panchayats and Municipalities? (a) Reservation for election to half of the seats for women (b) Appointment of 1/3 women members (c) Reservation for election to 1/3 of the seats for women (d) None of the above पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? (ए) महिलाओं के लिए आधी सीटों पर चुनाव के लिए आरक्षण (बी) 1/3 महिला सदस्यों की नियुक्ति (सी) महिलाओं के लिए 1/3 सीटों पर चुनाव के लिए आरक्षण (डी) इनमे से कोई भी नहीं	1
12	What is an 'alliance'? (a) Two parties contest elections (b) Several parties join hands for contesting elections (c) One party contests elections (d) None of these एक 'गठबंधन' क्या है?	1

(ए) दो दल चुनाव लड़ते हैं
(बी) कई पार्टियां चुनाव लड़ने के लिए हाथ मिलाती हैं
(सी) एक दल चुनाव लड़ता है
(डी) इनमें से कोई नहीं

13 Match list I with list II and select the correct answer using the codes below in the lists: **1**

सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सूचियों में नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

	List I	List II
1	Power sharing **सत्ता का बंटवारा**	a) Power shared among different levels of the government a) **सरकार के विभिन्न स्तरों के बीच सत्ता का बंटवारा**
2	Check and balances **जाँच और संतुलन**	b) Reduce the possibility of conflict between social groups **बी) सामाजिक समूहों के बीच संघर्ष की संभावना को कम करें**
3	Vertical divisions **लंबवत विभाजन**	c)Example of power sharing among different social groups **ग) विभिन्न सामाजिक समूह द्वारा आपस में सत्ता की साझेदारी का उदाहरण**
4	Reserved constituencies **आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र**	d)Power sharing among different organs of the government **घ) सरकार के विभिन्न अंग के बीच सत्ता का बँटवारा**

(A) 1.c), 2.d), 3. a), 4. b)
(B) 1.b), 2.d), 3. c), 4. a)
(C) 1.b), 2.d), 3. a), 4. c)
(D) 1.a), 2.c), 3. d), 4. b)

(ए) 1. सी), 2.डी), 3. ए) 4. बी)
(बी) 1. बी), 2.डी), 3. सी), 4। एक)
(सी) 1. बी), 2.डी), 3. ए) 4. सी)

	(डी) 1.ए), 2. सी), 3. डी), 4। बी)	
14	Based on the conflicting developmental goals, which of the following pairs are not correctly matched? (A) More wages to workers - against the interests of the entrepreneur. (B) Rich farmers want to sell food grains at high prices - poor workers want to purchase it at low prices. (C) Construction of a dam means more and cheaper power for people - The tribal do not want to leave the place. (D) Expansion of roads in the city - good for reducing traffic congestion. परस्पर विरोधी विकासात्मक लक्ष्यों के आधार पर, निम्नलिखित में से कौन से जोड़े सही सुमेलित नहीं हैं? (A) श्रमिकों को अधिक वेतन - उद्यमी के हितों के विरुद्ध। (B) अमीर किसान खाद्यान्न को ऊंचे दामों पर बेचना चाहते हैं - गरीब मजदूर इसे कम कीमतों पर खरीदना चाहते हैं। (C) बांध के निर्माण का अर्थ है लोगों के लिए अधिक और सस्ती बिजली - आदिवासी जगह छोड़ना नहीं चाहते हैं। (D) शहर में सड़कों का विस्तार - यातायात की भीड़ को कम करने के लिए अच्छा है।	1
15	Per capita income is: (a) Income per family (b) Income per person (c) Income per earning member (d) Income per month प्रति व्यक्ति आय है: (ए) प्रति परिवार आय (बी) प्रति व्यक्ति आय (सी) प्रति कमाने वाले सदस्य की आय (डी) प्रति माह आय	1
16	Choose the incorrect option from the following (a) Courier – Tertiary sector (b) Fisherman – Primary sector (c) Carpenter – Primary sector (d) Banker – Tertiary sector निम्नलिखित में से गलत विकल्प का चयन कीजिए (ए) कूरियर - तृतीयक क्षेत्र (बी) मछुआरा - प्राथमिक क्षेत्र (सी) बढ़ई - प्राथमिक क्षेत्र	1

	(डी) बैंकर - तृतीयक क्षेत्र	
17	A 'debt trap' means: (a) inability to repay credit amount (b) ability to pay credit amount (c) overspending till no money is left (d) none of these एक 'ऋण जाल' का अर्थ है: (ए) क्रेडिट राशि चुकाने में असमर्थता (बी) क्रेडिट राशि का भुगतान करने की क्षमता (सी) जब तक कोई पैसा नहीं बचा है तब तक खर्च करना (डी) इनमें से कोई नहीं	1
18	Which of the following statements is true in respect of Public Sector? (a) Big companies own most of the assets (b) Government owns the assets (c) A group of people owns most of the assets (d) An individual owns most of the assets सार्वजनिक क्षेत्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है? (ए) बड़ी कंपनियां अधिकांश संपत्ति का मालिक हैं (बी) सरकार संपत्ति का मालिक है (सी) लोगों का एक समूह अधिकांश संपत्तियों का मालिक है (डी) एक व्यक्ति अधिकांश संपत्तियों का मालिक है	1
19	Which of the following is a 'barrier' on foreign trade? (a) Sales tax (b) Quality control (c) Tax on import (d)Tax on local trade निम्नलिखित में से कौन सा विदेशी व्यापार पर 'बाधा' है? (ए) बिक्री कर (बी) गुणवत्ता नियंत्रण (सी) आयात पर कर (डी) स्थानीय व्यापार पर कर	1
20	Process of the integration of economies of different countries is called (a) Liberalization (b) Privatization (c) Globalization (d) none of the above विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं के एकीकरण की प्रक्रिया कहलाती है (ए) उदारीकरण (बी) निजीकरण (सी) वैश्वीकरण (डी) इनमें से कोई नहीं	1

SECTION- B/ खंड- बी

VERY SHORT ANSWER QUESTIONS (2X4=8) /अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2X4=8)

21	Explain any two changes brought about in Europe by the Treaty of Vienna (1815). वियना की संधि (1815) द्वारा यूरोप में लाए गए किन्हीं दो परिवर्तनों की व्याख्या कीजिए	**2**

22	Why are caste barriers breaking down in India? Explain any 2 reasons. **भारत में जातिगत बंधन क्यों टूट रहे हैं? कोई 2 कारण स्पष्ट कीजिए।**	**2**
23	Highlight any two measures to conserve minerals. **खनिजों के संरक्षण के किन्हीं दो उपायों पर प्रकाश डालिए।** **OR** Highlight the importance of petroleum. **पेट्रोलियम के महत्व पर प्रकाश डालिए**	**2**
24	What are the modern forms of money? **पैसे के आधुनिक रूप क्या हैं?**	**2**

SECTION-C /खंड-सी

SHORT ANSWER BASED QUESTIONS (3X5=15)/ लघु उत्तर आधारित प्रश्न (3X5=15)

25	How had Non-Cooperation Movement spread to the countryside? Explain. **OR** Why did the Non-Cooperation Movement gradually slowdown in the cities? Explain. **असहयोग आंदोलन ग्रामीण इलाकों में कैसे फैला था? व्याख्या कीजिए ।** **अथवा** **असहयोग आंदोलन शहरों में धीरे-धीरे धीमा क्यों हो गया? व्याख्या कीजिए ।**	**3**
26	'Advancement of international trade of a country is an index to its prosperity.' Support the statement with suitable examples. **किसी देश के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में उन्नति उसकी समृद्धि का सूचक है।' उपयुक्त उदाहरणों के साथ कथन का समर्थन करें।**	**3**
27	"Globalisation has been advantageous to both consumers as well as producers." Support the statement with suitable examples. **"वैश्वीकरण उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के लिए फायदेमंद रहा है।" उपयुक्त उदाहरणों के साथ कथन का समर्थन करें।**	**3**
28	Why democracy is considered a better form of government? Support your answer with arguments. **लोकतंत्र को सरकार का बेहतर रूप क्यों माना जाता है? तर्कों के साथ अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।**	**3**
29	Explain the working condition of workers in unorganized sector. **असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की कार्य दशाओं की व्याख्या कीजिए।**	**3**

SECTION D /खंड डी

LONG ANSWER BASED QUESTIONS (5X4=20)/ दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5X4=20)

30	Analyse the measures and practices introduced by the French revolutionaries to create a sense of collective identity amongst the French people. **OR** Describe the circumstances responsible for the formation of G-77. फ्रांसीसी लोगों के बीच सामूहिक पहचान की भावना पैदा करने के लिए फ्रांसीसी क्रांतिकारियों द्वारा शुरू किए गए उपायों और प्रथाओं का विश्लेषण करें। अथवा G-77 के गठन के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।	**5**
31	How do industries pollute environment? Explain with five examples. **OR** What is the manufacturing sector? Why is it considered the backbone of development? Interpret the reason. उद्योग पर्यावरण को कैसे प्रदूषित करते हैं? पाँच उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। अथवा विनिर्माण क्षेत्र क्या है? इसे विकास की रीढ़ क्यों माना जाता है? कारण की व्याख्या करें।	**5**
32	Describe any five major functions of political parties. **OR** Suggest and explain any five measures to reform political parties. राजनीतिक दलों के किन्हीं पाँच प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए। अथवा राजनीतिक दलों में सुधार के कोई पाँच उपाय सुझाइए और समझाइए।	**5**
33	"Cheap and affordable credit is crucial for the country's development." Assess the statement. **OR** Why is it necessary for the banks and cooperative societies to increase their lending facilities in rural areas? Explain. "देश के विकास के लिए सस्ता और वहनीय ऋण महत्वपूर्ण है।" कथन का आकलन करें। अथवा बैंकों और सहकारी समितियों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी उधार सुविधाओं को बढ़ाना क्यों आवश्यक है? समझाना।	**5**

SECTION-E /खंड-ई

CASE BASED QUESTIONS (4x3=12)/ केस आधारित प्रश्न (4x3=12)

34	**Read the given extract and answer following questions:** The 1830s were years of great economic hardship in Europe. The first half of the nineteenth century saw an enormous increase in population all over Europe. In most countries there were more seekers of jobs than employment. Population from rural areas migrated to the cities to live in overcrowded slums. Small producers in towns were often faced with stiff competition from imports of cheap machine made goods from England, where industrialization was more advanced than on the continent. This was especially so in textile production, which was carried out mainly in homes or small workshops and was only partly mechanized. In those regions of Europe where the aristocracy still enjoyed power, peasants struggled under the burden of feudal dues and obligations. The rise of food prices or a year of bad harvest led to widespread pauperism in town and country. i)What kind of economic hardship did Europe face during the first half of the nineteenth century (2) ii) Which country was producing cheap machine made goods? (1) iii) How were peasants struggled in the region? (1) दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: 1830 के दशक यूरोप में बड़ी आर्थिक कठिनाई के वर्ष थे। उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में पूरे यूरोप में जनसंख्या में भारी वृद्धि देखी गई। ज्यादातर देशों में रोजगार से ज्यादा नौकरी चाहने वाले थे। भीड़भाड़ वाली झुग्गियों में रहने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से आबादी शहरों की ओर पलायन कर गई। कस्बों में छोटे उत्पादकों को अक्सर इंग्लैंड से मशीन से बने सस्ते माल के आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता था, जहां औद्योगीकरण महाद्वीप की तुलना में अधिक उन्नत था। यह विशेष रूप से कपड़ा उत्पादन में ऐसा था, जो मुख्य रूप से घरों या छोटी कार्यशालाओं में किया जाता था और केवल आंशिक रूप से मशीनीकृत होता था। यूरोप के उन क्षेत्रों में जहां अभिजात वर्ग अभी भी सत्ता का आनंद ले रहा था, किसान सामंती देनदारियों और दायित्वों के बोझ तले संघर्ष कर रहे थे। खाद्य कीमतों में वृद्धि या खराब फसल के एक वर्ष ने शहर और देश में व्यापक दरिद्रता को जन्म दिया। i) उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में यूरोप को किस प्रकार की आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ा (2) ii) कौन सा देश सस्ते मशीन निर्मित सामान का उत्पादन कर रहा था? (1) iii) इस क्षेत्र में किसान किस प्रकार संघर्ष कर रहे थे? (1)	4
35	**Read the given extract and answer following questions:** In Rio de Janeiro Earth Summit, In June 1992, more than 100 heads of states	4

	met in Rio de Janeiro in Brazil, for the first International Earth Summit. The Summit was convened for addressing urgent problems of environmental protection and socio economic development at the global level. The assembled leaders signed the Declaration on Global Climatic Change and Biological Diversity. The Rio Convention endorsed the global Forest Principles and adopted Agenda 21 for achieving Sustainable Development in the 21st century. Agenda 21- It is the declaration signed by world leaders in 1992 at the United Nations Conference on Environment and Development (UNCED), which took place at Rio de Janeiro, Brazil. It aims at achieving global sustainable development. It is an agenda to combat environmental damage, poverty, disease through global co-operation on common interests, mutual needs and shared responsibilities. One major objective of the Agenda 21 is that every local government should draw its own local Agenda 21. i) When and where was the first International Earth Summit held? (1) ii) What did the Rio Convention endorse? (1) iii) What are the main features of Agenda-21? (2) दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: रियो डी जनेरियो पृथ्वी शिखर सम्मेलन में, जून 1992 में, ब्राजील के रियो डी जनेरियो में, पहले अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी शिखर सम्मेलन के लिए 100 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष मिले। वैश्विक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक आर्थिक विकास की तत्काल समस्याओं के समाधान के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। इकट्ठे नेताओं ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन और जैविक विविधता पर घोषणा पर हस्ताक्षर किए। रियो कन्वेंशन ने वैश्विक वन सिद्धांतों का समर्थन किया और 21वीं सदी में सतत विकास प्राप्त करने के लिए एजेंडा 21 को अपनाया। एजेंडा 21- यह 1992 में पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCED) में विश्व नेताओं द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा है, जो रियो डी जनेरियो, ब्राजील में हुई थी। इसका उद्देश्य वैश्विक सतत विकास को प्राप्त करना है। यह आम हितों, आपसी जरूरतों और साझा जिम्मेदारियों पर वैश्विक सहयोग के माध्यम से पर्यावरणीय क्षति, गरीबी, बीमारी से निपटने का एक एजेंडा है। एजेंडा 21 का एक प्रमुख उद्देश्य है यह है कि प्रत्येक स्थानीय सरकार को अपना स्थानीय एजेंडा 21 बनाना चाहिए। i) पहला अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी शिखर सम्मेलन कब और कहाँ आयोजित किया गया था? (1) ii) रियो सम्मेलन ने किसका समर्थन किया? (1) iii) एजेंडा-21 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? (2)	
36	**Read the given extract and answer following questions:** Do you know that in India about 60 percent of the population belongs to the	**4**

age group 5-29 years? Out of this, only about 51 per cent are attending educational institutions. The rest and particularly those aged less than 18 years may be at home or many of them may be working as child labourers. If these children are to attend schools, we will require more buildings, more teachers and other staff. A study conducted by the erstwhile Planning Commission estimates that nearly 20 lakh jobs can be created in the education sector alone. Similarly, if we are to improve the health situation, we need many more doctors, nurses, health workers etc. to work in rural areas. These are some ways by which jobs would be created and we would also be able to address the important aspects of development. Every state or region has potential for increasing the income and employment for people in that area. It could be tourism, or regional craft industry, or new services like IT. Some of these would require proper planning and support from the government. For example, the same study by the Planning Commission says that if tourism as a sector is improved, every year we can give additional employment to more than 35 lakh people

i) How many jobs can be created in the education sector alone? (1)
ii) What are the different areas where people can be employed? (1)
iii) What is the study of Planning commission about tourism sector? (2)

दिए गए उद्धरण को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:
क्या आप जानते हैं कि भारत में लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या 5-29 वर्ष आयु वर्ग की है? इसमें से करीब 51 फीसदी ही शिक्षण संस्थानों में जा रहे हैं। शेष लोग और विशेष रूप से 18 वर्ष से कम आयु के लोग घर पर हो सकते हैं या उनमें से कई बाल श्रमिकों के रूप में काम कर रहे होंगे। यदि इन बच्चों को स्कूल जाना है तो हमें अधिक भवनों, अधिक शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की आवश्यकता होगी। तत्कालीन योजना आयोग द्वारा किए गए एक अध्ययन का अनुमान है कि अकेले शिक्षा क्षेत्र में लगभग 20 लाख नौकरियां सृजित की जा सकती हैं। इसी तरह, अगर हमें स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार करना है, तो हमें ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए और अधिक डॉक्टरों, नर्सों, स्वास्थ्य कर्मचारियों आदि की आवश्यकता है। ये कुछ तरीके हैं जिनसे रोजगार सृजित होंगे और हम विकास के महत्वपूर्ण पहलुओं को भी संबोधित करने में सक्षम होंगे। हर राज्य या क्षेत्र में उस क्षेत्र के लोगों के लिए आय और रोजगार बढ़ाने की क्षमता है। यह पर्यटन, या क्षेत्रीय शिल्प उद्योग, या आईटी जैसी नई सेवाएं हो सकती हैं। इनमें से कुछ को सरकार से उचित योजना और समर्थन की आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए, योजना आयोग का वही अध्ययन कहता है कि यदि एक क्षेत्र के रूप में पर्यटन में सुधार किया जाए तो हम हर साल 35 लाख से अधिक लोगों को अतिरिक्त रोजगार दे सकते हैं।
i) अकेले शिक्षा क्षेत्र में कितनी नौकरियां सृजित की जा सकती हैं? (1)

	ii) वे कौन-से विभिन्न क्षेत्र हैं जहाँ लोगों को नियोजित किया जा सकता है? (1) iii) पर्यटन क्षेत्र के बारे में योजना आयोग का अध्ययन क्या है? (2)	

SECTION-E/ खंड-ई

MAP SKILL BASED QUESTION (2+3=5)/ मानचित्र कौशल आधारित प्रश्न (2+3=5)

37	**37a.** Two places A and B have been marked on the given outline map of India. (2) Identify them and write their correct names on the lines drawn near them A. Place where congress session held in December 1920. B. Place associated with the cotton mill workers movement **37b.** On the same outline map of India locate and label any THREE of the following with suitable Symbols. (3) a. Salal Dam b. Kalpakkam Atomic Power Station c. Bengaluru Software Technology Park d. Marmagao Port 37क. भारत के दिए गए रेखा मानचित्र पर दो स्थान A और B अंकित किए गए हैं। (2) उन्हें पहचानिए और उनके पास खींची गई रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए A. वह स्थान जहाँ दिसंबर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। B. सूती मिल मजदूरों के आंदोलन से जुड़ा स्थान 37बी। भारत के उसी रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित में से किन्हीं तीन को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिए और उन्हें नामांकित कीजिए। (3) ए। सलाल बांध बी। कलपक्कम परमाणु ऊर्जा स्टेशन सी। बेंगलुरु सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क डी। मर्मगांव बंदरगाह	**5**
	Note: The following questions are for Visually Impaired Candidates only in lieu of Q. No.37. Attempt any FIVE questions. नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 37 के स्थान पर हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	

	A. Answer the following question: i. Name the Place where congress session held in December 1920. ii. Name the Place associated with the cotton mill workers movement. B. Attempt any three questions: a. Name the state where Salal Dam located. b. Name the state where Kalpakkam Atomic Power Station located. c. Name the state where Bengaluru Software Technology Park located. d. Name the state where Marmagao Port located. e. Name the state where Digboi oilfield located. ए। निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें: 1. उस स्थान का नाम लिखिए जहाँ दिसम्बर 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। 2. सूती मिल मजदूरों के आंदोलन से जुड़े स्थान का नाम लिखिए। ख. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: ए। उस राज्य का नाम बताइए जहाँ सलाल बाँध स्थित है। बी। उस राज्य का नाम बताइए जहाँ कलपक्कम परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थित है। सी। उस राज्य का नाम बताइए जहाँ बेंगलुरु सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थित है। डी। उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ मर्मागाँव बंदरगाह स्थित है। इ। उस राज्य का नाम बताइए जहाँ डिगबोई तेल क्षेत्र स्थित है।	

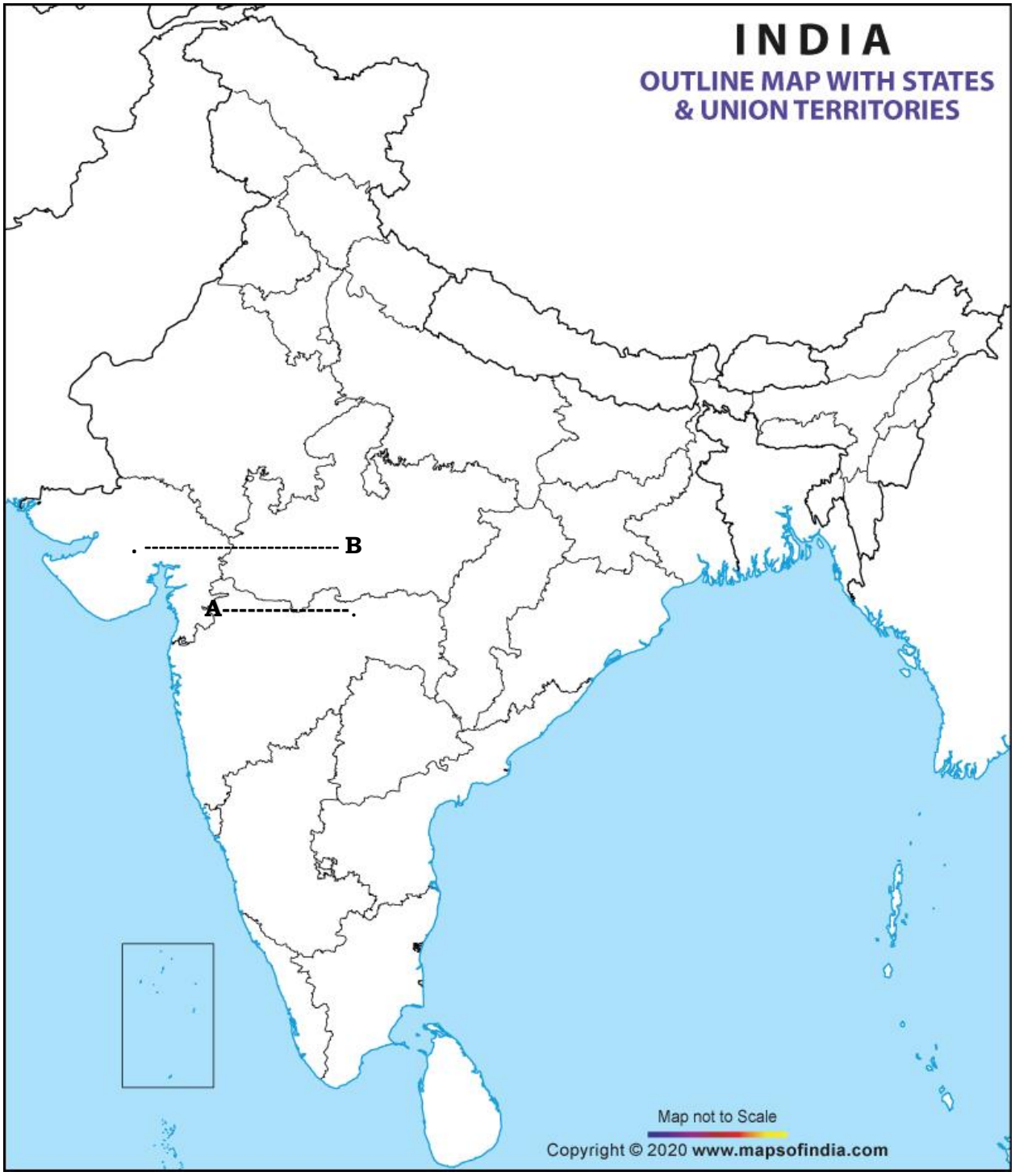
INDIA
OUTLINE MAP WITH STATES
& UNION TERRITORIES
B
A
Map not to Scale
Copyright © 2020 www.mapsofindia.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

Kendriya Vidyalaya Sangathan